3 राजधानी
वीकेंड कर्फ्यू के पहले दिन सड़कों पर सन्नाटा

6 अभिमत
जेनेटिक इंजीनियरिंग है मानव जाति का बेहतर भविष्य

11 स्पोर्ट्स
रवि ने खिताब बरकरार रखा

12 विदेश
बाइडन, सुगा ने चीनी प्रभाव पर चर्चा की

RNI NO.DELHI/2012/48369
वर्ष 9 अंक 160
नई दिल्ली, रविवार, 18 अप्रैल, 2021
पृष्ठ 12+4 मूल्य ₹ 3
नगर संस्करण

नई दिल्ली, लखनऊ, रायपुर और फरीदाबाद से प्रकाशित

पायनियर

www.dailypioneer.com

बस खेलो
आज के अंक के साथ
एजेण्डा

कुंभ से भागीदारी खत्म करने का जूना अखाड़े का ऐलान

- बाकी बचे कुंभ को सांकेतिक रूप से संपन्न करने के पीएम के अनुरोध को माना
- महामंडलेश्वर ने कहा-भारत की जनता और उसके जीवन को बचाना हमारी पहली प्राथमिकता

प्रधानमंत्री की अपील का असर

पायनियर समाचार सेवा। हरिद्वार/नई दिल्ली

हरिद्वार में चल रहे कुंभ में कोरोना के बढ़ते मामलों के चलते हर की पैड़ी पर गिने-चुने श्रद्धालु ही दिखाई दिए

बढ़ते कोरोना वायरस संक्रमण के मद्देनजर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की कुंभ मेले के बाकी बचे हिस्से को सांकेतिक रखने की अपील के बाद जूना अखाड़ा के आचार्य महामंडलेश्वर स्वामी अवधेशानंद गिरि ने शनिवार को अखाड़े के लिए महाकुंभ के औपचारिक समापन का ऐलान कर दिया।

पंच दश नाम जूना अखाड़ा 13 अखाड़ों में सबसे बड़ा है। स्वामी अवधेशानंद गिरि ने कहा कि कुंभ के बाकी बचे शाही स्नान को 27 अप्रैल को सांकेतिक रूप से संपन्न किया जाएगा। बाद में ट्वीट किया कि भारत की जनता और उसके जीवन को बचाना हमारी पहली प्राथमिकता है। हिंदी में किए गए ट्वीट में प्रधानमंत्री ने कहा, 'मैंने अनुरोध किया है कि दो शाही स्नान हो चुके हैं और कुंभ (भागीदारी) को अब संकेतात्मक रखना चाहिए। इससे इस संकट से लड़ने में मदद मिलेगी।' मोदी ने कहा सभी साधु-संत प्रशासन के साथ सहयोग कर रहे हैं और उन्होंने संतों के इस कदम के लिए आभार जताया। पिछले दो हफ्तों में कुंभ में भाग लेने वाले हजारों लोग कोरोना वायरस से संक्रमित हो चुके हैं और करीब एक दर्जन साधु-संत संक्रमण से जान गंवा चुके हैं। देश में जंगल की आग की तरह फैल रही कोविड-19 की दूसरी लहर के दौरान इस विशाल धार्मिक जमावड़े को अनुमति देने को लेकर देश और विदेश में जमकर आलोचना हो रही थी। इससे पहले मीडिया को संबोधित करते हुए गिरि ने कहा कि पीएम ने उन्हें फोन कर कुंभ मेले तथा संतों के स्वास्थ्य के बारे में जानकारी ली। पीएम ने यह भी अनुरोध किया कि चूंकि मुख्य शाही स्नाना समाप्त हो चुका है लिहाजा कुंभ अब सांकेतिक रूप में चले।

जूना अखाड़ा प्रमुख ने कहा कि उनका देश भर में फैले श्रद्धालुओं से आग्रह है कि वे सीमित संख्या में हरिद्वार आए। साथ ही उन्होंने कहा कि बाकी शाही स्नान सांकेतिक रूप में होगा। बाकी स्नान मुख्य रूप से बैरागी अखाड़ों को करना है। इससे पहले निरंजनी अखाड़े ने बढ़ते कोरोना मामलों के मद्देनजर 17 अप्रैल को अपने साधुओं से उनके गंतव्य को लौट जाने को कहा था। आनंद अखाड़ा ने भी उसका समर्थन किया था। 12 अप्रैल को सोमवती अमावस्या तथा 14 अप्रैल को मेष संक्रांति के मौके पर दो शाही स्नान में 48.51 लाख लोगों ने भाग लिया था। इस दौरान फेस्क मास्क पहनने, सोशल डिस्टेंसिंग जैसे कोविड नियमों का खुला उल्लंघन किया गया था। भरपूर कोशिशों के बावजूद पुलिस दोनों शाही स्नानों के मौके पर अखाड़ा के संतों पर मानक संचालन प्रक्रिया लागू नहीं कर पाई। इस बार कुंभ के आयोजन को पहले ही एक माह का करते हुए 1 से 30 अप्रैल तक आयोजित किया गया था। 12 सालों में एक बार आने वाले इस कार्यक्रम का आयोजन सामान्य स्थितियों में जनवरी मध्य से अप्रैल तक किया जाता है। इस बीच, मुख्यमंत्री तीरथ सिंह रावत ने भी ट्वीट कर प्रधानमंत्री के ट्वीट का समर्थन करते हुए बाकी कुंभ मेले को सांकेतिक तौर पर मनाने का अनुरोध किया।

कुंभ से लौटने वालों का कोरोना टेस्ट अनिवार्य

राजेश कुमार। नई दिल्ली

- कई राज्यों ने आरटी-पीसीआर टेस्ट के साथ क्वॉरंटीन करने के दिए आदेश

देशभर में तेजी से फैलते कोरोना संक्रमण को देखते हुए कर्नाटक, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र और गुजरात सहित कई राज्यों ने कुंभ से लौटने वालों के लिए कोविड टेस्ट अनिवार्य कर दिया है। कुछ राज्यों ने कहा है कि हरिद्वार कुंभ से आने वालों को पहले क्वॉरंटीन किया जाएगा। हरिद्वार में कुंभ मेले में आए हजारों श्रद्धालु और सैकड़ों साधु कोरोना पॉजिटिव पाए गए हैं। अकेले शनिवार को ही कुंभ मेले में भाग लेने वाले 175 साधुओं में कोरोना की पुष्टि हुई है। बड़े पैमाने पर कोरोना केस मिलने से कुंभ मेला विवादों में घिर गया है और कहा जा रहा है कि यह एक सुपरस्प्रेडर हो सकता है, क्योंकि बड़ी संख्या में यहां से कोरोना पॉजिटिव होकर लोग अपने घरों को लौट गए हैं और उनकी जांच भी नहीं हुई है। कर्नाटक, मध्य (शेष पेज 9)

कोरोना की बेकाबू रफ्तार सात दिन में 10 लाख केस

अहमदाबाद में एक अस्पताल में भर्ती किए जाने की प्रतीक्षा करता कोरोना रोगी

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

- महाराष्ट्र, दिल्ली, कर्नाटक, केरल, गुजरात और मध्य प्रदेश में मामले नई ऊंचाइयों की ओर
- यूपी में एक दिन में सर्वाधिक 120 की मौत, 27,357 नए संक्रमित

कोरोना वायरस संक्रमण की रफ्तार बेहद तेज हो गई है। 17 अप्रैल तक मात्र सात दिन में 10 लाख केस आ चुके हैं। शनिवार रात 11:30 बजे तक संक्रमण के 2,44,450 मामले दर्ज किए गए तथा इस दौरान 1334 लोगों की मौत हो गई।

संक्रमण में हो रही बढ़ोतरी 10 फीसदी के आसपास पहुंच गई है। यह साबित करता है कि पिछले दो हफ्तों में कोविड-19 के मामले दोगुने हो गए हैं। महाराष्ट्र, दिल्ली, कर्नाटक, केरल, गुजरात और मध्य प्रदेश में केस नई ऊचाइयों की ओर बढ़ रहे हैं और देश के बाकी हिस्सों में भी हालात चिंताजनक बने हुए हैं। पिछले 10 अप्रैल को देश में 1.52 लाख केस आए थे और 838 मौतें हुईं थी। यदि इनका तुलनात्मक अध्ययन किया जाए तो मौतों तथा संक्रमण के आंकड़े तेज गति से बढ़ रहे हैं। संक्रमण और मौतों के मामलों की रफ्तार जहां तेज है वहीं देश भर में अस्पतालों में बिस्तर, ऑक्सीजन की आपूर्ति, वेंटिलेटर (शेष पेज 9)

षष्टं कात्यायनी

चंद्रहासोज्वलकरा शार्दूलवरवाहना।
कात्यायनी शुभं दद्यादेवी दानवघातिनी॥

नवरात्र में छठे दिन मां कात्यायनी की पूजा की जाती है। इनकी उपासना और आराधना से भक्तों को बड़ी आसानी से अर्थ, धर्म, काम और मोक्ष चारों फलों की प्राप्ति होती है। उसके रोग, शोक, संताप और भय नष्ट हो जाते हैं। जन्मों के समस्त पाप भी नष्ट हो जाते हैं। इस देवी को नवरात्र में छठे दिन पूजा जाता है। कात्य गोत्र में विश्वप्रसिद्ध महर्षि कात्यायन ने भगवती पराम्बा की उपासना की। कठिन तपस्या की। उनकी इच्छा थी कि उन्हें पुत्री प्राप्त हो। मां भगवती ने उनके घर पुत्री के रूप में जन्म लिया। इसलिए यह देवी कात्यायनी कहलाईं। इनका गुण शोधकार्य है। इसीलिए इस वैज्ञानिक युग में कात्यायनी का महत्व सर्वाधिक हो जाता है। इनकी कृपा से ही सारे कार्य पूरे जो जाते हैं। यह वैद्यनाथ नामक स्थान पर प्रकट होकर पूजी गईं।

राजधानी में 24 हजार केस, हालात नाजुकः केजरीवाल

- मरीजों के लिए ऑक्सीजन, रेमडेसिविर व टोसीलीजुमैब की आपूर्ति में कमी
- केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री हर्षवर्धन से दवाएं उपलब्ध कराने का अनुरोध, सरकार जल्द ही छह हजार नए बेड जोड़ेगी

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

हमेशा व्यस्त रहने वाले दिल्ली के दिल कनॉट में साप्ताहिक लॉकडाउन के पहले दिन शनिवार को पसरा सन्नाटा। फोटो : रंजन डिमरी

देश के बाकी हिस्सों की तरह राजधानी दिल्ली में कोरोना बहुत तेजी से फैल रहा है। यहां पिछले 24 घंटे में लगभग 24 हजार नए केस आए हैं। एक दिन पहले यहां 19,500 केस दर्ज किए गए थे।

अब सकारात्मक मामलों की दर 24 फीसद से ज्यादा हो गई है। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने कहा कि हालात बहुत चिंताजनक हो गए हैं। शहर के अस्पतालों में ऑक्सीजन और रेमडेसिविर दवा की कमी होने लगी है। सरकार हालात को संभालने की पूरी कोशिश में जुटी है। यदि स्थिति और गंभीर होती है, तो कड़े कदम उठाए जाएंगे। मुख्यमंत्री ने शनिवार को संबंधित अफसरों और नगर निगम महापौरों के साथ कई बैठकें कीं। इसके बाद उन्होंने कहा कि कोरोना से निपटने के लिए हम ज्यादा से ज्यादा स्वास्थ्य सुविधाओं का इंतजाम कर रहे हैं। अगले दो से चार दिनों के अंदर करीब छह हजार बेड और बढ़ाए जाएंगे। सीएम ने कहा कि कोरोना के केस तेजी से बढ़ने की वजह से दिल्ली में ऑक्सीजन, रेमडेसिविर और पॉसिलिजमॉब की कमी होती जा रही है। अधिकारियों को निर्देश दिया गया है कि वे इन दवाओं की जमाखोरी और ब्लैक मार्केटिंग करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करें। क्षमता से अधिक सैंपल उठाने और 24 घंटे में रिपोर्ट नहीं देने वाली लैब्स के खिलाफ भी सख्त कार्रवाई की जाएगी। यही नहीं, कोरोना एप पर गलत जानकारी देने और उपलब्ध होने के बावजूद बेड नहीं देने वाले अस्पतालों पर भी एक्शन होगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री हर्षवर्धन से दिल्ली में कोरोना वायरस के रोगियों के लिए ऑक्सीजन, रेमडेसिविर और टोसीलीजुमैब की आपूर्ति करने का आग्रह किया है। उन्होंने दिल्ली में केंद्र सरकार द्वारा संचालित अस्पतालों में 50 फीसदी बिस्तर कोविड-19 रोगियों के लिए आरक्षित करने की भी मांग की है। केजरीवाल ने कहा कि सरकार का सबसे बड़ा लक्ष्य ऑक्सीजन युक्त बिस्तरों की संख्या बढ़ाना है। अगले तीन-चार दिनों में सरकार छह हजार नए बिस्तर जोड़ेगी, जिसमें 1300 बिस्तर यमुना क्रीड़ा परिसर व कॉमनवेल्थ गेम्स विलेज और 2500 बिस्तर राधास्वामी सत्संग परिसर में बनाए जाएंगे। होटलों और बैंक्वैट हॉल को भी हॉस्पिटल के साथ अटैच किया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि जिलाधिकारियों को निर्देश दिया गया है कि प्रयोगशालाओं पर नजर रखें और सुनिश्चित करें कि अगर उनके पास कोविड-19 के लंबित नमूने हैं तो वे नए नमूने इकट्ठा नहीं करें।

किसानों से केंद्र फिर शुरू करे बातचीतः दुष्यंत चौटाला

- हरियाणा के डिप्टी सीएम ने प्रधानमंत्री को लिखा पत्र, कहा-
- आंदोलन समाप्त कराने के लिए बने वरिष्ठ मंत्रियों की कमेटी

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली/चंडीगढ़

हरियाणा के उपमुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला ने तीन नए कृषि कानूनों को लेकर चल रहे किसान आंदोलन पर चिंता जाहिर करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र को लिखा हैं। पत्र के जरिए डिप्टी सीएम ने प्रधानमंत्री से आग्रह किया कि लंबे समय से आंदोलनरत किसान संगठनों की मांगों पर समाधान के लिए केंद्र सरकार व किसानों संगठनों के बीच दोबारा बातचीत शुरू की जाए। उन्होंने कहा कि सरकार किसान संगठनों से चर्चा के लिए तीन से चार वरिष्ठ कैबिनेट मंत्रियों की एक कमेटी बनाए ताकि किसानों की मांगों पर जल्द सौहार्दपूर्ण समाधान हो।

डिप्टी सीएम ने चिंता जाहिर करते हुए कहा कि किसान आंदोलन का लंबा चलना चिंता का विषय है क्योंकि हमारा अन्नदाता तीन नए कृषि कानूनों को लेकर सौ दिनों से अधिक दिल्ली की सीमाओं पर सड़कों पर बैठा है। उन्होंने कहा कि हर समस्या का समाधान आपसी चर्चा के माध्यम से होता है। दुष्यंत चौटाला ने कहा कि किसान संगठनों ने जो विषय उठाए थे उनमें से कई विषयों पर केंद्र सरकार व किसान संगठनों के बीच हुई पिछली (शेष पेज 9)

महाराष्ट्र में रेमडेसिविर के सभी स्टॉक जब्त करने का आदेश

टीएन रघुनाथ। मुंबई

कोरोना वैक्सीन के वितरण में भेदभाव को लेकर उठे विवाद के बाद महाराष्ट्र सरकार ने शनिवार को कहा कि राज्य में मेडिकल ऑक्सीजन और रेमडेसिविर इंजेक्शन की कमी हो गई है। सरकार ने चेतावनी दी कि रेमडेसिविर इंजेक्शन का निर्यात करने वाली कंपनियों का स्टॉक जब्त कर इसे जरूरतमंदों तक पहुंचाया जाएगा। शनिवार को ही मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने आरोप लगाया कि ऑक्सीजन और रेमडेसिविर की तत्काल आपूर्ति के लिए उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मदद मांगने की कोशिश की, लेकिन फोन पर उनकी बात नहीं हो पायी। मुख्यमंत्री ठाकरे को बताया गया कि प्रधानमंत्री मोदी चुनावी दौरे पर पश्चिम बंगाल गए हैं। राज्य सरकार के नवाब मलिक ने आरोप लगाया कि रेमडेसिविर की आपूर्ति में मोदी सरकार महाराष्ट्र के साथ सौतेला व्यवहार कर रही है। रेलमंत्री पियूष गोयल ने पलटवार करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री को ओछी राजनीति नहीं करनी चाहिए, (शेष पेज 9)

बाजार

सेंसेक्स	48,832	
निफ्टी	14,617	
सोना	46,431	/10g
चांदी	67,460	/kg

क्विक न्यूज

पश्चिम बंगाल में पांचवें चरण में भारी मतदान

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनावों के पांचवें चरण में शनिवार को हिंसा की घटनाओं और एक प्रत्याशी पर हमले के बीच 78 प्रतिशत से ज्यादा मतदान दर्ज किया गया। निर्वाचन आयोग ने कहा कि दक्षिण बंगाल के उत्तर 24 परगना, पूर्वी बर्धमान और नादिया जिले तथा उत्तर के जलपाईगुड़ी, दार्जीलिंग व कलिम्पोंग जिलों में फैली 45 सीटों पर हो रहे चुनावों में शाम पांच बजे तक 1.13 करोड़ मतदाताओं में से 78.09 प्रतिशत ने मताधिकार का इस्तेमाल किया था। सबसे ज्यादा 81.73 प्रतिशत मतदान जलपाईगुड़ी जिले में देखने को मिला।

लालू प्रसाद यादव की रिहाई का रास्ता साफ

- झारखंड हाईकोर्ट ने दुमका कोषागार मामले में दी जमानत

पायनियर समाचार सेवा। रांची

लालू प्रसाद यादव की फाइल फोटो

झारखंड उच्च न्यायालय ने राजद प्रमुख लालू प्रसाद यादव को करोड़ों रुपए के चारा घोटाले में दुमका कोषागार से गबन के मामले में शनिवार को करीब चालीस माह बाद जमानत दे दी। अदालत ने उन्हें दस लाख रुपए जुर्माने की राशि जमा करने, विदेश नहीं जाने और मोबाइल नंबर नहीं बदलने की शर्त के साथ एक-एक लाख रुपए के दो निजी मुचलकों पर जमानत दी है।

उनका अभी दिल्ली स्थित अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान में न्यायिक हिरासत में इलाज चल रहा है। न्यायमूर्ति अपरेश कुमार सिंह की पीठ ने केन्द्रीय जांच ब्यूरो के विरोध को दरकिनार करते हुए लालू प्रसाद को जमानत दे दी। लालू देवघर कोषागार से लगभग 89 लाख रुपए की राशि के गबन के आरोप में यहां सीबीआई की विशेष अदालत द्वारा 23 दिसंबर 2017 को दोषी ठहराए जाने के बाद से जेल में थे।

सोमवार को सीबीआई की विशेष अदालत में जमानत बांड, निजी मुचलके आदि की प्रक्रिया पूरी कर लेने पर उनके रिहा हो जाने की संभावना है क्योंकि चारा घोटाले के अन्य तीन मामलों में उन्हें पहले ही जमानत मिल चुकी है। लालू के स्थानीय अधिवक्ता देवर्षि मंडल ने कहा कि लालू की रिहाई के लिए सभी आवश्यक कार्वाई सोमवार को सीबीआई अदालत खुलने पर पूरी कर लिए जाने की संभावना है।

अदालत में शनिवार को सुनवाई के दौरान सीबीआई की ओर से केन्द्र सरकार के अतिरिक्त महाधिवक्ता राजीव सिन्हा ने लालू प्रसाद को फिलहाल जमानत देने का यह कह कर विरोध किया कि दुमका कोषागार मामले में उन्हें 14 वर्ष की जेल की सजा सुनाई है लिहाजा जमानत के लिए आधी सजा पूरी करने का आधार तभी माना जाएगा जब लालू इस मामले में न्यायिक हिरासत में सात वर्ष की अवधि पूरी कर लेंगे। लालू की ओर से दिल्ली से वीडियो कांफ्रेंस के माध्यम से पैरवी कर रहे वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल ने सीबीआई की दलील का विरोध किया और कहा कि 19 फरवरी को उच्च न्यायालय ने (शेष पेज 9)

जीवनरक्षक रेमडेसिविर की कीमतों में भारी कटौती

- सरकारी हस्तक्षेप के बाद दवा कंपनियों ने इंजेक्शन के दाम कम किए

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

मरीजों को राहत

कंपनी का नाम	ब्रांड	पूर्व मूल्य	वर्तमान मूल्य
कैडिला हेल्थकेयर	रेमडैक	2,800 रुपये	899 रुपये
सिंजीन इंटरनेशनल	रेमविन	3950 रुपये	2,450 रुपये
डॉ. रेड्डीज लैब	रेडिक्स	5,400 रुपये	2,700 रुपये
सिप्ला	सिप्रेमी	4,000 रुपय	3,000 रुपये
माइलान	डेसरेम	4,800 रुपये	3,400 रुपये
जुबिलैंट जेनेरिक्स	जुबी-आर	4,700 रुपये	3,400 रुपये
हेट्रो हेल्थकेयर	कोवीफॉर	5,400 रुपये	3,490 रुपये

कोरोना मरीजों की बढ़ती संख्या के बाद पूरे देश में एंटी-वायरल दवा रेमडेसिविर की मांग में बढ़ोतरी को देखते हुए केंद्र सरकार ने शनिवार को 2,450 रुपये में मिलने वाले इंजेक्शन की कीमत में कटौती कर आधा कर दिया है।

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के क्लीनिकल मैनजमेंट प्रोटोकॉल के तहत कोविड-19 के गंभीर मरीजों को बचाने के लिए रेमडेसिविर का उपयोग किया जा सकता है। दवा कंपनी केडिला हेल्थकेयर, डॉ. रेड्डीज लैबोरेटरीज और सिप्ला ने रेमडेसिविर इंजेक्शन (100 मिग्रा की शीशी) के अपने अपने ब्रांड के दाम कम किए हैं। केंद्रीय रसायन एवं उर्वरक मंत्री सदानंद गौडा ने दवा कंपनियों द्वारा उठाये गये इस कदम पर प्रसन्नता जाहिर की है।

ट्वीट कर उन्होंने कहा कि इस नाजुक समय में यह लोगों के लिए बड़ी राहत है। सरकार के हस्तक्षेप के बाद रेमडेसिविर के दाम अब कम हुए हैं। मैं औषधि कंपनियों का आभार व्यक्त करता हूं कि उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की कोविड-19 के खिलाफ जारी लड़ाई में साथ दिया है। रसायन एवं उर्वरक राज्य मंत्री मनसुख एल मंडाविया ने भी ट्वीटर पर लिखा कि सरकार के हस्तक्षेप के चलते रेमेडेसिवीर के मूल्य कम कर दिए गए हैं। मैं औषधि कंपनियों का आभारी हूं कि उन्होंने कोविड-19 महामारी का मुकाबला करने में सरकार का साथ दिया है। इस बीच, महाराष्ट्र में रेमडेसिविर इंजेक्शन की उपलबधता को लेकर राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) के नेता नवाब मलिक और केंद्रीय राज्यमंत्री मनसुख मांडाविया के बीच शब्द बाण चल गये। मलिक ने अलग अलग ट्वीट में आरोप लगाया कि केंद्र सरकार विभिन्न निर्यातोन्मुखी इकाइयों को उनकी दवा को देश में बेचने की अनुमति नहीं दे रही है। वहीं मांडाविया ने उनके आरोपों को पूरी सख्ती के साथ खारिज करते हुये कहा कि सरकार दवा का उत्पादन दुगुना करने के लिये हर संभव प्रयास कर रही है।

नोएडा में कोरोना महामारी की मार और हुई घातक

आईपीएस अंकिता शर्मा समेत 493 लोग हुए संक्रमित

● 50 से ज्यादा पुलिस वाले भी पॉजिटिव

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

फाइल फोटो

गौतमबुद्धनगर में कोरोना वायरस कहर बनकर टूट रहा है। शनिवार सुबह हुई जारी रिपोर्ट के मुताबिक जिले में पिछले 24 घंटों के दौरान 493 लोग कोरोना संक्रमित पाए गए हैं और एक और व्यक्ति की मौत कोरोना वायरस से हुई है। जनपद में अब कोविड-19 संक्रमण से मरने वाले लोगों की संख्या बढ़कर 101 तक पहुंच गई है और यहां संक्रमित मरीजों की कुल संख्या अब 29 हजार से ऊपर हो गई है।

कोरोना वायरस से संक्रमित मरीजों का हाल बेहाल है। उन्हें यहां के सरकारी और निजी अस्पतालों में उपचार के लिए बेड नहीं मिल रहा है। लोग असहाय स्थिति में इधर से उधर भटक रहे हैं। यहां पर ज्यादातर निजी और सरकारी कोविड-19 अस्पतालों में बेड खाली नहीं है। आलम यह है कि 4 दिनों में 2000 से ज्यादा मरीज पाए गए हैं। जिला निगरानी अधिकारी डॉक्टर सुनील दोहरे ने बताया कि शनिवार सुबह तक कोरोना वायरस से संक्रमित 492 मरीज पाये गए हैं। यहां के विभिन्न अस्पतालों में 2800 से ज्यादा मरीजों का उपचार चल रहा है। अब तक जनपद में 26 हजार से ज्यादा मरीज उपचार के दौरान ठीक होकर अस्पताल से डिस्चार्ज हो चुके हैं, जबकि 29 हजार से ज्यादा मरीज अब तक जिले में कोविड.19 से संक्रमित पाए गए हैं।

उन्होंने बताया कि जनपद में अब तक कोविड-19 के संक्रमण की वजह से 101 लोगों की मौत हो चुकी है। विगत कुछ दिनों में कोरोना वायरस के संक्रमण में तेजी आई है। उन्होंने लोगों से अपील किया है कि कोरोना वायरस के बढ़ते प्रकोप को ध्यान में रखते हुए सोशल डिस्टेंसिंग का पालन करें, मास्क लगाएं तथा साफ सफाई का ध्यान रखें। जरूरत हो तभी घर से निकलें। कोरोना वायरस के संक्रमण के बढ़ने की वजह से यहां के अस्पतालों में वैड फूल हो गए हैं। संक्रमण के शिकार लोगों को अस्पतालों में जगह नहीं मिल रही है। बुजुर्ग और गंभीर स्थिति के मरीजों के परिजन अस्पतालों के चक्कर काट रहे हैं। लेकिन मरीज भर्ती नहीं हो रहे हैं। आलम यह है कि लोग मजबूरन घर पर ही उपचार कर रहे हैं। सहायक पुलिस आयुक्त अंकिता शर्मा थाना फेस-2 के थानाध्यक्ष सुजीत उपाध्याय सहित 50 से ज्यादा पुलिसकर्मी कोविड-19 से संक्रमित हो गए हैं।

SALE NOTICE

The under mentioned Assets will be sold through auction on **"AS IS WHERE IS BASIS"** and **"AS IS WHAT IS BASIS"** for recovery of dues as per court orders, in the following cases:-

Case Details	Asset Details	Reserve Price	EMD Amount
ICICI Bank Limited Vs Surekha Jagbhushan Arya, Case No- CS (COMM)1160/19	Vehicle No- UP16BS5585, Make and Model- HYUNDAI EON MAGNA PLUS S, Manu Yr- 2018	Rs.2,80,000/-	Rs.28,000/-
ICICI Bank Limited Vs Chand Saifi, Case No- Case No- 6/18.	Vehicle No- UP16ET2968, Make and Model- NISSAN GO T, Manu Yr- 2017	Rs.80,000/-	Rs.8,000/-
ICICI Bank Limited Vs Suraj Singh, Case No- CS No. 19678/16	Vehicle No- DL1CS9562, Make and Model- DATSUN GO, Manu Yr- 2015	Rs.80,000/-	Rs.8,000/-
ICICI Bank Limited Vs Sachin Nischal, Case No- CS No 3757/18	Vehicle No- DL1RTB3165, Make and Model- MARUTI WAGON R, Manu Yr-2016	Rs.1,60,000/-	Rs.16,000/-
ICICI Bank Limited Vs Hari Singh, Case No- CS 86/2015	Vehicle No- HR29AG1403, Make and Model- FIAT PUNTO, Manu Yr- 2014	Rs.1,00,000/-	Rs.10,000/-
ICICI Bank Limited Vs Sachin Knowles, Case No- Suit No.1908/19	Vehicle No- HR51BP3786, Make and Model- MARUTI ALTO K10, Manu Yr- 2017	Rs.1,60,000/-	Rs.16,000/-
ICICI Bank Limited Vs Paramjeet Singh, Case No- CS DJ 11495/16	Vehicle No- UP14CH3120, Make and Model- MARUTI WEGON R LXi, Manu Yr- 2014	Rs.80,000/-	Rs.8,000/-
ICICI Bank Limited Vs Vikash Kumar Verma, Case No- CS DJ 900/18	Vehicle No- DL1ZA8496, Make and Model- CHEVROLET SAIL, Manu Yr- 2016	Rs.1,00,000/-	Rs.10,000/-
ICICI Bank Limited Vs Sonu Chawara, Case No- CS (COMM) 455/2020	Vehicle No- UP16AX5506, Make and Model- HYUNDAI GRAND I 10 MAGNA, Manu Yr- 2014	Rs.1,20,000/-	Rs.12,000/-
ICICI Bank Limited Vs Saksham Kathuria, Case No- CS No. 1791/2018	Vehicle No- UP16DT8933, Make and Model- HYUNDAI XCENT, Manu Yr- 2016	Rs.90,000/-	Rs.9,000/-
ICICI Bank Limited Vs Brijesh Sharma, Case No- Suit No. 1772/18	Vehicle No- UP16BF9360, Make and Model- MARUTI ALTO 800 LXI, Manu Yr- 2016	Rs.90,000/-	Rs.9,000/-
ICICI Bank Limited Vs Vikram Pal, Case No- Old Suit No. 23/17, New Suit No. 446/17	Vehicle No- DL10CB4740, Make and Model- CHEVROLET BEAT DIESEL LS, Manu Yr- 2013	Rs.20,000/-	Rs.2,000/-
ICICI Bank Limited Vs Punit., Case No- CS (Comm) 900/2019	Vehicle No- HR55AA9780, Make and Model- MAHINDRA KUV 100 K4 PLUS D, Manu Yr- 2016	Rs.1,40,000/-	Rs.14,000/-
ICICI Bank Limited Vs Meenakshi Singh Kharwar, Case No- CS DJ 6476/18	Vehicle No- UP16ET3403, Make and Model- NISSAN ACTIVE XV, Manu Yr- 2017	Rs.1,20,000/-	Rs.12,000/-
ICICI Bank Limited Vs Ram Sewak, Case No- CS 68/2020	Vehicle No- UP14FT7944, Make and Model- CHEVROLET BEAT PS PETROL, Manu Yr- 2016	Rs.80,000/-	Rs.8,000/-
ICICI Bank Limited Vs Mohd Hanif Ansari, Case No- CS (Commercial) No. 1532/2019	Vehicle No- DL5CL1430, Make and Model- MARUTI UDYOG LTD ZXI, Manu Yr- 2015	Rs.80,000/-	Rs.8,000/-
ICICI Bank Limited Vs Subodh Kumar, Case No- Suit No 471/17	Vehicle No- UP14FT7914, Make and Model- MARUTI ECS VX, Manu Yr- 2006	Rs.50,000/-	Rs.5,000/-
ICICI Bank Limited Vs Sanjeev Kumar, Case No- CS (COMM) 2338/19	Vehicle No- DL1ZB2383, Make and Model- CHEVROLET SAIL LS, Manu Yr-2017	Rs.1,30,000/-	Rs.13,000/-
ICICI Bank Limited Vs Dinesh Singh, Case No- CS (Commercial) No. 1912/2019	Vehicle No- UP14FT7132, Make and Model- MARUTI LXI CNG, Manu Yr- 2016	Rs.1,20,000/-	Rs.12,000/-
ICICI Bank Limited Vs Saurabh Malhotra, Case No- CS (COMM) 923/20	Vehicle No- DL10CJ7651, Make and Model- MARUTI CIAZ ALPHA, Manu Yr- 2017	Rs.4,20,000/-	Rs.42,000/-
ICICI Bank Limited Vs Amandeep Singh Chhabra, Case No- CS (COMM) 1146/19	Vehicle No- Unregistered Make and Model- HYUNDAI MOTORS LTD Excent, Manu Yr-2017	Rs.1,20,000/-	Rs.12,000/-
ICICI Bank Limited Vs Jaideep Kishor, Case No- CS (COMM) 1106/2020	Vehicle No- DL5CP1041, Make and Model- HYUNDAI MOTORS LTD GRAND I 10 SPORTZ, Manu Yr- 2017	Rs.2,00,000/-	Rs.20,000/-
ICICI Bank Limited Vs Akash Sharma, Case No- CS (COMM) No. 735/20	Vehicle No- DL1ZB7072, Make and Model- XCENT VTVT S, Manu Yr- 2018	Rs.2,00,000/-	Rs.20,000/-
ICICI Bank Limited Vs Arjun., Case No- CS (COMM) 16/19	Vehicle No- HR51BH4112, Make and Model- HYUNDAI MOTORS LTD MAGNA, Manu Yr- 2015	Rs.1,60,000/-	Rs.16,000/-
ICICI Bank Limited Vs Jagteshwari., Case No- CS (COMM) No. 581/20	Vehicle No- DL2CAU5739, Make and Model- MARUTI UDYOG LTD SWIFT DZIRE ZXI, Manu Yr- 2015	Rs.1,80,000/-	Rs.18,000/-

Auction Date and time: 27.04.2021; from 11 am to 2 pm.
Venue: Godara Yard, Khewat No: 166/1, Near Atul Kataria Chock, Behind Gyan Devi School, Sec-17, Sukhrali, Gurugram-122022.
Contact Person- Rajeev Ranjan (8584874809)/Jitendra Kumar (7304914763)
EMD: DD/PO of EMD amount to be made in favour of ICICI Bank Limited, payable at Delhi. And auction of following vehicles will be done at another yard i.e Shriram Automall, Vill- Mamurpur, Pio Maniyari Road Narela, New Delhi

Case Details	Asset Details	Reserve Price	EMD Amount
ICICI Bank Limited Vs Dharmender Pawar, Case No- CS (COMM) 50/2020	Vehicle No- DL1MA2911, Make and Model- TATA MOTORS LTD LPT 909, Manu Yr- 2019	Rs.10,50,000/-	Rs.1,05,000/-
ICICI Bank Limited Vs Nadeem., Case No- CS (COMM) 2874/19	Vehicle No- UP14HT5899, Make and Model- MAHINDRA & MAHINDRA LTD SUPRO MAXI TRUCK T2 BSIV, Manu Yr- 2018	Rs.2,00,000/-	Rs.20,000/-

Auction Date: 27.04.2021; from 11 am to 1 PM
Venue: Shriram Automall, Vill- Mamurpur, Pio Maniyari Road Narela, New Delhi, Narela, Delhi, 110040.
Contact Person- Rajeev Ranjan (8584874809)/ Jitendra Kumar (7304914763)

Terms of Sale

The particulars of the said asset specified herein above have been stated to the best of the information and knowledge of the undersigned, who shall however not be responsible for any error, misstatement or omission in the said particulars. The interested participant/s are therefore requested, in their own interest, to satisfy himself / themselves/ itself with regard to the said asset and other relevant details pertaining to it before submitting the bids. All bidders are required to come at site with original DD/PO of EMD amount along with original KYC proofs to participate in the auction.

Successfully approved bidder shall have to deposit sale amount (Excluding EMD amount) within 5 days from the auction date by the way of pay order/demand draft/RTGS/NEFT. In case if you fail to make the remaining sale amount within 5 days, your EMD amount will be forfeited.

The intending bidders may visit at **ICICI Bank Ltd, 1st Floor, SD Tower, Community Center, Plot No- 7, Rohini Sector-8, New Delhi-110085.** for details and inspection of the said hypothecated vehicle.

राहत : गाजियाबाद व हापुड़ को मिला 440 बेड का कोविड अस्पताल

कोरोना के मरीजों के लिए आईसीयू के 40 बिस्तर और एचडीयू के लिए 20 बेड किए आरक्षित

● हॉस्पिटल प्रबंधन के साथ सामंजस्य बनाने के लिए नोडल अधिकारी नियुक्त

अशोक निर्वाण। गाजियाबाद

कोरोना संक्रमण से जूझ रहे गाजियाबाद व हापुड़ जिले के लोगों के लिए एक राहत भरी बड़ी खबर है। संक्रमित लोगों को इलाज के लिए भटकना पड़ रहा है और बैड उपलब्ध नहीं हो पा रहे है। ऐसे में शनिवार को एक अच्छी खबर आई है। उत्तर प्रदेश की योगी सरकार ने गाजियाबाद व हापुड़ में कोविड-19 मरीजों के लिए 440 बेड की क्षमता वाले अस्पताल की अनुमति दे दी है। कोरोना लेवल-3 डेडिकेटेड यह अस्पताल हापुड़ के रामा मेडिकल कॉलेज का अस्पताल है जिसमें 40 बेड आईसीसीयू, 20 बैड एचडीयू के लिए हैं।

जिलाधिकारी डॉ अजय शंकर पांडे ने अस्पताल प्रबंधन के साथ सामंजस्य के लिए नोडल अधिकारी की नियुक्ति कर दी है। जिलाधिकारी ने बताया कि अस्पताल की जरूरत को महसूस करते हुए उन्होंने शासन को चार सौ बेड कोविड-19 अस्पताल की अनुमति देने की के लिए शासन को पत्र भेजा था। जिसके बाद शासन ने 440 बेड का कोविड-19 अस्पताल बनाने की स्वीकृति दे दी है। उन्होंने बताया कि यह अस्पताल हापुड़ जिले के रामा अस्पताल मेडिकल कॉलेज में होगा।

गाजियाबाद के कोरोना मरीजों को अस्पताल में भर्ती कराया जाएगा। डॉक्टर पांडेय ने बताया कि जिला प्रशासन का फोकस इस समय ऑक्सीजन,रेमडीसीवीर इंजेक्शन व अस्पतालों में ज्यादा से ज्यादा बैड की उपलब्धता पर है। इसके लिए वह खुद रोजाना संबंधित अधिकारियों के साथ समीक्षा कर रहे हैं। उन्होंने आज इसको लेकर निर्देश दिए हैं कि किसी भी अस्पताल में यदि कोई कोरोना संक्रमित मरीज जाता है तो उसको तत्काल प्राथमिक इलाज दिया जाए। इसके बाद जिस भी अस्पताल में बैड उपलब्ध हो उसे वहां पर शिफ्ट कर दिया जाए।

हापुड़ में स्थित रामा मेडिकल कॉलेज का दृश्य।

शराब ठेका बंद रखने के डीएम ने दिए आदेश

गाजियाबाद। जिले में भले ही पंचायत चुनाव हो चुके हों लेकिन पड़ोसी जिलों गौतमबुद्धनगर, मेरठ, बागपत, हापुड़ में अभी चुनाव बाकी है। चुनाव पड़ोस के जिलों में होंगे लेकिन उसकी मार गाजियाबाद के शराब कारोबारियों पर पड़ेगी। डीएम अजय शंकर पांडे ने चुनावों के मद्देनजर मतदान वाले जिलों की सीमा पर गाजियाबाद जिले में आने वाले शराब के ठेकों को बंद रखने के आदेश जारी किए हैं। जिलों से सटे क्षेत्रों में इस तरह अप्रैल अंत तक नौ दिन शराब की दुकानें बंद रहेंगी।

बता दें कि पहले चरण में गाजियाबाद में मतदान हो चुका है। दूसरे चरण में गौतमबुद्धनगर, बागपत में 19 अप्रैल को, तृतीय चरण में मेरठ में 26 अप्रैल को और चतुर्थ चरण हापुड़ में 29 को मतदान होना है।

हिंडन मोक्ष स्थल श्मशान घाट पर हालात और बिगड़े

शवों के आने का सिलसिला जारी, मजबूर परिजन जंगलों में कर रहे मृतकों का अंतिम संस्कार

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

महानगर के सबसे बड़े श्मशान घाट हिंडन मोक्ष स्थली में अभी भी अव्यवस्था बनी हुई है और शवों की लंबी कतार टूटने का नाम नहीं ले रही है। विद्युत शवदाह गृह अभी भी तकनीकी कारणों से चालू नहीं हो सका है। शाम 4:00 बजे तक समाचार लिखे जाने तक दाह संस्कार के इंतजार में लगभग 4 दर्जन शवों की लंबी कतार लगी हुई थी

श्मशान घाट प्रशासन की नाकामी के चलते यहां से गुजरने वाली सर्विस रोड पर ही कुछ लोगों ने दाह संस्कार कर दिया। शहर में और भी शमशान घाट हैं वहां इस प्रकार की अव्यवस्था नहीं है। उधर नगर निगम में भाजपा दल के सचेतक पार्षद हिमांशु मित्तल ने नगर आयुक्त से आग्रह किया है कि इस व्यवस्था को तुरंत सुधारें। अगर नगर निगम के वश में यह व्यवस्था नहीं है तो नागरिकों को सौंप दें हम खुद इस व्यवस्था को ठीक कर देंगे।

यह भी पता चला है कि कुछ लोगों ने अपने प्रियजनों के शवों को यहां जगह न मिलने पर दूर जंगलों में उनका अंतिम संस्कार कर दिया। श्मशान घाट पर मौजूद परिजनों का कहना है कि एक शव दाह संस्कार करने में दो से 3 घंटे का इंतजार करना पड़ रहा है।

हालांकि शवों के दाह संस्कार के लिए टोकन दिए जा रहे हैं, लेकिन इस टोकन से फायदा क्या किसी को यही नहीं पता है कि उनके शव का दाह संस्कार कब होगा।

हिंडन शमशान घाट के प्रशासक और प्रबंधक आचार्य मनीष शर्मा का कहना है कि शनिवार को श्मशान घाट पर शवों की संख्या में बड़ी तेजी के साथ इजाफा हुआ है। यहां लाए गए चार दर्जन शवों में लगभग 21 शव कोरोना से संक्रमित हैं। जिले का स्वास्थ्य विभाग लगातार रिपोर्ट जारी करके कोरोना से मरने वालों की संख्या ना के बराबर बता रहा है जबकि श्मशान घाट पर कोरोना से संक्रमित शवों की संख्या धरातल पर लगातार लंबी कतार बना रही हैं।

हिंडन मोक्षस्थली पर अंतिम संस्कार के लिए रखे शवों के साथ मृतकों के परिजन।

मास्क नहीं पहनने पर 3628 लोगों का चालान

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

● एसएसपी व्यवस्था संभालने खुद उतरे

महानगर गाजियाबाद में बढ़ते कोरोना संक्रमण को गंभीरता से लेते हुए वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अमित पाठक अपनी टीम के साथ देर रात खुद मैदान में उतर गए। उन्होंने इंदिरापुरम के कई मॉल व बाजारों का दौरा किया और खुद मास्क ना पहनने वाले लोगों का चालान भी किया।

उन्होने बाजारों में पैदल गश्त की। साथ ही उन्होंने अपने अधीनस्थ अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे इसको लेकर कतई लापरवाही ना बरतें जो भी व्यक्ति बिना मास्क के दिखाई दे उसके खिलाफ तत्काल कार्रवाई की जाए। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ने बताया कि शुक्रवार को गाजियाबाद में लगभग 3 हजार 628 लोगों के चालान किए गए। यह सभी बिना मास्क के घूम रहे थे। साथ ही बताया कि शहरी क्षेत्र में 2315 लोगों व ग्रामीण क्षेत्र में 13 सौ लोगों के चालान किए गए हैं। इसके अलावा यातायात पुलिस ने कुल 13 लोगों के चालान किए हैं। इन सभी के चालान आईपीसी की धारा 188 के अंतर्गत किए गए। पाठक ने कहा कि यह अभियान जारी रहेगा और रविवार को लॉकडाउन का सख्ती के साथ पालन कराया जाएगा।

मास्क नहीं तो सामान नहीं

पुलिस ने शनिवार को यहां के विभिन्न व्यापार मंडलों को निर्देश दिए हैं कि कोई भी दुकानदार उन ग्राहकों को जरूरी सामान ना दे जो मास्क नहीं पहने हुए हैं। यदि कोई भी दुकानदार इन नियमों का उल्लंघन करता हुआ पाया गया तो उसके खिलाफ आर्थिक दंड के रूप में कड़ी कार्यवाही की जाएगी। इस आशय के अनाउंसमेंट पुलिस अधिकारियों ने यहां के बाजारों में जाकर किए। साथ ही लोगों से बाजार में मास्क लगाकर खरीदारी करने की अपील की।

ओपीडी सेवा बंद होने पर भी अस्पताल पहुंचे सैकड़ों मरीज

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

जीटी रोड स्थित सरकारी अस्पताल में ओपीडी सेवाएं शनिवार से बंद कर दी गयीं। यहां अब सिर्फ इमरजेंसी सेवाएं जारी रहेंगी। बावजूद इसके शनिवार को बड़ी संख्या में मरीज एमएमजी अस्पताल में इलाज कराने के लिए पहुंचे।

हालांकि, प्रदेश शासन के निर्देश के बाद किसी भी मरीज की नई रजिस्ट्रेशन पर्ची नहीं बनाई गई, सिर्फ उन्हीं मरीजों का इलाज किया गया जो पुरानी पर्ची लेकर पहुंचे थे। परामर्श के बाद इन मरीजों को भी लंबे समय तक के लिए दवाएं लिखकर दी गई हैं।

जिला अस्पताल में सैकडों की संख्या में मरीज पहुंचे थे लेकिन ओपीडी परिसर में एक साथ दस मरीजों को ही सोशल डिस्टेंस के साथ खड़ा किया जा रहा था। यहां ओपीडी परिसर के बाहर मरीजों की अच्छी खासी लाइन लगी हुई थी। इस दौरान कई मरीज ओपीडी बंद होने की सूचना पर परेशान दिखाई दिए और उन्होंने इलाज बरकरार रखने की गुहार भी अस्पताल प्रबंधन से की।

नोएडा प्राधिकरण के गोदाम में लगी आग

नोएडा। नोएडा प्राधिकरण के सेक्टर 39 में स्थित गोदाम में शुक्रवार देर रात आग लग गई जिससे लाखों रुपए का सामान जलकर खाक हो गया है।

थाना सेक्टर 39 के प्रभारी निरीक्षक आजाद सिंह तोमर ने बताया कि नोएडा प्राधिकरण के गोदाम में शुक्रवार देर रात अज्ञात कारणों से आग लग गई। उन्होंने बताया कि आग की सूचना मिलने के बाद दमकल विभाग की गाड़ियों को मौके पर भेजा गया और उन गाड़ियों की मदद से आग पर काबू पाया गया।

उन्होंने बताया कि इस आग लगने से गोदाम में रखे लाखों रुपए का सामान जलकर खाक हो गया।

नोएडा में चलाया सेनेटाइजेशन अभियान

पुलिस थानों और सार्वजनिक स्थलों को किया गया संक्रमण मुक्त

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

गौतमबुद्धनगर में कोरोना वायरस के बढ़ते खतरे को देखते हुए पुलिस-प्रशासन पूरी तरह सतर्क है। जिलाधिकारी सुहास एलवाई और पुलिस कमिश्नर आलोक सिंह हालात पर नजर बनाए हुए हैं। साथ ही तीनों प्राधिकरण शहर की सोसाइटी और सेक्टर में सेनेटाइजेशन का अभियान चला रहे हैं ताकि सड़कों, गली-मोहल्लों और सेक्टर-सोसाइटी को संक्रमण मुक्त रखा जा सके।

इसी सिलसिले में शुक्रवार को पुलिस कमिश्नर के आदेश पर कमिश्नरेट गौतमबुद्धनगर के सभी थानों,कोतवाली व अन्य सरकारी संस्थानों की इमारतों में सेनेटाइजेशन का अभियान चलाया गया। मुख्य अग्निशमन अधिकारी ने सेक्टर-108 में स्थित पुलिस आयुक्त कार्यालय को सेनेटाइजेशन अभियान चलाया। इस दौरान उन जगहों को भी चिन्हित किया गया, जहां लोगों की भीड़ जुटती है। टीम ने नोएडा के ब्रह्मपुत्रा शॉपिंग कॉम्प्लेक्स, गंगा शॉपिंग कॉम्प्लेक्स, निठारी मार्केट, पुलिस चौकी सेक्टर-29 सेक्टर-46 मार्केट सदरपुर मार्केट अट्टा मार्केट सेक्टर-12 मार्केट पर संक्रमण से बचाव के लिए सेनेटाइजेशन किया गया।

टैंकर द्वारा एक सार्वजनिक इमारत को सैनेटाइज करता प्राधिकरण कर्मचारी।

संक्षिप्त समाचार

रेमडेसिविर इंजेक्शन के डिस्ट्रीब्यूटर्स के गोदामों में स्टाक की जानकारी लेते अधिकारी।

डिस्ट्रीब्यूटर्स के ठिकानों पर ली स्टॉक की जानकारी

गाजियाबाद। शनिवार दोपहर सिटी मजिस्ट्रेट और एसीएम की टीम रेमडेसिविर इंजेक्शन के डिस्ट्रीब्यूटर्स के ठिकानों पर पहुंची। जिससे वहां एकाएक हड़कंप मच गया। इस दौरान अधिकारियों ने उनसे स्टॉक की पूरी जानकारी ली। सिटी मजिस्ट्रेट ने बताया कि रेमडेसिविर इंजेक्शन की ब्लैक रोकने और जिले में आपूर्ति बनाये रखने के लिए स्टॉक की जांच की जा रही है। बता दें कि कोरोना के इलाज में बेहद कारगर माने जा रहे रेमडेसिविर इंजेक्शन की बहुत कमी देखने को मिल रही है। कई जगहों से इस जीवनरक्षक इंजेक्शन की कालाबाजारी की खबरें भी आ रही हैं। इसी के मद्देनजर इस इंजेक्शन की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए प्रशासन को व्यवस्था अपने हाथ मे लेनी पड़ी है। कोरोना क बढ़ते संक्रमण के दौर में विशेष तौर पर मांग बढ़ने के दृष्टिगत मेरठ कमिश्नर ने स्टॉक चेक करने के आदेश दिए थे।

गाजियाबाद स्थित प्राचीन सिद्धपीठ श्रीदूधेश्वरनाथ मंदिर।

श्रीदूधेश्वरनाथ मंदिर का आज बंद रहेगा कपाट

गाजियाबाद। कोरोना संक्रमण की भयावह स्थिति को देखते हुए उत्तर भारत के सबसे बड़े सिद्धपीठ दूधेश्वर मंदिर के कपाट आज बंद रखने का निर्णय लिया गया है। यह निर्णय मंदिर प्रशासन ने प्रदेश की योगी सरकार के आदेश आने के बाद लिया है। मंदिर के महंत नारायण गिरी ने शनिवार को बताया कि प्रदेश सरकार एवं प्रशासन की तरफ से रविवार का पूर्ण लॉकडाउन घोषित किया गया है। लखनऊ शासन के आदेश के अनुसार प्रत्येक रविवार लॉकडाउन के समय दूधेश्वरनाथ महादेव मठ मंदिर पूर्ण रूप से बंद रहेगा। महंत ने बताया कि सुबह -शाम कि आरती मंदिर प्रशासन एवं पुजारी ही करेंगे। उन्होंने लोगों से अपील की है कि वे सरकार की गाइडलाइन का पालन करें।

फ्रिज में शॉर्ट सर्किट से घर में लगी आग

गाजियाबाद। अर्थला इलाके में घर में रखे हुए फ्रिज में अचानक धुआं उठने लगा और फिर आग लग गई। आग ने पूरे रसोईघर को अपनी चपेट में ले लिया। इस दौरान घर की छत पर मौजूद महिला घर में ही फंस गई। सूचना पाते ही दमकल की गाड़ियां मौके पर पहुंचीं, जिससे आग बुझाई गई और महिला को घर से बाहर निकाला गया। बताया जा रहा है कि बिजली के जिस बोर्ड में फ्रिज का प्लग लगा था, उसमें शॉर्ट सर्किट होने से हादसा हुआ। राहत की बात ये है महिला की जान बाल-बाल बच गई। हादसे के दौरान परिवार के बाकी सदस्य बाहर गए हुए थे। दुर्घटना में घर में रखा काफी सामान जल गया है।

सीएमवाईके प्रिंटेक लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक चन्दन मित्रा द्वारा नं. 6, गुलाब भवन के पीछे, बहादुर शाह ज़फ़र मार्ग, नई दिल्ली-110002, दूरभाष: 011-40110455 से प्रकाशित तथा बीएफएल इन्फोटेक लिमिटेड सी-9 सेक्टर-3, नोएडा-201301 (उ.प्र.) से मुद्रित। सम्पादक: चन्दन मित्रा, स्थानीय सम्पादक: प्रदीप तिवारी। पाठकों को सुझाव दिया जाता है कि इस अखबार के किसी भी विज्ञापन पर प्रतिक्रिया करने से पहले पूरी तरह उसके बारे में दिए गए दावों, शर्तों और तथ्यों की जांच कर लें। पायनियर ग्रुप के मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक या उसका कोई भी कर्मचारी विज्ञापनदाता द्वारा उनके किसी उत्पाद तथा सेवा हेतु किए गए किसी दावे की सच्चाई का आश्वासन या उत्तरदायित्व नहीं लेता है। ऐसे विज्ञापनों के बाद किसी आर्थिक क्षति के लिए वे जिम्मेदार भी नहीं हैं। पत्रवार्ता ऑफिस- एफ-31, सेक्टर 6, नोएडा, गौतमबुद्धनगर-201301, उत्तर प्रदेश, दूरभाष- 120-4879800-4879900।

पायनियर
नई दिल्ली, रविवार, 18 अप्रैल, 2021

वीकेंड कर्फ्यू के पहले दिन सड़कों पर पसरा सन्नाटा

● पुलिस रही मुस्तैद, सीपी एसएन श्रीवास्तव ने लिया जायजा

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

कोरोना वायरस के बढ़ते संक्रमण को रोकने के लिए दिल्ली सरकार ने वीकेंड कर्फ्यू लगाया है। शनिवार को कर्फ्यू का पहले दिन जो सन्नाटा पिछली बार सड़कों पर देखने को मिला था। एक बार फिर वहीं मंजर आंखों के सामने आ गया।

लोगों के लिए शनिवार की सुबह काफी चुनौती वाली साबित हुई। एक तरफ घर की चारदीवारी में कैद रहना पड़ा। वहीं दूसरी तरफ सड़कों पर पुलिस का जबदस्त पहरा देखने को मिल गया।

दिल्ली पुलिस की तरफ से भी इस कर्फ्यू को सफल बनाने की पूरी कोशिश की गई। जगह-जगह बैरिकेड लगाकर बाहर निकल रहे लोगों से सवाल-जवाब किया। जवाब से संतुष्ट नहीं होने पर चालान भी काटा। पुलिस व्यवस्था का जायजा लेने दिल्ली पुलिस आयुक्त भी सड़कों पर उतरें। श्रीवास्तव ने अंतर आलिया, समस्तपुर पिकेट, अक्षरधाम, गाजीपुर क्रॉसिंग, महाराजपुर चेक पोस्ट, एनएच 24 आनंद विहार, जगतपुरी, कृष्णा नगर, न्यू उस्मानपुर, सिग्नेचर ब्रिज, मजनूं का टीला, आईएसबीटी कश्मीरी गेट, राजघाट और तिलक मार्ग इलाकों को दौरा किया। वहीं नियमों का उल्लघंन करने वालों के खिलाफ कार्रवाई की गई और कुछ लोगों को समझाकर वापस घर भेज दिया गया।

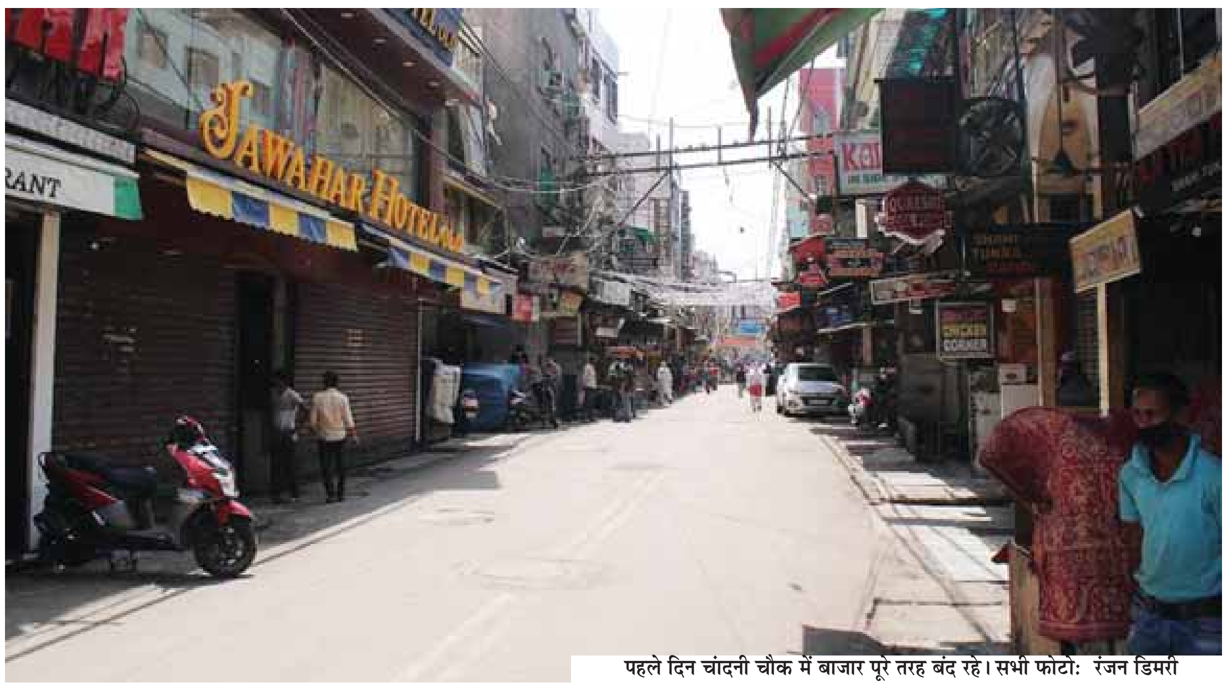

पहले दिन चांदनी चौक में बाजार पूरे तरह बंद रहे। सभी फोटोः रंजन डिमरी

वाहनों की जांच के दौरान पुलिकर्मी रहे विन्रमः आयुक्त

एसएन श्रीवास्तव ने व्यक्तियों और वाहनों की जांच कर रहे पुलिस कर्मियों को सख्ती के साथ विनम्रता से लोगों के साथ पेश आने का पाठ पढ़ाया। साथ ही कहा कि वीकेंड कर्फ्यू का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने को कहा। इस दौरान श्रीवास्तव ने जरूरतमंद लोगों की मदद करने के लिए भी कहा। सप्ताहांत कर्फ्यू के पहले दिन दिल्ली के दिल कहे जाने वाले कनॉट प्लेस में लोग नदारद दिखे और सन्नाटा पसरा था। यहां सामान्य दिनों में बड़ी संख्या में लोग पहुंचते हैं लेकिन पाबंदियों के बाद विरान था। गाड़ियां भी न के बराबर दिखी। डॉक्टर कर्णी सिंह शूटिंग रेंज के पर भी सन्नाटा पसरा दिखाई पड़ा। यहां कर्फ्यू का साफ दिखाई दिया।

कनॉट प्लेस का नजारा

पुरानी दिल्ली का बाजार

कनॉट प्लेस की सुनसान सड़क पर साइकिल चलाता युवक

दक्षिणी निगम शुरू करेगा आइसोलेशन केंद्र

● तिलक नगर में 57 एवं कालकाजी में 50 बिस्तरों की होगी सुविधा

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

कोरोना संक्रमितों की बढ़ती संख्या को देखते हुए दक्षिणी निगम ने तिलक नगर और कालकाजी स्थित अस्पतालों में आइसोलेशन व क्वारंटीन केंद्र शुरू करेगा। दोनो केंद्रों पर सभी जरूरी चिकित्सा सुविधाएं जैसे की डॉक्टरों, स्वास्थ्य कर्मियों, ऑक्सीजन, दवाई, इत्यादि मुहैया होंगी। इन केंद्रों को शुरू करने का मकसद उन लोगों को आइसोलेशन की सुविधा उपलब्ध कराना है जिनके घर पर इसकी व्यवस्था नहीं है और उन्हें अनिवार्य रूप से पृथकवास में रहना होता है।

इन केंद्रों के बारे में विस्तार से जानकारी देते हुए दक्षिणी निगम के नेता सदन नरेंद्र चावला ने बताया कि तिलक नगर और कालकाजी के केंद्रों को नजदीकी अस्पतालों के साथ जोड़ा जाएगा ताकि किसी भी आपात स्थिति में मरीज को जल्द चिकित्सा सुविधा मिल सके।

इन केंद्रों पर सभी बुनियादी सुविधाएं जैसे कि पीपीई किट, मास्क, सैनिटाइजर, साबुन, ऑक्सीमीटर, ऑक्सीजन सिलेंडर समेत अन्य सुविधाएं होंगी। चावला ने कहा कि अचानक से बढ़े संक्रमण के चलते बड़ी संख्या में लोगों को आइसोलेशन में रखने की आवश्यकता है जिसके चलते दक्षिणी निगम ने इन केंद्रों को शुरू करने का फैसला किया है।

सभी सार्वजनिक स्थलों, बाजार, सरकारी दफ्तर, अस्पताल, पुलिस स्टेशन, बैंक जैसी जगहों को सैनिटाइज किया जा रहा है।

होम आइसोलेशन मरीजों को मोदी किट पहुंचाएगी भाजपा

नई दिल्ली। प्रदेश भाजपा कोरोना संक्रमित उन मरीजों की मदद करेगी जो होम आइसोलेशन में हैं। पार्टी नेता उन सभी को जरूरत की चीजें उनके घर पहुंचाएगी। साथ ही मरीजों को ऑक्सीमीटर, दवा और मास्क बांटना, मोदी किट के माध्यम से चावल, आटा, दाल, आलू, तेल, मसाला आदि भी कराएंगे। भगवा पार्टी पूरे क्षेत्र को सैनिटाइज भी कराएगी। प्रदेश भाजपा द्वारा शनिवार को अलग-अलग क्षेत्रों में सेनिटाइजेशन व साफ सफाई का अभियान शुरू किया। कोरोना के खिलाफ लड़ाई में प्रदेश अध्यक्ष आदेश गुप्ता की अगुवाई में विशेष सैनिटाइजेशन व स्वच्छता अभियान की शुरुआत की है।

कोरोना की मौजूदा लहर पिछली से तीन गुना अधिक घातक : सीएम

नई दिल्ली। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने कहा कि कोरोना की मौजूदा लहर पिछले से तीन गुना अधिक घातक है। फिर भी केंद्र सरकार ने अपने अस्पतालों में अभी तक केवल 1800 बेड मुहैया कराया है, जबकि नवंबर में आई कोरोना की पिक के दौरान उसने अपने अस्पतालों में 4100 बेड उपलब्ध कराए थे। सीएम ने केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री से केंद्र सरकार के अस्पतालों के 50 फीसद बेड कोरोना मरीजों के लिए सुरक्षित करने की मांग की है। मुख्यमंत्री ने उम्मीद जताई है कि पहले की तरह ही इस बार भी कोरोना के खिलाफ लड़ाई में केंद्र सरकार से पूरी मदद मिलेगी।

दिलशाद गार्डन इलाके में पांच दुकानों में लगी आग

नई दिल्ली। पूर्वी दिल्ली के दिलशाद गार्डन इलाके में शुक्रवार देर रात पांच दुकानों में आग लग गई।

अग्निशमन सेवा के एक अधिकारी के अनुसार उन्हें रात करीब एक बजकर 20 मिनट पर आग की सूचना मिली। जिसके बाद आग बुझाने वाली छह गाड़ियां घटनास्थल पर भेजी गईं। उन्होंने कहा कि रात करीब पौने तीन बजे तक आग पर काबू पा लिया गया। अधिकारी ने बताया कि शनिवार को पूर्वाह्न करीब 11 बजकर 40 मिनट पर उन्हें दोबारा वहीं पर आग लगने की सूचना मिली और दमकल की दो गाड़ियां भेजी गईं। आग पर जल्द काबू पा लिया गया। दमकल विभाग आग के लगने का कारण जानने में लगा है।

श्मशानों से लेकर अस्पतालों तक व्यवस्था सुधारने पर फोकस

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

कोरोना वायरस ने एक बार फिर अपनी चौथी लहर के जरिए राजधानी दिल्ली को अपनी चपेट में बुरी तरह जकड़ लिया है। अस्पतालों में स्वास्थ्य सेवाएं और श्मशान घाटों पर जगह कम पड़ रही है।

लोगों को लंबा इंतजार करना पड़ रहा है। हालात को काबू करने की आम आदमी पार्टी की सरकार लगातार कोशिश कर रही है। सरकार की कोशिश है कि मरीजों को अस्पतालों में बेड, ऑक्सीजन और वेंटिलेटर की दिक्कत नहीं हो। साथ कोई भी मरीज अस्पतालों से वापस नहीं लौटे।

इसी कड़ी में दिल्ली सरकार ने कोरोना के इलाज में लगे सभी सरकारी और बड़े निजी अस्पतालों के लिए एक नोडल ऑफिसर नियुक्त किया है। सरकार के 11 अस्पतालों के लिए आईएएस अफसरों को और 15 बड़े प्राइवेट अस्पतालों के लिए दॉनिक्स अधिकारियों को नोडल ऑफिसर नियुक्त किया है। इसके अलावा प्रोबेशन पीरियड में चल रहे और ट्रेनिंग ले रहे दॉनिक्स अधिकारियों को भी अस्पतालों के साथ अटैच कर दिया गया है, जो आईएएस अफसरों की मदद करेंगे। दिल्ली सरकार की तरफ से जारी किए गए आदेश में आईएएस अफसरों से कहा गया है कि वे अपने अपने सरकारी अस्पताल में ही बैठेंगे और अपने स्टाफ का इस्तेमाल करेंगे।

केजरीवाल ने दिल्ली सरकार के अस्पतालों में दस आईएएस अधिकारियों को नोडल अधिकारी तैनात किया है। नौकरशाह सौंपे गए कोविड-19 अस्पतालों के सभी प्रबंधन की निगरानी और सामान्य देखरेख का कार्य करेंगे। साथ ही, अस्पतालों के कामकाज पर दिशा निर्देशों और नियंत्रण पर बारीकी से नजर रखेंगे। इसके अतिरिक्त, संबंधित अस्पतालों के चिकित्सा अधीक्षक और निदेशक तैनात नोडल अधिकारियों से कोविड प्रबंधन से संबंधित सभी निर्णयों की सहमति लेंगे। निजी अस्पतालों में नोडल अधिकारी के रूप में तैनात दानिक्स अधिकारी अस्पतालों के प्रबंधन को संभालेंगे और यह निगरानी करेंगे कि सरकारी दिशा निर्देशों और आदेशों का शत प्रतिशत पालन किया जा रहा है या नहीं किया जा रहा है।

सरकारी अस्पतालों में तैनात आईएएस अधिकारियों के नाम

अरवा गोपी कृष्णा लोक नायक अस्पताल, विक्रम मलिक जीटीबी अस्पताल और आरजीएसएसएच, डॉ. सोनल स्वरूप डीडीयू अस्पताल, सतेंद्र दुरसावत एसआरएचसी अस्पताल, अवनीश कुमार डीसीबी अस्पताल, हिमांशु गुप्ता अंबेडकर नगर अस्पताल, आर. मेनका संजय गांधी अस्पताल, रमेश वर्मा बुरारी अस्पताल, राहुल सिंह डॉ. बीएसए अस्पताल, भूपेश चैधरी आचार्य श्री भिक्षु अस्पताल की देखरेख की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

चौबीस घंटे चलेंगे श्मशान घाट : निगम

नई दिल्ली। कोरोना संक्रमण के बढ़ते मामलों से हालात गंभीर होते जा रहे हैं। सबसे बड़ी चिंता की बात यह है कि अब मौतों का आंकड़ा भी हर रोज तेजी से बढ़ने लगा है। इसके चलते अब श्मशान घाटों पर शवों की लाइन लगने लगी है। लंबी लाइनों को कम करने लिए दिल्ली नगर निगम ने रात में भी दाह संस्कार करने और दफनाने की अनुमति दे दी हैं। साथ ही मौजूदा घाटों पर उनकी संख्या को बढ़ाने और मृतकों के संस्कार करने के लिए अलग से इंतजाम किए हैं। पूर्वी दिल्ली नगर निगम की ओर से शाहदरा नॉर्थ और शाहदरा साउथ जोन में संचालित किए जा रहे श्मशान घाट और कब्रिस्तानों को लेकर नये आदेश दिये गए हैं।

केजरीवाल सरकार का प्लाज्मा बैंक फेलः कांग्रेस

नई दिल्ली। दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी (डीपीसीसी) अध्यक्ष अनिल चौधरी ने शनिवार को आरोप लगाया कि दिल्ली सरकार द्वारा शुरू किया गया प्लाज्मा बैंक जरूरत के समय में पूरी तरह से विफल हो गया है।

चौधरी ने कहा कि दिल्ली और केंद्र सरकारें कोरोना वायरस को नियंत्रित करने में पूरी तरह से असफल साबित हो रही हैं। चौधरी के हवाले से कहा गया, कोविड-19 के रोगियों को इस आपदा में कोई मदद नहीं मिल रही है। आज जब दिल्ली में मरीजों को प्लाज्मा की जरूरत है, तो उन्हें दर दर भटकना पड़ रहा है लेकिन सरकार प्लाज्मा प्रदान करने में लगातार विफल हो रही है।

लाल किला हिंसा : दीप सिद्धू को मिली जमानत, फिर गिरफ्तार

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

गणतंत्र गणतंत्र दिवस के दिन किसानों की ट्रैक्टर परेड के दौरान लालकिला परिसर में सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंचाने संबंधी भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) की प्राथमिकी के सिलसिले में दिल्ली पुलिस ने शनिवार को अभिनेता-कार्यकर्ता दीप सिद्धू को गिरफ्तार कर लिया।

अधिकारियों ने यह जानकारी दी। इससे पहले दिल्ली की एक अदालत द्वारा लालकिला हिंसा मामले में सिद्धू को जमानत दिए जाने के बाद यह गिरफ्तारी हुई। इससे पहले, सिद्धू को 26 जनवरी के दिन लालकिला परिसर में हुई घटना के संबंध में नौ फरवरी को गिरफ्तार किया गया था।

विशेष न्यायाधीश नीलोफर आबिदा परवीन ने 30,000 रुपये के निजी मुचलके और इतनी ही राशि के दो जमानतदार पेश करने पर आरोपी की जमानत शुक्रवार को मंजूर की। अदालत ने इस बात पर गौर किया कि आरोपी नौ फरवरी, 2021 से हिरासत में है और वह इस दौरान 14 दिन पुलिस की हिरासत में रहा। इसने कहा कि केवल आवाज का नमूना लेने के मकसद से और अवधि के लिए हिरासत में रखने की पुलिस की याचिका उचित नहीं है।

न्यायाधीश ने कहा कि अभियोजन का मामला मुख्य रूप से उन वीडियो रिकॉर्डिंग की सामग्रियों और फुटेज पर आधारित है, जो सोशल मीडिया पर सार्वजनिक रूप से सभी के लिए उपलब्ध हैं और ऐसे में इस बात की संभावना बहुत कम है कि आरोपी-प्रार्थी इस प्रकार के मंच पर उपलब्ध सामग्री से छेड़छाड़ करने में सक्षम है।

विदेशी गुप्तचर एजेंसी को सूचना देने के आरोप में धरा

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने सेना की तैनाती के बारे में संवेदनशील जानकारी एक विदेशी खुफिया एजेंसी को देने के आरोप में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है।

आरोपी की पहचान पंजाब के तरन तारन निवासी हरपाल सिंह के रूप में की गई है। पुलिस के एक अधिकारी ने कहा, एक अत्यंत कट्टरपंथी व्यक्ति को संवेदनशील जानकारी विदेशी खुफिया एजेंसी को देने के लिए गिरफ्तार किया गया है। उसने भारतीय सेना के कर्मियों, सेना की आवाजाही, भारत-पाकिस्तान सीमा पर भारत की चौकियों पर सेना और बीएसएफ के ठिकानों और बंकरों से संबंधित जानकारी दी।

एक सप्ताह तक प्रभावित रह सकती है जलापूर्ति

यमुना में बढ़ा अमोनिया का स्तर, किल्लत दूर करने में जुटा जलबोर्ड

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

दिल्ली जल बोर्ड ने शनिवार को कहा कि ऊपरी गंगा नहर से पानी की उपलब्धता में कमी होने से राष्ट्रीय राजधानी के कुछ क्षेत्रों में एक सप्ताह तक जलापूर्ति प्रभावित रह सकती है।

जलबोर्ड ने कहा कि सोनिया विहार और भागीरथी जल शोधन प्लांट की उत्पादन क्षमता में 25 से 30 प्रतिशत की कमी आई है। बोर्ड ने कहा, पूर्वी दिल्ल, उत्तर पूर्वी दिल्ली, दक्षिण दिल्ली और एनडीएमसी में शनिवार शाम से जलापूर्ति प्रभावित रहेगी। स्थिति में सुधार होने तक एक सप्ताह के लिए यह स्थिति बरकार रह सकती है। अधिकारियों ने बताया कि दिल्ली को प्रतिदिन ऊपरी गंगा नहर से 25 करोड़ गैलन कच्चा पानी प्राप्त होता है और इस समय 20 करोड़ गैलन कच्चा पानी मिल रहा है। इससे कई इलाकों में शनिवार शाम से ही पानी की दिक्कत शुरू हो जाएगी। जलापूर्ति से प्रभावित इलाकों में पूरी दिल्ली के 35 स्थान हैं।

यह जानकारी दिल्ली जल बोर्ड ने दी है। इससे दिल्ली नगर निगम के क्षेत्रों में दिक्कत आएगी। जल बोर्ड ने प्रभावित इलाके के लोगों से संभलकर पानी इस्तेमाल करने की सलाह दी गई है। दिल्ली जल बोर्ड का कहना है कि इसके चलते तकरीबन एक सप्ताह तक दिल्ली के 35 से अधिक इलाकों में जलापूर्ति प्रभावित रहेगी। सामान्य जलापूर्ति इस बात पर निर्भर है कि कब से अपर गंगा नहर से पानी सामान्य रूप से आएगा। वहीं, दिल्ली ही नहीं बल्कि नोएडा और गाजियाबाद के भी कई इलाकों में पानी की किल्कत होगी।

इन इलाकों में होगी परेशानी

पूर्वी दिल्ली के गोकुलपुरी, सोनिया विहार, करावल नगर, ताहिरपुर, दिलशाद गार्डन, नंदनगरी, शाहदरा, लक्ष्मी नगर, गीता कॉलोनी, मयूर विहार, कोंडली, दल्लूपुरा, यमुना विहार, करावलनगर, जाफराबाद, झिलमिल, पटपड़गंज, प्रीत विहार, विश्वकर्मा पार्क, ललिता पार्क, सीलमपुर, शास्त्री पार्क, ब्रह्मपुरी, गांधी नगर में जलापूर्ति की किल्लत हो सकती है।

इसके अलावा दिल्ली के सराय काले खां, ओखला, बदरपुर, सरिता विहार, वसंत कुंज, महरौली, ग्रेटर कैलाश, साउथ एक्सटेंशन, लाजपतनगर, लोधीनगर, काकानगर, अमर कॉलोनी समेत अन्य क्षेत्रों में पानी की किल्लत संभव है। दिल्ली में पानी की किल्लत के लिए पंजाब-हरियाणा जिम्मेदारवहीं एक दिन पहले दिल्ली जल बोर्ड ने राजधानी में पानी की किल्लत और दूषित जल के लिए हरियाणा और पंजाब को जिम्मेदार ठहराया है। जल बोर्ड ने सुप्रीम कोर्ट से कहा है कि हरियाणा-पंजाब के रवैये के कारण दिल्ली में करीब 30 फीसदी पानी की आपूर्ति में कमी आई है।

जामिया का पीएचडी एंट्रेंस टेस्ट स्थागित

नई दिल्ली। दिल्ली में कोरोना के बढ़ते संक्रमण को देखते हुए जहां एक ओर दिल्ली सरकार ने वीकेंड कर्फ्यू लगा दिया है। वहीं जामिया मिल्लिया इस्लामिया विश्वविद्यालय प्रबंधन ने पीएचडी एंट्रेंस टेस्ट को अगले आदेश तक स्थगित कर दिया है।

शैक्षणिक सत्र 2020-21 में दाखिले के लिए थी परीक्षाबता दें कि जामिया मिल्लिया इस्लामिया प्रशासन की ओर से एक नोटिस जारी किया गया है, जिसमें कहा गया है कि जामिया से पीएचडी करने के इच्छुक छात्रों की पीएचडी प्रवेश परीक्षा 20, 22, 24 और 26 अप्रैल को आयोजित होनी थी, लेकिन कोविड-19 के मामलों को देखते हुए पीएचडी प्रवेश परीक्षा को अगले आदेश तक टाल दिया गया है।

प्रधानमंत्री और गृहमंत्री को चुनावों की चिंता : संजय

● सांसद ने यूपी की स्थिति पर केंद्र से हस्तक्षेप का किया अनुरोध

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

आम आदमी पार्टी के उत्तर प्रदेश प्रभारी और राज्यसभा सदस्य संजय सिंह ने कोरोना से मुकाबले को लेकर यूपी की योगी आदित्यनाथ सरकार के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृहमंत्री अमित शाह पर जमकर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि पूरा देश कोरोना वायरस के संक्रमण से कराह रहा है। ऐसे में लोगों को गंभीरहालात में छोड़कर प्रधानमंत्री और गृहमंत्री उनकी सुधा नहीं ले रहे हैं। दोनों को आम लोगों से ज्यादा चुनावों की फिक्र सता रही है।

संजय सिंह शनिवार को संवाददाता सम्मेलन में कहा कि यूपी की स्थिति तो सबसे ज्यादा विकट है। अस्पतालों में मरीजों को बेड्स नहीं मिल रहे हैं। तीमारदार ऑक्सीजन, बेड और दवाई के लिए दर-दर भटक रहे हैं। कोरोना से निपाटने में योगी सरकार पूरी तरह से विफल हो चुकी है। प्रदेश की स्थिति पर केंद्र सरकार को तत्काल हस्तक्षेप करना चाहिए। संजय सिंह ने कोरोना महामारी की रोकथाम को लेकर केंद्र की व्यवस्था पर सवाल उठाए।

पायनियर
नई दिल्ली, रविवार, 18 अप्रैल, 2021

यमुना के 22 किमी बहाव में जहर घोल रहे 22 नाले

दिल्ली की लाइफलाइन यमुना नदी आज खुद बीमार है। इसके इलाज के लिए करोड़ों खर्च किए गए लेकिन मर्ज लगातार बढ़ता जा रहा है। वजीराबाद बैराज से ओखला बैराज तक दिल्ली में यमुना तकरीबन 22 किलोमीटर का सफर तय करती है और इस दूरी में लगभग 22 नाले यमुना में गिरते हैं। पायनियर के वरिष्ठ संवाददाता ज़ाहिद अली ने वजीराबाद से लेकर ओखला बैराज तक का सफर कर यमुना की सेहत का जायजा लिया।

वजीराबाद बैराज

राजधानी में लगभग 80 प्रतिशत जनता अनाधिकृत कॉलोनियों में बसती है। अधिकतर कॉलोनियों पूर्वी दिल्ली में है। यहां सीवर की बड़ी समस्या है इसका खामियाजा यमुना नदी को चुकाना पड़ रहा है। वजीराबाद पुल से महज सौ मीटर पूरी पर नजफगढ़ का ड्रेन गिरता है।

वहीं श्मशान घाट के पास दो बड़े गंदा नाले मिले जिनसे प्रद्गूषित पानी बेरोकटोक नदी में बह रहा हैं। ये गंदे नाले बुराड़ी और सोनिया विहार जैसे सघन इलाकों से आते हैं। बताया जाता है कि यमुना को प्रदूषित करने में सबसे पहले भूमिका

नजफगढ़ ड्रेन की है। इसके जरिए 105 एमजीडी गंदा पानी गिरता है।

शाहदरा, जाफराबाद और लक्ष्मी नगर का गंदा नाला

पूर्वी दिल्ली की सघन आबादियों में से एक जाफराबाद का गंदा नाला कभी नहर हुआ करता था। बुजुर्ग इसे आज भी नहर कहकर पुकारते है। यह नाला अब भी यूपी सिंचाई विभाग के आधीन है। कॉलोनियों के सीवर इस नहर में गिरकर गंदा नाला बना देते है। फिर यह नाला सीधे लक्ष्मी नगर के इलाके से गुजरते हुए यमुना पुश्ते पर आकर नहर में गिर जाता है। ड्रेन का जल साफ करने के लिए इंटरसेप्टर सीवर परियोजना को लागू करने की बात कही गई थी। इनमें कुछ पर काम चल रहा है लेकिन इससे यमुना कितनी साफ होगी, यह भविष्य के गर्भ में है।

ओखला बैराज

दिल्ली की सीमा में यमुना ओखला बैराज पर खत्म होती है। यहां पर भी गाजियाबाद के रास्ते नोएडा होते हुए एक गंदा नाला आकर गिरता है। वहीं दूसरी तरफ कालकाजी के ड्रेन यहां आकर गिरते है। यह इलाका अकसर अपने झागों के लिए चर्चा में रहता है। वहीं ओखला और न्यू फ्रेंड्स कॉलोनी से आने वाले छोटे-छोटे नाले में यहां आकर गिरते है। यमुना सबसे अधिक यहां पर भी प्रदूषित मिलती है। जानकारी मिली है कि साहिबाबाद से इंडस्ट्री का 60 एमजीडी गंदा पानी यूपी के रास्ते का सफर करते हुए यहां यमुना में विलीन हो जाता है।

पुराना लोहे का पुल

यह वो इलाका है जहां यमुना इतनी संकरी हो जाती है कि मानों वो नदी न होकर गंदा नाला हो। इस जगह पर पुराने दिल्ली से निकला वाली नालियों का गंदा पानी एक नाले में बहकर गिरता था। यहां लाल किले के आसपास अवैध आबादियां बस गई है। उनके घरों से निकलने वाला गंदा पानी भी सीधे नदी में जा रहा है। पुराने लोहे के पुल के पास से दिल्ली-6 के नाम से मशहूर पुरानी दिल्ली की संघन आबादी बसी है। बढ़ती लोगों की तादाद और घटते मूलभूत सुविधाओं के चलते यहां के सीवरों का गंदा पानी में यमुना नदी तक पहुंचता है।

आईटीओ का नजारा

वजीराबाद से आईटीओ तक यमुना राजधानी में अपना आधा सफर तय कर चुकी होती है। वजीराबाद में साफ से दिखने वाली यमुना आईटीओ तक हल्के काले रंग में तब्दील हो जाती है। यहां भी हमने छोटे बड़े कई नाले देखे जो सीधे यमुना गिरकर विलीन हो जाते है। यहां यमुना के पानी इतना प्रदूषित हो जाता है कि उसमें तेज दुर्गंध आनी शुरू हो जाती है। छठ पूजा के दौरान यहां साफ-सफाई के लिए कई कार्यक्रम तैयार किए जाते है लेकिन देखा गया है कि यमुना में सफाई के नाम पर सिर्फ ऐलान होते है। यमुना लगातार प्रदूर्षत हो रही है।

17 औद्योगिक क्षेत्रों में 13 सीईटीपी: जलबोर्ड

दिल्ली में 212.3 एमएलडी की क्षमता के 13 सीईटीपी चालू हैं। वजीरपुर, मायापुरी, बवाना, नरेला, एसएमए, जीटीके, ओखला, मंगोलपुरी, नांगलोई, बादली, झिलमिल, लॉरेंस रोड और नारायणा में 13 सीईटीपी का निर्माण 17 औद्योगिक क्षेत्रों से निकलने वाले अपशिष्ट जल को शोधित करने के लिए किया गया है। इनमें से 11 सीईटीपी का संचालन संबंधित सोसाइटी द्वारा किया जा रहा है। नरेला और बवाना सीईटीपी का संचालन पीएनसी दिल्ली और बवाना इंफ्रा डेवलपमेंट की ओर से किया जा रहा है। इन्हें डीएसआईआईडीसी की ओर से लगाया गया है।

पिछड़ता काम

नजफगढ़ व शाहदरा ड्रेन से यमुना सबसे ज्यादा गंदी होती है। दोनों ड्रेन का जल साफ करने के लिए 6 पैकेज में इंटरसेप्टर सीवर परियोजना को लागू करने की बात कही गई थी। इसके तहत नालों में बहने वाला अपशिष्ट जल प्लांट तक पहुंचाया जाएगा। प्रोजेक्ट 31 मार्च 2020 तक पूरा होना था जो नहीं हुआ। पिछड़ते काम को लेकर सीएम नाराज हो चुके है।

एनजीटी ने दिए थे कड़े निर्देश

एनजीटी ने 1 जून, 2019 को दिल्ली जल बोर्ड को निर्देश दिया था कि यमुना में नालों के सीवेज को ट्रीटमेंट के बाद ही छोड़ा जाए। दिल्ली जल बोर्ड को मौजूदा सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट की क्षमता बढ़ानी थी। यमुना में सीवेज ले जा रहे चार नालों पर भी लगाम लगानी थी और इंटरसेप्टर सीवेज प्रोजेक्ट आईएसपी के जरिए बिना सीवर लाइन वाले इलाकों को सीवर से जोड़ना था। पूरी दिल्ली में 20 एसटीपी की जगह 200 लगाने होंगे।

सोसाइटी के कम्युनिटी हॉल को अस्थाई अस्पताल में बदलने की मांग, डीएम को नेफोमा ने भेजा पत्र

पायनियर समाचार सेवा। ग्रेटर नोएडा

नोएडा और ग्रेटर नोएडा समेत पूरे गौतमबुद्धनगर जिले में कोरोना संक्रमण ने बुरा हाल कर दिया है। आलम यह है कि किसी को अस्पताल में जगह नहीं मिल रही है। कोई जांच करवाने के लिए दो दिनों से इंतजार कर रहा है। ऐसे में शहर के सामाजिक संगठन अपने सुझाव दे रहे हैं।

ग्रेटर नोएडा वेस्ट में फ्लेट बॉयर्स की संस्था नेफोमा के अध्यक्ष अन्नू खान ने जिलाधिकारी सुहास एलवाई को पत्र लिखकर मांग की है कि ग्रेनो वेस्ट में कोरोना उपचार के लिए कोई सरकारी हॉस्पिटल नहीं है। बिसरख सरकारी अस्पताल है, जिसमे सिर्फ जांच होती है। एक प्राइवेट हॉस्पिटल यथार्थ है। उन्होंने मांग की है कि सोसायटी के क्लब, स्टेडियम, कम्युनिटी हॉल को अस्थाई रूप से कोरोना हॉस्पिटल में तब्दील कर देना चाहिए।

पत्र में नेफोमा ने लिखा है, ग्रेटर नोएडा वेस्ट के लोगों को बीमार होने पर अन्य हॉस्पिटल नोएडा, ग्रेटर नोएडा और दिल्ली जाना पड़ता है। जिससे सोसाइटी निवासियों को बहुत दिक्कत का सामना करना पड़ रहा है। ग्रेटर नोएडा वेस्ट में लगभग छोटी-बड़ी लगभग 80 सोसाइटियां हैं। जिसमें लाखों लोग निवास करते हैं। इसी वजह से यहां रहने वाले कोरोना पीड़ितों को सही ठंग से इलाज नहीं मिल पा रहा हैं।

पत्र में नेफोमा ने मांग की है कि सोसायटी के क्लब, स्टेडियम, कम्युनिटी हॉल को अस्थाई रूप से कोरोना हॉस्पिटल में तब्दील कर देना चाहिए। जिससे कोरोना के अचानक बढ़ रहे मरीजों की संख्या से परेशानी नहीं होगी। साथ ही सोसाइटी निवासियों को इलाज मिल जाएगा।

महानगर में कोविड हॉस्पिटल बनाने को सांसद ने की मांग

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

- रक्षामंत्री व मुख्यमंत्री से जताई चिंता

महानगर में कोरोना का प्रकोप लगातार बढ़ रहा है। हिंडन मोक्ष स्थली पर जहां शवों की कतार लगी है वहीं सरकारी व निजी अस्पतालों में कोविड पीड़ितों को बेड व ठीक से इलाज नहीं मिल पा रहा है। ऐसे में राज्यसभा सांसद अनिल अग्रवाल ने चिंता जताई है और केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह को पत्र लिखकर डीआरडीओ से अस्थाई कोविड-19 बनाने की मांग की है।

इसके अलावा अग्रवाल ने मुख्यमंत्री को भी एक पत्र लिखा है जिसमें उन्होंने कोविड-19 से निपटने के लिए इंतजाम में इजाफा करने और अस्थाई अस्पताल बनाने की मांग की है।

उन्होंने रक्षा मंत्री से डीआरडीओ के माध्यम से कोविड अस्पताल बनाने की मांग की है। इसके अलावा अग्रवाल ने मुख्यमंत्री को भी पत्र लिख स्वास्थ्य सेवाओं में बढ़ोतरी करने तथा अस्थायी कोविड अस्पताल की मांग की है।

शिशु अस्पताल में शुरू हुआ कोविड हॉस्पिटल

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

- गुरुवार को 10 बच्चे मिले कोरोना संक्रमित
- जरूरत पर बढ़ाई जाएगी बेडों की संख्या

गौतमबुद्ध नगर में कोरोना वायरस संक्रमण के बढ़ते खतरे को देखते हुए शहर के सेक्टर-30 में स्थित सुपर स्पेशलिटी चाइल्ड हॉस्पिटल में बच्चों के लिए 50 बेड का कोविड-19 अस्पताल शुरू किया गया है। हालांकि इस कोविड-19 हॉस्पिटल में सिर्फ 18 साल से कम उम्र के संक्रमित मरीजों का इलाज किया जाएगा। पिछले साल जब कोरोना वायरस उफान पर था, तब भी इस अस्पताल में कोविड-19 मरीजों के इलाज की व्यवस्था की गई थी।

एक अधिकारी ने बताया कि यहां चौथे तल पर कोविड अस्पताल बनाया जाएगा। सुरक्षा के लिहाज से इसमें प्रवेश और निकास द्वार अलग से बनाए जाएंगे ताकि दूसरी बीमारियों का इलाज कराने आए बच्चों और परिजनों को कोरोना संक्रमितों से दूर रखा जा सके। हालांकि हॉस्पिटल में अन्य मरीजों को पहले की तरह ही इलाज की सुविधा मिलती रहेगी। जनपद में कोरोना के बढ़ते मरीजों की संख्या को देखते हुए हॉस्पिटल प्रबंधन ने पहले 50 बेड का अस्पताल शुरू करने का फैसला लिया है। अगर जरूरत पड़ी, तो भविष्य में बेड की संख्या बढ़ाई जाएगी।

गौतमबुद्धनगर जनपद में गुरुवार को 10 वर्ष से कम उम्र के 10 से ज्यादा बच्चे संक्रमित मिले थे। इन सभी मरीजों को दूसरे कोविड अस्पताल में इलाज के लिए भेजा गया। इस शिशु अस्पताल में बच्चों की बीमारियों से जुड़े 10 से ज्यादा चिकित्सकीय विभाग काम कर रहे हैं। इसलिए माना जा रहा है कि यहां कोविड हॉस्पिटल बनाने से बच्चों का बेहतर इलाज हो सकेगा।

मैदान में उतरे नरेंद्र भूषण, लिए छह बड़े फैसले

नोडल अधिकारी ने कहा-घबराएं नहीं जनपद के लोग, जल्द होंगे संक्रमण से हालात सामान्य

रूपम कुमारी वर्मा। ग्रेटर नोएडा।

गौतमबुद्धनगर में कोरोना संक्रमण को नियंत्रित करने के लिए ग्रेटर नोएडा विकास प्राधिकरण के सीईओ नरेंद्र भूषण, नोडल अफसर ने हालात संभालने के लिए फैसले लेने शुरू कर दिए हैं। इसी सिलसिले में जिलेभर के अफसरों के साथ उन्होंने कोविड-19 कंट्रोल रूम में बैठक की। सीईओ ने जिला प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग को बड़े फैसले लेने का आदेश दिया है। इस दौरान अभियान से जुड़े डेमो देखे गए हैं। नरेंद्र भूषण ने कहा है कि शहर के लोगों को घबराने की जरूरत नहीं है। स्थिति नियंत्रण में है। जल्दी ही हालात सामान्य कर लिए जाएंगे।

1. जिले के एलवन अस्पताल एल टू में बदले जाएंगे : नरेंद्र भूषण ने सीएमओ को आदेश दिया कि इस वक्त जिले में जितने भी एल वन सुविधा वाले अस्पताल हैं, उन्हें जल्दी से जल्दी एल टू में बदल दिया जाए। आपको बता दें कि एल वन कैटेगरी के अस्पतालों में बेड पर ऑक्सीजन की सुविधा उपलब्ध नहीं करवाई जाती है। सामान्य रूप से संक्रमण की चपेट में आने वाले मरीजों को यहां भर्ती किया जाता है। एल वन अस्पताल को एल टू में बदलने पर सभी बेड ऑक्सीजन की सुविधा से युक्त हो जाएंगे।

2. स्क्रीनिंग सेंटर बनाए जाएंगे : नोएडा और ग्रेटर नोएडा में स्क्रीनिंग सेंटर बनाए जाएंगे। भर्ती करने से पहले मरीजों को इन सेंटरों पर भेजा जाएगा। सेंटर पर तैनात डॉक्टर मरीज की स्थिति देखकर तय करेंगे कि उसे किस कैटेगरी के अस्पताल में शिफ्ट किया जाए। अस्पतालों में बेड की उपलब्धता बढ़ाई जाएगी। स्टाफऔर डॉक्टरों की संख्या बढ़ाने का आदेश भी दिया है। नरेंद्र भूषण ने जिला प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग को आवश्यक गाइडलाइन जारी करने का आदेश दिया है।

3. होम आइसोलेट मरीजों पर बढ़ाई जाए निगरानी : नोडल अधिकारी ने स्वास्थ्य विभाग को आदेश दिया है कि जिन मरीजों को होम आइसोलेट किया गया है, उनकी निगरानी बढ़ा दी जाए। मरीजों को एकीकृत नियंत्रण कक्ष के माध्यम से प्रतिदिन फोन कॉल की जानी चाहिए। उनके हालचाल की पूरी जानकारी ली जाए। होम आइसोलेट सभी मरीजों को थर्मामीटर के साथ-साथ पल्स ऑक्सीमीटर अनिवार्य रूप से अपने पास रखने के लिए कहा जाए। अगर तबीयत बिगड़ती नजर आए तो उसे तत्काल अस्पताल में भेजा जाए।

4. कंटेनमेंट जॉन के सैनिटाइजेशन में आरडब्ल्यूए होंगी शामिल : नरेंद्र भूषण ने स्वास्थ्य विभाग, विकास प्राधिकरण और जिला प्रशासन को आदेश दिया है कि कंटेनमेंट जोन में प्रभावी ढंग से सैनिटाइजेशन करवाया जाए। तीनों प्राधिकरण क्षेत्रों में हाउसिंग सोसाइटीज और सेक्टरों की रेजिडेंट वेलफेयर एसोसिएशन व अपार्टमेंट ओनर्स एसोसिएशन को स्टैंडर्ड ऑपरेटिंग प्रोसीजर उपलब्ध करवाए जाएं। सैनिटाइजेशन अभियान में इन सामाजिक संगठनों का सहयोग लिया जाए। जिले में कोविड-19 के प्रभावी उपचार के लिए शासन की ओर से समय-समय पर गाइडलाइन जारी की जा रही हैं, इनका अक्षरश: पालन किया जाना चाहिए।

5. आरोग्य सेतु एप करें डाउनलोड : नरेंद्र भूषण ने जनपदवासियों से अपील की है कि अपने-अपने मोबाइल में आरोग्य सेतु एप डाउनलोड कर लें। जिससे लोगों को अपने आसपास कोरोना से संक्रमित हो चुके लोगों के बारे में जानकारी मिलेगी। ऐप पर बचाव और इलाज से संबंधित सूचनाओं के अलर्ट मिलते रहेंगे। इन सूचनाओं का उपयोग खुद को और परिवार को संक्रमण से बचाने के लिए किया जा सकता है।

6. लक्षण नजर आए तो तत्काल करें डॉक्टर से संपर्क : नरेंद्र भूषण ने लोगों से अनुरोध किया है कि अगर किसी भी व्यक्ति को बुखार, खांसी या सांस लेने में परेशानी हो रही है तो तुरंत अपने डॉक्टर से परामर्श और सहायता लें।

अश्विनी शंकर इंटेक (आई) के निर्विरोध अध्यक्ष चुने गए

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

देशभर के तमाम विश्वविद्यालयों में कांग्रेस पार्टी की विचारधारा को जीवित रखने हेतु इंटेक(आई)के पदाधिकारियों का चुनाव संपन्न हुआ।

इस चुनाव में लगभग तीन दशक से कांग्रेस पार्टी और दिल्ली विश्वविद्यालय में विभिन्न पदों पर रहे अश्विनी शंकर को इस संगठन का निर्विरोध अध्यक्ष चुन लिया गया। इस चुनाव में डा. ए.एमखान एवं डॉ एम.रामानंदा सिंह को उपाध्यक्ष तथा डॉ. ज्ञानेंद्र नारायण सिंह को महासचिव के लिए भी निर्वाचित किया गया। असद अहमद, सरोज

कुमारी, रवींद्र सिंह, सनावर सोहम, यशेश्वर एवं भास्कर कांडपाल को सचिव तथा संज को भी कोषाध्यक्ष के पद पर सर्वसम्मति से चुन लिया गया।

देशभर के विश्वविद्यालयों में इंटेक(आई) प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के आदर्शों पर चलते हुए एक धर्मनिरपेक्ष तथा वैज्ञानिक सोच के प्रसार के साथ-साथ एक तार्किक शिक्षा का मार्गप्रशस्त करेगा। सर्वोच्च निकाय आई डब्लू सी (इंटेक वर्किंग कमिट होगी।

कोरोना : निजी अस्पतालों में एंट्री बंद होने से भटक रहे मरीज

बीके अस्पताल के अपातकालीन कक्ष में पांच मौत और दो कोविड-19 संक्रमित

कविता। फरीदाबाद

शहर के निजी अस्पताल संचालक आरटीपीसीआर जांच रिपोर्ट के बिना मरीजों का इलाज व भर्ती करने से साफ इंकार कर रहे हैं। ऐसे में मरीज यहां से वहां चक्कर काट रहे हैं और जब तक मरीज सिविल अस्पताल के अपातकालीन कक्ष में पहुंचता है, तब तक कई मरीजों की सांसें थम जाती हैं। ऐसा ही बीके अस्पताल के अपातकालीन कक्ष में देखने को मिला। यहां करीब दो घंटे में पांच मरीजों ने दम तोड़ दिया। वहीं यहां दाखिल दो मरीजों और एक अन्य की रिपोर्ट पॉजिटिव आ गई। जिससे यहां मॉर्निंग शिफ्ट में हाल-बेहाल देखने को मिला। अपातकालीन कक्ष में विमला दयाल नगर, मौना सेक्टर-31, प्रदीप संजय कॉलोनी, अज्ञात समेत एक अन्य व्यक्ति ने दम तोड़ दिया। वहीं बीती रात पांच से सात मरीज यहां पॉजिटिव पाए गए।

ये हैं हालात

बीके अस्पताल के अपातकालीन कक्ष में इलाज को पहुंचे मरीजों की मौत के बाद परिजनों ने बताया कि निजी अस्तपालों में कोरोना के मरीजों को ही दाखिल किया जा रहा है। अगर मरीज किसी और बीमारी से पीड़ित है तो उसे वहां दाखिल ही नहीं किया जा रहा है।

रेपिड जांच की रिपोर्ट को माना ही नहीं जा रहा है। आरटीपीसीआर जांच करा कर लाने को कहा जा रहा है। लेकिन आरटीपीसीआर जांच बाहर से कराने पर पैसे लग रहे हैं और अगर वह बीके सिविल अस्पताल की प्रयोगशाला में जांच कराते हैं तो वहां रिपोर्ट ही 48 से 72 घंटे के बाद आती है। कई बार तो चार दिनों तक रिपोर्ट के लिए लोगों को चक्कर काटने पड़ते हैं। तब तक मरीजों की जान पर बन आती है।

पांच मरीजों की मौत

ड्यूटी पर तैनात कर्मचारी और चिकित्सक पांच मरीजों की मौत अपातकालीन कक्ष में एक साथ होने पर हैरान रह गए। वहां मौजूद लोगों ने बताया कि अस्तपाल में मृतकों को रखने की व्यवस्था नहीं है। जिस पर उन्हें स्ट्रेचर पर ही डालकर रखा जा रहा है। वहीं कुछ मरीजों के ऊपर ढकने तक को कपड़ा नहीं था। जिस पर परिजनों द्वारा हंगामा करने पर नए कपड़े का इंतजाम करके स्टाफ के सदस्यों ने उन्हें चुप कराया।

अज्ञात समेत दो पाजिटिव

पिछले कुछ समय से दाखिल अज्ञात मरीज की रिपोर्ट भी पॉजिटिव आ गई। वहीं यहां दाखिल एक महिला मरीज की रिपोर्ट भी पॉजिटिव आई है। ऐसे में कर्मचारियों का कहना था कि उन्हें यहां आने वाले मरीजों की देखभाल के दौरान स्वयं के बचाव के लिए न तो ग्लब्स मिल रहे हैं और न ही अन्य सामान। ऐसे में वह खुद का बचाव कैसे करें।

कोरोना विस्फोट जारी : 4 मौत, 987 पॉजिटिव से आंकड़ा पहुंचा 54750

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

जिले में कोरोना के मरीजों की संख्या लगातार तेजी के साथ बढ़ रही है। जिन इलाकों में बीते वर्ष मरीज सामने आ रहे थे। उन्हीं इलाकों में एक बार फिर मरीजों की संख्या तीन गुणा ज्यादा सामने आ रही है। जिसे देखते हुए जांच करवाने और बीमार मरीजों की लम्बी लाइने अस्पतालों में लग रही है।

शनिवार को बीके अस्पताल में भी कोरोना के लक्षणों वाले मरीजों की भीड़ लग गई। वहीं जिले में शनिवार को सर्वाधिक 987 पॉजिटिव मरीज सामने आए हैं। जिससे जिले में कोविड-19 का आंकड़ा 54750 पर पहुंच गया। वहीं पिछले 24 घंटे में 4 मरीजों की मौत हो गई। वहीं जिले में राहत की बात यह रही कि 404 मरीजों ने कोरोना की जंग जीत ली। जिससे जिले का रिकवरी रेट 90.7 प्रतिशत पर पहुंच चुका है।

इतने पॉजिटिव : जिले में फिलहाल एक्टिव मरीजों की संख्या का आंकड़ा 4652 है। जिसमें होम आईसोलेट मरीज 4036 हैं। पिछले 24 घंटे में 987 मरीज पॉजिटिव हैं। जिसमें सेक्टर-30 (12), धीरज नगर (8), आईपी कॉलोनी (9), सेक्टर-8 और 7 से 7-7 मरीज हैं। गोपाल अस्पताल (1), सूर्या कॉलोनी (3), सरपंच कॉलोनी (1), ओम इंक्लेव (2), जवाहर कालोनी (6), एनएच-5 (10), अहीरवाड़ा (1), भूदत्त कॉलोनी (1), साबुन कालोनी (4), इंदिरा नगर (3), ग्रीन फील्ड कॉलोनी (15), ग्रीन वैली (5), साइन कॉलोनी (6), एनएच-एक (7), डबुआ कॉलोनी (4), नेहरू ग्राउंड (6), सेक्टर-16 (7), सेक्टर-18 (6), न्यू बसेलवा कॉलोनी (5), सेक्टर-29 (12), सेक्टर-49 (14), सैनिक कॉलोनी (12), सेक्टर-21 (10), सवाना (1), एनएच-4 (6), एनएच-3 (4), सेक्टर-28 (15), स्प्रींग फिल्ड कॉलोनी (12), झाडसेंतली (2), तिलपत कॉलोनी (5), शिव कॉलोनी (3), सेक्टर-89 (11), सेक्टर-37 (9), अशोका इंक्लेव (9), एसजीएम नगर (5), हरी बिहार (8), गर्ग कॉलोनी (7), सेक्टर-86 (15), सेक्टर-87 (13) अन्य एरियों से 679 मरीज शामिल हैं।

ये हैं आंकड़े

जिले में कुल जांचें	: 617056
अब तक पॉजिटिव	: 54750
अब तक नेगेटिव	: 559431
रिपोर्ट आनी शेष	: 2875
ऑक्सीजन पर हैं	: 156
वैंटीलेटर पर हैं	: 23
अब तक मौत	: 436
अब तक ठीक	: 49662

एमडीयू ने भी ऑनलाइन एग्जाम कराने का लिया फैसला

फरीदाबाद। एनएसयूआई के संघर्ष के चलते हुए एक बार फिर से हरियाणा की भाजपा-जजपा सरकार को छात्रों की मांग के आगे झुकना पड़ा है। पिछले काफी दिनों से एनएसयूआई के बैनर तले छात्र एमडीयू यूनिवर्सिटी तथा उनसे संबंधित कॉलेजों में ऑनलाइन मोड़ में एग्जाम कराने की मांग कर रहे थे और आज वो मांग यूनिवर्सिटी ने मान ली है। 20 अप्रैल से होने वाली परीक्षाएं अब एक मई से होंगी और ऑनलाइन मोड़ में होंगी। यह जानकारी एनएसयूआई हरियाणा के प्रदेश महासचिव कृष्ण अत्री ने जारी बयान में कही।

एनएसयूआई हरियाणा के प्रदेश महासचिव कृष्ण अत्री ने बताया कि कोरोना संक्रमण के बढ़ते प्रकोप को देखते हुए छात्रों में ऑफलाइन मोड़ में परीक्षाएं करवाने को लेकर रोष था और छात्र एनएसयूआई के बैनर तले लगातार अपनी आवाज उठा रहे थे। एनएसयूआई के संघर्ष चलते हरियाणा प्रदेश की अधिकांश यूनिवर्सिटियां छात्रों की मांग को मान चुकी थी और ऑनलाइन मोड़ में एग्जाम करा रही थी लेकिन कुछ एक यूनिवर्सिटियां ऐसी थीं जो की ऑफलाइन मोड़ में एग्जाम कराने पर अड़ी हुई थी जिनमें एमडीयू भी एक थी। कृष्ण अत्री ने बताया कि छात्रों को मांग को हरियाणा के शिक्षा मंत्री, गृहमंत्री और मुख्यमंत्री के समक्ष रखा और जब समाधान नहीं हुआ तो केंद्रीय शिक्षा मंत्री रमेश पोखरियाल को भी पत्र लिखकर छात्रों की मांग से अवगत कराया। एनएसयूआई के संघर्ष के चलते 16 अप्रैल को प्रदेश के सभी शिक्षण संस्थानों को बंद करने का फैसला लिया गया था और आज 17 अप्रैल को एमडीयू ने 20 अप्रैल से होने वाली परीक्षाओं को स्थगित करके एक मई से ऑनलाइन मोड़ में कराने का फैसला लिया है जोकि महर्षि दयानंद विश्विद्यालय तथा उससे जुड़े हुए सभी कॉलेजों के छात्रों की जीत है।

समारोह में पदक विजेता महिला खिलाड़ियों को किया पुरस्कृत

फरीदाबाद। शनिवार को ओल्ड फरीदाबाद के बाढ़ मोहल्ला स्थित वाल्मीकि मंदिर में आयोजित एक समारोह में पदक विजेता महिला खिलाड़ियों, राज्यस्तरीय पहलवान साक्षी और राष्ट्रीय स्तर की कांस्य पदक विजेता फुटबाल खिलाड़ी आरती को पुरस्कृत किया गया। कार्यक्रम का आयोजन आत्माराम द्वारा किया गया। कार्यक्रम में कोविड-19 से बचाव के दिशा-निर्देशों का पूरा ध्यान रखा गया।

खिलाड़ियों को पुरस्कृत करने उपरांत ध्यानचंद अवार्डी नेत्रपाल पहलवान और टोनी पहलवान ने उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए संयुक्त रूप से कहा कि आज लड़कियां किसी भी क्षेत्र में लड़कों से कम नहीं हैं चाहे वह क्षेत्र पढ़ाई का हो या खेलकूद का, वे हर क्षेत्र में अपना दमखम दिखाकर झंडा गाड़ रही हैं। उन्होंने कहा कि केंद्र व राज्य की भाजपा सरकारें खेलों को बढ़ावा देने के लिए अनेक तरह की योजनाएं चलाए हुए हैं जिनके माध्यम से अब ग्रामीण अंचल से निकलकर खिलाड़ी राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर पर क्षेत्र का नाम रोशन कर रहे हैं। वहीं इन पुरस्कृत खिलाड़ियों ने सरकार द्वारा दी जा रही सहूलियतों की सराहना करते हुए कहा कि वे आज जिस मुकाम पर हैं उस पर सरकारी मदद के बिना नहीं पहुंच सकती थे।

मौके पर अजरौंदा मंडल अध्यक्ष कुलदीप सिंह साहनी, नवीन पसरीचा, किसान मोर्चा मंडल अध्यक्ष यशराज जिजोरिया, सुरेंद्र शर्मा उर्फ बबली, जैजू पहलवान, प्रवीण चौधरी गर्ग, ओमप्रकाश दरोगाजी, रतन ठेकेदार, नगर निगम प्रधान धनसिंह, मदन प्रधानजी, विनोद प्रधानजी, विकास प्रधानजी, नगर निगम के जिला प्रधान बलबीर बालगुहेर, गुरचरण खांडिया, महेंद्र कुठिया आदि उपस्थित रहे।

इंटरव्यू से वंचित रहेंगे पॉजिटिव अध्यापक

फरीदाबाद। माडल संस्कृति सीनियर सेकंडरी स्कूलों के लिए होने वाले इंटरव्यू को लेकर अध्यापक परेशान है। क्योंकि मॉडल संस्कृति सीनियर सैकेंडरी स्कूलों के इंटरव्यू ऑफलाइन है और कोरोना पॉजिटिव हुए अध्यापक इन्हें नहीं दे सकेंगे। जानकारी सरकार ने शिक्षा स्तर को सुधारने की दिशा में मॉडल संस्कृति स्कूल खोले हैं। जिसके इसके इन स्कूलों में प्रिंसीपल व टीचिंग स्टॉफ के लिए आवेदन मांगे गए थे। प्रिंसीपल की तैनाती हो गई है और अब अध्यापकों के 19 से 22 अप्रैल तक इंटरव्यू होने हैं। पूरे प्रदेश से 358 अध्यापकों के इंटरव्यू होने हैं, लेकिन इनमें से कई अध्यापक कोरोना पॉजिटिव हो गए हैं। इसके चलते वह किस तरह इंटरव्यू में पहुंच पाएंगे, क्योंकि वह अब घरों में 18 दिनों के लिए कैद हो गए हैं। ऐसे में इन अध्यापकों का चंडीगढ़ में इंटरव्यू पर पहुंचना मुश्किल हो गया है। हालांकि फरीदाबाद के कोरोना पॉजिटिव अध्यापकों ने अपनी समस्या के बारे में चंडीगढ़ बात की, पर अधिकारियों ने उनकी एक न सुनी। अध्यापकों ने मांग की है कि वह ऑनलाइन इंटरव्यू देने के लिए तैयार है या फिर उन्हें स्वस्थ होने के बाद इंटरव्यू के लिए बुलाया जाए।

उपभोक्तों को पेयजल और सीवर बिल अब मोबाइल फोन पर मिलेंगे

फरीदाबाद। उपायुक्त एवं नगर निगम के कमिश्नर यशपाल की अध्यक्षता में गत सायं स्थानीय लघु सचिवालय के बैठक कक्ष में एमसीएफ के अधिकारियों के साथ बैठक आयोजित की गई। बैठक में एमसीएफ कमिश्नर यशपाल ने हरियाणा अर्बन लोकल बॉडीज, स्थानीय शहरी निकाय विभाग की वेबसाइट को लांच किया गया है। जिसके माध्यम से अब नगर निगम के पेयजल सप्लाई के और सीवरेज व्यवस्था के बिलों की पूरी जानकारी उपभोक्ताओं को मोबाइल पर ही मिलेगी।

उपभोक्ता अपने पेयजल आपूर्ति तथा सीवरेज के बिलों का भुगतान भी घर बैठे आनलाइन ही कर सकेंगे। इसके अलावा पेयजल सप्लाई और सीवरेज के लिए नए कनेक्शनों के आवेदन ऑनलाइन किए जा सकेंगे। बैठक में वेबसाइट लांच करने उपरांत बल्लभगढ़ एमसीएफ डिवीजन चार के सभी पेयजल सप्लाई और सीवरेज के बिल अब घर बैठे ऐप के माध्यम से उपभोक्ता ऑनलाइन पर ही जमा करवा सकेंगे। अब एमसीएफ के कार्यालय में बिल जमा बिल जमा करवाने के लिए बल्लभगढ़ वासियों को चक्कर नहीं लगाने पड़ेंगे। एमसीएफ के आईटी विभाग के कार्यकारी अभियंता विवेक गिल ने विस्तृत जानकारी देते हुए बताया कि एमसीएफ की पोर्टल जारी कर दी गई है और इस अवसर पर बल्लभगढ़ डिवीजन 4 नंबर के बिल पेयजल सप्लाई व सीवरेज के बिल ऑनलाइन ही लोगों को मोबाइल के जरिए मैसेज मिलेंगे। बल्लभगढ़ जोन के लोग भी ऑनलाइन मोबाइल के माध्यम से अपने पेयजल आपूर्ति और सीवरेज बिल जमा करवा सकेंगे। उन्होंने बताया कि सरकार की स्थानीय शहरी निकाय विभाग की वेबसाइट Ulb.online.gov.in पर जाकर उपभोक्ता को अपने बिल की पूरी जानकारी मिलेगी और वह ऑनलाइन के माध्यम से ही अपना बिल जमा करवा सकेगा। उन्होंने बताया कि नगर निगम के पेयजल सप्लाई व सीवरेज के उपभोक्ताओं को अब नए कनेक्शन करवाने तथा उनके बिल अदा करने के लिए एमसीएफ के कार्यालयों में चक्कर नहीं लगाने पड़ेंगे।

सरकार के आदेशों के खिलाफ शहर में खुले कई स्कूल

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

कोरोना बीमारी को बढ़ावा देने वाले स्कूल कॉलेजों को शिक्षा विभाग की तरफ से बंद कर दिया गया है, लेकिन इसके बावजूद शनिवार को कुछ स्कूल नियमों को ताक पर रखकर खुले रहे। स्कूलों से निकलने वाले बच्चों के बीच कोरोना के नियम टुटते नजर आए।

जानकारी के मुताबिक शिक्षा निर्देशालय और उच्चतर शिक्षा विभाग की तरफ से कोरोना के बढ़ते मामलों को देखते हुए आगामी 30 अप्रैल तक पहली से 12वीं कक्षा तक की पढ़ाई के लिए स्कूलों और कॉलेजों समेत समस्त शिक्षण संस्थानों को बंद करके के आदेश शुक्रवार को निकाले थे। लेकिन इसके बावजूद जिले में कुछ स्कूल खुले हुए नजर आए। स्कूलों के बाहर निकले विद्यार्थियों के बीच सोशल डिस्टेंसिंग का तो नामों निशान नहीं था। वहीं कोरोना से बचाव के लिए लगाया जाने वाला मास्क भी आधे से ज्यादा बच्चों के मुंह से गायब दिखा।

आ रहे पॉजिटिव : जिला स्वास्थ्य विभाग के आंकड़ों में दस फीसदी स्कूली बच्चे पॉजिटिव आ रहे हैं। इसके बावजूद भी स्कूल संचालकों द्वारा स्कूलों को नियम कायदों को ताक पर रखकर स्कूलों को खोला गया। ऐसे में पॉजिटिव मामलों में वृद्धि हो सकती है।

चिकित्सक का कथन : क्यूआरजी हेल्थ सिटी अस्पताल में बाल रोग विभाग के एचओडी एवं वरिष्ठ विशेषज्ञ डॉ. लोकेश महाजन ने बताया कि आज बच्चों में भी कोरोना संक्रमण तेजी से फैल रहा है। प्रतिदिन ओपीडी में आने वाले 25 मरीजों में 50 फीसदी बच्चे कोरोना के लक्षण के साथ आ रहे हैं। बच्चों में भी इस बीमारी के लक्षण बड़े लोगों में आने वाले लक्षण जैसे ही हैं। जैसे खांसी, जुकाम, गला दर्द, बुखार, सिरदर्द, उल्टी, डायरिया आदि। इसके अलावा रैशेस, लाल आंखों के लक्षण के मरीज भी आ रहे हैं। संक्रमित बच्चों की तादाद बढ़ी है क्योंकि अब बच्चे खेलने के लिए घर से बाहर निकल रहे हैं। इसलिए सलाह दी जाती है कि बच्चों को घर के अन्दर ही रखें, बाहर खेलने न भेजें। अगर बच्चा संक्रमित हो गया तो परिवार के अन्य बड़े लोगों में संक्रमण बहुत तेजी से फैल सकता है क्योंकि बच्चे के लिए स्वयं को होम आइसोलेट करना या कोविड सम्बंधित गाइडलाइन्स का पालन करना थोड़ा मुश्किल होता है।

डॉ. लोकेश

रखे इन बातों का ख्याल

डॉ. लोकेश ने बताया कि बच्चों को घर के अन्दर ही रखें। बच्चों को खुद की साफ-सफाई करना सिखाएं, हाथों को धोना सिखाएं। अगर किसी बच्चे में कोरोना के लक्षण दिखाई दे रहे हैं तो सबसे पहले बच्चे का आरटी पीसीआर टेस्ट कराएं। टेस्ट में कोविड का पता चलने पर बच्चे को होम आइसोलेट करें और परिवार का एक सदस्य संक्रमण से बचाव करने से जुडी सावधानियों का पालन करते हुए बच्चे की देखभाल करें। सलाह दी जाती है कि खांसी, बुखार, जुखाम होने पर लोग जल्द से जल्द टेस्ट जरूर कराएं, इसमें देर नही करनी है। टेस्ट की रिपोर्ट छुपाएं नहीं, टेस्ट पॉजिटिव आता है तो कम से कम 17 दिन घर के अन्दर ही रहें। संक्रमण से डरें नहीं बल्कि सतर्क रहें।

मोटरसाइकिल चोरी के आरोप में दो गिरफ्तार

फरीदाबाद। पुलिस आयुक्त ओपी सिंह द्वारा जिले में चोरी की वारदातों पर लगाम लगाने के लिए चोरी की वारदात में शामिल आरोपियों की धरपकड़ के लिए दिए गए दिशा निर्देशों के तहत कार्य करते हुए क्राइम ब्रांच सेक्टर 56 की टीम ने दो शातिर आरोपियों को चोरी के जुर्म में गिरफ्तार किया है।

क्राइम ब्रांच ने गुप्त सूत्रों की सहायता से आरोपी रिजवान को अवैध देसी कट्टे सहित गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की। आरोपी रिजवान को अदालत में पेश कर के पुलिस रिमांड पर लिया गया। पुलिस रिमांड के दौरान सामने आया कि आरोपी रिजवान ने अपने साथी आरोपी राशिद के साथ मिलकर जिले में मोटरसाइकिल चोरी की वारदातों को अंजाम दिया था। इसके बाद आरोपी रिजवान की सूचना पर आरोपी राशिद को चोरी की मोटरसाइकिल सहित चंदावली पुल से गिरफ्तार किया गया।

संक्षिप्त समाचार

68 केंद्रों पर 3247 लोगों ने लगवाया टीका

फरीदाबाद। जिले में लोगों को वैक्सीन लगाई जा रही है। जिसके तहत शनिवार को जिले में 68 केंद्रों पर 3247 लोगों को वैक्सीन लगाई गई। बुजुर्ग खुश होकर वैक्सीन लगवा रहे हैं। शनिवार को बीके अस्पताल के वैक्सीनेशन सेंटर पर एसजीएम नगर की 95 वर्षीय कैलाशवती देवी ने इंजेक्शन लगवाते हुए टीकाकरण कर रही अंजू को कहा कि उन्हें खुशी है कि कोरोना से बचाव का उन्हें टीका लगाया जा रहा है। वह घर से खाना खाकर इस टीके को लगवाने आई है। वहीं आंकड़ों के मुताबिक शनिवार को 19 निजी अस्पतालों में पहली डोज 675 को और सैकेंड डोज 388 को लगाई गई। वहीं 49 सरकारी में पहली डोज 1389 को और सैकेंड डोज 795 को लगाई गई। जिसमें प्रथम लाईन, हेल्थ केयर, 60 वर्ष से अधिक और 45 वर्ष से अधिक के लोगों को कोरोना से बचाव का टीका लगाया गया।

मोस्टवांटेड इनामी बदमाश सुनील गिरफ्तार

फरीदाबाद। पुलिस आयुक्त ओपी सिंह द्वारा जिले के मोस्ट वांटेड अपराधियों का सफाया करने के लिए दिए गए दिशा-निर्देशों के तहत कार्य करते हुए क्राइम ब्रांच सेक्टर 17 की टीम ने फरार चल रहे 10 हजार के इनामी बदमाश सुनील को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। आरोपी के एक अन्य साथी विनोद को पुलिस ने बीते दिन ही गिरफ्तार किया था। आरोपी के खिलाफ थाना छायंसा में हत्या की कोशिश की धाराओं के तहत मुकदमा दर्ज है। आरोपी ने अपने साथियों विनोद, अजय और श्याम उर्फ सोनू के साथ मिलकर 27 अगस्त 2020 को छायंसा थानाक्षेत्र में स्थित सैनी ढाबे पर नशे की हालत में किसी बात को लेकर महेंद्र पर चाकू से वार करके उसे बुरी तरह घायल कर दिया था। आरोपी गिरफ्तारी से बचने के लिए अपनी रिश्तेदारी में अपनी बुआ के घर ओरंगाबाद जिला पलवल व उतर प्रदेश में अलग अलग जगह पर रहता था। क्राइम ब्रांच की टीम ने गुप्त सूत्रों में साइबर तकनीकी की सहायता से कड़ी मशक्कत करने के पश्चात आरोपी को तिगांव पुल के पास से गिरफ्तार कर लिया। आरोपी सुनील पुत्र होशियार सिंह फरीदाबाद के मोहना गांव का रहने वाला है। आरोपी को अदालत में पेश करके जेल भेज दिया गया है और उसके साथियों की पुलिस द्वारा तलाश की जा रही है जिन्हें जल्द ही गिरफ्तार किया जाएगा।

पूर्व विधायक ललित नागर ने परिवार सहित लगवाई वैक्सीन

फरीदाबाद। सेक्टर-16 स्थित दिगंबर जैन मंदिर के प्रांगण में शनिवार को लगाए गए वैक्सीनेशन कैंप में तिगांव क्षेत्र के पूर्व विधायक ललित नागर ने अपने पूरे परिवार के साथ वैक्सीन लगवा कर लोगों को वैक्सीन लगवाने के प्रति जागरूक किया। इस मौके पर पूर्व विधायक ललित नागर ने कहा कि कोरोना महामारी से भारत ही नहीं बल्कि पूरा विश्व जूझ रहा है और पिछले कुछ दिनों से जिस प्रकार से कोरोना की दूसरी लहर बेकाबू हुई है, उससे देश का हर राज्य व जिला प्रभावित हो रहा है और इसे रोकने के लिए जहां हमें आगे आकर वैक्सीनेशन करवाना होगा वहीं सावधानियां भी बरतनी होगी, तभी हम कोरोना से जंग जीत पाएंगे। श्री नागर ने कहा कि कोरोना से बचाव के लिए वैक्सीन काफी कारगर है और इसलिए लोगों को इसे अवश्य लगवाना चाहिए। उन्होंने सरकार से मांग करते हुए कहा कि कोरोना संक्रमण की दूसरी लहर में करीब 60 प्रतिशत मामले युवाओं के सामने आ रहे है, ऐसे में सरकार को चाहिए कि वह वैक्सीनेशन की आयु सीमा भी घटाकर ज्यादा से ज्यादा लोगों को वैक्सीन लगवाने की व्यवस्था करें ताकि कोरोना के संक्रमण का खात्मा किया जा सके। श्री नागर ने वैक्सीन लगवाने आए लोगों से कहा कि वह अभी लापरवाही कतई न बरतें, वैक्सीनेशन करवाने के बाद भी मास्क लगाना, दो गज की दूरी और बार-बार हाथों को धोने की सावधानी अवश्य बरतें और दूसरी डोज भी समय पर लगवाएं।

125 लोगों को लगा कोरोना का टीका

बल्लभगढ़। परिवहन एवं खनन मंत्री मूलचन्द शर्मा के सेक्टर 8 कार्यालय पर कोरोना वैक्सीन कैंप का आयोजन किया गया। बल्लबगढ़ के सरकारी अस्पताल के डॉ. योगेंद्र की टीम द्वारा सेक्टर 8 व 10 की मार्केट के करीब 125 लोगों को टीका लगाया। कैम्प में परिवहन मंत्री के परिजनों ने भी कोविडसील्ड वैक्सीन लगवाई। मौके पर मंत्री शर्मा मौजूद रहे। परिवहन मंत्री मूलचन्द शर्मा ने मार्किट के लोगों को जागरूक किया कि वे कोरोना से बचाव के लिए वैक्सीन का टीका जरूर लगवाएं। इसके अलावा प्रयास वेलफेयर संस्थान सेक्टर 64 बल्लभगढ़ कोरोना से बचाव के लिए टीकाकरण अभियान चलाया गया और कैंप का आयोजन किया गया। जिसमें 45 साल की उम्र से अधिक के लोगों को कोविडसील्ड इंजेक्शन लगाया गया। इस मौके पर प्रयास वेलफेयर संस्थान के महासचिव पवन गुप्ता, मंगत राम सिंगला, सरदार मंजीत सिंह, उद्योगपति अरुण बजाज, आरपी हंस, कमलेश शास्त्री और प्रक्रुथी ट्रस्ट के रमा सरना, सुरेंद्र जग्गा, विनीता गुप्ता, उपाध्यक्ष अनूप गुप्ता, कोमल शरना, नीरज जग्गा आदि गणमान्य लोग मौजूद रहे।

जेनेटिक इंजीनियरिंग है मानव जाति का बेहतर भविष्य

अभूतपूर्व तकनीकी क्रांति के इस युग में, जेनेटिक इंजीनियरिंग तेजी प्रभावी होती जा रही है। हमारे समय की कुछ सबसे बड़ी मानवीय, चिकित्सा और पर्यावरणीय चुनौतियों को दूर करने की क्षमता है।

बी के पी सिन्हा

बीकेपी सिन्हा पूर्व आईएफएस अधिकारी व पई एमिटी विश्वविद्यालय में सह प्रोफेसर हैं।

सोमनाथ पई

अभूतपूर्व तकनीकी क्रांति के इस युग में, जेनेटिक इंजीनियरिंग तेजी से केंद्र स्तर पर अपना स्थान बना रही है। मैसाचुसेट्स इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (एमआईटी) में न्यूरोसाइंस के एक प्रोफेसर सुसान होकफील्ड का कहना है कि वायरस-संचालित बैटरी, प्रोटीन-आधारित पानी फिल्टर, कैंसर का पता लगाने वाले नैनोकणों, दिमाग पढ़ने वाले बायोनिक अंगों, कंप्यूटर-इंजीनियर फसलों, और इसी तरह, हमारे समय की कुछ सबसे बड़ी मानवीय, चिकित्सा और पर्यावरणीय चुनौतियों को दूर करने की क्षमता है। ये अगली पीढ़ी के उत्पाद होने जा रहे हैं, जो हमारे जीवन को फिर से आकार देने की क्षमता रखते हैं। उदाहरण के लिए, हमारे उपयोग के लिए पानी को शुद्ध करने के लिए एक्वापोरिन जैसे उत्पादों की खोज जो एक पार्किंग स्थल की तरह कार्य करती है जो केवल प्रवेश करने के लिए एक विशिष्ट ट्रांसपोंडर के साथ पहचानी गई कारों की अनुमति देती है, प्रकृति का चमत्कार है। इन सभी सीमांत तकनीकों में जेनेटिक इंजीनियरिंग के इनपुट हैं।

जेनेटिक इंजीनियरिंग ने 1971 से एक लंबा सफर तय किया है, जब दो वैज्ञानिकों, बर्ग और जैक्सन ने एक पुनः संयोजक डीएनए के पहले अणुओं का निर्माण किया। आणविक जीवविज्ञानी के हाथों में जेनेटिक इंजीनियरिंग को लगभग बच्चे का खेल को बनाने के लिए तब से कई मील के पत्थर पार किए गए हैं। लेकिन जीन थेरेपी, जिसका जेनेटिक इंजीनियरिंग ने वादा किया था, कई तरह की कार्यप्रणाली के बावजूद नुकसान से जूझ रही है। परिणामस्वरूप, किसी के जीन में विपथन के परिणामस्वरूप विरासत में मिले विकारों को दोषपूर्ण जीन की जगह या सुधार करके इलाज नहीं किया जा सकता है। अपने विशिष्ट स्थान में जीन को ठीक करना एक मुद्दा था और जब यह वायरस को नियोजित करने से दूर हो जाता है, तो हमारी प्रतिरक्षा प्रणाली खराब होने वाले अन्य मुद्दों के अलावा स्पॉइलस्पोर्ट खेलती है।

जब से 1998 में एक दुर्लभ चयापचय विकार जिसे ओर्निथिन ट्रांसकार्बामाइलेज़ डेफीशिएंसी सिंड्रोम, (ओटीसीडी) कहा जाता है, के इलाज के लिए जेसी जेल्सिंगर परीक्षण की विफलता के बाद से जीन थेरेपी को कड़े नियमों के बीच सांस के लिए छोड़ दिया गया था। यह वह जगह है जहां बैक्टीरिया के एक गंभीर अवलोकन में विशेष रूप से आक्रमणकर्ता को निष्क्रिय करने के लिए वायरस के डीएनए को लक्षित करने की क्षमता होती है, इससे पहले की कार्यप्रणाली के कई नुकसानों को दूर करने में सफलता मिली।

सीआरआईएसपीआर और जीन एडिटिंग : सीआरआईएसपीआर तकनीक जीनोम के लिए एक सरल लेकिन शक्तिशाली उपकरण है। यह शोधकर्ताओं को डीएनए अनुक्रमों को आसानी से बदलने और जीन फ़ंक्शन को संशोधित करने की अनुमति देता है। इसके कई संभावित अनुप्रयोगों में आनुवांशिक दोषों को ठीक करना, बीमारियों के प्रसार को रोकना और रोकना और फसलों में सुधार करना शामिल है। सीआरआईएसपीआर कास-9 काम आसानी से और ठीक से कर सकता है क्योंकि सीआरआईएसपीआर बैक्टीरिया प्रतिरक्षा प्रणाली का एक हिस्सा है और रोगाणु भी वायरस से बीमार हो सकते हैं। बैक्टीरिया उन्हें अपने डीएनए या आरएनए को सीआरआईएसपीआर अनुक्रमों के साथ काटकर लड़ते हैं और फिर अपने डीएनए बिट्स को अपने स्वयं के जीनोम में चिपकाकर याद करते हैं, जिससे भविष्य के किसी भी संक्रमण को दूर करने की अनुमति मिलती है। ये आनुवंशिक कैंची, जिनके जीनोमिक डीएनए के लक्षित संशोधन के लिए उपयोग को जेनिफर डूडना और इमैनुएल चार्पियरियर ने पूरा किया था, ने जेनेटिक इंजीनियरिंग और जीन थेरेपी को एक नया जीवन दिया है। ये दोनों वैज्ञानिक 2020 में रसायन विज्ञान के नोबेल पुरस्कार के प्राप्तकर्ता थे।

सीआरआईएसपीआर कास-9 का उपयोग : पारंपरिक बीमारियों के जरिए लाइलाज होने वाली कई बीमारियों का इलाज अब जेनेटिक इंजीनियरिंग की बदौलत आसानी से किया जा सकता है। सिकल सेल एनीमिया, बचपन अंधापन और इतने पर जैसे मोनोजेनिक विरासत में मिली बीमारियों के इलाज के लिए सीआरआईएसपीआर आधारित दृष्टिकोणों का उपयोग करके नैदानिक परीक्षण चल रहे हैं। यह भविष्य में कई अन्य बीमारियों जैसे कैंसर, ऑटोइम्यून विकारों और पॉलीजेनिक आनुवंशिक विकारों के इलाज का वादा करता है।

चिकित्सा अनुप्रयोगों केअलावा, इसका उपयोग आनुवांशिक रूप से फसलों को वायरस के लिए प्रतिरोधी बनाने, लीनर सूअर बनाने, खमीर को बेहतर बीयर बनाने में मदद करने, मच्छरों को बांझ बनाने आदि के लिए किया जा रहा है। एक विलुप्त प्रजाति को फिर से बनाना भी संभव है, इसलिए जुरासिक पार्क वास्तव में भविष्य में एक वास्तविकता हो सकती है। सीआरआईएसपीआर जीन एडिटिंग के उपयोग पर भी शोध चल रहा है जो हमें महामारी, कैंसर, अल्जाइमर और अन्य बीमारियों की चपेट में आने से बचा सकता है।

चिकित्सा अनुप्रयोगों के अलावा, इसका उपयोग आनुवांशिक रूप से फसलों को वायरस के लिए प्रतिरोधी बनाने, लीनर सूअर बनाने, खमीर को बेहतर बीयर बनाने में मदद करने, मच्छरों को बांझ बनाने आदि के लिए किया जा रहा है। एक विलुप्त प्रजाति को फिर से बनाना भी संभव है, इसलिए जुरासिक पार्क वास्तव में भविष्य में एक वास्तविकता हो सकती है। सीआरआईएसपीआर जीन संपादन के उपयोग पर भी शोध चल रहा है जो हमें महामारी, कैंसर, अल्जाइमर और अन्य बीमारियों की चपेट से बचा सकता है। स्तनधारियों में एक ऐसा जीन होता है जिसे पी53 के रूप में जाना जाता है जो उन प्रोटीनों को एनकोड करता है जो कैंसर के ट्यूमर के विकास को रोकते हैं। मनुष्य और अधिकांश अन्य स्तनधारियों में इस जीन की केवल एक प्रति होती है, जबकि हाथियों की 20 प्रतियां होती हैं, और उन्हें लगभग कभी भी कैंसर नहीं होता है। इसलिए, मानव में इस जीन को दोगुना करने के लिए अनुसंधान जारी है।

2020 तक, एक दर्जन से अधिक नैदानिक परीक्षण तीव्र मायलोइड ल्यूकेमिया नामक बीमारी के लिए चल रहे थे, सुपर-उच्च कोलेस्ट्रॉल और गंजापन। चल रहे अनुसंधान का जोर यह है कि कैसे नए वायरस को दूर करने के लिए बैक्टीरिया ने प्रतिरक्षा प्रतिक्रिया विकसित की।

कोरोनावायरस : कई आधुनिक टीकों की तरह कोविड - 19 जैब्स ने भी जेनेटिक इंजीनियरिंग में उन्नति की है।

सार्ससीओवी-2 जीन के बिट्स को एडेनोवायरल डीएनए बैकबोन पर चिपकाया गया है, जिनमें से कुछ जीनों को विदेशी जीन को समायोजित करने के लिए खटखटाया गया है। जब यह टीका दिया जाता है, तो सार्ससीओवी-2 ले जाने वाला एडेनोवायरस मानव कोशिका में प्रवेश करेगा, यह दिखावा करेगा कि यह सार्ससीओवी-2 प्रोटीन का उत्पादन करता है, लेकिन खुद को दोहराने और किसी व्यक्ति को बीमार बनाने में असमर्थ होगा। यह हमारे इम्यून सिस्टम को प्राइम करने और असली सार्ससीओवी-2 वायरस से किसी भी संक्रमण से निपटने के लिए तैयार करने के लिए हमारे शरीर में एक अस्थायी सार्ससीओवी-2 प्रोटीन फैक्ट्री बनाता है।

उम्मीदें और नुकसान : जब से हर्बर्ट बोयर और स्टेनली कोहेन ने 1972 में विकसित की गई पुनः संयोजक डीएनए तकनीक का पेटेंट कराया और बॉयर ने 1976 में दुनिया की पहली जैव प्रौद्योगिकी कंपनी जेनटेक की सह-स्थापना की, जेनेटिक इंजीनियरिंग वैज्ञानिक क्षेत्र से परे गहन बहस का विषय रहा है। , जिसमें वकील, पत्रकार, राजनेता और जनता शामिल है।

तब से, जेनेटिक इंजीनियरिंग ग्रह पृथ्वी पर सभी प्रजातियों के विकास के भाग्य का निर्धारण करने की संभावना के साथ, भगवान की भूमिका निभाने वाले नैतिक मुद्दे के माध्यम से आया है। यह आमतौर पर सहमति है कि आनुवंशिक रूप से इंजीनियर जीव पर्यावरण में जारी नहीं किए जाएंगे। भारत सहित कई देशों ने विभिन्न स्तरों पर नैतिक समितियों को रखा है जो आनुवंशिक इंजीनियरिंग के उपयोग को शामिल करने वाले अनुसंधान की देखरेख और अनुमोदन करते हैं। यहां तक कि नियमित प्रयोगशाला प्रयोगों का उद्देश्य केवल जीव विज्ञान प्रयोगशालाओं में छात्रों को क्लोनिंग प्रयोगों का प्रदर्शन करना है, जिन्हें संस्थागत नैतिक समितियों या संबंधित बोर्डों के अनिवार्य अनुमोदन की आवश्यकता होती है। हालांकि बाजार में पहले से ही जेनेटिक इंजीनियरिंग के उत्पाद मौजूद हैं, जैसे टीके, कीट-प्रतिरोधी फसलें और आनुवंशिक रूप से इंजीनियर मच्छर, जेनेटिक इंजीनियरिंग और जीन थेरेपी के आसपास के नैतिक और नैतिक मुद्दों पर बहस जारी है। शुक्र है, इसके फल धीरे-धीरे बड़े सार्वजनिक भलाई के लिए खिल रहे हैं।

सौभाग्य से मानव जाति के लिए, 2015 में एनएपीए अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में, एक आम सहमति जल्दी से विकसित हुई कि पूरी तरह से रोगाणु जीन संपादन पर प्रतिबंध लगाना बुरा होगा। सीआरआईएसपीआर के आविष्कारक, जेनिफर डोडना ने खुद इसे अभिव्यक्त किया : ''हम चाहते थे कि वैज्ञानिक समुदाय तब तक पॉज बटन को हिट करें जब तक कि जर्मेनिक लाइन एडिटिंग के सामाजिक, नैतिक, पारिस्थितिक और दार्शनिक निहितार्थों की वैश्विक स्तर पर आदर्श रूप से अच्छी तरह से चर्चा नहीं की जा सकती।''

सम्मेलन में यह निष्कर्ष निकाला गया कि यद्यपि रोगाणु रेखा संपादन को सुरक्षित रूप से करना बहुत जल्दी था, लेकिन किसी दिन ऐसा होगा और लक्ष्य विवेकपूर्ण दिशा-निर्देश प्रदान करने वाला होना चाहिए। यह इस अद्भुत आविष्कार के भविष्य की कुंजी है।

समकालीन सामाजिक-आर्थिक विभाजन

एक देश के रूप में हमें अर्थव्यवस्था में महिलाओं की सहभागिता में बाधक सारी बाधाएं नष्ट करनी चाहिए। इसके अंतर्गत दिमागी सोच में बदलाव लाना भी शामिल है।

बिंदू डाल्मिया
(लेखिका नीति आयोग से संबद्ध हैं)

जैसी कि उम्मीद थी, कोविड-पश्चात आर्थिक आंकड़ों में पहले से मौजूद विभाजन और तीखे हुए हैं। इनमें जेंडर विभाजन, अमीरों और गरीबों की आय में बढ़ती असमानता तथा ग्रामीण व शहरी जनता के बीच बढ़ता डिजिटल विभाजन शामिल हैं। इनमें से सभी असमानतायें लक्षित नीतिगत हस्तक्षेपों का विषय हैं। विश्व आर्थिक मंच की वैश्विक जेंडर रिपोर्ट, 2021 के अनुसार भारत 153 देशों की सूची में 112वें स्थान पर पहुंच गया है। भारत में 0.65 बिलियन महिलायें रहती हैं जिनकी जेंडर समानता एक साल पहले 66.8 थी जो अब बढ़ कर 62.5 प्रतिशत हो गई है। यह कमी अनेक उप-सूचकांकों के स्तर पर दिखाई देती है। श्रम सहभागिता सूचकांक 24.8 प्रतिशत से गिर कर 22.3 प्रतिशत रह गया है, वरिष्ठ प्रबंधकीय पदों पर महिलाओं की सहभागिता केवल 14.6 प्रतिशत है, उनकी अनुमानित आमदनी पुरुषों की तुलना में पांचवां भाग है, राजनीतिक सशक्तीकरण सूचकांक 13 प्रतिशत तक पहुंच गया है, जबकि मंत्रिमंडल में महिलाओं की उपस्थिति 2019 में 23.1 प्रतिशत से 9.1 प्रतिशत गिरी है।

जेंडर समानता हमारे संविधान में एक प्रमुख मानवाधिकार के रूप में परिभाषित है और इसकी उपलब्धि से अनेक सामाजिक-आर्थिक लाभ होते हैं। भारत ने संयुक्त राष्ट्रसंघ द्वारा निर्धारित टिकाऊ विकास लक्ष्यों-एसडीजी के प्रति प्रतिबद्धता प्रकट की है जिसमें सभी विकास पहलों को जेंडर दृष्टिकोण से देख कर जेंडर समानता पर जोर दिया गया है। लेकिन कोविड के कारण पैदा परिस्थितियों से आर्थिक दबाव बढ़ा है और एसडीजी प्राप्त करने का लक्ष्य 2030 किया गया है। वैश्विक महामारी के पश्चात नीतिगत पहलों में जेंडर-विशिष्ट बजट तथा सुधार रणनीतियां शामिल हैं। पहले कार्यकाल में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सरकार की प्रमुख योजनाओं ने महिलाओं के जीवन पर सकारात्मक प्रभाव डाला। यह 'संरा महिला' मानकों पर जेंडर संवेदनशील बजटिंग-जीआरबी से संभव हुआ।

जीआरबी वैश्विक रूप से स्वीकृत 'सर्वोत्तम व्यवहार' है जिसमें विभिन्न देश जेंडर दृष्टिकोण से राजकोषीय खर्च आबंटित करते हैं। हालांकि, 1999 में घोषित महिलाओं के मैग्ना कार्टा में सरकारों को जीडीपी का कम से कम पांच प्रतिशत जेंडर मुद्दों के समाधान हेतु आबंटित करना चाहिए, पर हालिया वर्षों में महिला कल्याण के लिए निर्धारित धनराशि में कमी आई है। केन्द्र सरकार ने 'जेंडर बजटिंग स्टेटमेंट' दो भाग में जारी किया है। पहले भाग में महिला केन्द्रित योजनाओं का उल्लेख है जिसमें शत प्रतिशत आबंटन केवल महिलाओं के लिए है। दूसरे भाग में ऐसी महिला-समर्थक योजनाओं का उल्लेख है जिनमें महिलाओं के लिए 30 प्रतिशत आबंटन किया गया है।

हाल के वर्षों में जहां जन धन योजना, डीबीटी व मनरेगा ने सबको लाभ पहुंचाया है, वहीं विशेष जेंडर लक्षित योजनाओं ने महिलाओं के सामाजिक-आर्थिक जीवन में महत्वपूर्ण सुधार किए हैं। लेकिन जीआरबी के लिए निर्धारित फंड सार्वजनिक खर्च के पांच प्रतिशत से भी कम है तथा यह जीडीपी के एक प्रतिशत तक पहुंच गया है। इस प्रकार महिलाओं के लिए बजटीय आबंटन में काफी वृद्धि की आवश्यकता है। नीति आयोग का अनुमान है कि भारत को अपने जेंडर-विशिष्ट बजट में अतिरिक्त 6.2 प्रतिशत की वृद्धि करनी चाहिए ताकि वह एसडीजी लक्ष्यों के अनुरूप बन सके। रोजगार की बदलती हुई प्रकृति को देखते हुए महिलाओं का कौशल संवर्धन जरूरी है। कोविड के कारण रोजगार बाजार में व्यापक परिवर्तन हुए हैं तथा भविष्य में 9 से 5 वाला माडल उपयोगी नहीं होगा। डेलोलाइट के शोध से पता चलता है कि आर्थिक संकट के कारण कंपनियां अब ज्यादा अनुभवी फ्रीलांसरों को अवसर दे रही हैं। आंकड़ों से पता चलता है कि गिग वर्क माडल का आकर्षण बढ़ रहा है। पहले काम से हटाई गई 78 लाख महिलायें अपने कॅरियर में परिवर्तन कर रही हैं क्योंकि डब्लूएचएफ अवधारणा ने पेशेवर डिग्री धारकों तथा कार्य अनुभव वाले लोगों के लिए नए अवसरों के द्वार खोले हैं। इसी प्रकार जहां स्वचालीकरण ने अनेक रोजगारों में परिवर्तन किया है, वहीं बोस्टन कंसल्टिंग ग्रुप के अनुसार यह अगले 10 साल में 90 मिलियन फ्लेक्सी रोजगारों का सृजन करेगा।

हाल के वर्षों में जहां जन धन योजना, डीबीटी व मनरेगा ने सबको लाभ पहुंचाया है, वहीं विशेष जेंडर लक्षित योजनाओं ने महिलाओं के सामाजिक-आर्थिक जीवन में महत्वपूर्ण सुधार किए हैं। लेकिन जीआरबी के लिए निर्धारित फंड सार्वजनिक खर्च के पांच प्रतिशत से भी कम है तथा यह जीडीपी के एक प्रतिशत तक पहुंच गया है। इस प्रकार महिलाओं के लिए बजटीय आबंटन में काफी वृद्धि की आवश्यकता है।

स्व-रोजगार और लघु-उद्यमिता में प्रति वर्ष 17 प्रतिशत वृद्धि की उम्मीद है जो 2023 तक 455 बिलियन डालर का क्षेत्र हो जाएगा। राज्य और सहकारी बैंकों को कर्ज बांटने के अपने माडलों में परिवर्तन करना चाहिए ताकि वे महिलाओं की प्राथमिकता वाले क्षेत्रों को कम ब्याज दरों पर कर्ज दे सकें। आंकड़ों से स्पष्ट है कि महिलाओं की बचत की आदत अच्छी होती है तथा पुरुषों की तुलना में उनके कर्ज कम डूबते हैं। लेकिन अधिकांश महिलाओं के पास बंधक के लिए कुछ नहीं होता है और औपचारिक कर्ज लेने का उनका इतिहास नहीं होता है, इसलिए हमें उनका कर्ज इतिहास बनाने के लिए खोजी प्रयास करने होंगे। सवाल यह है कि जेंडर असमानता ने भारत की आर्थिक प्रगति में कितनी बाधा डाली है? भूमि, औपचारिक कर्ज, नवीनतम तकनीकों से महिलाओं का परिचय न होने, शिक्षा ड्रापआउट की उच्च दर तथा असमान घरेलू व बिना भुगतान वाले काम के कारण भारतीय महिलाओं की आर्थिक समृद्धि बाधित हुई है।

इस प्रकार जेंडर असमानता भारत में प्रतीकात्मक रूप से पूंजी के असाधारण नुकसान का कारण बनी है। भारत में जेंडर समानता अधिकतम स्तर पर प्राप्त करने का आर्थिक प्रभाव 2025 तक जीडीपी में 700 बिलियन डालर का योगदान कर सकता है। आईएमएफके अनुमानों के अनुसार कार्यबल में महिलाओं की समान सहभागिता से भारत की जीडीपी में 27 प्रतिशत वृद्धि हो सकती है। इस बात के स्पष्ट प्रमाण मिलते हैं कि 'जब महिलायें बेहतर काम करती हैं तब अर्थव्यवस्थाओं की स्थिति बेहतर होती है।

इसका अर्थ है कि हमें वे सारी बाधायें समाप्त कर देनी चाहिए जो महिलाओं की अर्थव्यवस्था में भागीदारी में बाधा डालती हैं। इनमें अचेतन रूप से मानसिक सोच की बाधायें भी शामिल हैं।'

पाठक बन गए लेखक

पाठक को लेखक बनना काफी भारी पड़ गया है। कानूनी किताब पढ़ते-पढ़ते अचानक पाठक का दिमाग खुल गया। सोचा मैं ही क्यों पाठक बनके पढ़ता रहता हूं। अब मैं कुछ ऐसा लिखूंगा कि लोग मुझे पढ़ें। फिर क्या था। अचानक पाठक लेखक बन गए और उन्होंने लिख डाला एक ऐसा सारगर्भित लेख जिसमें वह अपने आप को भी नकारा साबित कर रहे थे। उनके द्वारा लिखा गया लेख उसी प्रकार था जैसे कभी किसी व्यक्ति को किसी महात्मा ने ऐसी डाल को काटते देखा था जिस पर वह स्वयं ही बैठा हुआ था। लोग समझ नहीं पा रहे थे आखिर पाठक को ऐसा क्या हुआ जो उनको इस तरह का लेख लिखने की जरूरत पड़ गई। सब कुछ तो ठीक है फिर क्यों उन्होंने अपनी ही कलम से अपनी व्यवस्था को ही नकारा साबित कर दिया। काफी मशक्कत के बाद पता लगा कि सही में पाठक जी केवल पाठक बनकर ही रह गए हैं। उनके कलम की ताकत पूरी तरह खत्म कर दी गई है। शायद उनको इसी बात का मलाल था और इसीलिए उन्होंने बगैर कुछ सोचे समझे ही अपने आप को लेखक बना डाला। जो उन पर काफी भारी पड़ा। इसकी कीमत वह अब वह किस्तों में चुका रहे हैं पहली किस्त जारी करवाई जा चुकी है।

जनता कर्फ्यू

ग्लोबल बीमारी के रूप में पहचान बना चुकी महामारी इन दिनों अपने चरम पर है।। रोजाना हजारों की संख्या में मिल रहे इस वायरस के मरीजों ने लोगों में खौफ भर दिया है।। आलम यह है कि हर आदमी की सांस दहशत में अटकी पड़ी है। इस बार मरीजों की संख्या ने सभी सरकारी तैयारियों को पीछे छोड़ दिया। स्थिति यह है कि गली, मुहल्ले, बाजार संक्रमण से पटे पड़े हैं। ऐसे में लोग राहत के नाम पर सरकार की तरफ टकटकी लगाए पड़े हैं मगर सरकार की तरफ से संकेत न मिलने पर जनता ने ही जनता कर्फ्यू लगा दिया है। जनता कर्फ्यू के चलते बाजारों में सन्नाटा पड़ा है और लोग सीमित तौर पर ही जरूरी काम के लिए निकल रहे हैं। इन हालातों को देख कर अब तो यही बात निकल रही है कि काश हम पहले से सतर्क होते तो जनता कर्फ्यू की स्थिति न आती।

मुर्गा बांग नहीं देगा तो...

यूपी में पंचायत चुनाव क्या शुरू हुए आयोग में एक साहब के भाव इतने ज्यादा बढ़ गए कि इन्होंने अपने अधीनस्थ और अपने वरिष्ठों को तवज्जो देना एकदम से बंद कर दिया। साहब का आलम यह है कि वह अगर नहीं चाहेंगे प्रदेश में चुनाव सही तरीके से नहीं हो पाएगा लेकिन एक कहावत कही गई है बड़ा बोल कभी न बोले और फिर साहब इस महामारी चपेट में आ गए और लंबी छुट्टी पर चले गए। उनकी गैर मौजूदगी में भी प्रथम चरण के तहत चुनाव की प्रक्रिया पूरी हुई आयोग के अधिकारियों ने राहत की सांस ली। चलो जो लोग ज्यादा आत्मविश्वास से भरे थे कि उनके बिना चुनाव नहीं हो पाएगा उन्हें थोड़ा राहत जरूर मिली होगी। उधर आयोग के बड़े साहब भी कह रहे हैं कि अब चुनाव पूरा निपटा कर ही दम लिया जाएगा क्योंकि साहब टेलीकॉम सर्विस से आयोग में आए हैं इसलिए वह इंटरनेट संबंधी जानकारी ठीक-ठाक रखते हैं और इसी जानकारी के बल पर वह अभी तक आयोग में टिके हुए हैं। इस जानकारी का लाभ उठाते हुए साहब ने आयोग में जमकर दोहन किया अब जब सारी पोल पट्टी खुल रही है तो सबकी आंखें चकाचौंध हुई जा रही हैं।

कब लगेगा लॉक डाउन

बढ़ते कोरोना महामारी से परेशान लोग अधिकारियों, प्रतिनिधियों को जमकर कोसते दिख रहे हैं। बड़ा बड़ा दावा करने वाले सरकार के नुमाइंदे अब नहीं दिखाई दे रहे हैं। शहर की प्रथम महिला मुखिया कोरेंटाइन में हैं तो वहीं बड़े साहब भी आइसोलेट हो गए हैं। तो अब शहर किस के भरोसे चलेगा। आखिर अपनों को खोने वालों का गम बांटने वाला कोई तो होना चाहिए। ऐसे में नाराज लोग सरकार के प्रतिनिधियों से पूछ रहे हैं, लॉक डाउन सरकार क्यों नहीं लगा रही है। जब सब बर्बाद और खत्म हो जाएगा, तबका इंतजार कर रही है सरकार। गुस्सा और नाराजगी इतनी है कि लोग स्वयं अपनी व्यवस्था कर रहे हैं, चाहे लकड़ी लाने की बात हो या सैनिटाइजेशन। दबे जुबान पदाधिकारी व नेता भी सरकार की बड़ी चूक मान रहे हैं। न मुखिया, बड़े साहब के हालता नहीं सभल रहे हैं। बिना हालात संभलें, लोगों को राहत मिलने वाली नहीं। ऐसा तांडव कभी नहीं देखा गया, आलम यह है कि व्यापारियों और जनता ने स्वयं लॉकडाउन लगाकर अपनी जान बचाने में जुटे हुए हैं। अब बताओं भला जब मुखिया, नौकरशाह ही घरों में बंद हो गए तो बचता कौन हैं। आनन फानन में कुछ नेता ने अपनी विकास निधि से कुछ धनराशि देकर लोगों की नाराजगी कम करने में जुटे हुए हैं।

बेकाबू मोबाइल

खाकी महकमे की स्पेशल यूनिट के गुडवर्क जेल महकमे के अधिकारियों को लगातार परेशान किए हुए हैं। अब हकीकत चाहे जो भी हो लेकिन इतना जरूर है की स्पेशल यूनिट के खुलासों के बाद जेल महकमे के अफसर सफाई देते नजर आते हैं। दरअसल जेलों में सबसे बड़ी शिकायत यहां निरुद्ध अपराधियों द्वारा मोबाइल फोन से आपराधिक गतिविधियों का संचालन करने की रहती है। जेलों से लगातार वायरल हो रहे वीडियो के बाद दो साल पहले भगवा सरकार ने बंदियों वाले महकमे के तत्कालीन मुखिया को हटाकर ब्यूरोक्रेसी में एक शानदार ट्रैक रिकॉर्ड रखने वाले आईपीएस को यहां की बागडोर सौंपी थी। उन्होंने आते ही सख्ती दिखाई और ऐसे नियम कानून लागू किए कि बंदियों की कौन कहे जेल अफसरों तक के मोबाइल फोन यूज करने पर पाबंदी लग गई। महकमे के मुखिया व अन्य अधिकारी जेल से मोबाइल के प्रयोग पर पूरी तरह से अंकुश लगने का लगातार दावा करते नहीं थकते और स्पेशल यूनिट आए दिन कोई न कोई ऐसा खुलासा कर देती है जिसका सीधा संबंध अपराधी द्वारा जेल के अंदर से मोबाइल फोन संचालित करने से ही होता है। अभी दो दिन पहले फिर एक ऐसा ही वाक्या हुआ। स्पेशल यूनिट ने पूर्वांचल के एक बीजेपी नेता की हत्या की तैयारी कर रहे तीन अपराधियों को दबोच लिया। उनसे हुई पूछताछ के बाद खुलासा किया कि हत्या की साजिश नक्सली बेल्ट की एक जेल में निरूद्ध अपराधी द्वारा मोबाइल फोन के जरिए रची गई। बस इसी के बाद से एक बार फिर जेल महकमे के अधिकारी चकरघिन्नी बने हुए हैं।

बंदियों को कोरोना के प्रकोप से बचाने के लिए फिर अस्थाई जेलों की दरकार

● जेल अफसरों ने सभी जिलों के प्रशासन से की अस्थाई कारागारों की व्यवस्था को सुचारू बनाए रखने व पहले से क्रियाशील अस्थाई कारागारों को बंद न किए जाने का अनुरोध

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

प्रदेश की 72 स्थाई जेलों में निरुद्ध 112290 बंदियों को कोरोना की दूसरी लहर के प्रकोप से बचाने के लिए एक बार फिर अस्थाई जेलों की आवश्यकता महसूस की जा रही है। पूर्व में स्थापित की गई ज्यादातर अस्थाई जेलें अब बंद हो चुकी हैं। जिस वजह से नए आने वाले कैदियों को सीधे स्थाई जेल में प्रवेश दिया जा रहा है। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए डीजी जेल आनंद कुमार ने सभी जेल अधीक्षकों को पत्र लिखकर जिला प्रशासन से संपर्क कर सभी अस्थाई जेलें प्रारंभ कराने के निर्देश दिए हैं। इसके साथ ही उन्होंने जेलों में कोरोना टीकाकरण जारी रखने का आदेश भी दिया है।

कोरोना के संक्रमण को स्थायी जेलों में पहुंचने से रोकने के लिए मार्च 2020 के लॉकडाउन में शुरुआती दिनों में ही शासन के निर्देशों के अनुरूप जिला प्रशासन के सहयोग से व्यापक प्रबंध किए गए थे। प्रदेश के कुल 64 जिलों की स्थाई जेलों में निरुद्ध बन्दियों को संक्रमण से बचाने के लिए कुल 83 अस्थाई कारागारों का निर्माण किया गया था। जिनमे नए आने वाले बन्दियों को 14 दिन रखकर उनका कोविड टेस्ट कराकर निगेटिव आने पर ही स्थाई जेलों में भेजा जाता था । अतिरिक्त सतर्कता बरतते हुए स्थाई जेल में भी इनको 14 दिन कोरेण्टाइन बैरक में रखने के बाद सामान्य बन्दियों के साथ रखा जाता था। ये अस्थाई कारागारे प्राय: कोरोना काल में बंद हुए स्कूल कॉलेजों , हॉस्टलों, चिकित्सालयों आदि में बनाई गईं थीं। लखनऊ, मेरठ, मुरादाबाद जैसे बड़े. बड़े जिलों में तो एक से अधिक अस्थाई कारागारें भी बनाई गईं थीं।

जेलों में युद्धस्तर पर बन्दियों ने दिन रात कुल 27 लाख से अधिक मास्क ,3000 से ज़्यादा पीपीई किट बनाये जो जेलों में बन्दियों को निशुल्क दिए गए। इसके अलावा जेलों की अपनी आवश्यकता के लिए कुछ जेलों ने सैनिटाइजर भी बनाया। तब प्रदेश में मास्क की उपलब्धता आवश्यकता से कम थी अत: सरकारी गैर सरकारी संस्थाओं को भी लागत मूल्य पर मास्क और पीपीई किट दिया गया। इतनी सतर्कता और एहतियात बरतने का बहुत अच्छा परिणाम निकला एक भी बन्दी कोरोना संक्रमण से नहीं मरा।

किन्तु कालांतर में कोरोना के संक्रमण के कम होने पर स्कूल कॉलेजों के खुल जाने पर अस्थाई जेलों को जिला प्रशासन द्वारा बंद किया जाने लगा और नए बन्दियों को सीधे जेलों में दाखिल करके आइसोलेशन में रखा जाने लगा जो अब तक जारी है। एक समय ऐसा भी आया जब 11 फरवरी 2021 की स्थिति के अनुसार मात्र 35 अस्थाई कारागारें क्रियाशील रह गईं जिनमें 4319 बंदी निरुद्ध रहे। हालांकि इस बीच जेल अधीक्षकों द्वारा स्थाई जेलों को कोरोना से बचाने के लिए जिला प्रशासन से निरंतर अस्थाई कारागारों की व्यवस्था को सुचारू बनाए रखने और पहले से क्रियाशील अस्थाई कारागारों को बंद न किये जाने का अनुरोध भी किया जाता रहा। ये अस्थाई कारागारें एक एक कर बन्द होते हुए वर्तमान में 43 जिलों में मात्र 48 अस्थाई कारागारें क्रियाशील हैं और उनमें लगभग 3500 बन्दी निरुद्ध हैं।

कारागार मुख्यालय के प्रवक्ता संतोष कुमार वर्मा के अनुसार पहले के मुकाबले यह दूसरी लहर जितनी घातक और तेजी से फैलने वाली है, उसे दृष्टिगत रखते हुए तत्काल प्रदेश के शेष सभी जिलों में अस्थाई कारागारों की स्थापना अपरिहार्य है। इसके लिए पुलिस महानिदेशक कारागार आनन्द कुमार द्वारा 13 अप्रैल 2021 को सभी जेल अधीक्षकों को संबंधित जिला प्रशासन से सम्पर्क करके अस्थाई कारागारों को प्रारंभ कराए जाने के निर्देश दिए गए हैं। यही नहीं जेलों में पूर्व की भांति मास्क, सैनिटाइजर निर्मित करने , बन्दियों को आयुर्वेदिक काढ़ा देने और उनमें प्रतिरक्षी क्षमता की बृद्धि के लिए नियमित योगाभ्यास कराने और हर हाल में बन्दियों और जेल स्टाफ की कोरोना से सुरक्षा करने के निर्देश दिए गए हैं।

अपर मुख्य सचिव ; गृह द्ध द्वारा भी स्थाई जेल के बन्दियों को संक्रमण से बचाने के लिए नए बन्दियों को अस्थाई कारागारों में रखने तथा अस्थाई कारागारों में निरुद्ध बन्दियों की कोविड टेस्टिंग कराने और न्यायालयों में बन्दियों की पेशी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के द्वारा कराए जाने की व्यवस्था से सम्बंधित पत्र अपर मुख्य सचिव चिकित्सा एवम स्वास्थ्य व सभी जिलाधिकारियों और अन्य संबंधित अधिकारियों को भेजा गया है।

विदित हो कि 23 मार्च 2020 के लाकडाउन से ही बन्दियों और परिजनों की मुलाकात बन्द है। इस अवधि में उनके धैर्य और संयम का ही परिणाम है कि देश की जेलों में निरुद्ध कुल बन्दी संख्या का एक चौथाई संख्या वाली यूपी की सभी 72 जेलों में बन्दी कोरोना से सुरक्षित हैं। 45 वर्ष से ऊपर के कुल 23432 बन्दी वर्तमान में निरुद्ध हैं जिनमे से 16,144 बन्दियों को टीके की डोज़ दी जा चुकी है। शेष बन्दियों का टीकाकरण नियमित रूप से जारी है। वर्तमान में प्रदेश की जेलों में कुल 1,12,290 बन्दी निरुद्ध हैं। मार्च 2020 के लॉक डाउन से अब तक कुल 492829 बन्दियों का कोविड टेस्ट हो चुका है। नए बन्दियों का नियमित रूप से टेस्ट कराया जा रहा है।

केशव ने प्रयागराज को 1 करोड़ व कौशांबी को 50 लाख रु. की धनराशि दी

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कोविड.19 महामारी के बचाव से संबंधित आरटीपीसीआर जांच के लिए अस्थाई केंद्र बनाने ,ऑक्सीमीटर उपलब्ध कराने, होम आइसोलेशन में रह रहे लोगों को दवाई और ऑक्सीजन उपलब्ध कराने आदि की व्यवस्था हेतु अपनी विधायक निधि से जनपद प्रयागराज के लिए रु. एक करोड़ की धनराशि व जनपद कौशांबी के लिए रु0 50 लाख की धनराशि अवमुक्त करने के निर्देश मुख्य विकास अधिकारी प्रयागराज को दिए है। उन्होने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया है कि दिए गए दिशा.निर्देशों के अनुरूप समस्त आवश्यक कार्यवाही व व्यवस्था ससमय सुनिश्चित की जाए।

कोरोना की वजह से देश विषम परिस्थितियों से गुजर रहा: यशवंत

● दो गज दूरी और मास्क जरूरी ही वर्तमान में राष्ट्रपुरुष चन्द्रशेखर को सच्ची श्रद्धांजलि: विधानपरिषद सदस्य

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

लोकतंत्र सेनानी कल्याण समिति के संरक्षक, विधानपरिषद उत्तर प्रदेश के वरिष्ठ सदस्य यशवंत सिंह ने कहा है कि कोरोना की वजह से देश विषम परिस्थितियों से गुजर रहा है। इससे निपटने के लिए देश के हर नागरिक की जिम्मेदारी है कि वह प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का मजबूती से साथ दे। उन्होंने कहा है कि आज की विषम परिस्थिति में यह किसी दल की नहीं, देश की जरूरत है। इसलिए इसे लेकर कोई मतभेद नहीं होना चाहिए। राष्ट्रपुरुष चन्द्रशेखर की जयंती के अवसर पर शनिवार को चन्द्रशेखर चबूतरा (दारुलशफा, लखनऊ) पर उन्हें श्रद्धासुमन अर्पित करते हुए लोकतंत्र सेनानी कल्याण समिति के संरक्षक, विधानपरिषद उत्तर प्रदेश के वरिष्ठ सदस्य यशवंत सिंह ने कहा कि बीमार होने के बाद भी मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ इस महामारी को निष्प्रभावी करने के लिए जूझ रहे हैं। उनके इस संकल्प की जितनी भी तारीफकी जाए, कम है। आपस में दो गज की दूरी और मास्क जरूरी को स्वत: जरूरी करके हमलोग भी इस महामारी को निष्प्रभावी करने में बड़ी भूमिका निभा सकते हैं। हम लोगों की इसी भूमिका की आज देश को सर्वाधिक जरूरत है। यही राष्ट्रपुरुष चन्द्रशेखर को वर्तमान में सच्ची श्रद्धांजलि है। उन्होंने कहा कि इससे चूका गया तो इसका खामियाजा हम लोगों को निजीतौर पर भी भुगतना होगा और देश को भी। यदि ऐसा होता है तो इतिहास हमें कभी क्षमा नहीं करेगा।

लोकतंत्र सेनानी कल्याण समिति के संरक्षक, विधानपरिषद उत्तर प्रदेश के वरिष्ठ सदस्य यशवंत सिंह ने राष्ट्रपुरुष को श्रद्धासुमन अर्पित करने आए लोगों से कहा कि जो लोग राष्ट्रपुरुष चन्द्रशेखर के करीब रहे हैं, उनसे पूछिए, उनके विचारों को पढ़िए, अपने जीवन काल में उन्होंने अनेक अवसरों पर कहा है कि इस देश को बनाने की जिम्मेदारी इस देश के सभी लोगों की है। आज की इस विकट परिस्थिति में हम सभी लोगों की जिम्मेदारी है कि हम लोग राष्ट्रपुरुष के इस विचार पर खरे उतरें।

प्रदेश में कोरोना संकट भयावह रूप लेता जा रहा

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा है कि भाजपा सरकार की कार्य और नीतिगत विफलताओं और मुख्यमंत्री के प्रशासन पर नियंत्रण खो देने से उत्तर प्रदेश में कोरोना संकट भयावह रूप लेता जा रहा है। हर रोज संक्रमित मरीजों की संख्या में बेतहाशा वृद्धि हो रही है और श्मसान घाटों तथा कब्रिस्तानों में अंतिम संस्कार के लिए जगह नहीं बच रही है।

उन्होंने कहा कि डबल इंजनवाली सरकारें जिन प्रदेशों में है वहां कोरोना की दूसरी लहर के कहर ने सभी झूठे दावों और बदइंतजामी की पोल खोल कर रख दी है। आंकड़े छुपाने के लिए उत्तर प्रदेश, गुजरात, मध्य प्रदेश और बिहार में टेस्टिंग, ट्रीटमेंट और ट्रैकिंग से खिलवाड़ ने स्थिति को और बिगाड़ दिया है। सरकारी लापरवाही का आलम यह है कि उत्तर प्रदेश में मुख्यमंत्री जी के निर्देश पर जिन डाक्टरों, अधिकारियों को हेल्पलाइनों में लगाया गया वे अपने फोन ही नहीं उठाते हैं, मदद मांगने वालों से अभद्रता से पेश आते हैं। कारगिल के शहीद के पिता और रिटायर्ड जज तक इस अमानवीय व्यवहार के शिकार हुए हैं। अखिलेश ने कहा कि प्रदेश के अन्य जनपदों की बदहाली का क्या जिक्र हो जब राजधानी लखनऊ ही दर्द से कराह रही है। भाजपा सरकार की लापरवाही ने तबाही मचा रखी है। यहां पांच दिनों में 6 नगर निगम कर्मी कोरोना से मर चुके हैं। गत एक दिवस में लखनऊ में 6,598 नए मरीज मिले। इनमें 35 जिंदगी की जंग हार गए। एक अप्रैल से 16 अप्रैल तक 234 मरीजों की मौत दिल दहलाने वाली घटना है। अखिलेश ने कहा कि कैसी सरकार है और कैसी इसकी व्यवस्था है कि लोग मारे.मारे घूम रहे हैंघ् न जिंदा रहने को इलाज मिल रहा है और नहीं शवदाह के लिए लकड़िया मिल रही हैं। मंहगे आक्सीजन सिलेण्डर को हासिल करना गरीब के लिए सम्भव नहीं, कोरोना में इस्तेमाल होने वाले इंजेक्शन का तो सवाल ही नहीं। प्राईवेट अस्पताल मनमानी वसूली कर रहे हैं। सरकार लाचार बनी है। स्वास्थ्य सेवाओं की बदहाली के बाद जनसामान्य के लिए यही रास्ता बचता है कि वह सड़क पर लावारिस की तरह तड़त.तड़प कर जान दे दे। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री अपनी चाहे जितनी प्रशंसा कर लें केन्द्र सरकार ने भी यूपी के हालात पर चिंता जताई हैं। प्रदेश में आईसीयू बेड बढ़ाने और एम्बूलेंस की संख्या बढ़ाने को भी कहा गया है। राज्य की भाजपा सरकार को केन्द्र की भाजपा सरकार ने आईना दिखा दिया है। क्या इसके बाद भी मुख्यमंत्री अपनी बड़बोली बयानबाजी बंद कर जनता के दु:खदर्द बांटने के समुचित कदम उठाएंगेघ् राज्यपाल को अब तो प्रदेश की हर दिन बिगड़ती स्थिति का संज्ञान लेना चाहिए, यह संविधान सम्मत होगा।

सपा मुख्यालय में मनाई गई पूर्व प्रधानमंत्री चंद्रशेखर की जयंती

लखनऊ। सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने पूर्व प्रधानमंत्री चंद्रशेखर की जयंती पर उन्हें शतशत नमन करते हुए भावांजलि दी है। समाजवादी पार्टी मुख्यालय लखनऊ सहित प्रदेश के सभी जनपदों में शनिवार को पार्टी के कार्यकर्ताओं, पदाधिकारियों ने चंद्रशेखर के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर चर्चा की। पार्टी कार्यालय में उनके चित्र पर माल्यार्पण किया गया। अखिलेश यादव ने कहा कि प्रदेश के बलिया जनपद के एक गांव से प्रधानमंत्री के पद तक का सफर चंद्रशेखर के लिए असाधारण रहा है। उन्होंने राजनीति में संघर्ष से अपना रास्ता बनाया। शालीनता और खरी.खरी बातें कहने के लिए उन्हें जाना जाता है। वे संसद में जब बोलते थे तो सभी शांति से उन्हें सुनते थे। उनका पूरा जीवन हमेशा युवा तुर्क की तरह नज़र आया है। श्री यादव ने कहा कि चंद्रशेखर जी ने सत्ता से अधिक जनशक्ति और लोकतंत्र को महत्व दिया।

चंद्रशेखर सदैव सोशलिस्ट बने रहे: दीपक मिश्र

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

समाजवादी पार्टी (लोहिया) ने भारतीय गणराज्य के राष्ट्रपति रहे शिक्षाविद सर्वपल्ली राधाकृष्णन की पुण्यतिथि व प्रधानमंत्री रहे चंद्रशेखर की जयंती के उपलक्ष्य में दोनों विभूतियों को याद करते हुए उनके व्यक्तित्व, कृतित्व व अवदान पर परिचर्चा का आयोजन किया। सर्वपल्ली द्वारा स्थापित व लोकसभाध्यक्ष की अध्यक्षता वाली भारत की शीर्ष थिंक टैंक संस्था सांविधानिक व संसदीय अध्ययन संस्थान के सदस्य दीपक मिश्र ने कहा कि सर्वपल्ली द्वारा प्रतिपादित हिंदुत्व का दर्शन मूलत: सर्व समावेशी व समाजवाद का पुट लिए हुए है । सर्वपल्ली ने अपनी पुस्तक ष्धर्म और समाजष् में समाजवाद को राष्ट्र की नैतिक आवश्यकता बताया है। सर्पल्ली के अनुसार भारत का सतत व समावेशी विकास समाजवाद के स्वाभाविक सिद्धान्त से ही संभव है । श्री मिश्र ने कहा कि भारत के लिए गोलवलकर द्वारा प्रतिपादित साम्प्रदायिक व संकुचित हिंदुत्व की बजाय सर्वपल्ली का समावेशी हिंदुत्व बेहतर है। श्री मिश्र चंद्रशेखर को प्रतिबद्ध समाजवादी व आचार्य नरेंद्रदेव का शिष्य बताते हुए कहा कि वे सदैव समाजवाद की राह चले। उनका घर देश व विदेश के घोषित समाजवादियों का मिलन स्थल था। चंद्रशेखर ने जीवन पर्यंत आचार्य व लोहिया के समाजवादी विचारों को व्यवहारिक रूप देने का प्रयास किया। सोशलिस्ट पार्टी के कार्यकर्ता से लेकर समाजवादी जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष तक के सफरनामे में उन्होंने हमेशा समाजवाद को सशक्त किया। संगोष्ठी को बौद्धिक सभा के महासचिव ब्रजेश मिश्र, शिक्षक सभा के प्रदेश अध्यक्ष रवि यादव, हरिशंकर यादव, अल्पसंख्यक सभा के महासचिव ग्यासुल हक, जावेद, मनीष मिश्र, अवनीश समेत कई वक्ताओं ने संबोधित किया।

अगर प्रदेश को बचाना है तो अधिकतम आरटीपीसीआर करिए: प्रियंका

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

कांग्रेस की राष्ट्रीय महासचिव प्रियंका गांधी ने ट्वीट कर कहा है कि यूपी में 10 दिन के अंदर कोरोना संक्रमण सात गुना हो गया। अब ये गांवों की ओर भी बढ़ रहा है। प्रियंका ने कहा कि शहरों में टेस्ट की भयानक कमी है और उनमें से आरटीपीसीआर आधे से भी कम हो रहा है। बाकी एंटीजन टेस्ट हो रहे। उन्होंने कहा कि लखनऊ, नोएडा, गाजियाबाद, बनारस, इलाहाबाद में भी टेस्ट में वेटिंग है। प्रियंका ने राज्य सरकार को सलाह दी है कि अगर प्रदेश को बचाना है तो अधिकतम आरटीपीसीआर करिए।

प्रदेश की स्थिति पर केंद्र सरकार को हस्तक्षेप करना चाहिए: संजय सिंह

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

आम आदमी पार्टी के यूपी प्रभारी व राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने कहा है कि पूरा देश कोरोना से कराह रहा है। यूपी में स्थिति सबसे खराब हो गई है। लोगों इलाज के बिना दम तोड़ रहे है, मगर योगी सरकार व्यवस्था सुधारने की जगह श्मशान में सच छिपाने में जुटी हुई है। उत्तर प्रदेश की जनता अस्पतालों में अपना दम तोड़ रही है। उनके परिजन इलाज के लिए, ऑक्सीजन के लिए, बेड के लिए दर.दर की ठोकरें खा रहे हैं। स्वास्थ्य सेवाओं के मुद्दे पर योगी आदित्यनाथ पूरी तरह से फेल हो चुके हैं।

प्रदेश की स्थिति पर केंद्र सरकार को हस्तक्षेप करना चाहिए। संजय सिंह ने शनिवार को पार्टी कार्यालय पर आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि यूपी की जिस जनता ने लाइन लगाकर मोदी जी की सरकार बनाई आज वो श्मशानों में लाइन लगाने को मजबूर है। देश को दुखदाई हालात में आइसोलेशन में छोड़कर प्रधानमंत्री और गृहमंत्री लापता हैं। आप नेता ने महामारी में जारी चुनावी रैलियों पर मोदी.शाह को आड़े हाथों लिया। संजय सिंह ने कहा कि ऐसे हालात में जनता के जान की चिंता करने की जगह प्रधानमंत्री और गृहमंत्री को चुनाव की फ़िक्र सता रही है। संजय सिंह ने यूपी की तस्वीर बयां करते हुए जिलों में कोरोना जांच हो पाने की समस्या उठाई। अम्बेडकरनगर के एक मामले का जिक्र किया, जिसमें जांच हो पाने के कारण फेफड़ा फेल होने के बाद भी मरीज को मेडिकल कॉलेज में वेंटिलेटर नहीं मिल पाया। कहा कि तमाम जिलों से अस्पतालों में बेड, ऑक्सीजन, वेंटिलेटर न मिलने की खबरें आ रही हैं। श्मशान में लोगों को अपनों के शवदाह के लिए घंटों इंतजार करना पड़ रहा है। जिस बनारस में मोदी जी ने कहा था श्मुझे गंगा मैया ने बुलाया हैश, वहां हरिश्चंद्र घाट पर शुक्रवार को 125 लाशें जलाई गईं। मोदी जी आज उसी बनारस को अनाथ छोड़कर चुनाव प्रचार में व्यस्त हैं। गुजरात का सूरत हो या बनारस चाहे लखनऊ, पूरा देश कोरोना से कराह रहा है। संजय सिंह ने दिनवार संक्रमण के आंकड़े बताते हुए पीएम, गृहमंत्री की रैलियों की गिनती कराई। कहा, चुनाव तो आते जाते रहेंगे, मगर प्रधानमंत्री और गृहमंत्री को इस समय चुनावों में वोट करने वाली जनता के जान की फ़िक्र करनी चाहिए। केंद्र को यूपी के हालात पर नजर रखने के साथ यहां के लिए विशेष मदद की घोषणा करनी चाहिए।

पीएम केयर फंड का मांगा हिसाब

संजय सिंह ने कोरोना महामारी की रोकथाम को लेकर केंद्र की व्यवस्था पर सवाल उठाए। कहा कि कोरोना से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर दिल्ली सरकार केंद्र को पत्र लिख चुकी है। सरकार को पीएम केयर फंड का पूरा हिसाब देश की जनता को देना चाहिए। इस निधि से राजस्थान में को वेंटिलेटर खरीदे गए उसमें 90 से 95 प्रतिशत खराब हैं। इसलिए इसमें बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार की आशंका है। संजय सिंह ने 84 देशों में भेजी गई भारतीय वैक्सीन पर भी सवाल उठाया। कहा कि आज देश में श्मशान में लाशें बिछी हैं। यहां वैक्सीन की कमी है और लोग टीकाकरण कराने के लिए परेशान हैं। मोदी जी देशवासियों का टीकाकरण कराने से पहले पाकिस्तान, कनाडा जैसे 84 देशों में टीकाकरण कराने में जुटे हैं।

इण्टरनेशनल एबेकस प्रतियोगिता में सी.एम.एस. छात्रा चैम्पियन

लखनऊ। सिटी मोन्टेसरी स्कूल, अलीगंज (प्रथम कैम्पस) की कक्षा-8 की छात्रा अक्षरा तथागत ने इण्टरनेशनल ऑनलाइन एबेकस कम्पटीशन में चैम्पियन का खिताब अर्जित कर विद्यालय का नाम गौरवान्वित किया है। यह प्रतियोगिता शैक्षिक संस्था ब्रेनोब्रेन के तत्वावधान में आयोजित ब्रेनोब्रेनफेस्ट-2021 के अन्तर्गत आयोजित की गई। सी.एम.एस. के मुख्य जन-सम्पर्क अधिकारी श्री हरि ओम शर्मा ने बताया कि प्रतियोगिता में कई देशों के प्रतिभाशाली छात्रों ने प्रतिभाग कर अपनी गणितीय प्रतिभा का प्रदर्शन किया। कड़ी प्रतिस्पर्धा के बीच सी.एम.एस. अलीगंज (प्रथम कैम्पस) की इस मेधावी छात्रा ने एबेकस के माध्यम से विभिन्न ट्रिक्स अपनाकर गणित के सवालों के जवाब निकाले एवं अपनी बहुमुखी प्रतिभा का प्रदर्शन कर चैम्पियन होने का गौरव प्राप्त किया। आयोजकों ने इस प्रतिभाशाली छात्रा की बहुमुखी प्रतिभा की भूरि-भूरि प्रशंसा की है।

केवल भारतीय जनता पार्टी ही रोक सकती है घुसपैठ : अमित शाह

एजेंसी। चपरा (नदिया)

केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शनिवार को आश्वासन दिया कि यदि भाजपा बंगाल में सत्ता में आती है तो घुसपैठ की समस्या खत्म हो जाएगी। शाह ने जोर देकर कहा, न केवल लोग बल्कि परिंदे भी (भारत-बांग्लादेश) सीमा से देश में दाखिल नहीं हो सकेंगे। बांग्लादेश सीमा से लगने वाले नदिया जिले में एक रैली को संबोधित करते हुए शाह ने दावा किया कि मुख्यमंत्री ममता बनर्जी नहीं चाहतीं कि भारत में रह रहे शरणार्थियों को नागरिकता मिले, लिहाजा वह नए कानून का विरोध कर रही हैं। शाह ने दावा किया कि मुख्यमंत्री की नजरें उनके वोटबैंक पर हैं और वह फर्जी धर्मनिरपेक्षता का पालन करती हैं। उन्होंने कहा, इस इलाके में घुसपैठ बड़ी समस्या है। कई जगहों पर फर्जी नोट मिलते रहते हैं...केवल भाजपा ही घुसपैठ को रोक पाएगी। मैं आपको आश्वासन देता हूं कि यदि भाजपा दो मई को सत्ता में आएगी, तो केवल लोग ही नहीं बल्कि एक परिंदा भी उड़कर सीमा के उस पार से इस पार नहीं आ सकेगा।

कूच बिहार के पीड़ितों के शव के साथ रैली पर ममता के ऑडियो क्लिप की जांच करे निर्वाचन आयोग : भाजपा

कोलकाता। भाजपा के एक प्रतिनिधिमंडल ने शनिवार को बंगाल के मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) आरिज आफताब से अनुरोध किया कि वो उस कथित ऑडियो क्लिप पर संज्ञान लें जिसमें मुख्यमंत्री ममता बनर्जी कूच बिहार गोलीबारी के पीड़ितों के शवों के साथ रैली का प्रस्ताव देते सुनी जा रही हैं- क्योंकि राज्य में जारी चुनावों के बीच ऐसे किसी कदम से तनाव और बढ़ सकता है। भाजपा के वरिष्ठ नेता स्वपन दासगुप्ता ने यहां सीईओ कार्यालय पहुंचे पार्टी प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व किया। दासगुप्ता ने संवाददाताओं को बताया कि उन्होंने आफताब को उस बातचीत से अवगत कराया जो संभवत: बनर्जी और सीतलकूची से तृणमूल कांग्रेस के उम्मीदवार के बीच हुई, और बताया कि इसकी वजह से विधानसभा चुनाव के अगले तीन चरणों में अप्रिय स्थिति बन सकती है। टीएमसी पहले ही इस ऑडियो क्लिप को फर्जी बता चुकी है और पार्टी का कहना है कि ऐसे कोई बातचीत नहीं हुई। तारकेश्वर विधानसभा सीट से भाजपा उम्मीदवार दासगुप्ता ने कहा कि सीईओ से इस मामले को निर्वाचन आयोग के शीर्ष अधिकारियों के समक्ष उठाने का भी अनुरोध किया गया है। उन्होंने दावा किया कि यह ऑडियो टेप किसी उद्देश्य से लीक किया गया था। दासगुप्ता ने कहा, हमें नहीं लगता कि यह फोन टैपिंग का मामला है।

पश्चिम बंगाल के अमडंगा में भारतीय जनता पार्टी की एक चुनावी रैली को संबोधित करते गृहमंत्री अमित शाह

जांगीपुर विधानसभा सीट पर चुनाव निर्वाचन आयोग ने स्थगित किया

नई दिल्ली। निर्वाचन आयोग (ईसी) ने पश्चिम बंगाल में रिवोल्युशनरी सोशलिस्ट पार्टी (आरएसपी) के उम्मीदवार के निधन के बाद शनिवार को जांगीपुर विधानसभा सीट पर चुनाव स्थगित कर दिया। जन प्रतिनिधित्व कानून के प्रावधानों के तहत किसी भी मान्यताप्राप्त दल के प्रत्याशी के निधन की स्थिति में चुनाव स्थगित कर दिया जाता है ताकि वह दल नया प्रत्याशी तय कर सके। नए उम्मीदवार को नामांकन दाखिल करने का मौका मिलता है। उसके नामांकन पत्रों की जांच की जाती है और उसे नाम वापस लेने का भी अवसर मिलता है।आयोग के प्रवक्ता ने कहा, मुर्शिदाबाद में 58 जांगीपुर विधानसभा क्षेत्र में 26 अप्रैल को होने वाला मतदान आरएसपी उम्मीदवार के निधन के कारण स्थगित कर दिया गया है। अधिकारियों ने बताया कि निर्वाचन आयोग आने वाले दिनों में इस सीट के लिए नया मतदान कार्यक्रम घोषित करेगा।

कोविड-19 मामलों की जांच, संपर्क का पता लगाकर उपचार करने का कोई विकल्प नहीं: नरेंद्र मोदी

भाषा। नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को कहा कि भारत ने पिछले साल एकजुट होकर कोविड-19 महामारी को परास्त कर दिया था और इस बार भी वह हरा सकता है लेकिन इसके लिए उन्हीं सिद्धांतों को तेजी से और आपसी सहयोग के साथ अपनाना होगा। प्रधानमंत्री ने यह बात कोविड-19 की मौजूदा स्थिति को लेकर की गई एक समीक्षा बैठक के दौरान कही। इस बैठक में केंद्र सरकार के विभिन्न मंत्रालयों के शीर्ष अधिकारी मौजूद थे। प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) से जारी एक बयान में कहा गया कि इस बैठक में दवाइयां, ऑक्सीजन, वेंटिलेटर्स और टीकाकरण के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा हुई। बैठक में प्रधानमंत्री ने जांच, संपर्क का पता लगाने और फिर उपचार की दिशा में आगे बढ़ने पर जोर दिया और कहा कि इनका कोई विकल्प नहीं है। बयान के मुताबिक मोदी ने कहा, जल्दी जांच कराना और फिर संपर्क का पता लगाना इससे होने वाली मृत्यु में कमी लाने की कुंजी है। उन्होंने लोगों की चिंताओं के

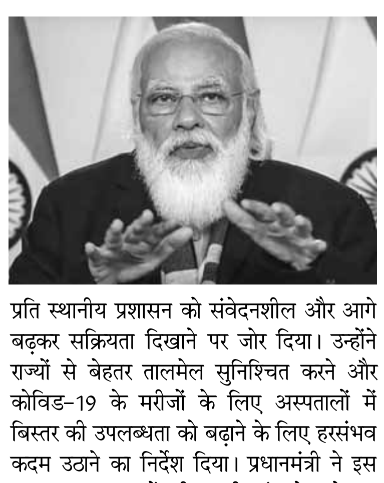

प्रति स्थानीय प्रशासन को संवेदनशील और आगे बढ़कर सक्रियता दिखाने पर जोर दिया। उन्होंने राज्यों से बेहतर तालमेल सुनिश्चित करने और कोविड-19 के मरीजों के लिए अस्पतालों में बिस्तर की उपलब्धता को बढ़ाने के लिए हरसंभव कदम उठाने का निर्देश दिया। प्रधानमंत्री ने इस अवसर पर दवाइयों की बढती मांग के मद्देनजर देश के दवा निर्माता उद्योग की पूरी क्षमता का उपयोग करने की आवश्यकता जताई तथा साथ ही रेमडेसिविर और अन्य दवाइयों की आपूर्ति की स्थिति की समीक्षा की। प्रधानमंत्री ने वेंटिलेटर्स की उपलब्धता और आपूर्ति की मौजूदा स्थिति की भी समीक्षा की और इसकी निगरानी की उचित व्यवस्था पर जोर दिया। उन्होंने टीकों के उत्पादन की क्षमता बढ़ाने के लिए आवश्यक संसाधनों के मद्देनजर पूरी राष्ट्रीय क्षमता झोंक देने का निर्देश दिया। बैठक में कैबिनेट सचिव, प्रधानमंत्री के प्रमुख सचिव, केंद्रीय गृह सचिव, केंद्रीय स्वास्थ्य सचिव, नीति आयोग के सदस्य वी के पॉल भी मौजूद थे।

हरिद्वार से भीड़ हटाने के लिए उच्चतम न्यायालय में याचिका

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय में एक याचिका दायर कर केंद्र और अन्य से मांग की गई है कि देश भर में कोरोना वायरस के बढ़ते मामलों के बीच हरिद्वार से भीड़ हटाई जाए और कुंभ मेला से लौटने वाले लोगों के लिए सुरक्षा प्रोटोकॉल तय की जाए। याचिका में हाल में कोविड-19 के बढ़ते मामलों का जिक्र किया गया है और इसमें अनुरोध किया गया है कि केंद्र और उत्तराखंड सरकार को निर्देश दिया जाए कि कुंभ मेला के लिए लोगों को आमंत्रण वाले विज्ञापनों को तुरंत वापस लिया जाए। याचिका में आग्रह किया गया है कि निर्वाचन आयोग से कहा जाना चाहिए कि जिन राज्यों में चुनाव हो रहे हैं, वहां के अधिकारियों को निर्देश दे कि चुनाव प्रक्रिया के दौरान कोविड-19 के दिशा-निर्देशों का कड़ाई से पालन कराया जाए। नोएडा निवासी संजय कुमार पाठक की तरफ से दायर याचिका में कहा गया है कि देश में कोविड-19 के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं और कई राज्यों में स्वास्थ्य ढांचे चरमरा रहे हैं।याचिका में कहा गया है कि महामारी के शुरू होने के बाद से भारत में कोविड-19 के मामले सबसे अधिक संख्या में बढ़ रहे हैं, लेकिन कुंभ मेला के लिए हरिद्वार में लाखों श्रद्धालुओं के इकट्ठा होने और राज्यों में चुनावी रैलियों के दौरान काफी संख्या में लोगों के उमड़ने के दृश्य दिख रहे हैं। याचिका में आरोप लगाया गया है, कोविड-19 के नियमों के उल्लंघन पर एक तरफ सड़कों पर आम आदमी को दंडित किया जाता है और पुलिस उनके साथ हिंसक व्यवहार करती है।

क्विक न्यूज

सरकारी अस्पातल से रेमडेसिविर इंजेक्शन चोरी, जांच शुरू

भोपाल। मध्यप्रदेश की राजधानी भोपाल स्थित सरकारी हमीदिया अस्पताल से कोरोना वायरस से संक्रमित मरीजों के लिए कारगर रेमडेसिविर इंजेक्शन बड़ी तादात में चोरी होने का मामला सामने आया है। प्रदेश में इंजेक्शन चोरी का यह पहला मामला है।अस्पताल में पहुंचे मध्य प्रदेश के चिकित्सा शिक्षा मंत्री विश्वास सारंग ने शनिवार को संवाददाताओं को बताया, जानकारी मिली है कि (रेमडेसिविर) इंजेक्शन चोरी हो गए हैं। यह बहुत गंभीर मामला है। संभागीय आयुक्त कवीन्द्र कियावत एवं भोपाल के पुलिस उप महानिरीक्षक इरशाद वली मौके पर पहुंच गए हैं और जांच शुरू कर दी गई है। उन्होंने कहा कि मामले की तह तक पहुंचने के लिए जांच जारी है। रेमडेसिविर इंजेक्शन चोरी का मामला उस वक्त आया है, जब कोविड-19 महामारी के दौरान प्रदेश में इस इंजेक्शन की भारी कमी है।

कोविड-19: जम्मू-कश्मीर में किसी भी कार्यक्रम में 100 से अधिक लोगों के एकत्र होने पर पाबंदी

जम्मू । जम्मू-कश्मीर प्रशासन ने शनिवार को कोरोना वायरस संक्रमण के मामलों में वृद्धि के मद्देनजर किसी भी कार्यक्रम में 100 से अधिक लोगों के प्रवेश पर पाबंदी लगा दी। साथ ही प्रशासन ने 11वी की परीक्षा स्थगित करने की भी घोषणा की। दो दिन पहले उपराज्यपाल मनोज सिन्हा नीत प्रशासन ने दरबार श्रीनगर स्थानांतरित करने की प्रक्रिया स्थगित कर दी थी। साथ ही 12वी समेत सभी कक्षाओ के लिए स्कूल और निजी शिक्षण संस्थान 30 अप्रैल तक बंद कर दिए गए है। जम्मू-कश्मीर स्कूल शिक्षा बोर्ड द्वारा कराई जा रही 10वी की परीक्षाएं भी रद्द कर दी गई है। उपराज्यपाल कार्यालय ने ट्वीट किया, कोविड-19 के मद्देनजर 11वी की परीक्षाएं स्थगित कर दी गई है। किसी भी कार्यक्रम मे 100 से अधिक लोग एकत्र नही हो सकेंगे। इससे पहले यह संख्या 200 थी। जम्मू कश्मीर मे बीते एक महीने से कोरोना वायरस के मामलों मे वृद्धि देखी जा रही है। शुक्रवार को संक्रमण के1,144 नए मामले सामने आने के बाद संक्रमितों की कुल संख्या1,44,021 हो गई। दो और रोगियो की मौत के बाद मृतकों की तादाद 2,048 तक पहुंच गई है।

कोविड-19 मामलों में वृद्धि के मद्देनजर गोवा ने ऑक्सीजन सिलिंडरों के निर्यात पर पाबंदी लगाई

पणजी। गोवा सरकार ने कोविड-19 मामलों मे वृद्धि के मद्देनजर शनिवार को ऑक्सीजन सिलिंडरों के निर्यात पर रोक लगाने की घोषणा की और उद्योगो के लिए रखे गए इस जीवन रक्षक गैस के स्टॉक को स्वास्थ्य सेवाओं को देने का आदेश दिया। राज्य के स्वास्थ्य मंत्री विश्वजीत राणे ने यह आदेश जारी किया। वह राज्य के उद्योग मंत्री भी हैं। मंत्री ने कहा, गोवा मे कोरोना वायरस के मामलो मे वृद्धि के मद्देनजर ऑक्सीजन की मांग बढ़ गई है। लिहाजा, ऑक्सीजन सिलिंडरो के निर्यात पर तत्काल प्रभाव से पाबंदी लगाई जाती है। राणे ने कहा कि उद्योगो के लिए रखी गई ऑक्सीजन को गोवा मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल तथा अन्य कोविड-19 अस्पतालो समेत स्वास्थ्य सेवाओं को प्रदान किया जाएगा।इस बीच, राणे ने कहा कि राज्य सरकार ने कोविड-19 अस्पतालों और उपचार केन्द्रो मे भोजन की आपूर्ति के लिए निजी कंपनियों की सेवाएं ली है। गोवा मे शुक्रवार को कोरोना वायरस संक्रमण के 927 नए मामले सामने आने के बाद संक्रमितो की कुल संख्या 65,499 हो गई। इनमे से 868 संक्रमितो की मौत हो चुकी है। राज्य मे उपचाराधीन रोगियो की संख्या 6,321 है।

प्रसिद्ध साहित्यकार नरेंद्र कोहली का निधन

नई दिल्ली। हिंदी के प्रसिद्ध साहित्यकार एवं उपन्यासकार नरेंद्र कोहली का शनिवार को निधन हो गया। वह 81 वर्ष के थे। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने साहित्य में कोहली के योगदान का उल्लेख करते हुए उन्हे श्रद्धांजलि दी। पारिवारिक सूत्रों के अनुसार कोहली का कोरोना संक्रमण के कारण शनिवार को राजधानी दिल्ली के एक अस्पताल में निधन हो गया। कोहली ने दिल्ली विश्वविद्यालय के मोतीलाल नेहरू कालेज मे हिंदी के प्राध्यापक के रूप मे भी काम किया था। महाभारत पर आधारित उनका विशाल उपन्यास महासमर तथा स्वामी विवेकानंद के जीवन पर आधारित उपन्यास तोड़ो कारा तोड़ो काफी लोकप्रिय हुए। प्रधानमंत्री ने उनके निधन पर शोक जताते हुए ट्वीट कर कहा, सुप्रसिद्ध साहित्यकार नरेंद्र कोहली जी के निधन से अत्यंत दुख पहुंचा है। साहित्य मे पौराणिक और ऐतिहासिक चरित्रो के जीवंत चित्रण के लिए वे हमेशा याद किए जाएंगे। शोक की इस घड़ी मे मेरी संवेदनाएं उनके परिजनो और प्रशंसकों के साथ है। आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने ट्वीट कर अपने शोक संदेश मे कहा, प्रसिद्ध साहित्यकार श्री नरेंद्र कोहली के निधन के दुखद समाचार से हृदय को अतीव दुख पहुंचा। कोहली जी ऐसे शब्द योगी थे जिन्होंने अपने लेखन से इस माटी की विरासत और समृद्ध परंपराओ को युगानुकूल संदर्भों मे परिभाषित किया।

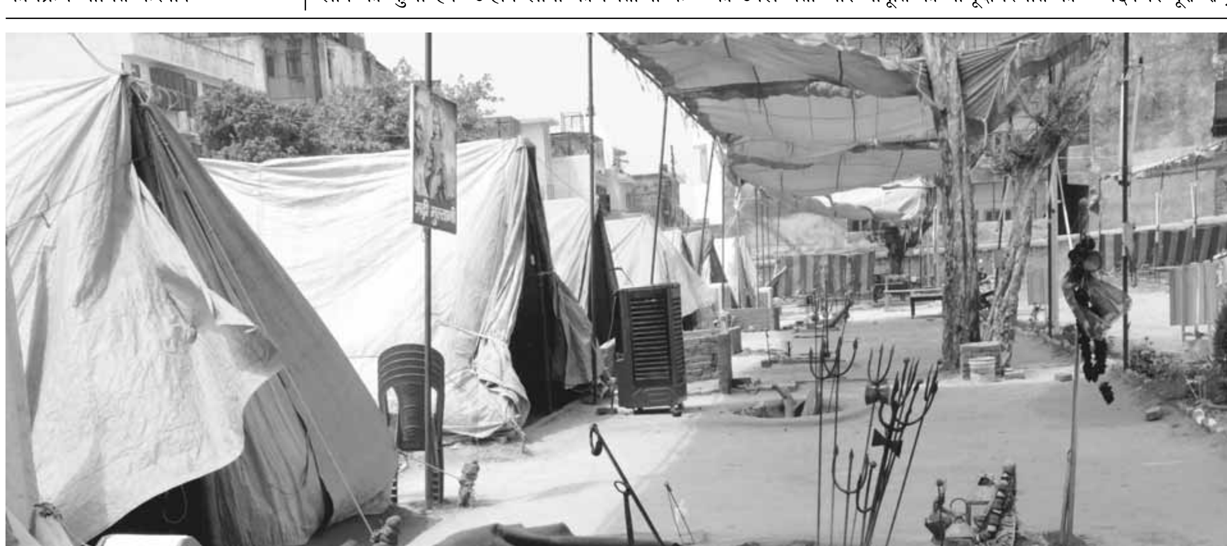

हरिद्वार में शनिवार को कोविड-19 के मामलों में वृद्धि के बाद कुंभ मेले की समाप्ति की घोषणा के बाद निरंजनी अखाड़े और आनंद अखाड़े के खाली पड़े टेंट

पश्चिम बंगाल: मतदान के दौरान बीमार पड़ने से भाजपा के बूथ एजेंट की मौत

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के उत्तर 24 परगना जिले में शनिवार को एक मतदान केन्द्र पर बीमार पड़ने के बाद भाजपा के बूथ एजेंट की मौत हो गई। निर्वाचन आयोग ने इस घटना के संबंध में रिपोर्ट मांगी है। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी।उन्होंने कहा कि कमरहाटी विधानसभा क्षेत्र में मतदान केन्द्र संख्या 107 पर भाजपा के एजेंट अभिजीत सामंत मतदान शुरू होने के कुछ ही घंटों के अंदर बीमार पड़ गए। अधिकारी ने कहा कि सामंत को अस्पताल में मृत घोषित कर दिया गया। मतदान केन्द्र पर कतार में खड़े मतदाताओं ने आरोप लगाया कि सामंत ने सीने में दर्द की शिकायत और उल्टियां की, लेकिन चुनाव अधिकारियों और केन्द्रीय बलों के कर्मियों ने उनकी सुध नहीं ली। अधिकारी ने कहा, हमें शिकायत मिली है कि एजेंट ने जब तबीयत खराब होने के बारे में बताया तो उसकी अच्छी तरह देखभाल नहीं की गई। हमने वहां तैनात पर्यवेक्षकों से रिपोर्ट मांगी है। इस बीच, पुलिस ने कहा कि नदिया की चकदाह सीट से निर्दलीय उम्मीदवार कौशिक भौमिक को मतदान केन्द्र के बाहर बंदूक के साथ घूमने के चलते हिरासत में ले लिया गया। उन्होंने कहा कि भौमिक मतदान केंद्र संख्या 44 और 45 के बाहर बंदूक लेकर आया था। एक पुलिस अधिकारी ने कहा कि पूरा मामला वीडियो में कैद हो गया है और बंदूक जब्त कर ली गई है। मुख्य निर्वाचन अधिकारी के कार्यालय के एक अधिकारी ने कहा, उम्मीदवार पतलून में बंदूक लगाकर इधर-उधर घूम रहा था। केन्द्रीय बलों और पुलिस ने जब उसे रोका तो उसने बंदूक नीचे गिरा दी। उसे हिरासत में ले लिया गया है। रिपोर्ट तलब की गई है। पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव के पांचवें चरण में छह जिलों की 45 सीटों पर मतदान जारी है।

ढाई साल की अफगान लड़की का केरल के निजी अस्पताल में हुआ अस्थि मज्जा प्रत्यारोपण

भाषा। कोझिकोड (केरल)

शहर के एक निजी अस्पताल में दुर्लभ अस्थि मज्जा प्रत्यारोपण अफगानिस्तान की ढाई साल की लड़की के लिए जीवन की एक नई आस लेकर आया। एस्टर एमआईएमएस अस्पताल के अधिकारियों ने शनिवार को यहां संवाददाताओं को बताया कि केरल के किसी भी अस्पताल में यह पहला मौका है जब अस्थि मज्जा प्रत्यारोपण सर्जरी कुलसुम जैसी इतनी छोटी लड़की पर सफलतापूर्वक की गई है। हाल ही में जांच में पता चला था कि उसे जन्म से ही माइलॉयड ल्यूकेमिया (खून एवं अस्थ मज्जा का एक प्रकार का कैंसर) है। अस्पताल के सूत्रों ने बताया कि बच्ची की दुबई में चार चक्र की कीमोथेरेपी हुई और डॉक्टरों ने यथाशीघ्र उसका अस्थि मज्जा प्रत्यारोपण कराने का सुझाव दिया। उन्होंने बताया कि चूंकि यह मेडिकल सुविधा दुबई में नहीं थी, इसलिए कुलसुम का परिवार केरल आया और उसने यहां एस्टर एमआईएमएस में उपचार का अनुरोध किया। उन्होंने बताया कि कुलसुम और उसके परिवार को इस उपचार से पूर्व कई कानूनी मुश्किलों से गुजरना पड़ा। उसका परिवार अफगानिस्तान से था लेकिन उसके दादा-दादी दशकों पहले व्यापारिक उद्देश्यों से पाकिस्तानी पासपोर्ट पर संयुक्त अरब अमीरात चले गए थे क्योंकि वे तब अपने देश के पासपोर्ट पर यात्रा नहीं कर सकते थे। कुलसुम के पता मोहम्मद का जन्म संयुक्त अरब अमीरात में हुआ और उनके पास भी पाकिस्तानी पासपोर्ट था। उन्हें पाकिस्तानी पासपोर्ट पर भारत में इलाज कराने के मार्ग में कई बाधाओं का सामना करना पड़ा। लेकिन अस्पताल समूह के अध्यक्ष डॉ. आजाद मूपेन ने एस्टर एमआईएमएस, उत्तरी केरल के मुख्य कार्यकारी अधिकारी को सभी कानूनी मुश्किलों का निराकरण करने तथा कुलसुम के उपचार एवं उनकी भारत यात्रा का मार्ग प्रशस्त का निर्देश दिया।

विपक्ष ने तिरुपति (सु.) लोकसभा सीट पर उपचुनाव रद्द करने की मांग की

भाषा। अमरावती

आंध्र प्रदेश में विपक्षी दलों तेलुगु देशम पार्टी, भाजपा और कांग्रेस ने यह आरोप लगाते हुए तिरुपति (सु) लोकसभा सीट के लिए उपचुनाव तत्काल रद्द करने की मांग की कि सत्तारूढ़ वाईएसआर कांग्रेस ने बड़े पैमाने पर फर्जी मतदान को बढ़ावा दिया है, खासकर मंदिर शहर तिरुपति में।

मुख्य निर्वाचन अधिकारी के विजयानंद ने एक बयान में कहा कि चुनाव आयोग ने इसे गंभीरता से लिया है और चित्तूर और एसपीएस नेल्लोर जिलों के कलेक्टरों को फर्जी मतदाताओं पर नकेल कसने और निष्पक्ष मतदान सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है।राज्य के पुलिस महानिदेशक डी जी सवांग ने हालांकि एक बयान में दावा किया कि मतदान प्रक्रिया शांतिपूर्ण माहौल में जारी है और हर कोई अपने मताधिकार का निडरतापूर्वक इस्तेमाल कर रहा है।कोविड-19 के डर के कारण मतदान कम रहा क्योंकि पहले चार घंटे में केवल 17.8 प्रतिशत ही मतदान हुआ।चुनाव आयोग के सूत्रों ने यहां कहा कि अपराह्न 2 बजे के बाद यह 36 प्रतिशत हो गया।तेदेपा और भाजपा के उम्मीदवारों पानाबाका लक्ष्मी और के रत्न प्रभा ने खुद उन कुछ फर्जी मतदाताओं को पकड़ा और उन्हें पुलिस को सौंप दिया जो तिरुपति के कुछ मतदान केंद्रों में फर्जी मतदाता पहचान पत्र लिए हुए थे।तिरुपति की पूर्व विधायक सुगनम्मा ने तिरुपति शहर पुलिस अधीक्षक कार्यालय के पास एक विरोध प्रदर्शन का नेतृत्व किया।

उन्होंने यह प्रदर्शन तब किया जब एक बस को रोका गया जिसमें कथित तौर पर अन्य मंडलों के कई फर्जी मतदाता थे और उनसे कई फर्जी पहचानपत्र जब्त किए गए।कांग्रेस उम्मीदवार चिन्ता मोहन ने भी आरोप लगाया कि वाईएसआरसी अन्य स्थानों से हजारों लोगों को तिरुपति में फर्जी वोट डालने के लिए लाई।

राज्य के पंचायतीराज मंत्री पी आर सी रेड्डी ने विपक्ष के आरोपों को खारिज कर दिया और कहा कि वाईएसआरसी को ऐसी युक्ति अपनाने की जरूरत नहीं है क्योंकि पार्टी की इस उपचुनाव में जीत निश्चित है। उन्होंने दावा किया कि बसों में जिन्हें रोका गया वे वास्तव में तीर्थयात्री और पर्यटक थे जो वेंकटेश्वर स्वामी मंदिर में दर्शन करने आए थे। तेदेपा प्रमुख चंद्रबाबू नायडू ने यहां पत्रकारों से बात करते हुए सत्तारूढ़ दल पर निशाना साधा क्योंकि उसने लोकतंत्र का मजाक उड़ाया। उन्होंने सवाल किया, हमें ऐसे चुनावों की आवश्यकता क्यों है? फर्जी मतदाताओं को तिरूपति में लाया गया। पुलिस ने उन्हें कैसे अनुमति दी? पूर्व मुख्यमंत्री ने सीईओ के. विजयानंद को पत्र भी लिखा और तिरुपति में बाहरी लोगों की आमद और फर्जी मतदान को रोकने के लिए तत्काल कार्वाई की मांग की।

एटीएम से लोगों के पैसे निकालने के मामले में दो आरोपी गिरफ्तार

भाषा। जबलपुर (मप्र),

- 92.39 लाख रुपए निकालने का मामला

जबलपुर पुलिस ने धोखाधड़ी कर विभिन्न एटीएम से लोगों के 92.39 लाख रूपए निकालने के मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। यह जानकारी पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने शनिवार को दी। नगर पुलिस अधीक्षक (ओमती) आर डी भारद्वाज ने बताया कि शाकिर हुसैन (30) एवं इंजमाम उल हक (24) को धोखाधड़ी कर एटीएम से 92.39 लाख रूपए निकालने के मामले में गिरफ्तार किया गया है। ये दोनों हरियाणा के नूह जिले के निवासी हैं। उन्होंने कहा कि इस मामले में तीन अन्य आरोपी मोहम्म्द हुसैन, अजहरूद्दीन एवं शमीम फरार हैं। वे तीनों भी हरियाणा के रहने वाले हैं।भारद्वाज ने बताया कि गिरफ्तार किए गए आरोपियों से विभिन्न बैंकों के 86 एटीएम कार्ड, तीन पैन कार्ड, तीन आधार कार्ड, एक चेक बुक, 11,500 रूपए नकद एवं तीन मोबाइल फोन जब्त किए गए हैं। उन्होंने कहा कि यह कार्रवाई भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) के प्रबंधक हरीश कुमार की शिकायत पर की गई है।भारद्वाज ने बताया कि आरोपियों ने इसी साल दो अप्रैल से 12 अप्रैल के बीच एसबीआई के विभिन्न एटीएम से ये पैसे 134 बार में निकाले थे।

केंद्रीय बलों की ओर से गोलीबारी करने के आरोप के बाद निर्वाचन आयोग ने रिपोर्ट मांगी

देगंगा (पश्चिम बंगाल)। निर्वाचन आयोग ने दक्षिण 24 परगना के देगंगा निर्वाचन क्षेत्र में केंद्रीय बलों द्वारा गोलीबारी की एक कथित घटना पर शनिवार को चुनाव पर्यवेक्षकों से रिपोर्ट मांगी, जहां मतदान जारी है। आयोग ने यह रिपोर्ट स्थानीय लोगों द्वारा इस तरह के आरोप लगाए जाने के बाद मांगी। एक वरिष्ठ निर्वाचन अधिकारी ने कहा कि सीईओ आरिज आफताब के कार्यालय को वीडियो फुटेज प्राप्त हुए हैं जिसमें ग्रामीण ए आरोप लगाते दिख रहे हैं कि केंद्रीय बलों ने देगंगा के कुरुलागाचा में एक बूथ के पास उन्हें भगाने के लिए गोलियां चलाईं।उन्होंने कहा, हमने वहां के चुनाव पर्यवेक्षकों से मामले पर त्वरित रिपोर्ट मांगी है। हालांकि, उस बूथ पर तैनात केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल (सीएपीएफ) के एक अधिकारी ने लगाए गए आरोप को "निराधार" करार दिया, जहां स्थानीय लोगों ने दावा किया कि गोलीबारी की गई है।

टीकाकरण के लिए आयुसीमा घटाई जाए: सोनिया

● कांग्रेस ने सरकार पर कोरोना के कुप्रबंधन का आरोप लगाया

भाषा। नई दिल्ली

कांग्रेस ने कोरोना महामारी से निपटने में केंद्र सरकार पर कुप्रबंधन और अक्षमता का आरोप लगाते हुए शनिवार को कहा कि तत्काल सुधारात्मक उपाय नहीं किए गए तो देश को अभूतपूर्व विनाश का सामना करते रहना पड़ेगा। पार्टी अध्यक्ष सोनिया गांधी ने कांग्रेस कार्य समिति (सीडब्ल्यूसी) की बैठक में यह कहा कि टीकाकरण के लिए आयुसीमा को घटाकर 25 साल किया जाए तथा अस्थमा, मधुमेह और कुछ अन्य बीमारियों से पीड़ित युवाओं को प्राथमिकता के आधार पर टीका लगाया जाए।

उन्होंने यह आग्रह भी किया कि सरकार को कोरोना महामारी से निपटने के लिए जरूरी चिकित्सा उपकरणों और दवाओं को जीएसटी से मुक्त करना चाहिए तथा कोरोना वायरस संक्रमण के प्रसार पर अंकुश लगाने के लिए सख्त कदम उठाने पर गरीबों को प्रति माह छह हजार रुपए की मदद देनी चाहिए। सीडब्ल्यूसी की बैठक में पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह, कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी, पार्टी महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा, पार्टी शासित राज्यों के मुख्यमंत्री और कार्य समिति के कई अन्य सदस्य शामिल थे। सीडब्ल्यूसी की बैठक में यह फैसला भी किया गया है कि पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह पार्टी के सुझावों को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र भेजेंगे। कांग्रेस के संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल ने बताया कि सोनिया गांधी ने नेताओं और कार्यकर्ताओं से निर्देश दिया है कि वे देश भर में जरूरतमंद लोगों की मदद करें। प्रदेश कांग्रेस कमेटियों से कहा गया है कि वे राज्य स्तर पर कंट्रोल रूम और हेल्पलाइन स्थापित करें ताकि लोगों की मदद की जा सके। बैठक में दिए गए अपने संबोधन में सोनिया ने

बड़ी संख्या में लोगों के कोरोना वायरस संक्रमण के चपेट में आने और रोजाना सैकड़ों लोगों की मौत होने पर दुख जताते हुए कहा कि इस संकट की घड़ी में अपना कर्तव्य निभा रहे स्वास्थ्यकर्मियों एवं दूसरे कर्मचारियों को कांग्रेस सलाम करती है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को लिखे पत्र तथा कांग्रेस शासित राज्यों के मुख्यमंत्रियों के साथ अपनी बैठक का उल्लेख किया और आरोप लगाया कि कई जगहों पर टीकों, ऑक्सीजन और वेंटिलेंटर की कमी हो रही है, लेकिन सरकार चुप्पी साधे है।

कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा, सरकार को टीकाकरण के लिए अपनी प्राथमिकता पर पुनर्विचार करना चाहिए और आयुसीमा को घटाकर 25 साल करना चाहिए। अस्थमा, मधुमेह, किडनी और लीवर संबंधी बीमारियों से पीड़ित सभी युवाओं को टीका लगाया जाना चाहिए। उल्लेखनीय है कि टीकाकरण के लिए अभी न्यूनतम आयुसीमा 45 साल निर्धारित है। सीडब्ल्यूसी की बैठक के बाद जारी बयान में कहा गया, भारत में कोविड-19 का पहला मामला 30 जनवरी, 2020 को सामने आया था। भारत में कोविड का पहला टीका 16 जनवरी, 2021 को लगाया गया था। इन दो तारीखों के बीच और उसके पश्चात, त्रासदी, अक्षमता और भारी कुप्रबंधन की एक विस्तृत गाथा है। कांग्रेस कार्य समिति ने आरोप लगाया कि पहले दिन से ही केंद्र सरकार ने महामारी के नियंत्रण से संबंधित सभी शक्तियां और अधिकार अपने हाथों में ले लिए। कांग्रेस की शीर्ष इकाई ने कहा, संक्रमण से निपटने के लिए केंद्र सरकार द्वारा किए गए प्रारंभिक उपाय सतही थे। जब कोई टीका या उपचार उपलब्ध नहीं था, ऐसी पस्थितियों में रोकथाम ही मात्र विकल्प था। उसके लिए टेस्टिंग, ट्रैकिंग, ट्रेसिंग और ट्रीटमेंट की आवश्यकता थी। लेकिन इस दिशा में भी केंद्र सरकार का प्रयास अपर्याप्त रहा। बयान में दावा किया गया, पर्याप्त धन और अन्य रियायतें प्रदान करके भारत में दो स्वीकृत टीकों के उत्पादन और आपूर्ति में तेजी से वृद्धि करने में विफलता रही। भारत में अन्य टीका बनाने वाली कंपनियों के स्वीकृत टीकों के अनिवार्य लाइसेंसिंग और उत्पादन का विकल्प अपनाने में विफलता रही। सीडब्ल्यूसी ने कहा, पहले चरण में स्वास्थ्य कर्मियों और अग्रिम पंक्ति के कर्मियों के टीकाकरण के बाद सार्वभौमिक टीकाकरण लागू करने में विफलता रही। टीकाकरण कार्यक्रम में पूर्व पंजीकरण और नौकरशाही नियंत्रण से छुटकारा दिलाने में विफलता रही। टीकाकरण का क्रियान्वयन राज्य सरकारों और सरकारी तथा निजी अस्पतालों को सौंपने में विफलता रही।

पश्चिम बंगाल के दक्षिण दिनाजपुर जिले के गंगारामपुर में एक चुनाव रैली के दौरान प्रधानमंत्री को सुनने आए भाजपा समर्थक

वायुसेना प्रमुख आरकेएस भदौरिया का अगले सप्ताह फ्रांस की यात्रा का कार्यक्रम

भाषा। नई दिल्ली

वायुसेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल आर के एस भदौरिया तीन दिवसीय यात्रा पर मंगलवार को फ्रांस के लिए रवाना होने वाले हैं जिस दौरान वह कई वरिष्ठ फ्रांसीसी सैन्य अधिकारियों के साथ बातचीत करेंगे और शेष राफेल जेट विमानों के निर्माण एवं उनकी आपूर्ति समय का जायजा लेंगे। इस संबंध में जानकारी रखने वालों ने बताया कि वायुसेना प्रमुख दोनों देशों की वायु सेनाओं के बीच सहयोग का विस्तार करने के तरीकों को लेकर फ्रांसीसी वायुसेना के चीफ ऑफ स्टाफ फिलिप लेविनी के साथ व्यापक बातचीत करेंगे। उन्होंने कहा कि एयर चीफ मार्शल भदौरिया द्वारा फ्रांसीसी बंदरगाह शहर बोर्डो के मरिग्नैक एयरबेस से पांच-छह राफेल जेट को भारत रवाना कर सकते हैं। राफेल जेट के निर्माता डसॉल्ट एविएशन द्वारा अप्रैल के अंत तक छह राफेल विमान भारत भेजने का कार्यक्रम था। इन नए विमानों के भारत पहुंचने से भारतीय वायुसेना द्वारा राफेल जेट का दूसरा स्क्वाड्रन खड़ा करने का मार्ग प्रशस्त होगा। नया स्क्वाड्रन पश्चिम बंगाल में हासिमारा हवाई अड्डे पर तैनात होगा। राफेल विमानों का पहला स्क्वाड्रन अंबाला वायुसेना स्टेशन पर तैनात है। एक स्क्वाड्रन में लगभग 18 विमान शामिल होते हैं। भारत ने सितंबर 2016 में फ्रांस के साथ लगभग 53,000 करोड़ रुपए की लागत से 36 राफेल लड़ाकू जेट की खरीद के लिए एक अंतर-सरकारी समझौते पर हस्ताक्षर किए थे। डसॉल्ट एविएशन ने अभी तक 14 जेट की आपूर्ति भारतीय वायुसेना को कर दी है। पांच राफेल जेट पिछले 29 जुलाई को भारत पहुंचे थे। जानकारी रखने वाले लोगों ने कहा कि भारतीय वायुसेना प्रमुख शेष राफेल जेट के निर्माण और आपूर्ति समय का भी जायजा लेंगे।

रेव पार्टी में हिस्सा लेने वाली महिला पुलिसकर्मी निलंबित

मंगलुरु। प्रदेश के हासन जिले के एक रिसॉर्ट में हाल में हुई एक रेव पार्टी में कथित तौर पर हिस्सा लेने वाली पुलिस की एक महिला हेड कांस्टेबल को निलंबित किया गया है। पुलिसकर्मी यहां के साइबर, आर्थिक और मादक द्रव्य (सीईएन) पुलिस थाने से संबद्ध थी। शहर के पुलिस आयुक्त एन शशि कुमार ने शनिवार को यहां संवाददाताओं को बताया कि हेड कांस्टेबल को शक्तियों के दुरुपयोग के आरोप में निलंबित किया गया है। उसने छापा मारने वाले दस्ते के समक्ष कथित तौर पर दावा किया था कि वह मंगलुरु में अपराध शाखा से संबद्ध है। आयुक्त ने कहा कि महिला पुलिसकर्मी ने कथित तौर पर रिसॉर्ट पर छापा मारने वाले पुलिसकर्मी से बहस की थी। कुमार ने कहा कि वरिष्ठ पुलिस अधिकारी मामले की जांच करेंगे। पुलिस के एक दल ने 12 अप्रैल को तड़के हासन जिले का आलूर तालुक में होंकारावल्ली स्थित एक रिसॉर्ट में चल रही रेव पार्टी पर छापा मारा था।

निजी वाहन सार्वजनिक स्थान की परिभाषा में नहीं आएगा: न्यायालय

भाषा। नई दिल्ली

उच्चतम न्यायालय ने कहा है कि मादक पदार्थ निरोधक कानून (एनडीपीएस) के तहत दिए गए स्पष्टीकरण के तहत कोई निजी वाहन ʻसार्वजनिक स्थलʻ की परिभाषा के तहत नहीं आता है। न्यायमूर्ति यू यू ललित और न्यायमूर्ति के एम जोसेफ ने यह टिप्पणी पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय द्वारा पारित उस आदेश को चुनौती देने वाली अपील पर निर्णय करते हुए कही जिसमें एनडीपीएस कानून के तहत उनकी दोषसिद्धि और सजा की पुष्टि की गई थी। आरोपियों के पास से अफीम की भूसी के दो बैग बरामद हुए थे जब वे एक सार्वजनिक स्थान पर एक जीप में बैठे हुए थे।

निचली अदालत ने रिकॉर्ड में लाए गए सबूतों पर विचार करने के बाद आरोपी मेजर सिंह को बरी कर

दिया, लेकिन आरोपी बूटा सिंह, गुरदीप सिंह और गुरमोहिंदर सिंह को एनडीपीएस अधिनियम के तहत दोषी ठहराया और उन्हें 10 साल कठोर कारावास की सजा सुनाई। उन्हें एक लाख रुपए का जुर्माने भरने को भी कहा गया और इसमें विफल रहने पर उन्हें और दो साल की कठोर कारावास भुगतने का निर्देश दिया गया था। आरोपियों ने शीर्ष अदालत के समक्ष दलील दी कि संबंधित वाहन आरोपी गुरदीप सिंह से संबंधित एक निजी वाहन था और सार्वजनिक वाहन नहीं था, हालांकि उसे एक सार्वजनिक सड़क पर खड़ा किया गया था। शीर्ष अदालत ने कहा कि वर्तमान मामले में साक्ष्य स्पष्ट रूप से दिखाते हैं कि वाहन सार्वजनिक नहीं था, बल्कि गुरदीप सिंह से संबंधित एक निजी वाहन था और आरोपियों को बरी कर दिया क्योंकि उन पर गलत धारा के तहत आरोप लगाए गए थे। पीठ ने कहा, वाहन का पंजीकरण प्रमाणपत्र, जिसे रिकॉर्ड पर रखा गया है, यह नहीं बताता है कि यह सार्वजनिक परिवहन वाहन है। धारा 43 के स्पष्टीकरण से पता चलता है कि एक निजी वाहन एनडीपीएस अधिनियम की धारा 43 में उल्लेखित सार्वजनिक स्थान की परिभाषा के भीतर नहीं आएगा। पीठ ने कहा, इस अदालत के निर्णय के आधार पर संबंधित प्रावधान एनडीपीएस अधिनियम की धारा 43 नहीं होगी, लेकिन मामला एनडीपीएस अधिनियम की धारा 42 के तहत आएगा।

क्विक न्यूज

पूर्व केंद्रीय मंत्री बची सिंह रावत को एम्स में भर्ती कराया गया

ऋषिकेश (उत्तराखंड)। भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री बची सिंह रावत को शनिवार को यहां अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान में भर्ती कराया गया। रावत ने सांस लेने में दिक्कत होने की शिकायत की थी। एम्स ऋषिकेश के एक अधिकारी ने बताया कि रावत (71) को हल्द्वानी से एयर एम्बुलेंस में लाया गया और अस्पताल के आपातकालीन वार्ड में भर्ती कराया गया जहां चिकित्सा विशेषज्ञ उनकी देखरेख कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि रावत की प्रारंभिक जांच की गई जिससे पता चला कि वह फेफड़े के संक्रमण से पीड़ित हैं। चार बार के सांसद रावत केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री भी रह चुके हैं।

अंटार्कटिका गया भारतीय दल केप टाउन लौटा

नई दिल्ली। पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय ने शनिवार को कहा कि अंटार्कटिका गए भारतीय अंतरिक्ष अभियान दल के सदस्य 94 दिनों मे 12 हजार समुद्री मील का सफर तय कर पिछले हफ्ते सफलतापूर्वक केप टाउन लौट आए हैं। उसने कहा कि यह उपलब्धि महाद्वीप में भारत के चार दशको के वैज्ञानिक प्रयासो का नतीजा है। मंत्रालय ने एक बयान मे कहा, पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के तत्वावधान में अंटार्कटिका के लिए 40वां भारतीय वैज्ञानिक अभियान दल 10 अप्रैल 2021 को सफलतापूर्वक केप टाउन लौट आया है। दल ने कुछ जगह ठहराव के साथ 94 दिनो मे 12000 समुद्री मील की दूरी तय की। इसमें कहा गया कि अभियान दल मे वैज्ञानिक, अभियंता, चिकित्सक और तकनीशियन शामिल थे। इन्होंने जनवरी मे गोवा के मोर्गमुगाओ बंदरगाह से अंटार्कटिका के लिए सफर शुरू किया था। बयान के मुताबिक दल 27 फरवरी को अपने गंतव्य अंटार्कटिका मे भारती स्टेशन और आठ मार्च को मैत्री स्टेशन पहुंचा। भारती और मैत्री भारत के दो स्थाई शोध आधार केंद्र हैं।

सोपोर में आतंकी हमले के समय एक राजनीतिक दल के सात सदस्य मौजूद थे : भाजपा का आरोप

श्रीनगर। भाजपा की जम्मू कश्मीर इकाई ने शनिवार को कहा कि सोपोर में हाल हुए आतंकी हमले के समय घटनास्थल पर एक राजनीतिक दल के सात सदस्य मौजूद थे जिन्होंने हेलमेट पहन रखा था, इसलिए इसकी जांच की जरूरत है। भगवा दल ने पूछा कि क्या संबंधित पार्टी के सदस्यों को हमले की पहले से ही जानकारी थी। भाजपा के प्रवक्ता अल्ताफ ठाकुर ने किसी पार्टी का नाम लिए बिना कहा, उत्तर कश्मीर मे बारामूला जिले के सोपोर मे हाल मे एक आतंकी हमले में हमारे दो निगम पार्षदों के मारे जाने के समय एक खास राजनीतिक दल के सात सदस्य मौजूद थे जिन्होंने क्रिकेट हेल्मेट पहन रखे थे...क्या यह राजनीतिक आतंकवाद है? क्या इन सात सदस्यो को पहले से ही पता था कि वहां आतंकी हमला होगा? सोपोर मे गत 29 मार्च को हुए आतंकी हमले मे एक पुलिसकर्मी और दो निगम पार्षद मारे गए थे। ठाकुर ने घटना की गहन जांच की मांग की। भाजपा प्रवक्ता ने कहा, वे लोग हेलमेट क्यों पहने हुए थे? पुलिस को इसकी गहन पड़ताल करनी चाहिए।

नौसेना उप प्रमुख ने बहादुर लेफ्टिनेंट सिहाग के नाम पर नए ब्लॉक का उद्घाटन किया

नई दिल्ली। वाइस एडमिरल जी अशोक कुमार ने शुक्रवार को दिल्ली स्थित नौसेना केंद्र में शहीद लेफ्टिनेट धर्मवीर सिंह सिहाग के नाम पर निर्मित नए ब्लॉक (इमारत) का उद्घाटन किया। यहां शनिवार को जारी आधिकारिक बयान के मुताबिक सिहाग 12 अगस्त 1999 को कश्मीर में उस समय शहीद हो गए थे जब उनकी टीम आतंकवादियो की भारी गोलाबारी के बीच बारूदी सुरंग को निष्क्रिय कर रही थी। नौसेना ने ट्वीट किया, शहीद बहादुर को श्रद्धांजलि, मरणोपरांत वीरता के लिए नौ सेना मेडल से सम्मानित लेफ्टिनेंट धर्मवीर सिंह सिहाग की याद मे नए ब्लॉक का उद्घाटन नौसेना प्रमुख वाइस एडमिरल जी अशोक कुमार द्वारा 16 अप्रैल को दिल्ली स्थित नौसेना केंद्र मे किया गया।

मोदी ने पूर्व प्रधानमंत्री चंद्रशेखर को श्रद्धांजलि दी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को पूर्व प्रधानमंत्री एवं समाजवादी नेता चंद्रशेखर को उनकी जयंती पर श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने ट्वीट कर कहा, सामाजिक सशक्तीकरण के प्रति कटिबद्धता और सादगी के लिए चंद्रशेखर का सभी राजनीतिक दल सम्मान करते थे। चंद्रशेखर 1990 से 1991 तक देश के प्रधानमंत्री रहे। उत्तर प्रदेश के बलिया में 1927 को जन्मे चंद्रशेखर ने 1960 में कांग्रेस का दामन थामा था लेकिन आपातकाल का विरोध करने और इंदिरा गांधी के नेतृत्व वाली तत्कालीन सरकार के खिलाफ आवाज उठाने के लिए उन्हे भी जेल मे बंद कर दिया गया था। आपातकाल के बाद 1977 के लोकसभा चुनाव मे कांग्रेस के खिलाफ आवाज बुलंद करने वाले वह प्रखर नेताओ मे शुमार किए जाते थे। वर्ष 2007 में उनका निधन हो गया। उन्हें आज भी लोग युवा तुर्क के रूप में याद करते हैं।

असम के डिब्रूगढ़ में रोंगली बिहू के अवसर पर पारंपरिक नृत्य करते कलाकार

100 दिन तक रह सकती है कोरोना की दूसरी लहर

विशेषज्ञ का परामर्श

भाषा। नई दिल्ली

दक्षिण पूर्व दिल्ली पुलिस के लिए एक विशेषज्ञ द्वारा तैयार किए गए एक परामर्श के अनुसार, कोरोना वायरस की दूसरी लहर 100 दिनों तक रह सकती है और इस तरह की लहरें 70 प्रतिशत आबादी का टीकाकरण होने और हर्ड इम्युनिटी हासिल करने तक आती रहेंगी। हर्ड इम्युनिटी, संक्रामक बीमारियों के खिलाफ अप्रत्यक्ष रूप से बचाव होता है। यह तब होता है जब आबादी या लोगों का समूह या तो टीका लगने पर या फिर संक्रमण से उबरने के बाद उसके खिलाफ इम्युनिटी विकसित कर लेता है। समूह की इस सामूहिक इम्युनिटी को ही हर्ड इम्युनिटी कहते हैं।

पुलिसकर्मियों के बीच जागरूकता पैदा करने के उद्देश्य से, डॉ. नीरज कौशिक के परामर्श में कहा गया है कि नए म्यूटेंट वायरस में प्रतिरक्षा और यहां तक कि टीके का असर छोड़ने की भी क्षमता है। ऐसे लोग जिनका टीकाकरण हो चुका है, उनमें पुन: संक्रमण और मामलों का यही कारण है। डॉ. कौशिक के दस्तावेज में कहा गया है कि यह उत्परिवर्तित वायरस (म्यूटेटेड वायरस) इतना संक्रामक है कि यदि एक सदस्य प्रभावित होता है, तो पूरा परिवार संक्रमित हो जाता है। यह बच्चों पर भी हावी है। उन्होंने कहा कि नियमित आरटी-पीसीआर जांच म्यूटेटेड वायरस का पता नहीं लगा सकती हैं। हालांकि, गंध महसूस नहीं होना एक बड़ा संकेत है कि व्यक्ति कोरोना वायरस से संक्रमित है। परामर्श में कहा गया है, कोरोना वायरस की दूसरी लहर 100 दिनों तक रह सकती है। ऐसी लहरें तब तक आती रहेंगी जब तक कि हम 70 प्रतिशत टीकाकरण और हर्ड इम्युनिटी को प्राप्त नहीं कर लेते। इसलिए अपने सुरक्षा उपायों विशेषकर मास्क लगाना नहीं छोड़ें।

पेज 1 का शेष

कुंभ से...

प्रदेश, दिल्ली, महाराष्ट्र के बाद गुजरात ने भी शनिवार को ऐलान कर दिया कि कुंभ मेले से लौटने वालों को तब तक उनके शहर, कस्बों या गांवों में नहीं जाने दिया जाएगा जब तक उनका आरटी-पीसीआर टेस्ट न हो जाए। जो भी लोग संक्रमित पाए जाएंगे, उन्हें 14 दिन क्वॉरंटीन में रहना होगा। मुख्यमंत्री विजय रूपानी ने सभी जिलाधिकारियों को कुंभ से लौटने वालों की पहचान करने के निर्देश दिए हैं। गुजरात में बीते 24 घंटों में 9,541 केस आए हैं और 97 लोगों मौत संक्रमण से हुई है। इसी तरह महाराष्ट्र के मंत्री अनिल परब ने कहा कि कुंभ से लौटने वालों को क्वॉरंटीन किया जाएगा। बृहन्मुंबई नगर निगम (बीएमसी) के महापौर किशोरी पेडनेकर ने शनिवार को दावा किया कि कुंभ मेले से लौटने वाले भक्त कोरोना वायरस को प्रसाद की तरह वितरित करेंगे। हरिद्वार से लौटने वाले लोगों को उनके निजी खर्चे पर क्वॉरंटीन किया जाना चाहिए। महाराष्ट्र में पिछले 24 घंटों में 67,123 नए केस आए और संक्रमण से 419 मौतें हुई हैं। मध्य प्रदेश सरकार ने भी कुंभ से लौटने वालों को क्वॉरंटीन करने का आदेश जारी किया है। कर्नाटक ने कुंभ मेले में भाग लेने के बाद राज्य लौट रहे लोगों के लिए आरटी-पीसीआर टेस्ट अनिवार्य कर दिया है। हरिद्वार के मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. एसके झा के अनुसार हरिद्वार में कुंभ मेले में भाग लेने वाले 229 साधुओं में कोरोना की पुष्टि हुई है। इनमें अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष महंत नरेंद्र गिरी भी शामिल हैं। महंत नरेंद्र गिरी ऋषिकेश एम्स में भर्ती हैं। कोरोना से संक्रमित मध्य प्रदेश के महा निर्वाणी अखाड़े के महामंडलेश्वर स्वामी कपिल देव की बीते 13 अप्रैल को मौत हो गई। बीते 12 अप्रैल को सोमवती अमावस्या और 14 अप्रैल को मेष संक्रांति के अवसर पर आयोजित दो शाही स्नान में भाग लेने वाले 48.51 लाख लोगों ने खुले तौर पर मास्क और सोशल डिस्टैंसिंग जैसे कोविड प्रोटोकॉल का उल्लंघन किया।

कोरोना की...

तथा जीवनरक्षक दवा रेमडेसिविर की जबरदस्त किल्लत हो गई है। बड़ी संख्या में राज्यों ने वैक्सीन की कमी शिकायत की है और कई टीकाकरण केंद्रों को बंद कर दिया गया है। कई राज्यों ने कोरोना की रफ्तार को धीमी करने के लिए सप्ताहांत लॉकडाउन भी लगाया है लेकिन जमीनी स्तर पर अभी यह कहना मुश्किल होगा कि ये उपाय कितने प्रभावी साबित होंगे। जनवरी 2020 से शुरू हुई महामारी के बाद शनिवार को दिल्ली और महाराष्ट्र में एक दिन में सबसे ज्यादा मामले आए। राजधानी में 24 हजार नए केस दर्ज किए गए जिससे यहां पर अब कुल मामले 803,623 हो गए हैं। वहीं महाराष्ट्र में 67123 नए मामलों के साथ यह आंकड़ा 3,7,70,707 हो गया है। दिल्ली में शनिवार को 167 मौतों के साथ इस महामारी मेंअब तक 11,960 लोग जान गंवा चुके हैं जबकि महाराष्ट्र में पिछले 24 घंटों में 419 मौतों के साथ कुल 59,970 मौतें हो चुकी हैं। कुल मामलों के संदर्भ में पांच सबसे ज्यादा प्रभावित राज्यों में महाराष्ट्र (3,7,70,707), केरल (12,21,168), कर्नाटक (11,41,998), तमिलनाडु (9,80,728) तथा आंध्र प्रदेश (9,55,455) शामिल हैं। पश्चिम बंगाल, जहां कोविड-19 के सभी नियमों का उल्लंघन करते हुए भारी भीड़ के बीच पांचवें दौर के चुनाव हुए, में कोविड-19 का एक दिन का सबसे ज्यादा 7,713 केस दर्ज किए गए। यहां पर कुल 6,51,508 हो चुके हैं जबकि आज हुई 34 मौतों के साथ कुल 10,540 लोग जान गंवा चुके हैं। उत्तर प्रदेश में शनिवार को कोरोना वायरस संक्रमण से एक दिन में सबसे ज्यादा 120 लोगों की मौत हुई है वहीं संक्रमण के 27,357 नए मामले सामने आए हैं। इससे पहले सितंबर, 2020 में एक दिन में सबसे ज्यादा 113 लोगोंकी मौत हुई थी। अपर मुख्य सचिव स्वास्थ्य व चिकित्सा अमित मोहन प्रसाद ने बताया कि राज्य में अभी तक 8,21,054 लोगों के संक्रमित होने की पुष्टि हुई है वहीं संक्रमण से अभी तक 9,703 लोगों की मौत हुई है। प्रसाद के मुताबिक पिछले 24 घंटों में 27,357 नए मामलों के सापेक्ष 7,831 लोगों को अस्पतालों से छुट्टी दी गई और अब तक 6,41,292 लोग संक्रमण से उबर चुके हैं। प्रसाद ने कहा कि शुक्रवार को 2.15 लाख से ज्यादा नमूनों का परीक्षण किया गया और अब तक कुल 3.80 करोड़ से अधिक नमूनों का परीक्षण किया जा चुका है। शनिवार को जारी स्वास्थ्य बुलेटिन के अनुसार लखनऊ में पिछले 24 घंटे में 5,913 नए मामले आए हैं और इस दौरान संक्रमण से 36 लोगों की मौत हुई है। इस बीच एक वर्चुअल समीक्षा बैठक की अध्यक्षता करते हुए उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि प्रत्येक अस्पताल में 36 घंटे का ऑक्सीजन बैकअप होना चाहिए।

किसानों से...

वार्ता से हल निकला था। उन्होंने प्रधानमंत्री से आग्रह करते हुए कहा कि किसानों से फिर से वार्ता शुरू करने के लिए केंद्र सरकार तीन से चार वरिष्ठ कैबिनेट मंत्रियों वाली एक कमेटी का गठन करें ताकि उनके नेतृत्व में इस मुद्दे पर बातचीत के जरिये एक सौहार्दपूर्ण समाधान निकाला जा सके। साथ ही हरियाणा के उपमुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला ने पत्र के माध्यम से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को प्रदेश में हो रही रबी सीजन की फसलों की खरीद के बारे में जानकारी दी।

महाराष्ट्र में...

उन्हें आगे बढ़कर जिम्मेदारी उठानी चाहिए। राज्य के स्वास्थ्य मंत्री राजेश टोपे ने रेलवे कंटेनरों में मेडिकल ऑक्सीजन लाने ले जाने की अनुमति देने की केंद्र से गुहार लगाई।

लालू प्रसाद...

स्वयं माना था कि लालू को जमानत देने के लिए सिर्फ एक माह, 17 दिनों की न्यायिक हिरासत की अवधि और पूरी करनी है। सिब्बल ने कहा कि लालू ने दुमका मामले में तय सात वर्ष की कैद की सजा की आधी अवधि छह अप्रैल को ही पूरी कर ली है। पीठ ने यह भी कहा कि 19 फरवरी के आदेश को सीबीआई ने उच्चतम न्यायालय में चुनौती भी नहीं दी है लिहाजा अब तक की परंपरा के अनुसार चारा घोटाले के किसी मामले में सजा की आधी अवधि न्यायिक हिरासत में पूरी कर लेने के चलते लालू को दुमका कोषागार से गबन के मामले में जमानत दी जाती है। न्यायालय ने आदेश में लालू की 73 वर्ष की उम्र एवं उनकी बीमारियों का भी जिक्र किया है।

जम्मू-कश्मीर में सुरक्षा बलों ने संदिग्ध वाहन पर की गोलीबारी, महिला घायल

भाषा। श्रीनगर

जम्मू-कश्मीर के पुलवामा जिले में शनिवार को दो जांच चौकियों पर एक वाहन के नहीं रुकने पर सुरक्षा बलों ने उस पर गोलीबारी की, जिसके बाद एक महिला घायल हो गई। पुलिस ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि वाहन चालक, उत्तरी कश्मीर के कुपवाड़ा जिले के हंदवाड़ा निवासी जुनैद तारिक डार को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस के एक प्रवक्ता ने बताया कि अपराह्न लगभग 3:15 बजे वाहन को पुलिस दल ने अवंतीपुरा चौक पर रुकने का संकेत दिया, लेकिन चालक ने वाहन को वहां नहीं रोका और पुलिस अधिकारी नासेर उल्ला को टक्कर मार दी। उन्होंने बताया कि चालक ने फिर से पदगामपुरा पुल पर वाहन रोकने से इनकार कर दिया, तब चौकी पर तैनात सीआरपीएफ के जवानों ने चेतावनी स्वरूप हवा में गोलियां चलाईं। प्रवक्ता ने बताया, गोलीबारी में वाहन का टायर फट गया और उसके बाद वाहन में सवार पुलवामा के मुरान की निवासी जायसी परवेज शेख को गोली लग गई। उन्होंने बताया कि चालक को गिरफ्तार कर लिया गया है और वाहन को जब्त कर लिया गया है। प्रवक्ता ने कहा कि घायल महिला को पुलिस अवंतीपुरा के एक अस्पताल में ले गई, जहां से उसे आगे के इलाज के लिए बोन्स एंड ज्वॉइंट्स हॉस्पिटल में रेफर कर दिया गया। उन्होंने बताया कि उसकी हालत स्थिर बताई जा रही है। प्रवक्ता ने बताया कि घायल पुलिस अधिकारी की हालत भी स्थिर है। उन्होंने बताया कि इस मामले की जांच की जा रही है।

अफगानिस्तान के लोगों के साथ हमेशा खड़ा रहेगा भारत : एस जयशंकर

भाषा। नई दिल्ली

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने शनिवार को अफगानिस्तान के अपने समकक्ष मोहम्मद हनीफ अतमर के साथ चर्चा की और उनसे कहा कि भारत हमेशा अफगानिस्तान के लोगों के साथ हमेशा खड़ा रहेगा। जयशंकर ने कहा कि अतमार के साथ बातचीत के दौरान अफगान शांति प्रक्रिया में पड़ोसियों की भूमिका का मुद्दा भी उठा। दोनों देशों के विदेश मंत्रियों ने टेलीफोन पर बातचीत के दौरान अमेरिका द्वारा अफगानिस्तान से अपने सैनिकों की वापसी के संबंध में की गई घोषणा के मद्देनजर उभरती स्थिति पर चर्चा की। गौरतलब है कि अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडेन ने घोषणा की है कि अमेरिकी सैनिक अफगानिस्तान से 11 सितंबर तक वापस लौटेंगे।

जयशंकर ने अपने ट्वीट में अतमर के साथ अपनी बातचीत को अच्छा बताया। उन्होंने कहा, अफगानिस्तान के विदेश मंत्री हनीफ अतमर के साथ ताजा घटनाक्रमों पर अच्छी बातचीत हुई। अफगानिस्तान शांति प्रक्रिया में पड़ोसियों की भूमिका पर चर्चा हुई। भारत, अफगानिस्तान के लोगों के साथ हमेशा खड़ा रहेगा।

एक दिन पहले, रायसीना डॉयलाग में हिस्सा लेते हुए विदेश मंत्री एस जयशंकर ने शुक्रवार को कहा था कि अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडेन की अफगानिस्तान से अमेरिकी सेना को वापस बुलाने की घोषणा एक बड़ा कदम है, जो इस युद्धग्रस्त देश को एक निश्चित दिशा में ले जाएगी और ऐसे में सभी पक्षकारों को यह सुनिश्चित करने के लिए काम करना चाहिए कि यह दिशा सही हो एवं इसका परिणाम अफगान लोगों के हित में हो।

वहीं, विदेश मंत्रालय का कहना है, भारत का यह मत है कि अफगानिस्तान में शांति प्रक्रिया अफगानिस्तान नीत, अफगानिस्तान के स्वामित्व और उसके नियंत्रण वाली होनी चाहिए। कोई भी राजनीतिक समाधान समावेशी होना चाहिए तथा पिछले 19 वर्षों के सामाजिक-आर्थिक और राजनीतिक लाभ को बनाए रखना चाहिए।

गौरतलब है कि एक महत्वपूर्ण घोषणा में अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडेन ने बुधवार को घोषणा की थी कि अमेरिकी सैनिक 11 सितंबर तक अफगानिस्तान से लौट जाएंगे। यह दिन साल 2001 में अमेरिका पर 9111 आतंकी हमले की बरसी है। अल कायदा द्वारा आतंकी हमले के बाद साल 2001 के बाद से शुरू अभियान में अमेरिका के 2000 से अधिक जवान मारे जा चुके हैं।

यमुना कलश पदयात्रा मथुरा तक पहुंची

मथुरा। यमुना की सफाई के लिए जन जागारूकता फैलाने के उद्देश्य से युवा उद्यमी रणजीत महेश पाठक द्वारा 20 मार्च को उत्तराखंड के यमुनोत्री से प्रारंभ की गई यमुना कलश पदयात्रा 620 किलोमीटर की दूरी तय कर शनिवार को (29वें दिन) मथुरा के विश्राम घाट पहुंची। पदयात्रा शनिवार सुबह छह बजे वृन्दावन के अंतिम पड़ाव टटिया स्थान से प्रारंभ हुई और मथुरा के सभी प्रमुख बाजारों से होती हुई यमुना किनारे विश्राम घाट पर पहुंची। जहां यमुना महारानी के मंदिर के समक्ष सैकड़ों कार्यकर्ताओं ने यमुना को गंदगी एवं प्रदूषण से मुक्ति दिलाने का संकल्प लिया। पदयात्रा के संयोजक व मथुरा के कारोबारी रणजीत महेश पाठक ने संवाददाताओं से कहा, यह अत्यंत दुख का विषय है कि भारतीय समाज में जहां गंगा व यमुना जैसी पवित्र नदियों को मां का सम्मान दिया जाता है लेकिन फिर भी ए नदियां इतनी प्रदूषित हो चुकी हैं कि इनका जल हर जगह जानलेवा सिद्ध हो रहा है।

चेन्नई में तमिलनाडु पुलिस के जवान अभिनेता विवेक के अन्तिम संस्कार के दौरान सम्मान में सलामी देते हुए।

मध्य प्रदेश उपचुनाव

दमोह विधानसभा सीट: अच्छी खासी संख्या में मतदान को उमड़े लोग

भाषा। दमोह (मध्य प्रदेश)

प्रदेश की दमोह विधानसभा सीट पर उपचुनाव के लिए शनिवार को हुए मतदान में शाम छह बजे तक 60 प्रतिशत लोगों ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया। मतदान समाप्त होने तक 70 से 75 प्रतिशत मतदान होने की उम्मीद है। दमोह जिले के निर्वाचन अधिकारी तरूण राठी ने बताया, शाम छह बजे तक 60 प्रतिशत मतदान हुआ है। उन्होंने कहा कि सुबह सात बजे मतदान शुरू हुआ और शाम सात बजे तक चलेगा।

राठी ने कहा, मतदान समाप्त होने तक 70 से 75 प्रतिशत मतदान होने की उम्मीद है। उन्होंने कहा कि निर्वाचन आयोग द्वारा जारी कोविड-19 संबंधी दिशानिर्देश का पालन सुनिश्चित किया जा रहा है।

राठी ने बताया कि इस सीट पर कुल 2.39 लाख मतदाता हैं, जिनमें 1.24 लाख पुरुष, 1.15 लाख महिलाएं एवं आठ थर्ड जेंडर मतदाता हैं। मतदान के लिए कुल 359 केन्द्र बनाए गए हैं। इस सीट पर दो महिलाओं सहित कुल 22 उम्मीदवार अपनी किस्मत आजमा रहे हैं, जिनमें से मुख्य मुकाबला भाजपा के राहुल सिंह लोधी एवं कांग्रेस के अजय टंडन के बीच माना जा रहा है।

लोधी वर्ष 2018 में हुए चुनाव में इस सीट से कांग्रेस के टिकट पर विधायक चुने गए थे, लेकिन पिछले साल अक्टूबर में उन्होंने विधायक पद इस्तीफा दे दिया था और बाद में कांग्रेस छोड़कर भाजपा में शामिल हो गए थे। इससे यह सीट खाली हो गई थी। मतगणना दो मई को दमोह जिला मुख्यालय पर होगी।

जम्मू-कश्मीर राजमार्ग पर भूस्खलन की वजह से वाहनों की आवाजाही रोकी गई

बनिहाल, जम्मू। भारी बारिश की वजह से रामबन जिले में कुछ स्थानों पर भूस्खलन की घटना हुई जिसकी वजह से शनिवार को 270 किलोमीटर लंबे जम्मू-श्रीनगर राजमार्ग को यातायात के लिए बंद कर दिया गया। इसकी वजह से सैकड़ों वाहन फंस गए हैं। अधिकारियों ने बताया कि पथियाल में जम्मू आ रहे एक ट्रक पर पहाड़ी से चट्टाने गिरने की भी घटना हुई है लेकिन इस हादसे में चालक और खलासी बाल-बाल बचे। उन्होंने बताया कि घाटी को देश से सड़क मार्ग से जोड़ने वाले इस रास्ते पर भारी बारिश के बावजूद शनिवार दोपहर तीन बजकर 30 मिनट तक वाहनों की आवाजाही सुचारु तरीके से जारी रही। पथियान, कैफेटेरिया मोड़ और डिगडोल सहित विभिन्न स्थानों पर भूस्ख्सलन होने की वजह से राष्ट्रीय राजमार्ग पर यातायात को स्थगित करना पड़ा। इसकी वजह से कई वाहन फंस गए है और रास्ते को खोलने का प्रयास किया जा रहा है।

परिस्थितियों के अनुरूप कल निर्णय लिया जाएगा

सर्वदलीय बैठक के बाद नीतीश ने कहा

पटना। कोविड-19 समीक्षा के लिए राज्यपाल फागू चैहान की अध्यक्षता में वीडियो कन्फ्रेंस के माध्यम से आयोजित सर्वदलीय बैठक के बाद मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने शनिवार को कहा कि परिस्थितियों के अनुरुप कल निर्णय लिया जाएगा। यह अंतिम निर्णय नहीं होगा आगे जैसी परिस्थिति बनेगी, उसके आधार पर निर्णय लिए जाएंगे। मुख्यमंत्री ने कहा, राज्यपाल की अध्यक्षता में आज हुई सर्वदलीय बैठक में सभी ने अपने-अपने महत्वूपर्ण सुझाव दिए। उन सुझावों पर आज ही आपदा प्रबंधन समूह विचार करेगा। कल जिलाधिकारियों के साथ भी बैठक कर सारी जानकारी ली जाएगी और परिस्थितियों के अनुरुप कल निर्णय लिया जाएगा।

उन्होंने पत्रकारों से कहा, कल की बैठक के बाद आपको निर्णय की सूचना दी जाएगी। कल का फैसला मौजूदा हालात के अनुरूसार होगा। वह अंतिम फैसला नहीं होगा, आगे भी हालात के आधार पर फैसले लिए जाएंगे। मुख्यमंत्री सचिवालय स्थित संवाद से बैठक को संबोधित करते हुए नीतीश ने कहा कि राज्य में संक्रमण के मामले रोजाना तेजी से बढ़ रहे हैं। पटना स्थित मेदांता अस्पताल को सिर्फ कोविड-19 के मरीजों के इलाज के लिए सुरक्षित करने को लेकर अस्पताल के चेयरमैन नरेश त्रेहान से बात हुई है।

राज्यपाल द्वारा बुलाई गई बैठक में उपमुख्यमंत्री तारकिशोर प्रसाद, उपमुख्यमंत्री रेणु देवी और स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडेय ने भाग लिया। मुख्यमंत्री ने कहा, दवा एवं ऑक्सीजन की उपलब्धता को लेकर हम सजग हैं। ज्यादा से ज्यादा लोगों को कोविड-19 काटीका लगे, इसकी कोशिश की जा रही है। बैठक में बिहार विधानसभा में प्रतिपक्ष के नेता तेजस्वी प्रसाद यादव ने अपनी ओर से 30 सुझाव रखे और आरोप लगाया कि तमाम विपक्षी दल पिछले एक साल से सदन में, मीडिया और पत्रों के माध्यम से निरंतर सरकार को कोरोना प्रबंधन और महामारी से निपटने के अपने बहुमूल्य सुझाव देते आ रहे हैं लेकिन दुर्भाग्यपूर्ण है कि उन पर कभी अमल नहीं हुआ।

अब सरकार की व्यवस्था की पोल खुल चुकी है। सरकार अपनी सारी विफलताएँ दूसरे के माथे मढ़, पाप में सबको भागीदार बनाना चाहती है इसलिए अब विपक्षी दलों को याद किया गया है। अगर सरकार विपक्ष के सकारात्मक सुझावों और सरोकारों को नहीं सुनती है तो ऐसी बैठकों का क्या औचित्य। उन्होंने प्रदेश में कोरोना संक्रमण के लगातार बढने के मद्देनजर सप्ताहांत पर कर्फ्यू लगाने का सुझाव दिया। उन्होंने कहा कि अगर सरकार लॉकडाउन लगाने पर विचार कर रही है तो उसे पहले से सारी तैयारियां कर लेनी चाहिए। सर्वदलीय वर्चुअल बैठक में जदयू, भाजपा, कांग्रेस, हिन्दुस्तानी अवाम मोर्चा, भाकपा, भाकपा माले, विकासशील इंसान पार्टी, एआईएमआईएम, लोजपा तथा बसपा के प्रतिनिधियों ने भाग लिया और अपने अपने सुझाव दिए।

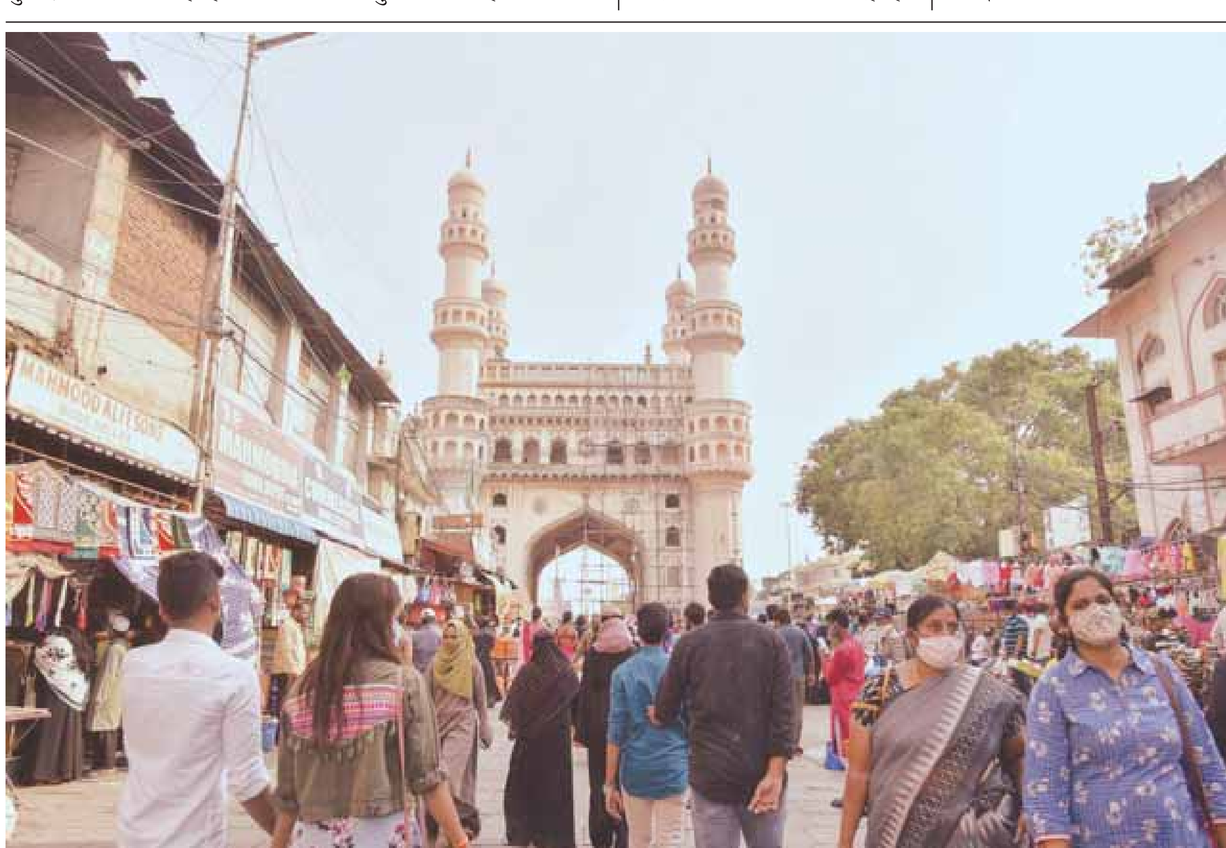

हैदराबाद में कोरोना वायरस के उछाल को देखने के बाद भी शारीरिक दूरी को नकार कर ऐतिहासिक चारमीनार के पास खरीदारी करते हुए लोग

अन्य राज्यों की कोविड-19 की नेगेटिव रिपोर्ट असम में स्वीकार नहीं : हिमंत

गुवाहाटी। असम के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री हिमंत बिस्व सरमा ने शनिवार को कहा कि अन्य राज्यों का कोविड-19 नेगेटिव प्रमाणपत्र असम में स्वीकार नहीं किए जाएंगे और हवाई एवं रेल के सभी यात्रियों को पहुंचने पर रैपिड एंटीजन और आरटी-पीसीआर दोनों जांचों से गुजरना होगा। सरमा ने कहा कि असम की वर्तमान कोविड-19 स्थिति यात्रा करने वाले लोगों से जुड़ी हुई है।

मंत्री ने कहा कि कोरोना वायरस की दूसरी लहर में पाया जाने वाला विषाणु ब्रिटेन में सामने आए प्रकार का है जो बहुत हल्का है और बहुत तेजी से फैलता है। उन्होंने कहा, बाहर से आने वालों को असम पहुंचने पर आरटी-पीसीआर जांच से गुजरना होगा और जांच परिणाम 24 घंटे के भीतर उपलब्ध होंगे लेकिन तब तक उन्हें पृथकवास में रहना होगा।

सरमा ने स्वीकार किया कि राज्य में पिछले कुछ दिनों के दौरान स्थिति जटिल हो गई है। उन्होंने कहा, अभी की स्थिति के अनुसार हम तैयार हैं और स्थिति नियंत्रण में है। यह पूछे जाने पर कि कोविड-19 मामलों में बढ़ोतरी को क्या छह अप्रैल के चुनाव के लिए हुई चुनावी रैलियों और प्रचार से जोड़ा जा सकता है, भाजपा के एक वरिष्ठ नेता ने कहा कि दोनों के बीच कोई संबंध स्थापित नहीं हुआ है।

उन्होंने कहा, हमने यह पता लगाने के लिए एक अध्ययन किया था कि क्या कोविड-19 के मामले वहां बढ़े हैं जहां अधिक चुनावी रैलियां हुई थीं, लेकिन यह स्थापित नहीं हो सका। राज्य के 126 विधानसभा क्षेत्रों में से लगभग 100 में कोई भी मामला नहीं है। उन्होंने कहा कि हाल के अधिकांश मामले यात्रा के इतिहास से जुड़े हैं और गुवाहाटी, डिब्रूगढ़, तिनसुकिया, जोरहट, तेजपुर और कछार जैसे वाणिज्यिक और व्यापारिक केंद्रों से सामने आए हैं। उन्होंने कहा, असम में वर्तमान मामले अभी भी यात्रा से जुड़े हुए हैं।

क्विक न्यूज

हर्षवर्धन ने महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री से बात की

नई दिल्ली। कोरोना वायरस संक्रमण में बढ़ोतरी के बीच केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री हर्षवर्धन ने महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे से बात की और उन्हें मडिकल ऑक्सीजन की पर्याप्त एवं निर्बाध आपूर्ति का आश्वासन दिया। साथ ही उन्हें स्वास्थ्य देखभाल ढांचा, दवाओं आदि से संबंधित हरसंभव सहयोग का भी आश्वासन दिया। हर्षवर्धन ने एक ट्वीट में कहा कि राज्य के लिए 1121 अतिरिक्त वेंटिलेटर भेजे जा रहे हैं। हर्षवर्धन ने ट्वीट किया, महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री श्री उद्धव ठाकरे जी से बातचीत की। उन्हें मेडिकल ऑक्सीजन की आपूर्ति तथा स्वास्थ्य ढांचा, दवाएं एवं हरसंभव सहयोग का आश्वासन दिया। साथ ही मामलों में बढ़ोतरी को देखते हुए उन्हें 1121 अतिरिक्त वेंटिलेटर भी भेजे जा रहे हैं। उन्होंने एक अन्य ट्वीट में कहा, निरूद्ध क्षेत्र, निगरानी और कोविड-19 मामलों के उपचार के लिए उनसे चर्चा की। पांच बातों -- जांच, निगरानी, उपचार, कोविड के उपयुक्त व्यवहार और टीकाकरण की आवश्यकता पर जोर दिया। महाराष्ट्र में कोविड-19 के मामले काफी तेजी से बढ़ रहे हैं और देश में सबसे अधिक नए मामले इसी राज्य में सामने आ रहे हैं। शनिवार को देश भर में कोरोना वायरस के 2,34,692 नए मामले में आए जिनमें से महाराष्ट्र में 63,729, उत्तरप्रदेश में 27,426 और दिल्ली में 19,486 मामले शामिल हैं।

स्कूल में विवाह पूर्व कार्यक्रम आयोजित करने के लिए शिक्षक, पुलिस पाटिल निलंबित

पालघर। एक सरकारी आश्रम स्कूल के शिक्षक ने अपनी बेटी का शादी पूर्व कार्यक्रम आयोजित किया जिसमें करीब 400 लोगों ने कोविड-19 के नियमों का उल्लंघन कर हिस्सा लिया। इसके बाद शिक्षक और एक ग्राम पुलिस पाटिल को निलंबित कर दिया गया। यह जानकारी शनिवार को एक अधिकारी ने दी। शिक्षक देवराम दांडेकर ने 15 अप्रैल को तालासरी के उधवा आश्रम स्कूल परिसर में अपनी बेटी का हल्दी कार्यक्रम आयोजित किया था। इसके बाद उनके खिलाफ स्थानीय थाने में मामला दर्ज किया गया और उन्हें निलंबित कर दिया गया। यह जानकारी परियोजना अधिकारी असीमा मित्तल ने दी। अधिकारी ने बताया कि दुंडलवाडी गांव के पुलिस पाटिल वसंत सारदे को भी निलंबित कर दिया गया क्योंकि ग्रामीण स्तर पर कानून एवं अन्य मशीनरी का सहयोगी होने के कारण उन्हें कार्यक्रम के बारे में अपने अधिकारियों को बताना चाहिए था लेकिन उन्होंने ऐसा नहीं किया। महाराष्ट्र में पुलिस पाटिल, ग्रामीण पुलिस का मुखिया होता है जो कानून-व्यवस्था बनाए रखने में कानून लागू करने वाली एजेंसियों की मदद करता है। जिले के एक अधिकारी ने कहा कि राज्य सरकार लोगों से कोविड-19 की स्थिति को देखते हुए इस तरह के कार्यक्रम स्थगित करने की अपील कर रही है और अगर इस तरह के कार्यक्रम करना अनिवार्य है तो 25 से अधिक लोगों को आमंत्रित नहीं किया जाए।

सभी पात्र लोग टीका लगवाएं : पेमा खांडू

ईटानगर। अरुणाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री पेमा खांडू ने शनिवार को कोविड-19 नियमों के कड़ाई से पालन और पात्रता रखने वाले सभी लोगों से टीका लगवाने का आह्वान किया। कोविड-19 से उत्पन्न हालात की समीक्षा करने के लिए खांडू ने विधायकों, पार्षदों, जिला परिषद सदस्यों के साथ दो ऑनलाइल बैठक की। इन बैठकों की अध्यक्षता राज्यपाल ब्रिगेडियर (अवकाश प्राप्त) बीडी मिश्रा ने की और इस दौरान पांच जिलों- निचली दिबांग घाटी, पापुम, परे, नमसई, पूर्वी सियांग और पश्चिमी केमांग- पर ध्यान केंद्रित किया गया जहां हाल में संक्रमण के नए मामलों में वृद्धि देखी गई है। उन्होंने लोगों को आश्वस्त किया कि सरकार द्वारा मुहैया कराए जा रहे टीके सुरक्षित हैं। खांडू ने कहा, हमने अबतक 1.35 लाख लोगों का टीकाकरण किया है लेकिन मामले तेजी से बढ़ रहे हैं और निर्वाचित प्रतिनिधियों को सुरक्षा उपायों के प्रति जागरूकता पैदा करने के साथ-साथ अधिक लोगों को टीका लगवाने के लिए प्रेरित करना चाहिए। खांडू ने कहा कि स्वास्थ्य विभाग कोविड-19 की दूसरी लहर से निपटने के लिए सोमवार को दिशानिर्देशों को अधिसूचित करेगा। राज्य में सेना की आवाजाही को लेकर लोगों में बढ़ी चिंता पर राज्यपाल ने कहा कि उन्होंने कोलकाता स्थित पूर्वी सैन्य कमान के कमांडर से बात की है और उन्होंने आश्वस्त किया है कि 97 से 99 प्रतिशत जवानों का टीकाकरण हो चुका है और संक्रमण के लक्षण वाले जवानों को इलाज के बाद ही अग्रिम चौकियों पर भेजा जा रहा है।

हिमाचल प्रदेश में कोरोना वायरस संक्रमण के 1,392 नए मामले सामने आए, 12 रोगियों की मौत

शिमला। हिमाचल प्रदेश में कोरोना वायरस संक्रमण से 12 और लोगों की मौत के बाद मृतकों की कुल संख्या 1,167 हो गई। इसके अलावा संक्रमण के 1,392 नए मामले सामने आने के साथ ही संक्रमितों की तादाद 75,587 तक पहुंच गई है। अधिकारी ने कहा कि राज्य में उपचाराधीन रोगियों की संख्या बढ़कर 8,444 हो गई है। विशेष स्वास्थ्य सचिव निपुण जिंदल ने कहा कि शिमला और कांगड़ा में तीन-तीन, सोलन में दो और सिरमौर, मंडी, कुल्लू तथा लाहौल-स्पीति जिलों में एक-एक व्यक्ति की मौत हुई है। उन्होंने कहा कि बीते 24 घंटे में 647 लोग संक्रमण से उबर चुके हैं।

तीनों विस क्षेत्रों में राज्य सरकार के एजेंट की तरह काम कर रहा है पुलिस-प्रशासन : पूनियां

भाषा। जयपुर

भाजपा के प्रदेशाध्यक्ष सतीश पूनियां ने शनिवार को प्रदेश की कांग्रेस सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि राज्य के तीनों विधानसभा क्षेत्रों में उपचुनाव में पुलिस और प्रशासन राज्य सरकार के एजेंट की तरह काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि जिस तरीके से राजसमंद में सरकारी मशीनरी, पुलिस, प्रशासन का दुरुपयोग हुआ और आधी रात को भाजपा कार्यकर्ताओं को हिरासत में लिया गया और शनिवार सुबह छोड़ा गया। पूनियां ने यहां संवाददाताओं से बातचीत में कहा, भाजपा कार्यकर्ताओं को हिरासत में लेने का पार्टी सांसद और पार्टी के प्रमुख लोगों ने विरोध किया और गुहार लगाई... लेकिन ऐसा लगा कि वहां पुलिस और प्रशासन कांग्रेस पार्टी के एजेंट की तरह काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा, इस बात से साफ तौर पर दिखता है कि कांग्रेस पार्टी हताशा में है... चुनाव हारने की बौखलाहट में वह प्रशासनिक तंत्र का दुरुपयोग कर रही है। उन्होंने कहा कि अपराध करने वाले कांग्रेस पार्टी के कार्यकर्ताओं को तो तत्काल छोड़ दिया गया और भाजपा कार्यकर्ताओं के खिलाफ मामला दर्ज किया गया, यह सत्तारूढ़ दल की हताशा को दिखाता है। उन्होंने कहा कि लोगों में कांग्रेस सरकार के खिलाफ भारी आक्रोश है और वे उपचुनावों में उन्हें पंचायती राज चुनाव की तरह सबक सिखाएंगे। पूनियां ने कहा कि राजसमंद की सांसद को भयभीत करने का प्रयास किया जा रहा है। उनको सुरक्षा देना तो दूर, सुरक्षा हटाई गई और कल जब रात को कांग्रेस के लोगों को पैसे बाँटते हुए रंगे हाथों भाजपा कार्यकर्ताओं ने पकड़ा, तो कांग्रेस कार्यकर्ताओं पर कार्यवाही करने के बजाए पुलिस ने भाजपा कार्यकर्ताओं को रातभर थाने में रखा, उन्हें प्रताड़ित किया गया। उन्होंने कहा कि तीनों ही सीटों पर सरकार के कई मंत्रियों एवं विधायकों ने पुलिस प्रशासन के जरिए आमजन, पार्टी कार्यकर्ताओं एवं व्यापारियों को डराया-धमकाया। उन्होंने कहा कि भाजपा ने केन्द्रीय चुनाव आयोग और राज्य चुनाव आयोग को भी इसके बारे में शिकायत की है।

असलियत में मरने से एक दिन पहले व्यक्ति को गलती से दो बार किया मृत घोषित

विदिशा (मध्य प्रदेश)। मध्य प्रदेश के विदिशा जिले के एक सरकारी अस्पताल में कोरोना वायरस से संक्रमित हुए 58 वर्षीय एक व्यक्ति को उसके असलियत में मरने से एक दिन पहले गलती से दो बार मृत घोषित किया गया। मृतक गोरालाल कोरी के परिजनों ने यह जानकारी दी है। अस्पताल प्रबंधन ने इसके लिए एक नर्स को जिम्मेदार ठहराया है, जिसने गलतफहमी में यह जानकारी दी। लेकिन, कहा कि दो बार यह गलती नहीं हुई, बल्कि केवल एक ही बार गलती से उसकी मृत्यु की जानकारी दी गई थी।

गोरालाल कोरी के बेटे कैलाश ने शनिवार को बताया कि संक्रमण के लक्षण दिखने के बाद उसके पिताजी को 12 अप्रैल को अटल बिहारी वाजपेई मेडिकल कॉलेज एवं हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया था। 12 अप्रैल रात करीब ढाई बजे अस्पताल प्रबंधन ने फोन पर बताया कि मेरे पिताजी गंभीर हालत में हैं और उन्हें वेंटिलेटर पर रखा जा रहा है। कैलाश ने कहा, 13 अप्रैल को दोपहर करीब तीन बजे मुझे फिर फोन आया कि मेरे पिताजी बहुत गंभीर हो गए हैं। जब मैं अस्पताल पहुंचा तो एक नर्स ने मुझे बताया कि वे उसे नहीं बचा सके। कुछ ही क्षण बाद एक अन्य नर्स आई और उसने कहा कि मेरे पिताजी की सांसे थम रही हैं।

कैलाश के परिजन ने बताया कि शाम करीब पांच बजे उसे बताया गया कि उसे सांस लेने के लिए ट्रेकियोस्टोमी की जरूरत है। कैलाश ने कहा कि अप्रैल 13 को साढ़े आठ बजे शाम को हमें फिर से फोन आया कि वह गले में किए जा रहे एक आपरेशन के दौरान मर गए हैं। जब हम अस्पताल पहुंचे तो अस्पताल प्रबंधन ने हमें कहा कि वे हमें शव नहीं दे सकते, क्योंकि वह कोरोना वायरस संक्रमित थे। 14 अप्रैल को मैं और मेरा भाई अस्पताल गए और परिवार के अन्य सदस्यों को कहा कि वे श्मशान घाट में अंतिम संस्कार करने के लिए आएं। कैलाश ने बताया, उन्होंने हमें मृत्यु प्रमाणपत्र दिया लेकिन मेरे भाई ने कहा कि वह अपने पिताजी के शव को देखना चाहते हैं। जब उन्होंने शव दिखाया तो वह मेरे पिताजी का नहीं था। उन्होंने कहा, इसके बाद मेरा भाई एक वार्ड में गया और वहां पिताजी को वेंटिलेकर सपोर्ट पर पाया। उसने अस्पताल प्रबंधन से इसकी शिकायत की। कैलाश ने कहा कि इसके बाद उन्होंने हमें दिया हुआ मृत्यु प्रमाणपत्र वापस ले लिया। इसके बाद हम अपने घर चले गए, क्योंकि कोरोना वार्ड में किसी अन्य को नहीं जाने दिया जाता है। उन्होंने कहा इसके बाद 14 अप्रैल को ही करीब पौने आठ बजे हमें फिर से एक फोन आया और कहा कि पिताजी की मृत्यु को गई है। उनका अंतिम संस्कार बृहस्पतिवार को कर दिया गया।

इस प्रकार की बड़ी गलती के बारे में पूछे जाने पर मेडिकल कॉलेज के डीन डॉ. सुनील नंदेश्वर ने बताया, जब हम वेंटिलेटर पर गोरालाल को रख रहे थे, तब उसकी हार्ट बीट रूक गई थी। हमने उसकी हार्ट बीट फिर से चालू कर दी थी। नर्स को लगा कि वह मर गया है और उससे गलत जानकारी दे दी। उन्होंने कहा, केवल एक ही बार इस परिवार को बताया गया कि उसकी मृत्यु हो गई है। नंदेश्वर ने कहा कि गोरालाल कोरोना वायरस से संक्रमित था। मरीज के परिजनों द्वारा इस मामले को बहुत बढ़ा चढ़ाकर बताया जा रहा है।

CORRIGENDUM

Reference to publication of ICICI Bank Limited vs SHISHIR DUTT SHARMA, Case No-Suit No 1967/17., ICICI Bank Limited vs SANJAY KUMAR PANDIT, Case No-Suit no 933/18, ICICI Bank Limited vs KULVINDER SINGH, Case No-FAO 213/2015, ICICI Bank Limited vs MEHKAR SINGH, Case No-CM(M) 549/2020 & CM APPL.27986/2020, ICICI Bank Limited vs SUBODH KUMAR, Case No-CM(M) 602/2020 & CM APPL.30659/2020, ICICI Bank Limited vs JITENDRA CHATURVEDI, Case No-CM (M) 22/2020, ICICI Bank Limited vs MOHD ASIF, Case No-CM(M) 178/2021, ICICI Bank Limited vs ARCHANA RAJ, Case No-CM(M) 573/2020 & CM APPL.29273/2020, ICICI Bank Limited vs MOHAMMAD ARIF, Case No-CSSCJ:1871/19, ICICI Bank Limited vs VIJAY GUPTA, Case No-Suit No. 1088/2018, ICICI Bank Limited vs RAHUL YADAV, Case No-CM (M) 222/2020, ICICI Bank Limited vs VIJAY GUPTA, Case No-Suit No. 1088/2018 of April 17, 2021 published in The Pioneer (Eng.) and The Pioneer (Hin.). Due to inadvertent mistake the Auction Date was wrongly mentioned as May 1, 2021 and April 22, 2021 instead of May 06, 2021. We therefore, requesting to read it as May 06, 2021. and remaining content is unchanged.

Dated: April 17, 2021
Place : Delhi/ NCR

पायनियर
नई दिल्ली, रविवार, 18 अप्रैल, 2021

पाक क्रिकेटरों को भारत में टी विश्व कप का मिलेगा वीजा

नई दिल्ली। पाकिस्तान के क्रिकेटरों को भारत में अक्टूबर में होने वाले टी20 विश्व कप के लिए वीजा मिलेगा। भारतीय क्रिकेट बोर्ड की शीर्ष परिषद को बोर्ड सचिव जय शाह ने सरकार से आश्वासन मिलने के बाद यह जानकारी दी। शाह ने शुक्रवार को हुई बैठक में वीडियो कांफ्रेंस से यह जानकारी दी। यह भी बताया गया कि टी20 विश्व कप के नौ स्थानों पर होगा और फाइनल अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम पर खेला जाएगा। अन्य स्थानों में दिल्ली, मुंबई, चेन्नई, कोलकाता, बेंगलुरु, हैदराबाद, धर्मशाला और लखनऊशामिल है।

अंकित और मनीष प्री क्वार्टर फाइनल में

नई दिल्ली। एशियाई रजत पदक विजेता अंकित नारवाल (64 किग्रा) और मनीष (75 किग्रा) ने पोलैंड के कीलसे में युवा विश्व मुक्केबाजी चैंपियनशिप के प्री क्वार्टर फाइनल में प्रवेश कर लिया है। अंकित ने उज्बेकिस्तान के असदमजोन अक्मेदोव को 5-0 से जबकि मनीष ने इजराइल के डेनियल इलियुशोनोक को 4-1 से पराजित किया। अंकित अगले दौर में पोलैंड के ओलिवर जामोर्स्की का सामना करेंगे। जामोर्स्की ने लिथुआनिया के नेदास युडोमस्कास को हराया था।

महिला हॉकी कोर ग्रुप बेंगलुरू के साइ में ट्रेनिंग शुरू करेगा

नई दिल्ली। भारतीय महिला हॉकी कोर ग्रुप 10 दिन के ब्रेक के बाद रविवार को बेंगलुरू में राष्ट्रीय शिविर में तोक्यो ओलंपिक खेलों की तैयारियां फिर शुरू करेगा। पच्चीस सदस्यीय ओलंपिक कोर ग्रुप ट्रेनिंग शुरू करने से पहले अनिवार्य पृथकवास से गुजरेगा। जनवरी में टीम ने अर्जेंटीना का दौरा किया था, जहां उसने घरेलू टीम की जूनियर, बी टीम और सीनियर टीम (विश्व रैंकिंग में दूसरे स्थान) के खिलाफ सात मैच खेले थे। यह टीम का 12 महीनों में पहला दौरा था।

कड़ी परिस्थितियों में बल्लेबाजी करने का कौशल है: शाहरूख

मुंबई। पंजाब किंग्स के शाहरूख खान को इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में फिनिशर की भूमिका निभाने की जिम्मेदारी सौंपी गई है और इस युवा बल्लेबाज ने कहा कि वह किसी भी तरह की परिस्थिति और किसी भी स्थान पर खेलने की क्षमता रखते है। खान ने चेन्नई के खिलाफ शुक्रवार को 36 गेंदों पर 47 रन बनाए जिससे पंजाब 100 रन की संख्या पार कर पाया।

पडीक्कल शानदार प्रतिभा है : लारा

मुंबई। महान बल्लेबाज ब्रायन लारा का मानना है कि देवदत्त पडीक्कल को कुछ तकनीकी चीजों में सुधार करने की जरूरत है लेकिन उन्हें भरोसा है कि रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर का यह बाएं हाथ का खिलाड़ी इस इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में शानदार प्रदर्शन करेगा। पिछली आईपीएल की खोज पडीक्कल ने रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर के लिए पांच अर्धशतकों से 474 रन बनाए थे।

चाहर की शानदार गेंदबाजी से चेन्नई जीता

● पंजाब किंग्स को छह विकेट से हराया

भाषा। मुंबई

चेन्नई सुपर किंग्स ने शुक्रवार को यहां इंडियन प्रीमियर लीग मैच में दीपक चाहर की शानदार गेंदबाजी से पंजाब किंग्स को कम स्कोर पर रोकने के बाद 26 गेंद रहते छह विकेट से जीत हासिल की। शुरूआती मैच में दिल्ली कैपिटल्स से सात विकेट से हारने वाली चेन्नई सुपर किंग्स के कप्तान महेंद्र सिंह धोनी का यह टीम के लिए 200वां मैच था जिसमें टीम ने इस सत्र की पहली जीत हासिल की।

चाहर के शानदार शुरूआती स्पैल से चेन्नई सुपर किंग्स ने पंजाब किंग्स को बल्लेबाजी का न्यौता देने के बाद आठ विकेट पर 106 रन के स्कोर पर रोक दिया। चाहर ने अपने चार में से एक ओवर मेडन फेंका और 13 रन देकर चार विकेट झटके। इस छोटे से लक्ष्य का पीछा करने उतरी चेन्नई सुपर किंग्स ने हालांकि जीत दर्ज करने के लिए 15.4 ओवर लिए जिसमें उसने चार विकेट गंवा दिए। इस तरह उसने 107 रन बनाए और दो अंक जुटाकर खाता खोला। टीम के लिए मोईन अली ने सर्वाधिक 46 रन बनाए जबकि फाफ डु प्लेसिस ने नाबाद 36 रन का योगदान दिया। इन दोनों ने दूसरे विकेट के लिए 46 गेंद में 66 रन की साझेदारी की। मोईन अली ने 31 गेंद का सामना करते हुए सात चौके और एक छक्का लगाया। टीम ने हालांकि अपने सलामी बल्लेबाज रूतुराज गायकवाड़ (05) का विकेट पांचवें ओवर में गंवा दिया लेकिन डु प्लेसिस और मोईन अली ने आराम से रन जुटा रहे थे। पर 90 रन के स्कोर पर मोईन अली आउट हो गए जिन्हें मुरूगन अश्विन ने पवेलियन भेजा। इसके बाद टीम आसानी से लक्ष्य की ओर बढ़ रही थी, लेकिन 99 रन पर मोहम्मद शमी ने सुरेश रैना और अम्बाती रायुडू को लगातार गेंदों पर आउट कर उसकी जीत का इंतजार लंबा कर दिया। 15वें ओवर में दो विकेट गंवाने के बाद अगले ओवर में टीम ने जीत हासिल की। इससे पहले तमिलनाडु के पावर हिटर एम शाहरूख खान ही पंजाब के एकमात्र बल्लेबाज रहे जो क्रीज पर टिक सके जिन्होंने 36 गेंद में 47 रन की पारी खेली जिसमें चार चौके और दो छक्के शामिल थे। लेकिन वह अंतिम ओवर में सैम करेन की गेंद पर आउट हो गए। दीपक चाहर के चार विकेट के अलावा सैम करेन, मोईन अली और ड्वेन ब्रावो को एक एक विकेट मिला। चेन्नई सुपर किंग्स के गेंदबाजों ने कप्तान धोनी के पहले गेंदबाजी करने के फैसले को सही ठहराते हुए पावरप्ले में पंजाब किंग्स के 26 रन पर चार विकेट झटक लिए। इसमें अहम भूमिका चाहर ने निभाई जिन्होंने पहले ही ओवर में मयंक अग्रवाल (शून्य) को खूबसूरत गेंद पर बोल्ड कर पवेलियन भेज दिया। इसके बाद भी उन्होंने दबाव बनाए रखा और अपने चार ओवर के स्पैल में केवल दो चौके ही लगने दिए। फार्म में चल रहे पंजाब के कप्तान के एल राहुल (05) शार्ट कवर पर खड़े रविंद्र जडेजा के शानदार थ्रो से रन आउट हुए जो एक रन चुराने का प्रयास कर रहे थे। अपने शानदार क्षेत्ररक्षण के लिए मशहूर जडेजा ने इसके बाद पांचवें ओवर में डाइव करते हुए बेहतरीन कैच लपका और क्रिस गेल की 10 रन की पारी खत्म कर दी जो चाहर का दूसरा विकेट था।

आलोचकों को जवाब देने से खुश हैं चाहर, कोच शास्त्री से भी प्रशंसा मिली

मुंबई। दीपक चाहर को अगर विकेट से मदद मिलती है तो खतरनाक हो सकते है लेकिन अगर कोई उनके आत्मविश्वास को कम करने की कोशिश करता है जैसा इंडियन प्रीमियर लीग के पहले मैच में खराब प्रदर्शन के बाद ट्रोल करने के बाद हुआ तो वह और भी ज्यादा खतरनाक हो सकते है। चाहर ने इस तरह ट्रोल किए जाने के बाद बीती रात पंजाब किंग्स के खिलाफ इंडियन प्रीमियर लीग में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया, उन्होने चार ओवर मे एक मेडन से 13 रन देकर चार विकेट हासिल किए। उन्होने अपने स्पैल में 18 डॉट गेंद फेंकी। इस प्रदर्शन के लिए उन्हे राष्ट्रीय मुख्य कोच रवि शास्त्री से भी प्रशंसा मिली। शास्त्री ने ट्वीट किया, तथ्य सिद्ध हो गया। नियंत्रण के साथ दोनो तरीको से स्विंग सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करा सकती है। बेहतरीन विविधता भरी गेंदबाजी। शानदार। क्रिकेटर अक्सर कहते है कि वे सोशल मीडिया पर आलोचनाओ से प्रभावित नही होते लेकिन इसके उलट चाहल ने कहा कि उनके सोशल मीडिया पेज पर एक प्रशंसक ने लिखा कि चेन्नई सुपर किंग्स को उन्हें अगले मैच से हटा देना चाहिए।

बीसीसीआई दिसंबर में रणजी सत्र शुरू करेगा, ईरानी कप और दलीप ट्राफी नही

भाषा। नई दिल्ली

भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) की योजना 2021-22 घरेलू सत्र की शुरूआत इस साल सितंबर से सैयद मुश्ताक अली टी20 टूर्नामेंट से करने की है और उसने रणजी ट्राफी के लिए दिसंबर से तीन महीने की विंडो भी तय कर दी है जिसे पिछले सत्र में कोविड-19 महामारी के चलते रद्द करना पड़ा था। क्रिकेट परिचालन टीम द्वारा तैयार किए गए अस्थाई कैलेंडर में हालांकि दलीप ट्राफी, देवधर ट्राफी और ईरानी कप को हिस्सा नहीं बनाया गया है। इसके अलावा कैलेंडर से महिलाओं की पांच प्रतियोगिताएं भी हटा दी गई हैं। पीटीआई के पास यह तैयार किया गया अस्थाई घरेलू कैलेंडर है जिस पर शुक्रवार को हुई शीर्ष परिषद की बैठक में चर्चा हुई थी। महामारी के चलते 2020-21 सत्र काफी छोटा हो गया था, जिसमें केवल राष्ट्रीय टी20 (मुश्ताक अली) और वनडे (विजय हजारे ट्राफी) चैम्पियनशिप ही आयोजित की गई थी। महिलाओं के लिए केवल राष्ट्रीय वनडे प्रतियोगिता ही कराई गई थी। भारत में कोविड-19 मामलों की दूसरी लहर के बीच बीसीसीआई को अब भी पुरूष और महिला वर्गों के उम्र संबंधित ग्रुप में घरेलू सत्र आयोजित करने की उम्मीद है। भारत को अक्टूबर में टी20 विश्व कप में खेलना है और अगले साल आईपीएल की बड़ी नीलामी होगी तो सभी शेयरधारक सत्र की शुरूआत दो सफेद गेंद के टूर्नामेंट – मुश्ताक अली टी20 (सितंबर के मध्य से अक्टूबर तक) के बाद नवंबर में विजय हजारे ट्राफी से कराना चाहते हैं। भारत की मुख्य घरेलू प्रतियोगिता रणजी ट्राफी 87 वर्षों में पहली बार 2020 में रद्द की गई थी। लेकिन आगामी सत्र के दिसंबर से मार्च के बीच आयोजित करने की योजना है। बीसीसीआई ने पुरूष और महिलाओं के लिए अंडर-23 टूर्नामेंट के साथ अंडर-19 टूर्नामेंट को भी जगह दी है जो पिछले सत्र में नहीं कराए गए थे। अंडर-19 वनडे चैलेंजर टूर्नामेंट के साथ कूच बेहार ट्राफी (दिन का प्रारूप) और वीनू मांकड ट्राफी (वनडे) से चयनकर्ताओं को अगले साल आईसीसी अंडर-19 विश्व कप के लिए भारतीय टीम चुनने में मदद मिलेगी। महिलाओं की टी20 और वनडे चैलेंजर ट्राफी के साथ अंडर-23 प्रतियोगिताएं भी नहीं खेली जाएंगी। इनके अलावा अंडर-19 महिला टी20 चैलेंजर ट्राफी भी नहीं होगी।

ईवांस को हराकर सितसिपास मोंटे कार्लो के फाइनल पहुंचे

मोनाको। चौथी वरीयता प्राप्त स्टेफानोस सितसिपास मोंटे कार्लो मास्टर्स में शनिवार को गैरवरीय डैन इवांस को हराकर पहली बार इस टेनिस प्रतियोगिता के फाइनल में पहुंचे। सितसिपास इवांस को 6-2, 6-। से हराकर साल का पहला खिताब जीतने के करीब पहुंचे। फाइनल में यूनान के इस खिलाड़ी का सामना छठी वरीयता प्राप्त रूस के आंद्रे रुबलेव और नार्वे के गैरवरीय खिलाड़ी कैस्पर रूड के बीच खेले जाने वाले दूसरे सेमीफाइनल के विजेता से होगा।

लाबुशेन के 192 रन, क्वींसलैंड खिताब जीतने की ओर

ब्रिसबेन। मार्नस लाबुशेन ने 192 रन की पारी खेली जिससे क्वींसलैंड आस्ट्रेलिया में शेफील्ड शील्ड प्रथम श्रेणी क्रिकेट खिताब जीतने की ओर है। न्यू साउथ वेल्स ने शनिवार को तीसरे दिन खराब रोशनी के कारण खेल रोके जाने तक दूसरी पारी में पांच विकेट पर 140 रन बना लिए हैं और वह अब भी 106 रन से पिछड़ रहा है। सीन एबोट 20 और बॉक्टर होल्ट 10 रन बनाकर क्रीज पर डटे हैं। क्वींसलैंड के लिए बार्टलेट ने 31 रन देकर तीन विकेट चटकाए।

मध्यक्रम की कमजोरियां दूर करके आरसीबी के खिलाफ जीत दर्ज करने उतरेगा केकेआर

भाषा। चेन्नई

कोलकाता नाइटराइडर्स (केकेआर) अपने मध्यक्रम की कमजोरियों से पार पाकर रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर (आरसीबी) के खिलाफ रविवार को यहां इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) मैच में अपना अभियान पटरी पर लाने की कोशिश करेगा। दुनिया में सीमित ओवरों के दो सर्वश्रेष्ठ कप्तानों इयोन मोर्गन और विराट कोहली के बीच होने वाले इस मुकाबले में बेंगलोर की टीम का पलड़ा थोड़ा भारी लगता है क्योंकि उसने अपने पिछले दोनों मैच जीते है। अपनी कुशल रणनीति और मानव प्रबंधन के लिए मशहूर इंग्लैंड के कप्तान मोर्गन केकेआर का अभियान पटरी पर लाने के लिए बेताब होंगे। केकेआर का मध्यक्रम नहीं चल रहा है जिसके कारण उसे मुंबई इंडियन्स के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा था। सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ सभी विभागों में अच्छा प्रदर्शन करने के बाद मुंबई के खिलाफ केकेआर का मध्यक्रम ताश के पत्तों की तरह बिखर गया और उसे 13 मैचों में 12वीं हार का सामना करना पड़ा। मोर्गन ने अपने कप्तानी कौशल का परिचय गेंदबाजी में दिखाया था और मुंबई को 152 रन पर रोकने में अहम भूमिका निभाई थी। डेथ ओवरों में अपनी शानदार गेंदबाजी से आंद्रे रसेल ने छह विकेट लिए लेकिन बल्लेबाजी में वह फिर से नाकाम रहे।

पंजाब किंग्स पर दिल्ली कैपिटल्स का पलड़ा भारी

मुंबई। दिल्ली कैपिटल्स और पंजाब किंग्स के बीच रविवार को यहां होने वाले इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) मैच में मुख्य मुकाबला दोनों टीमों के शीर्ष क्रम के बीच देखने को मिलेगा जिसमे ऋषभ पंत के कप्तानी कौशल की भी परीक्षा होगी। दोनो टीमें अपना पिछला मैच गंवाने के बाद इस मैच मे उतरेंगी लेकिन दिल्ली कैपिटल्स निश्चित तौर पर कागजों पर मजबूत टीम नजर आती है और ऐसे में उसका पलड़ा भारी लगता है। जहां तक आईपीएल में कप्तानी का सवाल है तो पंत अनुभवहीन है। पिछले मैच मे उन्होने अपने अनुभवी गेंदबाज रविचंद्रन अश्वनि का कोटा पूरा नही करवाया जिससे टीम को नुकसान हुआ। उन्होंने उनके बजाय टॉम करेन की मध्यम गति की गेंदबाजी पर भरोसा दिखाया।इस मैच के लिए एनरिच नोर्जिया को अंतिम एकादश मे शामिल किया गया जा सकता है जिससे टीम के गेंदबाजी आक्रमण को मजबूती मिलेगी क्योंकि पिछले मैच करेन की मध्यम गति की गेंदबाजी का क्रिस मौरिस और डेविड मिलर ने भरपूर फायदा उठाया था। पंजाब किंग्स को दूसरी तरफ अपने बल्लेबाजों की नाकामी के कारण चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ पराजय का सामना करना पड़ा था। दीपक चाहर की अतिरिक्त उछाल और मूवमेंट का उसके बल्लेबाजों के पास कोई जवाब नही था।

रवि ने खिताब बरकरार रखा

● बजरंग को चोट के कारण फाइनल में हटने से रजत से संतोष करना पड़ा

भाषा। अलमाटी

भारतीय पहलवान रवि कुमार दहिया ने मजबूत प्रदर्शन से अपना एशियाई चैम्पियनशिप खिताब बरकरार रखा लेकिन बजरंग पूनिया को कोहनी की चोट की वजह से शनिवार को ताकुतो ओटोगुरो के खिलाफ फाइनल से हटने के कारण रजत पदक से संतोष करना पड़ा। बजरंग ने पीटीआई से कहा कि वह अपनी दाईं कोहनी की चोट को बढ़ाना नहीं चाहते थे। उन्होंने कहा कि उन्हें कोरिया के योंगसियोक जियोंग के खिलाफ क्वार्टरफाइनल के दौरान दर्द होना महसूस हुआ था।जब मैं कोरियाई खिलाड़ी को खींच रहा था तो मेरी कोहनी में दर्द होने लगा था। विश्व चैम्पियनशिप के दौरान मुझे इसी कोहनी में चोट लगी थी। कोचों ने सलाह दी कि मुझे जोखिम नहीं लेना चाहिए क्योंकि ओलंपिक करीब हैं इसलिए मैंने हटने का फैसला किया। बजरंग को 65 किग्रा भार वर्ग के शुरूआती मुकाबले में कोरिया के योंगसियोग जियोंग पर जीत दर्ज करने में कोई परेशानी नहीं हुई। इसके बाद उन्होंने मंगोलिया के बिलगुन सरमानदाख को हराकर फाइनल में प्रवेश किया। बजरंग 2018 विश्व चैम्पियनशिप के खिताबी मुकाबले में और पिछले साल एशियाई चैम्पियनशिप के फाइनल में ओटोगुरो से हार चुके हैं। फाइनल में वह जापानी पहलवान के खिलाफ खुद के प्रदर्शन को देख सकते थे लेकिन उनके हटने से ऐसा नहीं हो सका। रवि दहिया ने हालांकि शानदार प्रदर्शन से इस चरण में भारत को पहला फ्रीस्टाइल स्वर्ण पदक दिलाया। 57 किग्रा में प्रतिद्वंद्वियों के खिलाफ उनका स्टैमिना और आक्रामकता काफी अच्छी रही।

बिली जीन किंग कप : अंकिता की हार से भारत फिर से क्षेत्रीय टूर्नामेंट में लौटा

जुर्माला (लातविया)। अंकिता रैना शनिवार को चुनौती देने के बावजूद दुनिया की 47वें नंबर की टेनिस खिलाड़ी अनास्तासिया सेवास्तोवा से करो या मरो के प्लेऑफ मैच में हार गई जिससे भारतीय टीम फिर से बिली जीन किंग कप (बीजेकेसी) के एशियाओसनिया ग्रुप में लौट गई। शुक्रवार को 2017 फ्रेंच ओपन चैम्पियन एलेना ओस्टापेंको के खिलाफ चुनौती पेश करने के बाद भारत की नंबर एक खिलाड़ी अंकिता ने अपने से काफी बेहतरीन सेवास्तोवा को चुनौती दी लेकिन लातवियाई खिलाड़ी ने अपनी टीम को 3-0 से अजेय बढ़त दिला दी। विश्व रैंकिंग में 174वें नंबर पर काबिज अंकिता पहले उलट एकल मैच में सेवास्तोवा से 0-6 6-7 (5) से हार गईं जिन्होंने अपनी टीम के अमेरिका के खिलाफ पिछले मुकाबले में महान खिलाड़ी सेरेना विलियम्स को हराया था। भारत ने इस टूर्नामेंट के इतिहास में पहली बार प्लेऑफ में प्रवेश किया था। अंकिता शुरूआती सेट आसानी से गंवा बैठी और एक भी अंक नहीं जुटा सकीं। दूसरे सेट में 5-2 के स्कोर पर उन्हें दो सेट प्वाइंट मिले लेकिन वह इन्हें तब्दील नहीं कर सकी। इन मौकों को गंवाने के बाद सेवास्तोवा ने लगातार चार गेम जीतकर भारत की उम्मीदों को खत्म कर दिया।

अडानी ग्रीन की कंपनी को मिली 150 मेगावाट की सौर परियोजना मिली

नई दिल्ली। अडाणी ग्रीन एनर्जी की कंपनी एआरईएचफिफटीनएल ने टोरेंट पावर से 150 मेगावाट क्षमता की सौर ऊर्जा परियोजना का अनुबंध प्राप्त किया है। अडाणी ग्रीन एनर्जी लिमिटेड (एजीईएल) की पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी, अडाणी रिन्यूएबल इनर्जी होल्डिंग फिफ्टीन लिमिटेड (एआरईएचफिफ्टीनएल) ने गुजरात में स्थापित किए जाने वाली और ग्रिड से जोड़ी जाने वाली इस सौर फोटोवोल्टिक विद्युत परियोजनाओं के लिए प्रतिस्पर्धी बोलियों की प्रक्रिया के माध्यम से यह परियोजना हासिल की। शेयर बाजार बीएसई को दी गई सूचना में कहा गया है कि एआरईएचफिफ्टीनएल को 150 मेगावाट क्षमता वाली सौर ऊर्जा परियोजना प्रदान की गई है। इस परियोजना क्षमता के लिए निर्धारित शुल्क, 25 वर्ष की अवधि के लिए 2.22 रुपए प्रति किलोवाट है। इस परियोजना के वित्तवर्ष 2023 के तीसरी तिमाही तक चालू होने की उम्मीद है। इसमें कहा गया है कि मौजूदा समय में कंपनी की 3,520 मेगावाट नवीकरणीय ऊर्जा परियोजनाएं चालू हैं। इसके साथ, एजीईएल के पास अब कुल पोर्टफोलियो 15,390 मेगावाट अक्षय ऊर्जा परियोजना की क्षमता है, जिसमें से 11,870 मेगावाट की परियोजनाएं कार्यान्वयन के चरण में हैं।

एचसीएल ने प्रस्तुत किया एचसीएल जिग्सॉ

नोएडा। एचसीएल ने भारत में एचसीएल जिग्सॉ लांच किया है। यह भारत का प्रमुख क्रिटिकल रीज़निंग प्लेटफॉर्म है, जो युवा विद्यार्थियों (ग्रेड 6 से 9) में 21 वीं सदी के कौशल का आंकलन करने के लिए डिज़ाईन किया गया है। यह देश में प्रॉब्लम सॉल्विंग की संस्कृति का विकास करेगा। इस चैंपियनशिप के लिए रजिस्ट्रेशन जारी हैं और इच्छुक विद्यार्थी या स्कूल 31 मई, 2021 तक रजिस्ट्रेशन करा सकते हैं। पूरे भारत में होने वाली यह प्रतियोगिता दो वर्चुअल राउंड्स में होगी। पहला क्वालिफायर राउंड, 24 जून से 27 जून, 2021 के बीच एवं फिनाले 17 जुलाई से 18 जुलाई, 2021 के बीच आयोजित होगा। इसमें भाग लेने वाले विद्यार्थियों को 16 लाख रु. के पुरस्कार व गैजेट्स जीतने का मौका मिलेगा। इस अभियान के बारे में सुंदर महालिंगम, चीफ स्ट्रेट्जी ऑफिसर, एचसीएल कॉर्पोरेशन ने कहा, "एचसीएल में हम न केवल व्यक्तियों, अपितु समुदायों की क्षमता बढ़ाने में यकीन करते हैं। इस दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए हम युवाओं को 21वीं सदी का कौशल व दृष्टिकोण प्रदान करते हैं, ताकि वो अपनी रचनात्मक सोच एवं समस्या समाधान के कौशल का उपयोग कर अभिनव समाधानों का विकास कर सकें और भविष्य के नेतृत्वकर्ता बन सकें।

डीपीआईआईटी ने एसी, एलईडी बल्ब के लिए पीएलआई योजना को अधिसूचित किया

नई दिल्ली। उद्योग एवं आंतरिक व्यापार विभाग (डीपीआईआईटी) ने एसी और एलईडी बल्ब के लिए उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन योजना (पीएलआई) को अधिसूचित कर दिया है। योजना के तहत ऐसे उत्पादों का विनिर्माण करने वाली कंपनियों को समर्थन दिया जाएगा जो उत्पाद मौजूदा समय में भारत में नहीं बनते हैं। विभाग ने कहा है कि केवल कल-पुर्जे जोड़ कर सामान बनाने को प्रोत्साहित नहीं किया जाएगा।

भारत से औषधियों के निर्यात में उछाल

● पिछले वित्त वर्ष में 18 प्रतिशत की वृद्धि

भाषा। हैदराबाद

भारत से औषधियों का निर्यात पिछले वित्त वर्ष 2020- 21 में 24.44 अरब डालर के बराबर रहा जो इससे एक साल पहले के मुकाबले 18 प्रतिशत से भी अधिक है।

वर्ष 2019- 20 में यह निर्यात 20.58 अरब डालर के बराबर था। भारत से दवाओं के निर्यात में यह उछाल ऐसे समय दिखा है जबकि वैश्विक बाजार में हल्का संकुचन रहा। भारतीय औषधि निर्यात संवर्धन परिषद फार्मेक्सिल के महानिदेशक उदय भास्कर ने शनिवार को जारी एक बयान में कहा मार्च,2021 में हमने अपने निर्यात में तेज उछाल देखा और यह 2.3 अरब डालर अनंतिम आंकड़े रहा। मार्च का निर्यात वित्त वर्ष के दौरान किसी भी माह की तुलना में सर्वाधिक है। मार्च माह की वृद्धि दर एक साल पहले के इसी माह की तुलना में 48.5 प्रतिशत रही। मार्च 2020 में निर्यात 1.54 अरब डालर था। बयान में भास्कर के हवाले से कहा गया है कि पिछले वर्ष मार्च में लाकडाउन लागू होने से निर्यात पर असर पड़ा था। वर्ष 2020 में वेश्विक औषधि बाजार में एक से दो प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई। इसके विपरीत वर्ष के दौरान भारत से औषधियों की मांग में तेज उछाल दिखा। भारत की दवाओं की गुणवत्ता और इनके मूल्य की व्यावहारिकता के चलते इनकी मांग में तेजी रही। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में भारत से वैक्सीन के निर्यात में अच्छी वृद्धि होने की संभावना दिख रही है। इसी तरह भारत सरकार की उत्पादकता आधारित प्रोत्साहन योजना से औषधि क्षेत्र में आयात पर निर्भरता कम होगी और निर्यात का आधार मजबूत होगा। उत्तर अमेरिका भारत की औषधियों के लिए निर्यात का सबसे बड़ा बाजार है। वर्ष के दौरान निर्यात में इस बाजार का हिस्सा 34 प्रतिशत रहा। उसके बाद दक्षिण अफ्रीकी बाजार का स्थान है। वहां के निर्यात में 28 प्रतिशत और यूरोपीय बाजार में निर्यात 11 प्रतिशत की दर से बढ़ा।

अमेजन-पे ने 50 लाख कारोबारियों को अपने से पंजीकृत किया

● छोटे, मझौले कारोबारियों पर ध्यान

भाषा। नई दिल्ली

आनलाइन मंच के जरिए उत्पादों की बिक्री सुविधा देने वाली कंपनी अमेजन ने शनिवार को कहा कि उसने अमेजन-पे के जरिए 50 लाख कारोबारियों का पंजीकरण किया। कंपनी ने कहा कि वह भारत में डिजिटल भुगतान को बढ़ावा देने के लिए छोटे और मझोले उद्यमों (एसएमबी) की मदद पर उसका ध्यान दे रही है। अमेजन-पे कंपनी की भुगतान प्रणाली कंपनी है। कंपनी ने कहा है कि इन पंजीकृत व्यवसायियों में से बहुत से पहले केवल नकद भुगतान ही स्वीकार किया करते थे लेकिन अब वे अमेजन- पे के क्यूआर कोड का इस्तेमाल करते हुए ग्राहकों से भुगतान स्वीकार कर रहे हैं। अमेजन के वरिष्ठ उपाध्यक्ष रुसेल ग्रांडिनेत्ती ने अमेजन संभव कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा, 2019 के बाद से अमेजन-पे के जरिए हमने 50 लाख व्यवसायियों को पंजीकृत किया है और चार करोड़ ग्राहकों ने हमारी इस सेवा के जरिए यूपीआई का इस्तेमाल किया है। इस समूचे परिवेश में हम अकेले नहीं हैं, अमेजन की तरह और भी कंपनियां और हमारे प्रतिस्पर्धी सभी यदि मदद करेंगे तो यह चक्र और भी तेजी से घूमेगा।

नई पिरामल रिटेल फाइनेंस ने कंज्यूमर ड्यूरेबल्स और यूज्ड कार फाइनेंस सेगमेंट में भी रखे कदम

मुंबई। पिरामल एंटरप्राइजेज लिमिटेड की सहायक कंपनी पिरामल कैपिटल एंड हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड (पीसीएचएफएल) की एक व्यावसायिक कंपनी पिरामल रिटेल फाइनेंस ने अपने मल्टी-प्रोडक्ट रिटेल फाइनेंसिंग प्लेटफॉर्म को लॉन्च करने का एलान किया। देश के छोटे और मझौले दर्जे के शहरों पर केंद्रित कंपनी पिरामल रिटेल फइनेंस ने देश के ग्राहकों की विभिन्न वित्त संबंधी आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए नए ऑफर्स का एलान भी किया है। पिछली तिमाही म पिरामल ने डिजिटल परचेज फइनेंस और यूज्ड कार फाइनेंस से संबंधित सॉल्यूशंस लॉन्च किए हैं। विस्तार के इसी सिलसिले को आगे बढ़ाते हुए पिरामल ने टेक ईकोसिस्टम में विभिन्न कंपनियों के साथ साझेदारी की हैए ताकि ग्राहकों की व्यापक जरूरतों को पूरा किया जा सके। वित्त वर्ष 21 की चैथी तिमाही में कंपनी ने दो फिनटेक कंपनियों के साथ साझेदारी की। पहली परचेज फइनेंस के लिए जेस्टमनी के साथ, और दूसरी, यूज्ड कार फाइनेंस के लिए कार्स 24 के साथ। नवीनतम प्रोडक्ट लॉन्च के साथ, पिरामल रिटेल अब अपने लक्षित बाजारों में सात प्रोडक्ट्स पेश करता है। हाउसिंग लोन, मास एफ्लुएंट हाउसिंग लोन, प्रॉपर्टी के आधार पर लोन,सिक्योर्ड स्मॉल बिजनेस लोन, परचेज फइनेंस और यूज्ड कार लोन। चीफ एक्जीक्यूटिव ऑफिसर जयराम श्रीधरन ने कहा कि हमारा मुख्य लक्षित बाजार देश के बजट कस्टमर तक पहुंचना है।

अमेरिका के सांसदों ने भारत में बीमा क्षेत्र में एफडीआई सीमा को बढाने का स्वागत किया

वाशिंगटन। अमेरिका के दो प्रभावशाली सांसदों ने भारत में बीमा क्षेत्र में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) सीमा को 49 प्रतिशत से बढ़ाकर 74 प्रतिशत किए जाने का स्वागत किया है। उन्होंने कहा है कि भारत सरकार के इस फैसले से द्विपक्षीय व्यापार और निवेश में और मजबूती आएगी। भारतीय संसद ने पिछले महीने ही बीमा संशोधन विधेयक 2021 को पारित किया। इसके जरिए भारतीय बीमा क्षेत्र में एफडीआई सीमा को बढ़ाया गया। कांग्रेसमैन ब्राड शेरमन और स्टीव चाबोट ने कहा, भारतीय बीमा क्षेत्र में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश सीमा को 49 प्रतिशत से बढ़ाकर 74 प्रतिशत किए जाने के एक प्रावधान को शामिल किए जाने से हम काफी उत्साहित हैं।

श्रम ब्यूरो का नया कार्यालय कोलकाता में खुला

नई दिल्ली। श्रम ब्यूरो का एक और कार्यालय कोलकाता की सॉल्ट लेक सिटी मे खोला गया है। इस नए कार्यालय के पूरे पूर्वोत्तर क्षेत्र के लिए सर्वेक्षण संबंधी महत्वपूर्ण गतिविधियों का केंद्र बनने की संभावना है। श्रमिको से संबंधित पांच अखिल भारतीय सर्वेक्षणो के लिए बने विशेषज्ञ समूह के अध्यक्ष प्रो. एस. पी. मुखर्जी ने उद्घाटन किया।

एचडीएफसी बैंक का चौथी तिमाही शुद्ध मुनाफा 16 प्रतिशत बढ़ा

नई दिल्ली। निजी क्षेत्र के अग्रणी बैंक एचडीएफसी बैंक ने शनिवार को कहा कि मार्च 2021 को समाप्त चौथी तिमाही मे उसका एकीकृत शुद्ध लाभ 15.8 प्रतिशत बढ़कर 8,434 करोड़ रुपए हो गया। बैंक ने एक साल पहले इसी तिमाही मे 7,280 करोड़ रुपए का शुद्ध मुनाफा हासिल किया था।

गोदरेज एयर कंडीशनर्स स्वास्थ्य के लिए लाभदायक

मुंबई। अपनी ब्रांड फिलॉसफी और पर्यावरण के ब्रांड वैल्यू के अनुरूप गोदरेज अप्लायंसेज ने स्वास्थ्य के लिए अतिरिक्त आश्वासन के साथ 100 प्रतिशत मेड इन इंडिया इकोफ्रेंड्ली एयर कंडीशनर्स की अपनी रेंज लॉन्च की। नये एयर कंडीशनर्स में विशेष नैनोकोटेड एंटीवायरल फिल्ट्रेशन टेक्नोलॉजीश् का उपयोग किया गया है जो नैनो कोटेड फिल्टर सर्फेस के संपर्क में आने वाले 99.9 प्रतिशत वायरल एवं बैक्टीरियल कणों का सफाया कर देता है। उपभोक्ता के स्वास्थ्य की रक्षा करता है और घर को अधिक स्वच्छ बनाए रखता है। मेक इन इंडिया के प्रति स्वयं को प्रतिबद्ध रखते हुएए ब्रांड ने अपनी शिर्वल फैक्ट्री में नयी एयर कंडीशनर निर्माण इकाई स्थापित की है। 30 मॉडल्स वाली समूची नयी रेंज में सर्वाधिक इकोफ्रेंड्ली रेफ्रिजरेंट्स आर 290 और आर 32 का ही उपयोग किया गयाए इस प्रकार ये निम्नतम ग्लोबल वार्मिंग पोटेंशियल की पेशकश करते हैं।

बाइडन, सुगा ने हिंद-प्रशांत क्षेत्र में चीनी प्रभाव पर चर्चा की

भाषा । वाशिंगटन

अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन और जापान के प्रधानमंत्री योशिहिदे सुगा ने व्हाइट हाउस में आमने-सामने की अपनी पहली बैठक में हिंद-प्रशांत क्षेत्र में चीन के बढ़ते प्रभाव और चतुष्पदीय सुरक्षा संवाद (क्वाड) को मजबूत करने के तरीकों पर चर्चा की। क्वाड में अमेरिका और जापान के अलावा ऑस्ट्रेलिया और भारत भी शामिल हैं।अमेरिका के राष्ट्रपति के रूप में बाइडन की किसी अन्य देश के नेता के साथ शुक्रवार को हुई पहली बैठक में जलवायु परिवर्तन, कोरोना वायरस महामारी के खिलाफ लड़ाई और उत्तर कोरिया पर भी चर्चा हुई। बाइडन के साथ सुगा ने व्हाइट हाउस में आयोजित एक संवाददाता सम्मेलन में कहा, हमारे गठबंधन ने हिंद-प्रशांत क्षेत्र और दुनिया में शांति एवं स्थिरता के आधार के रूप में अपनी भूमिका निभाई है। मौजूदा क्षेत्रीय स्थिति और सुरक्षा संबंधी कठिन माहौल के मद्देनजर हमारे गठबंधन की महत्ता और बढ़ गई है।

सुगा ने बताया कि उन्होंने द्विपक्षीय संबंधों के अलावा स्वतंत्र एवं मुक्त हिंद-प्रशांत को लेकर भी वार्ता की। उन्होंने कहा, हमने सहमति जताई कि जापान और अमेरिका मजबूत प्रयासों के जरिए इस रुख को बढ़ावा देने के लिए नेतृत्व करेंगे। हम आसियान, ऑस्ट्रेलिया और भारत समेत अन्य देशों, समूहों और क्षेत्रों के साथ भी सहयोग करेंगे। सुगा ने कहा, हमने हिंद-प्रशांत एवं दुनिया में शांति एवं समृद्धि के संदर्भ में चीन के प्रभाव पर भी गंभीर वार्ता की। हमने पूर्व और दक्षिण चीन सागर में यथास्थिति को बलपूर्वक बदलने की हर कोशिश का विरोध करने पर सहमति जताई। बाइडन ने कहा, हम यह साबित करने के लिए मिलकर काम करेंगे कि लोकतंत्र अब भी मुकाबला कर सकता है और 21वीं सदी में जीत सकता है। हम तेजी से बदलती दुनिया में अपने लोगों के लिए काम कर सकते हैं। इसलिए, हम आज जापान और अमेरिका के बीच प्रतिस्पर्धात्मक और भरोसे पर कायम एक नई साझेदारी की घोषणा कर रहे हैं, जो हमारे समय की चुनौतियों से निपटने में हमारी क्षमताओं को बढ़ाएगी। हम मिलकर इन चुनौतियों को हराएंगे।

व्हाइट हाउस में आमने-सामने की अपनी पहली बैठक के बाद प्रेसवार्ता करते जो बाइडेन व जापान के प्रधानमंत्री योशिहिदे सुगा

अमेरिका, जापान ने क्वाड को मजबूत करने का लिया संकल्प

भाषा । वाशिंगटन,

अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन और जापान के प्रधानमंत्री योशिहिदे सुगा ने स्वतंत्र, मुक्त, सुगम और सम्पन्न हिंद-प्रशांत क्षेत्र के निर्माण के लिए चतुष्पदीय सुरक्षा संवाद (क्वाड) को मजबूत करने के मकसद से भारत और ऑस्ट्रेलिया के साथ मिलकर काम करने का संकल्प लिया है।दोनों नेताओं ने शुक्रवार को व्हाइट हाउस में क्षेत्र में शांति एवं समृद्धि पर पड़ने वाले चीन के कदमों के प्रभाव पर भी चर्चा की।अमेरिका के राष्ट्रपति के रूप में बाइडन की किसी अन्य देश के नेता के साथ शुक्रवार को हुई आमने-सामने की पहली बैठक में जलवायु परिवर्तन, कोरोना वायरस महामारी के खिलाफ लड़ाई और उत्तर कोरिया पर भी चर्चा हुई। दोनों नेताओं ने बैठक के बाद एक संयुक्त बयान में कहा, हम स्वतंत्र, मुक्त, सुगम, विविध एवं सम्पन्न हिंद-प्रशांत के निर्माण के लिए क्वाड के माध्यम से भारत और ऑस्ट्रेलिया समेत अपने सहयोगियों एवं साझेदारों के साथ मिलकर काम करना जारी रखेंगे। भारत, अमेरिका, जापान और ऑस्ट्रेलिया क्वाड के सदस्य देश हैं। दोनों नेताओं ने कहा कि वे आसियान की एकता और हिंद प्रशांत में आसियान दृष्टिकोण का समर्थन करते हैं। संयुक्त बयान में एक नए युग के लिए अमेरिका-जापान वैश्विक साझेदारी की शुरुआत की घोषणा की गई। इसमें कहा गया है कि अमेरिका और जापान हिंद-प्रशांत क्षेत्र और दुनिया भर में शांति एवं सुरक्षा का आधार बने गठबंधन का नवीकरण कर रहे हैं।

अमेरिका-जापान की कार्रवाई विभाजन को बढ़ा रही है : चीन

एपी । बीजिंग

अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन और जापानी प्रधानमंत्री योशिहिदे सुगा के बीच वार्ता के दौरान अमेरिकी-जापान गठजोड़ के प्रदर्शन पर पलटवार करते हुए चीन ने इसे विभाजन का विडंबनापूर्ण प्रयास करार दिया। चीन ने कहा कि शुक्रवार को सुगा और बाइडन के संवाददाता सम्मेलन में लोकतंत्र व मानवाधिकारों को लेकर साझा मूल्यों पर संयुक्त बयान और हिंद प्रशांत क्षेत्र में चीन की गतिविधियों को लेकर चिंता जाहिर करना, द्विपक्षीय संबंधों के सामान्य विकास के दायरे से काफी इतर था। वाशिंगटन में चीनी दूतावास के एक प्रवक्ता ने शनिवार को एक बयान में कहा, इससे ज्यादा विडंबना नहीं हो सकती कि अन्य देशों के खिलाफ विभाजन को बढ़ावा देने और गुट बनाने को स्वतंत्र व मुक्त के झंडे तले रखा गया है। जापानी और अमेरिकी नेताओं द्वारा दिए गए बयान में ताइवान जलडमरूमध्य में शांति और स्थिरता के महत्व का भी उल्लेख था। रिचर्ड निक्सन व इसाकू साते के बीच 1969 में हुई चर्चा के बाद यह पहला मौका है जब किसी जापानी प्रधानमंत्री ने ताइवान को लेकर अमेरिका से चर्चा की हो।

जापानी प्रधानमंत्री से मुलाकात के बाद बाइडन ने कहा

आमने-सामने वार्ता का कोई विकल्प नहीं

भाषा । वाशिंगटन

अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन ने जापान के प्रधानमंत्री योशिहिदे सुगा के साथ पहली व्यक्तिगत द्विपक्षीय बैठक के बाद कहा कि आमने-सामने बैठकर वार्ता करने का कोई विकल्प नहीं है।बाइडन ने सुगा (72) के साथ व्हाइट हाउस के रोज गार्डन में शुक्रवार को एक संयुक्त संवाददाता सम्मेलन में यह टिप्पणी की। यह किसी अन्य देश के नेता के साथ बाइडन की आमने-सामने की पहली बैठक है। व्हाइट हाउस ने कहा कि यह इस बात को दर्शाता है कि अमेरिका जापान के साथ द्विपक्षीय संबंधों एवं मित्रता को कितना महत्व देता है।बाइडन (78) ने कहा, आमने-सामने की वार्ता का कोई विकल्प नहीं है। उन्होंने कहा, प्रधानमंत्री सुगा का व्हाइट हाउस में स्वागत करना मेरे लिए खुशी की बात है। यह हमारी यहां आमने-सामने की पहली बैठक है। वह पहले राष्ट्राध्यक्ष हैं, जिन्हें मैंने व्हाइट हाउस में आमंत्रित किया है। बाइडन ने आमने-सामने की बैठक की महत्ता का जिक्र करते हुए कहा कि वे जी7 बैठक और चतुष्पदीय सुरक्षा संवाद (क्वाड) में शामिल नेताओं के शिखर सम्मेलन में पहले भी कई बार डिजिटल माध्यम से मिल चुके हैं, लेकिन मैं आपके साथ समय बिताने और आमने-सामने बैठकर विचारों का आदान-प्रदान करने का अवसर मिलने की बहुत कद्र करता हूं।बाइडन ने कहा, हम कोविड-19 संबंधी एहतियातन कदमों का अब भी पालन कर रहे हैं और सावधानी बरत रहे हैं, लेकिन व्यक्तिगत मुलाकात करने की हमारी प्रतिबद्धता दर्शाती है कि हम जापान एवं अमेरिका के संबंधों को कितना महत्व देते हैं। इसके बाद, राष्ट्रपति बाइडन ने अपने आधिकारिक ट्विटर हैंडल पर ट्वीट किया कि व्हाइट हाउस में प्रधानमंत्री सुगा का स्वागत करना उनके लिए सौभाग्य की बात है और उन्होंने अमेरिका एवं जापान के बीच मित्रता के नए युग की शुरुआत की है।उन्होंने कहा, हम स्वतंत्रता, लोकतंत्र और मानवाधिकारों के सार्वभौमिक मूल्यों के प्रति हमारी साझी प्रतिबद्धता को लेकर भी एकजुट हैं। दिलचस्प बात यह है कि अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा ने भी कार्यभार संभालने के बाद किसी विदेशी नेता के साथ अपनी पहली बैठक के तहत जापान के तत्कालीन प्रधानमंत्री तारो आसो की 24 फरवरी, 2009 को व्हाइट हाउस में मेजबानी की थी।

उन्होंने कहा, हमारे एजेंडे में शीर्ष पर निश्चित ही महामारी को नियंत्रित करना और हिंद प्रशांत में हमारे मित्रों एवं पड़ोसियों की मदद करना है। हमने इस साल की शुरुआत में टीकाकरण के प्रयासों में क्षेत्र के देशों की सहायता करने और कोविड-19 टीकों का उत्पादन बढ़ाने के लिए भारत और ऑस्ट्रेलिया के साथ मिलकर ऐतिहासिक क्वाड टीका साझेदारी शुरू की थी। उन्होंने कहा कि वे जलवायु परिवर्तन संबंधी खतरों से निपटने के लिए आक्रामक कदम उठाने को लेकर प्रतिबद्ध हैं।

राउल कास्त्रो ने कम्युनिस्ट पार्टी के प्रमुख के पद से दिया इस्तीफा, क्यूबा में एक युग का हुआ अंत

एपी । हवाना (क्यूबा)

क्यूबा के पूर्व राष्ट्रपति राउल कास्त्रो ने शुक्रवार को कहा कि वह कम्युनिस्ट पार्टी के प्रमुख के पद से इस्तीफा दे रहे हैं और युवा पीढ़ी को पार्टी का नेतृत्व सौंप रहे हैं। इस द्वीप देश में पिछले करीब छह दशक में पहली बार ऐसा होगा, जब कास्त्रो परिवार का कोई सदस्य देश के मामलों का नेतृत्व नहीं करेगा। राउल कास्त्रो (89) ने सत्तारूढ़ पार्टी की आठवीं कांग्रेस की शुरुआत में अपने भाषण में शुक्रवार को यह घोषणा की। उन्होंने कहा, मैं (अपने कर्तव्य का निर्वहन करने की) संतुष्टि के साथ और देश के भविष्य में विश्वास के साथ... प्रथम सचिव के रूप में अपने काम को पूरा कर रहा हूं। राउल कास्त्रो के भाई एवं क्यूबा क्रांति के जनक फिदेल कास्त्रो का 2016 में निधन हो गया था। राउल कास्त्रो ने यह नहीं बताया कि वह कम्युनिस्ट पार्टी के प्रथम सचिव के पद पर किसे अपना उत्तराधिकारी बनाने के लिए समर्थन देंगे, लेकिन उन्होंने पहले संकेत दिया था कि वह 2018 में उनके बाद राष्ट्रपति बने 60 वर्षीय मिगुएल डियाज कनेल का समर्थन करते हैं। राउल कास्त्रो के सेवानिवृत्त होने का मतलब यह है कि पिछले छह दशक में ऐसा पहली बार होगा, जब क्यूबावासियों के मामलों का औपचारिक नेतृत्व कास्त्रो परिवार का कोई सदस्य नहीं करेगा। देश में यह परिवर्तन ऐसे समय हो रहा है, जब वह पहले से ही मुश्किल समय से गुजर रहा है। कोरोना वायरस वैश्विक महामारी और अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा लागू प्रतिबंधों के कारण देश की अर्थव्यवस्था संकट में है।

क्विक न्यूज

बलों की पूर्ण वापसी से पहले अफगानिस्तान में बढ़ाई जा सकती है अमेरिकी सैनिकों की संख्या: पेंटागन

वाशिंगटन। अफगानिस्तान से अमेरिकी बलों की पूर्ण वापसी की सुरक्षित एवं व्यवस्थित प्रक्रिया सुनिश्चित करने के लिए वहां जवानो की संख्या मे बढ़ोतरी की जा सकती है।पेंटागन के प्रवक्ता जॉन किर्बी ने शुक्रवार को संवाददाता सम्मेलन में कहा, इस संभावना से इनकार नही किया जा सकता कि कुछ समय के लिए अफगानिस्तान में अतिरिक्त क्षमता बढ़ाई जाएगी, ताकि (अमेरिका के) राष्ट्रपति द्वारा तय की गई सितंबर तक की समय सीमा तक बलों की सुरक्षित, व्यवस्थित और सुनियोजित वापसी सुनिश्चित हो सके। हालांकि किर्बी ने कहा, मै अभी यह नही बता सकता कि यह प्रक्रिया कैसे होगी और इस दौरान कितने बलों को तैनात किया जाएगा। जैसा कि हम इराक से बाहर आए थे, उसी तरह यह मानना तार्किक है कि आपको साजो-सामान संबंधी मदद की आवश्यकता होगी। अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन ने इस सप्ताह की शुरुआत में कहा था कि अफगानिस्तान से 11 सितंबर तक अमेरिकी बलों को वापस बुला लिया जाएगा।

इजराइल : गाजा से 24 घंटे में दूसरी बार रॉकेट दागा गया, कोई हताहत नहीं हुआ

गाजा सिटी। इजराइली सेना ने कहा है कि शुक्रवार को फलस्तीनी आतंकवादियो ने देश के दक्षिण हिस्से मे रॉकेट दागा, जो 24 घंटे में दूसरी ऐसी घटना है। वैसे इस रॉकेट हमले में कोई नुकसान नही हुआ और न कोई हताहत हुआ। इस हमले के जवाब मे इजराइली लड़ाकू जेटो और हेलीकॉप्टरो ने गाजा पट्टी पर नियंत्रण रखने वाले आतंकवादी संगठन हमास के पांच ठिकानों को निशाना बनाया। इजराइली सेना के अनुसार उसने एक प्रशिक्षण स्थल, हथियार विनिर्माण केंद्र, एक फैक्टरी आदि को निशाना बनाया लेकिन उसके इस हवाई हमले मे किसी के हताहत होने की खबर नही है। इजराइल फलस्तीन से होने वाले किसी हमले के लिए हमास को जिम्मेदार ठहराता है।उधर, इस्लामिक आतंकवादी संगठन के प्रवक्ता हाजेम कास्सेम ने कहा कि इजराइली हवाई हमले गाजा को तोड़ नही पाएंगे।

अमीरात की यात्रा पर जा रहे पाकिस्तानी विदेश मंत्री

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के विदेश मंत्री शाह महमूद कुरैशी शनिवार को संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) की तीन दिवसीय राजकीय यात्रा पर रवाना हो रहे है। अपनी इस यात्रा के दौरान वह व्यापार और निवेश मे सहयोग सहित द्विपक्षीय सहयोग के सभी क्षेत्रों मे वहां के शीर्ष नेतृत्व के साथ चर्चा करेंगे।विदेश कार्यालय ने कहा कि कुरैशी वहां अपने समकक्ष शेख अब्दुल्ला बिन जायद अल नाहयान और अन्य प्रमुख लोगो से मुलाकात करेंगे।यूएई मे बड़ी संख्या मे पाकिस्तानी समुदाय के लोग रहते है।विदेश कार्यालय ने कहा, विदेश मंत्री व्यापार और निवेश, पाकिस्तानी लोगो के लिए नौकरी के अवसरो और पाकिस्तानी प्रवासियो के कल्याण सहित द्विपक्षीय सहयोग के विभिन्न मुद्दो पर यूएई के नेतृत्व के साथ विचार-विमर्श करेंगे। वह परस्पर हितो से जुड़े विभिन्न क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दो पर भी चर्चा करेंगे। उल्लेखनीय है कि दोनो देशो के संबंध काफी मधुर है। स्थानीय और अंतरराष्ट्रीय मीडिया मे आई उन खबरो के बाद इस यात्रा का अतिरिक्त महत्व है जिनमे कहा गया था कि यूएई ने जनवरी मे पाकिस्तानी और भारतीय अधिकारियो के बीच गुप्त वार्ता की मेजबानी की। इसके कुछ हफ्तो बाद दोनो पक्षो ने फरवरी मे नियंत्रण रेखा पर 2003 के युद्धविराम समझौते को बहाल करने पर सहमति जताई थी।

इराक : वरिष्ठ कैमरामैन माजिद का निधन

बेरूत। समाचार एजेंसी एसोसिएटेड प्रेस (एपी) वीडियो प्रोड्यूसर और कैमरामैन के तौर पर 17 साल के करियर के दौरान इराक मे विभिन्न संघर्षों को कवर करने वाले के. माजिद का निधन हो गया है। उनके संबंधियो ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। वह 64 साल के थे।संबंधियो ने बताया कि कोरोना वायरस संक्रमण के कारण हुई जटिलताओ से उनकी मौत हुई। माजिद करीब तीन सप्ताह से अस्पताल मे भर्ती थे, लेकिन बीते कुछ दिन से उनकी तबीयत लगातार बिगड़ती जा रही थी। शुक्रवार सुबह उन्होंने अंतिम सांस ली।माजिद 2003 मे अमेरिका के नेतृत्व में इराक मे लड़ाई छिड़ने के एक साल बाद मार्च 2004 मे बगदाद मे एपी से जुड़े थे। इस जंग के चलते इराक के राष्ट्रपति सद्दाम हुसैन को सत्ता गंवानी पड़ी थी। अपने करियर के दौरान माजिद ने सुरक्षा व्यवस्था बिखरने और वर्षों तक चले सांप्रदायिक खून-खराबे, अमेरिका के कब्जे, आतंकवादी संगठन अलकायदा के उदय और अंत मे इस्लामिक स्टेट के खिलाफ छेड़ी गई लड़ाई को कवर किया।

गोपनीय सूचना को लेकर रूस ने यूक्रेन के राजनयिक को हिरासत में लिया

मॉस्को। रूस ने देश की मुख्य सुरक्षा एजेंसी के डाटाबेस से कथित तौर पर गोपनीय सूचना हासिल करने के लिए यूक्रेन के एक राजनयिक को हिरासत मे लिया है।फेडरल सिक्योरिटी सर्विस (एफएसबी) ने शनिवार को बताया कि सेंट पीटर्सबर्ग मे यूक्रेन के महावाणिज्यदूत को शुक्रवार को एक रूसी नागरिक के साथ मुलाकात के दौरान गिरफ्तार किया गया। एफएसबी का आरोप है कि मुलाकात के दौरान उन्होने कानून लागू करने वाली एजेंसियो और एफएसबी के डाटाबेस से गोपनीय प्रकृति की सूचनाएं हासिल की। रूस की संवाद समितियो ने एफएसबी के बयान जारी किए जिसमें और अधिक ब्यौरा नही दिया हुआ है।यूक्रेन के पूर्वी क्षेत्र मे सीमा के पास रूसी सैनिको की मजबूत उपस्थिति और रूस तथा यूक्रेन के मध्य बढ़ते तनावो के बीच राजनयिक को गिरफ्तार किया गया है।

ब्राजील के साओ पाउलो में कोविड 19 के प्रतिबंधों के कारण अपना कार्य ठीक ढंग से न कर पाने के कारण प्रदर्शन कर रैली निकालते फूड डिलेवरी कर्मचारी

ईरान ने नतान्ज हमले के संदिग्ध का नाम बताया, आरोपी फरार

एपी । तेहरान

ईरान के सरकारी टेलीविजन ने नतान्ज परमाणु स्थल के सेंट्रीफ्यूज को हमले में बर्बाद करने के संदिग्ध का नाम सार्वजनिक किया और कहा कि वह हमला होने से पहले देश छोड़कर भाग चुका था। फिलहाल 11 अप्रैल को हुए हमले से कितना नुकसान हुआ यह स्पष्ट नहीं है, यह ऐसे समय हुआ जब ईरान विश्व शक्तियों के साथ समझौते में अमेरिका को फिर से प्रवेश की अनुमति देने और अपने ऊपर लगे आर्थिक प्रतिबंधों को हटाने के लिए उनसे बातचीत कर रहा है।ईरान इस हमले की प्रतिक्रिया में अब 60 प्रतिशत शुद्धता के साथ यूरेनियम का संवर्धन कर रहा है, जो अब तक के उसके सर्वोच्च स्तर से तीन गुना ज्यादा है। हमले और उसे लेकर ईरान की प्रतिक्रिया ने पश्चिम एशिया में तनाव को और बढ़ा दिया है, जहां तेहरान और हमले के संदिग्ध इजराइल के बीच जंग के बादल अब भी मंडरा रहे हैं। सरकारी टेलीविजन ने संदिग्ध का नाम रजा करीबी बताया है, जो 43 साल का है। खबर में उसकी पासपोर्ट आकार की एक तस्वीर भी दिखाई गई और बताया गया कि उसका जन्म पड़ोसी शहर कशहन में हुआ था। रिपोर्ट में इस बात का उल्लेख नहीं किया गया कि करीबी इस्लामी गणराज्य के सबसे सुरक्षित केंद्रों में से एक तक पहुंचा कैसे। रिपोर्ट में उसकी गिरफ्तारी की मांग संबंधी इंटरपोल का रेड नोटिस भी दिखाया गया। इंटरपोल के सार्वजनिक डेटाबेस पर हालांकि गिरफ्तारी का यह नोटिस तत्काल उपलब्ध नहीं नजर आ रहा। फ्रांस के लियोन में स्थित इंटरपोल ने इस मामले में टिप्पणी के अनुरोध पर तत्काल कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है। टीवी की खबरों में कहा गया कि कानूनी माध्यमों से करीबी को वापस ईरान लाने के लिए आवश्यक कार्वाई की जा रही है। हालांकि, इस बारे में और विवरण नहीं दिया गया।

कोविड-19 से पूरी दुनिया में 30 लाख से अधिक लोगों की हो चुकी मौत

एपी । रियो डी जेनेरिया

कोरोना वायरस के कारण पूरी दुनिया में मरने वालों की संख्या शनिवार को 30 लाख से अधिक हो गई। भारत, ब्राजील और फ्रांस जैसे देशों में कोरोना वायरस का संकट बढ़ता जा रहा है और पूरी दुनिया में टीकाकरण में बाधाएं आ रही हैं।

जॉन हॉपकिंस यूनिवर्सिटी द्वारा जारी आंकड़ों के मुताबिक, कोरोना वायरस के कारण जितने लोगों की मौत हुई है वह कीव (यूक्रेन), काराकास (वेनेजुएला) या मेट्रोपोलिटन शहर लिस्बन (पुर्तगाल) की आबादी के बराबर है। यह संख्या शिकागो (27 लाख) से बड़ी और संयुक्त रूप से फिलाडेल्फिया एवं डलास के बराबर है।मृतकों का आंकड़ा इससे भी अधिक हो सकता है क्योंकि हो सकता है कि सरकारें आंकड़ों को छिपा रही हों या 2019 के शुरुआत में चीन के वुहान से शुरू हुए वायरस के कई मामलों को शुरुआती चरण में छिपाया गया हो।पूरी दुनिया में संक्रमण की गति और इसे नियंत्रण में लाने के तरीके विभिन्न देशों में अलग-अलग हैं।पूरी दुनिया में मौत का औसत 12 हजार प्रतिदिन है और प्रतिदिन सात लाख से अधिक मामले सामने आ रहे हैं।अमेरिका में कोविड-19 से 5,60,000 मौतें हुई हैं और विश्व भर में हुई हर छह मौतों में से एक मौत अमेरिका में हुई है। अमेरिका के बाद ब्राजील, मैक्सिको, भारत और ब्रिटेन में मृतकों की संख्या सर्वाधिक है। अमेरिका ने इस महीने जॉनसन एंड जॉनसन के टीके के इस्तेमाल पर रोक की अनुशंसा की क्योंकि अधिकारियों ने इस कारण खून के थक्के बनने की जांच शुरू की थी और यूरोप के कुछ देशों ने भी टीके पर अस्थाई रोक लगाई।खून का थक्का जमने के कारण एस्ट्राजेनेका के टीके पर भी कुछ देशों ने पाबंदियां लगाईं।

● अमेरिका के बाद ब्राजील, मैक्सिको, भारत और ब्रिटेन में मृतकों की संख्या सर्वाधिक है

अमेरिका में फेडएक्स के परिसर में गोलीबारी चार सिखों समेत आठ लोगों की मौत

भाषा । वाशिंगटन

अमेरिका के इंडियाना राज्य में फेडएक्स कंपनी के एक परिसर में गोलीबारी की घटना में सिख समुदाय के चार लोगों समेत कम से कम आठ की मौत हो गई और कई अन्य लोग घायल हो गए। मृतकों में तीन सिख महिलाएं शामिल हैं। इस घटना से स्तब्ध सिख समुदाय के लोगों ने नस्ली घृणा से प्रेरित अपराध और हिंसा की बढ़ती घटनाओं पर लगाम लगाने के लिए अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन से अपील की है। बंदूकधारी हमलावर की पहचान इंडियाना के 19 वर्षीय ब्रेंडन स्कॉट होल के रूप में की गई है, जिसने इंडियानापोलिस में स्थित फेडएक्स कंपनी के परिसर में बृहस्पतिवार देर रात गोलीबारी करने के बाद कथित तौर पर खुद को गोली मार ली।

होल, 2020 में फेडएक्स का कर्मचारी था। संघीय जांच एजेंसी (एफबीआई) ने शुक्रवार को बताया कि पिछले साल होल की मां ने एजेंसी को फोन करके कहा था कि उनका बेटा आत्मघाती कदम उठा सकता है जिसके बाद एफबीआई ने होल से पूछताछ की थी। डिलीवरी सेवा प्रदाता कंपनी के इस परिसर में कार्यरत 90 प्रतिशत से अधिक कर्मचारी भारतीय मूल के अमेरिकी नागरिक बताए जाते हैं, जिनमें ज्यादातर सिख समुदाय के हैं। सिख समुदाय के नेता गुरिंदर सिंह खालसा ने फेडएक्स परिसर के कर्मचारियों के परिजनों से मुलाकात करने के बाद फोन पर पीटीआई से कहा, यह बेहद दुखद है। इस त्रासद घटना से सिख समुदाय आहत है। मारियन काउंटी कोरोनर कार्यालय और इंडियानापोलिस मेट्रोपोलिटन पुलिस विभाग (आईएमपीडी) ने शुक्रवार देर रात मृतकों के नाम का खुलासा किया। मृतकों में सिख समुदाय के अमरजीत जोहल (66), जसविंदर कौर (64), अमरजीत (48) और जसविंदर सिंह (68) शामिल हैं। अन्य मृतकों में कार्ली स्मिथ, एलक्जेंडर मैट, समारिया ब्लैकवेल और जॉन वाइट शामिल हैं। सिख समुदाय के एक अन्य व्यक्ति हरप्रीत सिंह गिल (45) को आंख के पास गोली लगी और अभी वह अस्पताल में है। अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन और उपराष्ट्रपति कमला हैरिस ने इस त्रासद घटना पर शोक व्यक्त किया है। बाइडन ने एक वक्तव्य में कहा, होमलैंड सिक्योरिटी की टीम ने मुझे और उपराष्ट्रपति हैरिस को इंडियानापोलिस में फेडएक्स परिसर में हुई गोलीबारी की घटना की जानकारी दी है, जहां रात के अंधेरे में अकेले बंदूकधारी ने आठ लोगों की जान ले ली और कई लोगों को घायल कर दिया। अमेरिका के दौरे पर आए जापान के प्रधानमंत्री योशिहिदे सुगा ने व्हाइट हाउस में बैठक की शुरुआत में मृतकों के परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त की। उन्होंने कहा, निर्दोष नागरिकों के साथ हिंसा नहीं होनी चाहिए। स्वतंत्रता, लोकतंत्र, मानवाधिकार और कानून का राज ऐसे वैश्विक मूल्य हैं, जो हमें जोड़ते हैं और जो हिंद-प्रशांत क्षेत्र में कायम हैं। बाइडन ने मृतकों के सम्मान में व्हाइट हाउस तथा अन्य संघीय इमारतों में राष्ट्रीय ध्वज आधा झुकाने का आदेश दिया है। खालसा ने कहा कि समुदाय के नेता अधिकारियों के संपर्क में हैं। उन्होंने कहा, 9/11 के बाद से सिख समुदाय ने बहुत कुछ झेला है। अब वह समय आ गया है जब इस प्रकार की गोलीबारी की घटनाओं को रोकने के लिए कड़े कदम उठाए जाएं। अब बहुत हो चुका। इंडियाना में सिख समुदाय के लगभग 10 हजार लोग रहते हैं। उपराष्ट्रपति हैरिस ने संवाददाताओं से कहा, हमारे देश में ऐसे परिवार हैं जो हिंसा के कारण अपने परिजनों को खो चुके हैं। इस हिंसा का अंत होना चाहिए। हम उन परिवारों के प्रति चिंतित हैं जिन्होंने अपने प्रियजनों को खोया है। बताया जा रहा है कि घटनास्थल पर पुलिस के आने से पहले हमलावर ने खुद को गोली मार ली। फेडएक्स ने इसकी पुष्टि की है कि उक्त हमलावर इंडियानापोलिस में कंपनी का पूर्व कर्मचारी था। अमेरिका में स्थित भारतीय दूतावास ने इस घटना में मारे गए लोगों के परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त की है। शिकागो में भारतीय महावाणिज्य दूत अमित कुमार ने इंडियानापोलिस के मेयर जो होगसेट से बात की जिन्होंने हरसंभव सहायता का आश्वासन दिया है। भारतीय दूतावास की ओर से शुक्रवार को जारी बयान में कहा गया, हम स्थिति पर नजर बनाए हुए हैं और यथासंभव सहायता देने को तैयार हैं।

पायनियर
रविवार, 18 अप्रैल, 2021

एजेण्डा

मुझे हर चीज से भय है लेकिन शायद जब आप हर चीज से डरते हैं तो कुछ ऐसा लगता है कि आप किसी चीज से नहीं डरते हैं।
-नतालिया पोर्टमेन

बस खेलो

संवर्धित वास्तविकता वाले खिलौने बाजार में नए आगंतुक हैं जो बाल शिक्षण में योगदान करने के आधार पर अतिरिक्त खेल समय को उचित ठहराते हैं। इस संबंध में विशेषज्ञों से बातचीत के आधार पर मुस्बा हाशमी की रिपोर्ट......

केवल कुछ ही लोगों ने इस पर विश्वास किया होगा कि हर वक्त काम और कोई खेलना नहीं जैसी हालत जैक को सुस्त लड़का बना देती है। हालांकि, वर्तमान शिक्षा जगत बच्चों के लिए एक खेल के मैदान में बदल गया है, जहां वे रास्ते में सीखते हुए खिलौनों के साथ खिलवाड़ करते हैं। सीखने की प्रक्रिया को बढ़ाने के लिए नवआगंतुक एआर तकनीक के बारे में बहुत बात की जाती है, जो कि माना जाता है कि शिक्षा का क्रांतिकारीकरण कर रही है।

गुड़ियों और बंदूकों को धीरे-धीरे बच्चों की अलमारी में बदल दिया जाता है। वे दिन गए जब बच्चे पढ़ाई के समय की बात करते ही भाग खड़े होते थे। अब, माता-पिता बच्चों को सार्थक खेलने के घंटों में उलझा रहे हैं, जहाँ वे शिक्षित भी हों और उन्हें इसका पता भी न चले। खिलौना उद्योग में शैक्षिक खिलौने सबसे बड़ी श्रेणी है और यह अन्य सभी श्रेणियों में सबसे तेजी से बढ़ रहा है। यहाँ ब्ला-एआर ट्वाइज या खिलौनों पर नया बच्चा आता है। स्मार्ट एआर-खिलौनों के आगमन के साथ, दुनिया आपके बच्चे की सीप बन गई है। वे खेलने के समय को उत्पादक बना सकते हैं, कहानियों के माध्यम से सीख सकते हैं, और वास्तव में घर छोड़े बगैर दुनिया की यात्रा कर सकते हैं। एआर-खिलौनों का नियमित रूप से उपयोग करने वाले बच्चों, माता-पिता और शिक्षकों की बढ़ती संख्या से एक बात स्पष्ट है। एआर-संवर्धित शैक्षिक खिलौने शिक्षा में अगली बड़ी चीज है, और इसकी सुंदरता के कारण, वे यहां बने रहते हैं।

> वीडियो गेम और एप्लिकेशन के विपरीत, एआर खिलौने स्पर्श कौशल के साथ मोटर कौशल विकास में भी सहायता करते हैं। हालांकि, एआर खिलौनों पर बहुत ज्यादा निर्भर होना छोटे बच्चों में सामाजिक कौशल के विकास को प्रभावित कर सकता है। स्क्रीन के साथ अतिरेक स्तर पर जुड़ाव होना उनके एकाग्रता स्तर को प्रभावित कर सकता है और उन्हें समर्पणकारी बना सकता है।
>
> — प्रकृति पोद्दार
> ग्लोबल हेड फॉर मेंटल हेल्थ,
> राउंड ग्लास

बाजार शोध कंपनी, मार्निंग कंसल्ट के मुताबिक, महामारी ने 62 फीसदी माता-पिता की आबादी को प्रेरित भी किया है, यह देखने के लिए कि उपकरण और प्रौद्योगिकी का शैक्षिक उपकरण के रूप मेंउपयोग किया जा सकता है। प्लेशिफू के सीईओ और सहसंस्थापक, विवेक गोयल का कहना है, 'एआर खिलौने के उभरने के कारण बहुपरतीय हैं। अपने प्रारंभिक वर्षों में बच्चे ऊर्जा और उत्साह से सराबोर रहते हैं। अफसोस की बात है कि उनका अल्प एकाग्रता-अवधि कोई रहस्य नहीं है। वे उन खेलों में रुचि खो देते हैं जितनी जल्दी वे उन्हें हासिल करते हैं। हालांकि पारंपरिक खेल कुछ दिनों के लिए रोमांचक हो सकते हैं, मगर वे शायद लंबे समय तक बच्चों का ध्यान आकर्षित नहीं रख पाएंगे।' यह कोई मतलब नहीं है कि प्लेशिफू खिलौने वर्तमान में 35 देशों के बच्चों के लिए खुशियां ला रहे हैं।

जब घर पर बच्चों को उलझाते हैं, उस समय यह आवश्यक है कि उन्हें ऐसे खिलौनों से परिचित कराया जाए जो हर बार एक अलग प्रकार अनुभव प्रदान करते हों। पूर्वानुमानित खेलों को अक्सर तेजी के साथ बच्चों का ध्यानाकर्षण खो बैठते हैं। बच्चों की रुचि समाप्त हो जाती है। ताजा धुन पर पागल होना, और यह तथ्य है कि इन खिलौनों ने उनकी बेटी की एकाग्रता को बढ़ाने में मदद की है, ऐसा चार वर्षीय निया की माँ, गुरुग्राम की कुसुम कहती हैं। वह बताती हैं, 'सामान्य खिलौने थोड़ी देर के बाद उबाऊ हो गए थे, जिनमें से अधिकांश को मेरी सहायता की भी जरूरत थी और उनमें से कुछ लगभग बेकार हो चुके खिलौने थे। सबसे महत्वपूर्ण बदलाव उसकी एकाग्रता अवधि में आया है क्यों ये खिलौने संवादात्मक, दिलचस्प हैं और सवाल और अन्वेषण के लिए प्रेरित करते हैं।'

बहुत सारे माता-पिता अब पहले से कहीं ज्यादा शैक्षिक खिलौने का चुनाव कर रहे हैं। वे उन उत्पादों में निवेश कर रहे हैं जो उनके बच्चों के लिए सीखने के अवसर प्रदान करते हैं। लेकिन, ये निवेश तभी फलदायी होते हैं जब बच्चे खुद खिलौने को काफी रोमांचक पाते हैं। गोयल कहते हैं, 'हमारा मुख्य ध्यान उस संतुलन को प्राप्त करना और फिजिटल अनुभव बनाना है जो मजेदार और शिक्षाप्रद दोनों हैं।

>> पेज 3

आपके नन्हें मुन्नों के लिए अनोखे शैक्षणिक किट्स

शिक्षण कला से लेकर कोडिंग तक, विभिन्न ब्रांड एक अतिरिक्त दूरी तक चलने और सर्वाधिक आकर्षक तरीके से बच्चों को पढ़ाने के लिए तैयार हैं। एआर खिलौने, उद्योग में, यदि ज्यादा नहीं तो, गेम चेंजर बनने के लिए तैयार हैं। यहां कुछ विकल्प दिए गए हैं, जिनमें से व्यक्ति चुनाव कर सकता है:

कानो

छह वर्ष और उससे अधिक उम्र के बच्चों के लिए उपयुक्त, कानो पीसी किट बच्चों के लिए किसी निजी लैपटॉप से कम नहीं है। यह डीआईवाई टैबलेट कोडिंग के साथ कला, विज्ञान शिक्षण लिए आदर्श गंतव्य है। यह हार्डवेयर घटकों से मिलकर बनी है। बच्चे को एक कार्यात्मक विंडोज 10 टैबलेट बनाने के लिए भागों को फिट करने की आवश्यकता होती है जो एक माइक्रोएसडी कार्ड स्लॉट और डिटैचेबल की-बोर्ड के साथ आती है। पूरा हो जाने के बाद, बच्चा कानो वर्ल्ड में कानो समुदाय के साथ अपनी परियोजनाओं को ऑनलाइन साझा कर सकता है।

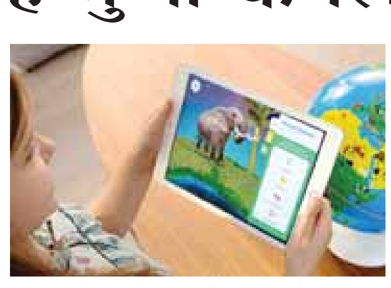

लिटिलबिट्स

यह आपको एक ई-कक्षा का अनुभव प्रदान करता है। इसकी कोडिंग किट इसका प्रमुख उत्पाद है और यह तीसरी कक्षा से आठवीं कक्षा के बच्चों के लिए आदर्श है जो कम उम्र में कोडिंग क्षेत्र में कदम रखना चाहते हैं। स्टीम प्लस किट एक विश्लेषणात्मक चिंतन प्रक्रिया में बच्चों को भागीदार बनाते हुए पाठ्यक्रम-अनुरूप सामग्री का विस्तार करता है। यह निर्माता स्थलों , पुस्तकालयों, शिविरों, क्लबों आदि के लिए गतिविधियां व नवाचार प्रदान करता है।

वंडर वर्कशाप

इस मंच का लक्ष्य भविष्य के नवोन्मेषकों का निर्माण करना है और छह वर्ष या उससे अधिक आयु के बच्चों के लिए यह एक अभिनव उत्पाद है। यह मंच इन-ऐप पजल लाइब्रेरी, मानक-आधारित पाठों के साथ-साथ रोबोटिक चुनौतियों का प्रदर्शन करता है। इनके एप्लीकेशन, वंडर फार डैश एंड डॉट रोबोट्स, मजेदार तरीके से रोबोटिक्स के बारे में सिखाते हैं। यह एक कोडिंग टूल है जो कि बच्चे को रोबोटिक्स को खेलने और स्वयं सभी रोबोटिक्स का पता लगाने में सक्षम बनाता है और 300 से अधिक चुनौतियाँ पेश करता है जो बच्चों को रोबोटिक्स प्रोग्रामिंग और बिल्डिंग के बारे में सिखाती हैं। इसकी मदद से बच्चे अपनी खुद की मशीनरी बना सकते हैं, अपने इच्छित तंत्रों को पोषित कर सकते हैं और चुनौतियों से खेल सकते हैं।

ओस्मो

यह ब्रांड इलेक्ट्रॉनिक खिलौने प्रदान करता है जो आईपैड या अमेजन फायर टैबलेट के साथ उपयुक्त हैं। किट में संख्याएँ, आकृतियाँ, कोडिंग निर्देश, पहेलियाँ, रेखाचित्र, व्यावसायिक अभिरुचि और इसी तरह की शिक्षण विशेषताएँ हैं जो बच्चे को विभिन्न क्षेत्रों का पता लगाने और स्वतंत्र रूप से सीखने का अवसर देती हैं।

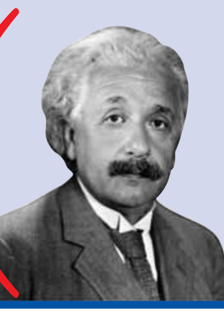

कोई भी समस्या चेतना के उसी स्तर से नहीं सुलझाई जा सकती जहां से वह पैदा हुई हो।
- अल्बर्ट आइंस्टीन

वानर मन को साधें

जीवन चक्र
भारत भूषण पद्मदेव

माना जाता है कि भगवान हनुमान ने अपने आदर्श भगवान राम की सेवा में आत्मसमर्पण किया था। प्रेम की गहन भावना से प्रेरित होकर, उन्होंने राम को अपने दिल में बसाया और अपनी आदर्श चेतना के साथ अपनी पहचान को विलय दिया। इस प्रकार, अपने आदर्श के अनुरूप होने के कारण, वह चेतना तत्व के लिए आंतरिक शक्तियों का लाभ उठा सकता है। कोई आश्चर्य नहीं कि वह इस तरह के असाधारण कारनामा कर सकते थे जिसका कोई सानी नहीं होगा।

प्रार्थना मोड में, जब आप अपना पूरा ध्यान लगाते हैं, तो आप उन चीजों को प्राप्त कर लेते हैं, जिन पर आपका ध्यान केंद्रित रहता है। इसलिए बाइबल कहती है: ''पहले ईश्वर और फिर उसकी समस्त महिमा पर अपना ध्यान लगाओ, फिर तुमको अपना मनचाहा सबकुछ मिल जाता है।''

हालांकि, विरोधाभास यह है कि भगवान हनुमान उस असीम शक्ति के बारे में अनभिज्ञ थे, जो उनके भीतर थी। जाहिर है, सामान्य परिस्थितियों में, वह अपनी पशुवादी प्रवृत्ति से प्रेरित होंगे। लेकिन जब याद दिलाया गया तो आवश्यकता पड़ने पर भगवान हनुमान अपनी देसी शक्तियों का आह्वान कर पाए।

जैसा कि रामायण कथा आगे बढ़ती है, भगवान हनुमान को सीता का पता लगाने का कार्य सौंपा गया, जिनका कि अपहरण कर लिया गया था और वे रावण की कैद में थीं। उपलब्ध संकेतों के अनुसार सीता श्रीलंका में कहीं थीं। अपने इच्छित गंतव्य पर जाने के लिए, हनुमान को समुद्र पार करना पड़ा, जो असंभव दिखता था। लेकिन जब रीछ, जामवंत ने उन्हें याद किया, तो उन्हें अपने अंदर निहित शक्तियों का एहसास हुआ कि वे समुद्र के पार जा सकते हैं। इसलिए, उन्होंने अपने अंजान शक्ति आधार का आह्वान किया और लंका तक जा पहुंचे।

हनुमान की कहानी मानवीय दुविधा के जैसी है। मानव अपार शक्ति से संपन्न है। यदि समूची मानव क्षमता सामने आती है, तो इंसान की शक्ति की कोई सीमा नहीं होगी। हालाँकि, विडंबना यह है कि मनुष्य को अपने सच्चे आत्म के बारे में पता नहीं है। तथ्य यह है कि मनुष्य का जन्म दुविधा और पूर्वाग्रही मन के साथ हुआ है। सीमाओं में बंधे होने के कारण, मानव मन के समूचे परिदृश्य की तह तक जाने में विफल रहता है। इस प्रकार, व्यक्ति की मानसिक शक्ति सीमित रहती है। ऐसा कहा जाता है कि आम तौर पर इंसानों की अपनी मानसिक क्षमता के सिर्फ 5 से 7 प्रतिशत तक पहुंच हासिल है।

उससे अधिक हमारे सचेत प्रयासों का मसला है। हालांकि, भले ही वे जो कुछ भी उनके सामने मौजूद हो, उसका इष्टतम उपयोग करने में सक्षम हैं, मगर वे जीवन की सामान्य आवश्यकताओं से सहज आसानी के साथ सफलतापूर्वक निपट सकते हैं।

हालांकि, विडंबना यह है कि एक साधारण व्यक्ति, जो स्वयं अपनी करनी के वैचारिक संजाल में फंस जाता है, और अतीत में अर्जित नकारात्मक छवियों के चले आ रहे असर से निपटने के दौरान, बेतुके कार्यों पर अपनी मानसिक शक्ति का एक बड़ा हिस्सा बर्बाद कर देता है जिसके कारण फिर असुरक्षा की भावना पैदा होती है नतीजतन व्यक्ति तनावग्रस्त होता है। परिणामस्वरूप, उनके पास अपनी प्राथमिक वरीयताओं के साथ न्याय करने का बिरले अवसर मिलता है और फिर उसका खामियाजा सामने आता है।

मनुष्य भी पशुवादी प्रवृत्ति के साथ-साथ मानवीय गुणों को भी लिए रहता है। दोनों में से कौन गुण व्यक्ति को संचालित करते हैं, या इस बात पर निर्भर करता है कि व्यक्ति का दिमागी रूझान किस ओर है। समूची स्थिति की विडंबना यह है कि किसी की पशुवत प्रवृत्ति प्रत्यक्षतया अनजाने में अपनी भूमिका निभाती रहती है। लेकिन व्यक्ति के गुणों को पहचानने, स्वीकार करने, सम्मान देने और फिर जानबूझकर उपयोग में लाने के लिए जागृत करना आवश्यक होता है।

इस राह में जो तथ्य बाधक है, वो यह कि मानव मन बहुत अस्थिर होता है। यह मनमाने ढंग से विभिन्न विचारों के साथ छेड़खानी करता रहता है, कुछ-कुछ बंदर की तरह, बेतरतीब ढंग से पेड़ की एक डाल से दूसरी डाल पर कूदते हुए। इस प्रकार, यह आवश्यक हो जाता है कि पहले वानर-मन को नियंत्रित किया जाए, ताकि निर्बाध ढंग से अंतर्निहित गुणों को सक्रिय भूमिका में लाया जा सके। और इसे दो चरणों की ध्यान प्रक्रिया के बाद प्राप्त किया जा सकता है जैसा कि पिछले अध्याय में चर्चा की गई है।

भगवान हनुमान पर ध्यान केंद्रित करने के लिए ध्यान को प्रेरित करना, साधक को अपनी आत्मा को आत्मसात करने के लिए प्रेरित करेगा। तदनुसार, किसी को गुण का पता लगाने, पहचानने और स्वीकार करने के लिए लुभाया जाएगा, और फिर उन्हें सान दिया जाएगा, ताकि वे समकालीन शब्दों में उपयोग के लायक बन जाएं।

भगवान हनुमान पर एकाग्रता से ध्यान केंद्रित करने से, साधक अपनी आत्मा को आत्मसात करने के लिए प्रेरित होगा। तदनुसार,व्यक्ति अंतर्निहित गुणों का पता लगाने, पहचानने और स्वीकार करने और उन्हें आत्मासात करने के लिए लालायित होगा, ताकि वे समकालीन अर्थों में उपयोगी बन जाएं।

और क्योंकि भगवान हनुमान को वीरता से पहचाना जाता है, इसलिए उनकी कल्पना को प्रतिबिंबित करने से भय और असुरक्षा की भावना को दूर करने में मदद मिल सकती है। साथ ही, यह जीवन में आने वाली चुनौतियों का पूरी ताकत से सामना करने के लिए आवश्यक इच्छा व संकल्प को मंजूरी दे सकता है।

प्रतिरक्षण तंत्र को बनाएं उत्तम

डॉ. राशि चहल का कहना है कि एक स्वस्थ शरीर किसी एक चीज पर निर्भर नहीं होता है, बल्कि यह एक लंबी अवधि के संतुलित आहार का प्रतिफल है।

जो आप खाते हैं उसका आपके प्रतिरक्षण पर स्पष्ट प्रभाव पड़ता है। प्रतिरक्षण व्यक्ति के शरीर की बाहरी तत्वों या पैथोजेन्स के किसी हमले को रोकने या उनसे लड़ने की क्षमता से संबंधित है। प्रतिरक्षण तब प्रतिक्रिया करता है जब शरीर आपके शरीर को बचाने की जवाबी लड़ाई लड़ता है।

महामारी की इस अवधि में, न केवल इन सप्लीमेंट्स के उपयोग में वृद्धि हुई थी, लेकिन हमें मनुष्यों के रूप में यह विश्वास दिलाया गया था कि बोतलें वास्तव में आपकी प्रतिरक्षा प्रणाली को बढ़ावा देने और एलर्जी को दूर करने का दावा करती हैं। प्रतिरक्षा प्रणाली को मजबूत करने के लिए कोई जादू की गोली नहीं होती है। यह एक रक्षण प्रणाली है जो आपके पैदा होने के साथ ही आपके शरीर में मौजूद होती है। यह रक्षा प्रणाली पहले दिन से आज तक सक्रिय रही है!

विटामिन स्वास्थ्य समस्याओं का समाधान करने में मदद कर सकते हैं और प्रोबायोटिक्स आपके आंत में रहने वाले बैक्टीरिया और जीव की मदद कर सकते हैं जो आपके बेहतर स्वास्थ्य में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

वास्तव में एक स्वस्थ प्रणाली सिर्फ एक चीज पर - विटामिन सी, विटामिन डी, आदि - निर्भर नहीं होती है । लेकिन यह लंबी समयावधि के संतुलित स्वस्थ आहार का प्रतिफल है जिसमें कार्बोहाइड्रेट, प्रोटीन, वसा, विटामिन, खनिज और अंत में पानी शामिल हैं!

विटामिन और खनिज, जो व्यक्ति की सेहत को बेहतर बनाने के लिए आवश्यक होते हैं, इस प्रकार हैं:

विटामिन सी : यह संक्रमण को रोकने या कम करने में मदद करता है। अध्ययन साबित करते हैं कि विटामिन सी का नियमित सेवन किसी के शरीर में मेहतर की तरह काम करता है। विटामिन सी से भरपूर फल आपके दैनिक सेवन की पूर्ति के लिए सबसे अच्छे हैं लेकिन अन्य अच्छे स्रोत हैं : पालक, एक प्रकार की गोभी, बेल मिर्च, अमरूद, स्ट्रॉबेरी, पपीता, आदि।

विटामिन ई: विटामिन ई एक शक्तिशाली विषहारक है जो प्रतिरक्षा प्रणाली के कामकाज में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। यह पौधे आधारित तेल, नट, बीज, फल और सब्जियों में आसानी से पाया जा सकता है।

विटामिन ए: यह न केवल दृष्टि में सुधार करता है और आपकी त्वचा में चमक बढ़ाता है, बल्कि एक संक्रमण-सैनिक भी है। इसे सर्वोत्तम ढंग से अंडे, छिलकेदार अनाज, शकरकंद, कद्दू के सेवन के जरिए पाया जा सकता है।

विटामिन डी : इसे धूप विटामिन भी कहा जाता है और इसका सबसे अच्छा स्रोत धूप है। यह वसा में घुलनशील विटामिन है जो

कैल्शियम मैग्नीशियम और फॉस्फेट के आंतों के अवशोषण में सुधार करता है। यह हमारे शरीर में हार्मोन को विनियमित करने के लिए सबसे महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। यह प्रतिरक्षा प्रणाली का समर्थन करने वाले शक्तिशाली पोषक तत्वों में से एक है।

फोलेट या विटामिन बी : विटामिन बी 9 और बी 12 प्रतिरक्षा प्रणाली के स्वस्थ संतुलन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। अपने आहार में फोलेट की अधिक मात्रा पाने के लिए बीन्स, हरी पत्तेदार सब्जियाँ और दाल को नियमित रूप से अपनी दिनचर्या में शामिल करें।

प्रतिरक्षा प्रणाली को मजबूत करने के लिए कोई जादू की गोली नहीं होती है। यह एक रक्षण प्रणाली है जो आपके पैदा होने के साथ ही आपके शरीर में मौजूद होती है। यह रक्षा प्रणाली पहले दिन से आज तक सक्रिय रही है!

आयरन : यह आपके शरीर को कोशिकाओं और विभिन्न अंगों तक ऑक्सीजन ले जाने में मदद करता है। आयरन प्रतिरक्षा कोशिकाओं की सक्रियता और प्रसार के लिए आवश्यक है।

जस्ता: आपके शरीर में नई प्रतिरक्षा कोशिकाओं के उत्पादन के लिए इसकी आवश्यकता होती है। यह आमतौर पर चिकन, मछली और अंडे जैसे पशु उत्पादों में पाया जाता है। यह दही, छोले और दाल में भी अच्छी मात्रा में पाया जाता है।

सेलेनियम: एक अन्य पोषक तत्व जिसका शक्तिशाली प्रभाव होता है, क्योंकि यह आपके शरीर में ऑक्सीडेटिव तनाव को कम करने में मदद करता है, जो सूजन को कम करता है और प्रतिरक्षण को बढ़ाता है। आमतौर पर नट्स (ब्राजील नट्स), लीन मीट, ब्रोकली और कॉटेज पनीर में पाया जाता है।

- लेखक रोजवॉक हॉस्पिटल, पंचशील पार्क में पुष्टाहार विशेषज्ञ हैं।

सीखें और भुलाएं

राजयोगी ब्रह्मकुमार निकुंज जी कहते हैं कि व्यक्ति को आत्ममुग्धता छोड़ देनी चाहिए और अगर कोई जीवन में बेहतर करना चाहता है तो बदलावों को स्वीकार करना चाहिए।

दुनिया में शायद ही कोई इंसान हो जो खुद को सुधारने की इच्छा नहीं रखता हो। बेशक, कुछ लोग उनके साथ अपने रिश्ते में सुधार की आकांक्षा रखते हैं, जिनके साथ उन्हें रहना और काम करना पड़ता है, जबकि अन्य अपनी आर्थिक स्थिति में सुधार के लिए काम करते हैं। कुछ अपने व्यक्तित्व में सुधार या वृद्धि करना चाहते हैं, जबकि अन्य अपनी आध्यात्मिक प्रगति को लेकर अधिक चिंतित होते हैं।

हर मामले में, थोड़ी प्रगति करने की इच्छा सभी सामान्य प्राणियों के लिए बुनियादी है और सुधार के प्रयास जीवन का संकेत हैं। और, मनुष्य की सुधार लाने हेतु सभी तरह के झूठ बोलने की इच्छा, मुख्य रूप से खुश रहने की आकांक्षा है। यदि कोई सच्चा सुख प्राप्त करने के इस प्रश्न पर विचार करता है, तो व्यक्ति इस निष्कर्ष पर पहुंचेगा कि मनुष्य की प्रसन्नता अंततः उसके व्यवहार पर निर्भर करती है या बाहरी उत्तेजनाओं पर उसकी प्रतिक्रिया और उसके सोचने के तरीकों पर निर्भर करती है, जो उसके आंतरिक कामनाओं, उसकी प्रवृत्तियों और प्राप्त किए गए प्रशिक्षण पर निर्भर करता है।

इसलिए, किसी भी अन्य प्रकार का सुधार हासिल करने के लिए, मनुष्य को अपने दृष्टिकोण, आदतों, व्यवहार और तरीकों में सुधार लाना होगा। इसके लिए उसे दूसरों से कुछ चीजें सीखनी होंगी और कुछ को भुलाना होगा। यदि मनुष्य की सीखने की प्रक्रिया (या गलत चीजों को त्यागना) बंद हो जाती है और जो उसने पहले से सीखा है उसे अभ्यास में लाने की कोशिश और उसकी क्षमता व इच्छाशक्ति समाप्त हो जाती है, तो उसका सुधार और प्रगति भी रुक जाती है।

बहुत से लोग इस तथ्य से अवगत नहीं हैं कि प्रगति का मार्ग कुछ बाधाओं के साथ बनाया गया है, जो कि ज्यादातर मनुष्य की खुद की निर्मिति हैं। इन्हीं में से एक है अपने ज्ञान के बारे में मनुष्य का अभिमान और अहंकार। उसे सिखाना आसान है जिसे अपनी बुद्धिमत्ता पर कोई गर्व नहीं है। लेकिन वह जो खुद को पूरी तरह से बुद्धिमान मानता है, वह दूसरों से कहता है, ''ऐसा कुछ भी नहीं है जो मैं नहीं जानता।'' इस तरह के आदमी को सुधार की पेशकश करना मुश्किल है, क्योंकि वह इस ढंग से मानकर चलता है कि लोग उसकी उपस्थिति में हकलाने लगेंगे, वह किसी भी समय आपा खो देता है किसी को भी किसी भी विषय पर ज्ञान देना शुरू कर देगा।

इसलिए, यदि व्यक्ति सुधार करना चाहता है और उस उद्देश्य के लिए, कुछ बदलावों को स्वीकारने के लिए तैयार है, तो व्यक्ति को आत्म-दंभ छोड़ देना चाहिए क्योंकि यह जीवन की अच्छी चीजों को सीखने और गलत चीजों को भुलाने की संभावना में बाधा डालता है।

मनुष्य की प्रगति की राह में एक और बड़ी बाधा है सांसारिक वस्तुओं के प्रति उसका लगाव, कामुक सुखों की उसकी लालसा, उसकी गहरी भागीदारी की भावना और उसके शरीर के प्रति मोह। मनुष्य को कम ही अहसास होता है कि, लोहे के इस युग में, जब एक आदमी ने अपनी नैतिकता खो दी है, तो सांसारिक चीजें अपने मूल सार से रहित हो जाती हैं। जो व्यक्ति आध्यात्मिक सुधार चाहता है, उसे पता होना चाहिए कि वर्तमान अधर्मी दुनिया में कुछ भी स्थायी नहीं है। क्या गन्ने की छाल किसी चीज के लायक होती है जब उसमें से रस निचोड़ा गया हो? तो क्या दुनिया ने अपना सर्वस्व और सत्य खो दिया है क्योंकि यह विवादित हो गया है।

हमारा यह शरीर कई अलग-अलग बीमारियों से ग्रसित है और यह नश्वर पदार्थ से बना है। तो जो व्यक्ति आत्म-सुधार की इच्छा रखता है, उसे केवल एक निर्धारित प्रयास के साथ, इंद्रियों की वस्तुओं के प्रति लगाव या प्यास को अपने से परे करना चाहिए, अन्यथा, इसका मतलब यह होगा कि व्यक्ति ने बहुत तुच्छ वस्तु के लिए अपना कीमती जीवन खो दिया है या खो रहा है।

यह सब जानते हुए, व्यक्ति को शारीरिक चेतना से छुटकारा पाना चाहिए। इसके लिए पहला कदम है शरीर के 'धर्मों' के प्रति उस लगाव को त्यागना है, जो व्यक्ति के जीवन का अपना सार लूट लेता है, और अपने तन, मन और संपदाओं को दुनिया के कल्याण के लिए समर्पित करता है। इससे मानव में सेवा, समर्पण, त्याग, नम्रता, साथी-भावना, सहिष्णुता, और उच्च चरित्र के सौ-सौ अन्य महान गुणों उत्पन्न होंगे। यह आत्म-सुधार के उसके प्रयासों को तेज करेगा।

इस सप्ताह आपका भविष्य

मधु कोटिया

मेष (मार्च 21-20 अप्रैल)

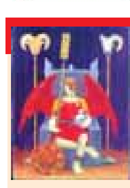

स्वास्थ्य इस सप्ताह आशाजनक लग रहा है। आप में से कुछ अपने स्वास्थ्य को फिर से हासिल कर सकते हैं और रचनात्मकता की एक नई चिंगारी महसूस कर सकते हैं। यह नए स्वास्थ्य देखभाल दृष्टिकोण, विशेष रूप से निवारक देखभाल की कोशिश करने का एक शानदार समय है। व्यायाम करें, अच्छी तरह से खाएं, और आराम करना सामान्य दृष्टिकोण है जिस पर आप पुनर्विचार कर सकते हैं।

शुभ अंक: 10 **शुभ रंग:** सफेद **शुभ दिन:** सोमवार

वृष (अप्रैल 21-21 मई)

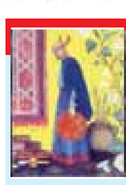

इस सप्ताह स्वास्थ्य के मोर्चे पर कुछ चुनौतियाँ सामने हैं। समस्याएं एक साथ आ सकती हैं और आपको बेचैन कर सकती हैं। अपच, गैस, बीपी और अवसाद आपको सोचने का समय नहीं दे सकते हैं। आपकी भावनाएं और संवेदनशीलता बुरी तरह प्रभावित होती हैं। आपको अधिक समय आराम करने में बिताना चाहिए। करियर के मोर्चे पर, इस सप्ताह आपके कार्य का ग्राफ एक नया मोड़ लेगा।

शुभ अंक: 1 **शुभ रंग:** इंडिगो **शुभ दिन:** शुक्रवार

मिथुन (मई 22-21 जून)

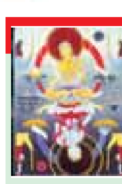

आप चुनौतियों को पार करेंगे और दुनिया के शीर्ष पर महसूस करेंगे। प्रशंसा, घरेलू मोर्चे पर अच्छी तरह से की गई नौकरी के लिए तालियाँ उत्साहवर्धन करेंगी। आपके पास बड़ों का आशीर्वाद है। एक कठिन परिस्थिति को आसान करने के बाद सकारात्मक ऊर्जा के साथ, आंतरिक संतुष्टि भी। आप में से कुछ को बढ़ावा दिया जाएगा और एक महत्वपूर्ण कार्य सौंपा जाएगा जो आपके करियर को बढ़ावा देगा।

शुभ अंक 12 **शुभ रंग:** पीला **शुभ दिन:** शनिवार

कर्क (जून 22-22 जुलाई)

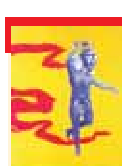

इस सप्ताह आपकी नसों में सकारात्मक ऊर्जा प्रवाहित है। आपको कुछ रचनात्मक कार्यों में इस ऊर्जा का उपयोग करना चाहिए। यह आपके लिए अत्यंत रचनात्मक समय हो सकता है, और आपके लिए एक बच्चे के रूप में सपने देखने, खेलने व आविष्कार करने का उत्तम समय हो सकता है। पेशेवर मोर्चे पर, चीजें आपके पक्ष में जाने की संभावना है। कैरियर स्तर पर उत्कृष्ट समय लगता है।

शुभ अंक : 17 **शुभ रंग:** रजत **शुभ दिन:** शनिवार

सिंह (जुलाई 23-23 अगस्त)

इस सप्ताह आप उलझन में हैं और अपने जीवन की दिशा में बदलाव ला रहे हैं। स्वास्थ्य उतार-चढ़ाव और जीवन की गुणवत्ता को प्रभावित कर रहा है। आपको अपने पिछले व्यवहार के परिणामों को प्राप्त करने के लिए दिशानिर्देशों, परामर्श का एक सत्र चाहिए। इसे सुधारने में कभी देर नहीं होती। कार्य के मोर्चे पर, चुनौतियों का सामना करना पड़ेगा।

शुभ अंक: 16 **शुभ रंग:** सफेद **शुभ दिन:** रविवार

कन्या (अगस्त 24-23 सितम्बर)

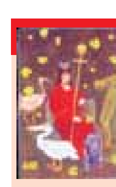

इस सप्ताह आप जीवन में पांच तत्वों को संतुलित करेंगे और शरीर, मन और आत्मा के बीच सामंजस्य स्थापित करेंगे। चल रहे स्वास्थ्य समस्या वाले लोगों को वैकल्पिक चिकित्सा जैसे पोषण परामर्श, मालिश, आहार प्रतिबंध आदि से बहुत लाभ हो सकता है। व्यावसायिक रूप से, आपको अपने कौशल को तेज करने के लिए इस स्तर पर कैरियर परामर्श की आवश्यकता है।

शुभ अंक: 20 **शुभ रंग:** सुनहरा **शुभ दिन:** रविवार

तुला (सितम्बर 24-23 अक्टूबर)

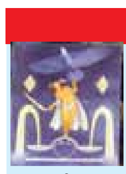

अच्छे स्वास्थ्य के लिए आपके प्रयास इस सप्ताह आपको अच्छी तरह से भुगतान करेंगे। आप ऊर्जावान, रचनात्मक और बहुमुखी महसूस करते हैं। जीवन में एक उद्देश्य है, और आप अपने जीवन को पुनः बनाना चाहते हैं। आप अपने आप को फिट व कायाकल्प रखने के लिए योग, प्राणायाम व कुछ हीलिंग व्यायाम जैसी गतिविधियों में व्यस्त हो जाएंगे। आध्यात्मिकता आपका आत्मविश्वास बहाल करने में मदद करेगी।

शुभ अंक: 11 **शुभ रंग:** आसमानी **शुभ दिन:** गुरूवार

वृश्चिक (अक्टूबर 24-22 नवम्बर)

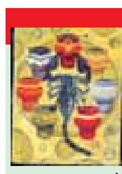

इस सप्ताह आप भारी क्षमता को अनुभव करेंगे। आप आत्मविश्वास से भरे रहेंगे और उत्तम स्वास्थ्य में रहेंगे। स्वास्थ्य चुनौतियों से निपटने या इलाज के वैकल्पिक तरीकों पर विचार करने में संकोच न करें। पेशेवर रूप से, जिस तरह से आपका करियर ग्राफ आगे बढ़ रहा है, आपको एक ब्रेक और पेशेवर परामर्श लेने की आवश्यकता है। बेहतर परिणाम के लिए अपने वरिष्ठ से कुछ सलाह लें।

शुभ अंक: 13 **शुभ रंग:** सुनहरा **शुभ दिन:** मंगलवार

धनु (नवम्बर 23-23 दिसम्बर)

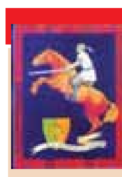

आपको आगे बढ़ने के लिए अतीत के घावों से उबरना होगा। यह ऐसा समय है जब आपको अंतर्मन में देखना चाहिए ताकि डर के क्षेत्रों का विश्लेषण किया जा सके, व चीजों पर पकड़ बनाने की कोशिश की जा सके। किसी के साथ या किसी भी चीज के साथ अनासक्ति आपको चीजों को तय करने की स्वतंत्रता देगी। शरीर के ऊर्जा केंद्रों के बारे में जानें और ध्यान दें कि आप कैसे काम कर रहे हैं।

शुभ अंक: 9 **शुभ रंग:** लाल **शुभ दिन:** मंगलवार

मकर (दिसम्बर 24-20 जनवरी)

यह आपकी रचनात्मकता व आशावाद के लिए शानदार सप्ताह है, और आप मानते हैं कि सब कुछ आपके पक्ष में जाएगा। आप उदार हैं और साझा करने के लिए तैयार हैं। आपने अपनी खामियों को स्वीकार करना और दूसरों को समायोजित करना सीख लिया है। यह आपको वह बनने की ताकत देता है जो आप बनना चाहते हैं। स्वास्थ्य ठीक रहेगा, और आप इसका आनंद लेंगे।

शुभ अंक: 8 **शुभ रंग:** गेहुआं **शुभ दिन:** शुक्रवार

कुम्भ (जनवरी 21-19 फरवरी)

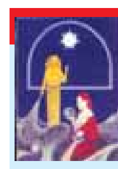

सप्ताह की शुरुआत निरंतर जारी गतिविधियों से होती है जैसे कि बैठक, मेहमानों की उपस्थिति आदि। इससे आपको अपने लिए कोई समय नहीं मिलेगा। आप कड़ी मेहनत कर रहे हैं। ऐसी संभावना है कि आप खुद को चोट पहुंचा सकते हैं या चोट खा सकते हैं। किसी भी अप्रिय स्थिति से बचने के लिए आप ड्राइव करते समय सभी सुरक्षा उपायों का ध्यान रखें। काम के मोर्चे पर, आप सहज महसूस करते हैं।

शुभ अंक : 7 **शुभ रंग:** कत्थई **शुभ दिन:** गुरूवार

मीन (फरवरी 20-20 मार्च)

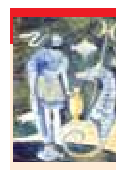

इस सप्ताह आपको क्रोध व उग्रता को कम करने की सलाह दी जाती है। अपने तन की सुनें और उसके अनुसार उपचार करें। परिवार में किसी बड़े की सलाह लें, हो सकता है कि आपकी माँ या चाची। उनके घरेलू उपचार आपको अपनी वर्तमान स्वास्थ्य समस्याओं से राहत दिलाएंगे। कार्य स्तर पर, आप अपने अंतर्बोध का पालन करेंगे और जीवन में जो चाहते हैं उसे प्राप्त करने के लिए अपने स्तर पर पूरी कोशिश करेंगे।

शुभ अंक: 3 **शुभ रंग:** बादामी **शुभ दिन:** शनिवार

कुत्ते का बाह्य वो किताब है जो इंसान की सबसे अच्छी दोस्त है, मगर कुत्ते के मन को पढ़ पाना बहुत कठिन है

- ग्रूचो मार्क्स

लीक से हटकर सोचें

विजुअल ब्लागिंग में करियर बनाने के बारे में सोच रहे हैं ? तो ध्यान में रखें कुछ महत्वपूर्ण बातें।

हाल ही में, उभरते हुए करियर की एक विस्तृत श्रृंखला उपस्थित हुई है जो काफी हद तक गैरपारंपरिक करियर विकल्प हैं क्योंकि ज्यादा से ज्यादा युवा चिकित्सा, कानून और इंजीनियरिंग जैसे करियर विकल्पों से दूर हट गए हैं। फोटोग्राफी, डिजाइन, इवेंट मैनेजमेंट जैसे करियर तेजी से उभर रहे हैं क्योंकि लोग नए-पुराने करियर विकल्पों के बारे में संकीर्ण मानसिकता से मुक्त हो गए हैं। बिजुअल ब्लॉगिंग या व्लॉगिंग, जैसा कि अब यह आमतौर पर चर्चित है, भी एक ऐसी पसंद है जिसने हाल के वर्षों में विशेष रूप से सोशल मीडिया और उच्च-गुणवत्ता वाले स्मार्टफोन कैमरों के आगमन के साथ अपार आकर्षण हासिल किया है। सोशल मीडिया बहुत अधिक ब्लॉगर केंद्रित हो गया है क्योंकि अधिक से अधिक लोग क्षेत्रीय भाषाओं में आकर्षक, संवेदनशील सामग्री चाहते हैं।

हालांकि, तीव्र आसान पहुंच के बावजूद, इसमें से पूर्णकालिक कैरियर बनाने के लिए रणनीति, कौशल और सबसे ज्यादा महत्वपूर्ण, दृढ़ता की आवश्यकता होती है क्योंकि इसमें कई पहलू जुड़े होते हैं जैसे कि एक विशिष्ट पंक्ति को चुनना, सही भागीदारों के साथ काम करना, और ब्रांडों के साथ मुद्रीकरण, आदि।

इसके बावजूद ट्रेक (लाइफ स्टाइल सोशल कॉमर्स प्लेटफॉर्म) के सह-संस्थापक, पुलकित अग्रवाल बताते हैं कि व्यक्ति किस तरह ब्लॉगिंग में पूर्णकालिक कैरियर बना सकता है और इसे लंबे समय तक बनाए रख सकता है।

आवश्यक योग्यता

पूर्णकालिक ब्लॉगिं कैरियर जिस सबसे महत्वपूर्ण चीज की मांग करता है वो सहज अनुवांशिक प्रेरणा। व्लॉगरों को विभिन्न प्रकार की सामग्री को आजमाने व पुनरावृत्ति के लिए तैयार रहना चाहिए, खासकर यदि वे स्वयं को इस क्षेत्र में स्थापित करना और बनाए रखना चाहते हैं। यह एक निरंतर अभ्यास है जहां सामग्री निर्माता अक्सर एक तयशुदा विषय के साथ शुरूआत , लेकिन समापन बिलकुल अलग ढंग से कर सकते हैं। उन्हें, विशेष रूप से अपने करियर की शुरुआत के समय, अपनी रचनात्मक आत्माओं और विचारधाराओं को प्रस्तुत करने और दर्शकों से प्राप्त प्रतिक्रिया या समीक्षा के अनुसार विषय के साथ साथ अपने कौशल को लगातार परिष्कृत करने की आवश्यकता होती है।

इसके अलावा, समर्पित रूप से व्लॉगिंग को आगे बढ़ाने के लिए, व्यक्ति को प्रयोग करने के लिए तैयार रहना चाहिए, अपने सुविधा दायरे से बाहर निकलना चाहिए और अपनी मानसिकता को बदलते रहना चाहिए। एक बार व्लॉगर्स ने खुद को कम से कम एक हद तक स्थापित कर लिया, तो उन्हें ब्रांड या मशहूर हस्तियों के साथ काम करने का अवसर मिलता है, और इन सहयोगों के आधार पर वे अपने करियर का निर्माण कर सकते हैं। आज की तकनीक-संचालित दुनिया इच्दुक ब्लॉगरों को अपने करियर की धमाकेदार शुरूआत करने और खुद का नाम बनाने के लिए अत्याधुनिक बुनियादी ढाँचा प्रदान करती है।

विकास की संभावनाएं

यह एक ऐसा क्षेत्र है जो अपार अवसर प्रदान करता है क्योंकि इसमें कोई सीमाएं या पाबंदियां नहीं है कि फलां के बारे में व्यक्ति अपने ब्लॉग में चर्चा नहीं कर सकता। यह सब ब्लॉगर के जुनून और उनकी रुचि के विषय पर निर्भर करता है। जैसे ही वे अच्छे दर्शकों के जुड़ाव के साथ पर्याप्त संख्या में फॉलोवर्स की गिनती करने लगते हैं और खुद को स्थापित करते हैं, विकास की संभावनाएं असीम हो जाती है चूंकि ब्रांड और दर्शक उसके काम को पहचानने और उस पर भरोसा करने लगते हैं। उन्हें अधिक अवसर मिलने लगते हैं, जिससे उनके ब्लॉगिंग करियर से अधिक कमाई करने का मार्ग प्रशस्त होता है।

हाल ही में एक व्यवसाय द्वारा ऑनलाइन प्रकाशित एक रिपोर्ट में कहा गया है कि आज, श्रेणी-ए सोशल मीडिया प्रभावकर्ता या ऑनलाइन सबसे बड़ा ब्लॉगर, 2 लाख से 15लाख के आसपास कमाते हैं। श्रेणी-बी प्रभावकर्ता 15,000-2लाख के बीच कमाते हैं, जबकि श्रेणी-सी 5,000-20,000 मासिक के आसपास कमाते हैं, और ये संख्या बढ़ने की ही संभावना है।

पूर्ण कालिक ब्लॉगर के रूप में खुद को कायम रखना

डिजिटलीकरण, बढ़े हुए इंटरनेट प्रसार और स्मार्टफोन के बढ़ते उपयोग के परिणामस्वरूप लोगों की एक महत्वपूर्ण संख्या ब्लॉगर में बदल गई है, विशेष रूप से महामारी के बीच, जहां लोग घर के अंदर रहकर खुद को और दूसरों को व्यस्त रखना चाहते हैं। हालांकि, उनमें से उल्लेखनीय आबादी ब्लॉगिंग का काम को शौकीन के रूप में खंगाल सकती है या केवल एक शौक के रूप में इसे आगे बढ़ा सकती है। अपने आप को पूर्णकालिक व्लॉगर के रूप में बनाए रखने के लिए, कुछ चीजें हैं जिनका आपको पालन करने की आवश्यकता है।

उदाहरण के लिए, एक नई अवधारणा तैयार करना और नयी सामग्री के साथ सामने आना जिसमें कि अपने दर्शकों से संवाद होना आवश्यक हो। अन्यथा, आपका करियर बेमानी हो सकता है। नियमित नवोन्मेषन, लीक से हटकर सोचना और नई अवधारणाओं के साथ सामने आना, कुछ ऐसी प्रमुख चीजें हैं जिन्हें आपको एक पूर्णकालिक ब्लॉगर के रूप में खुद को बनाए रखने के लिए करना आवश्यक है।

ब्लॉगर्स : सामग्री परिदृश्य का नया आवश्यक हिस्सा

व्लॉगर्स, आज की दुनिया में, ऐसे कंटेंट क्रिएटर हैं जो विभिन्न प्रकार की सामग्री के साथ लोगों को भागीदारी के अंतर को पाटते हैं क्योंकि हर व्यक्ति की प्राथमिकताएँ भिन्न होती हैं। इसके अलावा, आज के दिन और दौर में जहां सोशल मीडिया कंटेंट सर्वप्रमुख है, व्लॉगिंग एक पूर्णकालिक कैरियर के रूप में इसका उचित श्रेय प्राप्त कर रहा है। सामग्री निर्माण कई व्यवसायों के लिए एक अभिन्न पहलू बन गया है क्योंकि वे नए युग की विपणन रणनीतियों की ओर जाते हैं। व्लॉगिंग प्लेटफॉर्म एक पूर्णकालिक कैरियर के रूप में भी इसकी सुविधा प्रदान कर रहे हैं और उन्हें अपनी सामग्री का मुद्रीकरण करने में सक्षम बनाने के लिए मजबूत बुनियादी ढाँचा बनाने में सहायता कर रहे हैं।

भावी संभावनाएं

स्टैटिस्टा के अनुसार, 2019 में हमारी आबादी का 46.44 प्रतिशत हिस्सा सामाजिक नेटवर्क तक पहुंच रहा था। 2020 में, भारत में उपलब्ध मनोरंजन क्षेत्रों पर प्रतिबंध लगने से यह संख्या बढ़कर 50 प्रतिशत से अधिक हो गई। यह अनुमान लगाया गया है कि 2025 तक यह संख्या बढ़कर 67 प्रतिशत हो जाएगी। ब्लॉगिंग एक आला गतिविधि रही है, मगर, हाल तक, बहुसंख्यक लोगों को पूर्णकालिक कैरियर के रूप में इसे आगे बढ़ाने हेतु अच्छी तरह से तैयार नहीं किया गया है।

मानसिक स्वास्थ्य रोग कोविड19 के बाद होने वाली अगली महामारी

बार्सिलोना इंस्टीट्यूट फॉर ग्लोबल हेल्थ (आईएसग्लोबल) द्वारा जारी एक अध्ययन के अनुसार, वैश्विक कोविड -19 संकट के कारण मानसिक स्वास्थ्य समस्याएं अगली महामारी होंगी। समाचार एजेंसी सिन्हुआ ने सोमवार को अपनी प्रस्तुति के दौरान कहा कि लोगों के मानसिक स्वास्थ्य पर एक साथ कई तंत्रों द्वारा हमला किया गया है और इसमें तत्काल कार्रवाई की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं से जुड़ी वैश्विक आर्थिक लागत एक ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर प्रति वर्ष हो गई है और 85 प्रतिशत मानसिक विकार वाले लोग गरीब व मध्यम आय वाले देशों में इलाज नहीं करा सके, जिससे

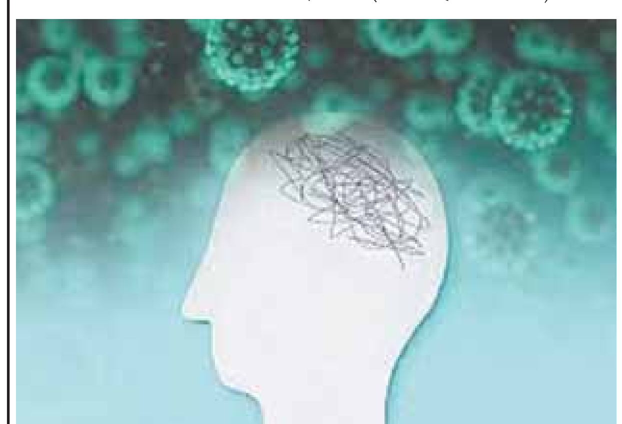

'अभूतपूर्व वैश्विक संकट' पैदा हो गया।

'कोविद -19 महामारी ने लोगों के स्वास्थ्य को प्रभावित किया है, लेकिन उनके व्यक्तिगत लक्ष्य, उनके परिवार की गतिशीलता, काम पर उनकी भूमिका और उनकी आर्थिक स्थिरता भी प्रभावित हुई है,' उन्होंने समझाया। सोमवार को सिन्हुआ न्यूज ऐजेंसी के अध्ययन के लेखकों ने अपनी प्रस्तुति के दौरान कहा कि लोगों का मानसिक स्वास्थ्य साथ ही साथ अनेक तंत्रों द्वारा जबरदस्त हमले का शिकार हुआ है और इसमें तत्काल कदम उठाने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं से संबंधित वैश्विक आर्थिक लागत एक खरब अमरीकी डालर सालाना तक पहुंच गयी है और उनमें से मानसिक समस्याओं वाले 85 प्रतिशत लोगों को गरीब एवं मध्यम आय वाले देशों में इलाज नहीं प्राप्त हो सका, जिसके कारण 'अप्रत्याशित वैश्विक संकट' खड़ा हुआ है। उन्होंने स्पष्ट किया, 'कोविड-19 महामारी ने लोगों के स्वास्थ्य को प्रभावित किया है, लेकिन उनके व्यक्तिगत लक्ष्यों, उनके पारिवारिक जीवन, काम पर उनकी भूमिका एवं उनकी आर्थिक स्थिरता को भी प्रभावित किया है।' इस संकट को गहरा करने वाले अन्य कारकों में परिवार की भूमिकाओं में सुधार, घरेलू हिंसा, अलगाव, अकेलापन, परिवार या दोस्तों की हानि के कारण दु:ख, सामान्यीकृत चिंता, पेशेवर निराशा और अभिघातजन्य तनाव शामिल हैं। अध्ययन में यह भी बताया गया है कि कोविद -19 के साथ 30 से 60 प्रतिशत रोगियों में उनके केंद्रीय और परिधीय तंत्रिका तंत्र प्रभावित होते हैं, जिससे विभिन्न समस्याएं उत्पन्न होती हैं। डिलेरियम यानी सन्निपात कोविड -19 रोगियों द्वारा सामना किया जाने वाला सबसे प्राय: और तीव्र न्यूरोसाइकियाट्रिक सिंड्रोम है, जिसके बाद अवसाद और चिंता की स्थिति उत्पन्न होती है, जबकि अवसाद और थकान अधिक लंबे समय तक रहने वाली स्थितियां हैं। आईएस ग्लोबल ने बेरोजगारी से उत्पन्न समस्याओं, प्रियजनों की अप्रत्याशित हानि, अकेलेपन और अलगाव से निपटने के लिए सामाजिक सुरक्षा रणनीतियां बनाने के लिए आग्रह किया है जो बुनियादी सेवाओं के प्रावधान की गारंटी करती हों और जिनसे जरूरतमंद परिवारों की मदद के लिए सामाजिक सेवाओं का वित्तपोषण होता हो।

पेज 1 का शेष

बस खेलो

हमारे खेल रचनात्मक किस्सागोई, एनिमेटेड पात्रों और अभिनव बातचीत पर विकसित हुए हैं जो सीखने को सुखद बनाते हैं। बच्चे को खेल खेल में सीखता देखने और पूछने पर अंतर को बता न पाने से बढ़कर, और अधिक खुशी की बात कोई नहीं होती है।'

ये खिलौने कैसे काम करते हैं

वास्तविक (या प्रत्यक्ष) और डिजिटल (या आभासी) दुनिया के बीच की कड़ी, है संवर्धित वास्तविकता, यह एक संवादात्मक अनुभव है जो दोनों दुनियाओं को मिश्रित करती है। गेमिंग में, एआर प्रत्यक्ष खिलौने और स्मार्टफोन या टैबलेट के बीच की खाई को पाटता है। उदाहरण के लिए, कुछ खेलों को आपकी जरूरत होती है कि आप कहानी में आगे बढ़ने के लिए वास्तविक दुनिया की वस्तु को स्कैन करने के लिए अपने स्मार्टफोन का उपयोग करें। अगर वास्तविक दुनिया की वस्तु बाघ का फ्लैशकार्ड है, तो स्मार्टफोन स्क्रीन पर इंटरैक्टिव छवि, वीडियो या जानवर का एक 3 डी डाटा प्रस्तुत करता है। कुछ खेलों में, लक्ष्य अपने स्मार्टफोन से अपने वास्तविक परिवेश को स्कैन करके छिपी हुई वस्तुओं को ढूंढना हो सकता है।

गोयल जानकारी देते हैं, 'एक वस्तु को जीवन की ओर लाने की संभावना आकर्षक और रोमांचक है। यदि उपलब्ध विषय यह है कि जानवर अपने प्राकृतिक आवास में कैसे रहते हैं, तो एआर इसे 3 डी मॉडल के माध्यम से सिखा सकता है। छोटे बच्चे कहानियों और सरल खेलों के माध्यम से, जानवरों द्वारा बनाई गई ध्वनियों को सुन सकते हैं और उनके खाने की आदतों को समझ सकते हैं। इस बीच, बड़े बच्चे संवादात्मक एवं सूचनात्मक खेलों के माध्यम से खाद्य श्रृंखला और जटिल पारिस्थितिकी प्रणालियों के बारे में जान सकते हैं।'

एआर सीखने के कई रास्ते तलाशना और जानकारी के विभिन्न हिस्सों को विजुअल व आसान तरीके से समझना संभव बनाता है। जहां एक नियमित मानचित्र आपको देशों और राजधानियों के बारे में बताता है, वहीं एक एआर-संचालित ग्लोब सीखने को एक नए स्तर पर ले जाता है। यह बटन के एक स्पर्श पर, न केवल भूगोल सिखाता है, बल्कि आपको विभिन्न संस्कृतियों, व्यंजनों, स्मारकों व जानवरों से भी परिचित कराता है। सामरिक खेल और डिजिटल कथावाचन के साथ जुड़कर, एआर खिलौने दोनों दुनियाओं के सर्वश्रेष्ठ को एक साथ लाते हैं। विभिन्न डिजिटल तत्व जैसे ऑडियो, वीडियो, चित्र और 3 डी सामग्री, खिलौने के भौतिक घटकों के साथ घुलमिल जाते हैं, जिससे सीखने की एक अनूठी और समावेशी प्रक्रिया बन जाती है। एआर तकनीक बच्चे को उनके आसपास की दुनिया के साथ बातचीत करने में भी मदद करती है और दो-तरफा अन्तरक्रियाशीलता का निर्माण करती है, जहाँ बच्चे को लगता है कि जो वह सीख रहा है उस पर उसका पूरा नियंत्रण है।

इसके अलावा, एआर त्वरित प्रतिक्रिया की एक प्रणाली बनाता है जो बच्चे को अधिक जानने और अधिक सटीक होने के लिए प्रेरित करती है। अधिकांश एआर खिलौने एक प्रगति रिपोर्ट या ग्राफ प्रदान करते हैं, जो आपके बच्चे के सीखने की अवस्था और प्रगति का वैयक्तिक मूल्यांकन है। इस रिपोर्ट की समय-समय पर निगरानी और जांच की जा सकती है।

एक बढ़ता हुआ उद्योग

दुनिया भर में तकनीक-सक्षम खिलौने उभार पर हैं। अकेले अमेरिका में ही, तकनीक-सक्षम खिलौना विभाग में 36 प्रतिशत की वृद्धि हुई जब समग्र खिलौना उद्योग लगभग गतिरोध ग्रसित हो गया था। भारत में यह खंड और भी अधिक तेजी से उभर रहा है। आने वाले वर्षों में, हम इस विकास की प्रवृत्ति को आगे बढ़ता हुआ देखते हैं।

इस उद्योग में मुट्ठी भर कंपनियां काम कर रही हैं। गोयल कहते हैं, 'इस खंड में उपभोक्ता वाह कारक के लिए नहीं बल्कि स्थायी प्रभाव और उपयोग के संदर्भ में तकनीक को खरीदते हैं,। आज नहीं तो कल, इस उद्योग में हर कंपनी सार्थक अनुभव रचेगी जो एक महत्वपूर्ण उद्देश्य है, जो एआर / वीआर प्रौद्योगिकी के आधार पर बनाया गया है।'

शाप या वरदान

चूंकि बच्चे खेल-आधारित शिक्षण के शौकीन हैं और संवर्धित वास्तविकता वाले खिलौने बच्चों में जीवन-कौशल को बढ़ाने में मदद करते हैं। ये एआर खिलौने और खेल उनके डिजिटल कौशल के साथ-साथ उनके संज्ञानात्मक कौशल को बेहतर बनाने में मदद करते हैं। वे बच्चों के लिए शिक्षा और मनोरंजन के संयोजन में सबसे आगे रहे हैं। विभिन्न शोधों का भी कहना है कि मस्तिष्क में रचनात्मक सोच मुख्यतया बच्चों के शुरुआती उम्र के दौरान विकसित होती है। बच्चे बिना किसी विशिष्ट प्रशिक्षण के कहानियां सुनाते हैं, गाते हैं, , नृत्य करते हैं और लिखते हैं, चित्र बनाते हैं क्योंकि बच्चे का मस्तिष्क चीजों के प्रति तार्किक होने के बजाय उन्हें सीखने और उनकी कल्पना करने के लिए स्वतंत्र होता है।

मिरेकल मेडिक्लीनिक, गुरूग्राम के नियोनेटोलॉजी और बाल रोग विभाग के प्रमुख, डॉ रोहित अरोड़ा कहते हैं, 'यह अभी भी स्वयं शिक्षण के समान नहीं है, लेकिन शायद अगली सबसे अच्छी बात है और निश्चित रूप से निष्क्रीय रूप में टीवी स्क्रीन और टैबलेट और मोबाइल देखने से तो बेहतर है। संवर्धित वास्तविकता वाले खिलौने बच्चे की कल्पना शक्ति में सुधार करते हैं क्योंकि उन्हे रेखांकन करने, पेंट करने, लिखने और कहानियों को वैसे ही बताने का अवसर मिलता है, जैसे वे चाहते हैं। इसके अलावा, ये खिलौने बच्चे के लिए दोस्तानापूर्ण और चलाने में सुरक्षित हैं, क्योंकि उनमें कोई जीवित तार या नुकीलापन नहीं होता है।' उनका कहना है कि कम उम्र के तकनीक-प्रेमी बच्चों के लिए, एआर खिलौने उनके मस्तिष्क विकास को बढ़ावा देने के लिए कुछ अतिरिक्त प्रदान करते हैं। डा अरोड़ा कहते हैं, 'इंटरएक्टिव एआर खिलौने उन्हें उनके सुविधा स्तर पर जानकारी को समझने और उसे लंबे समय तक बनाए रखने में मदद कर सकते हैं। ये खिलौने एक बच्चे के दृष्टिकोण से आकर्षक, प्रयोगात्मक और तल्लीन करने वाले हैं।'

हालांकि, विशेषज्ञ चेतावनी देते हैं कि एआर गेम बच्चों की दृष्टि पर हानिकारक प्रभाव डाल सकते हैं। इससे वास्तविकता से दूर हटने का एक खतरा है क्योंकि वे अधिकांशतया प्रत्यक्षतया संवाद नहीं कर सकते हैं। ये खिलौने बच्चों के लिए नशे की लत बन सकते हैं, और वे युवा मनों में भ्रम पैदा कर सकते हैं।

मैनेजिंग ट्रस्टी पोद्दार फाउंडेशन में मेंटल हेल्थ एट राऊंड ग्लास की ग्लोबल हैड, प्रकृति पोद्दार कहती हैं, 'वीडियो गेम और एप्लिकेशन के विपरीत, एआर खिलौने स्पर्श कौशल के साथ मोटर कौशल विकास में भी सहायता करते हैं। हालांकि, एआर खिलौनों पर बहुत ज्यादा निर्भर होना छोटे बच्चों में सामाजिक कौशल के विकास को प्रभावित कर सकता है। स्क्रीन के साथ अतिरेक स्तर पर जुड़ाव होना उनके एकाग्रता स्तर को प्रभावित कर सकता है और उन्हें समर्पणकारी बना सकता है।'

बच्चों के भावनात्मक स्वास्थ्य पर स्क्रीन समय के प्रभाव का आकलन करते हुए, विश्व स्वास्थ्य संगठन ने दो से कम उम्र के बच्चों के लिए कोई स्क्रीन समय नहीं रखने तथा दो से चार वर्ष की आयु के लोगों के लिए दिन में अधिकतम एक घंटे देखने की सिफारिश की है। पोद्दार कहती हैं कि बच्चों द्वारा अत्यधिक मोबाइल टीवी देखने से बच्चों में स्वयं पर भरोसा करने की क्षमता में गिरावट आ सकती है विशेष रूप से संकट या तनाव के समय में, स्क्रीन पर ज्यादा समय बिताना उनकी एकाग्रता, ध्यान और परानुभूति की भावना को घटाता है।

दीर्घकालिक प्रभाव से पीड़ित कोविड संक्रमित

एक अध्ययन के अनुसार, हल्के कोविड-19 के आठ महीने बाद, दस में से एक व्यक्ति कम से कम एक मध्यम से गंभीर लक्षण को अनुभव करता है, जिसका उनके काम पर, सामाजिक, या व्यक्तिगत जीवन पर, नकारात्मक प्रभाव पड़ता है। जामा नामक जर्नल में प्रकाशित अध्ययन में पाया गया कि सबसे आम दीर्घकालिक लक्षण हैं कि गंध और स्वाद खो जाता है और थकान महसूस होती है।

स्वीडन के डैंडरिड अस्पताल और कारोलिंस्का इंस्टीट्यूट के शोधकर्ताओं ने पिछले साल वसंत के बाद से तथाकथित संचार अध्ययन कराया है, जिसका मुख्य उद्देश्य कोविड-19 के बाद प्रतिरक्षण की जांच करना है।

डैंडरीड अस्पताल और कारोलिंस्का इंस्टीट्यूट में कम्युनिटी अध्ययन के प्रमुख शोधकर्ता चार्लोट थालिन ने कहा ''हमने अपेक्षाकृत युवा और स्वस्थ व्यक्तियों के स्वस्थ समूह में हल्के कोविड-19 संक्रमण के बाद उसके दीर्घकालिक लक्षणों की उपस्थिति की जांच की है, और हमने पाया है कि प्रमुख दीर्घकालिक लक्षण गंध और स्वाद का नुकसान हुआ है।'

थालिन ने कहा, ''प्रतिभागियों और कोविड-19 वाले लोगों में थकान और सांस की समस्या भी अधिक होती है, लेकिन यह एक समान सीमा तक नहीं होती है।''

अध्ययन के पहले चरण में, डैंडरीड अस्पताल में 2,149 कर्मचारियों से रक्त के नमूने एकत्रित किए गए थे, जिनमें से लगभग 19 प्रतिशत लोगों में सार्स-कोव-2 के खिलाफ एंटीबॉडीज थे।

शोधकर्ताओं ने हर चार महीने में रक्त के नमूने एकत्र किए, और अध्ययन प्रतिभागियों ने दूरगामी लक्षणों व जीवन की गुणवत्ता पर उनके प्रभाव से संबंधित प्रश्नावली का जवाब दिया। इस साल जनवरी में तीसरे फालो-अप में, टीम ने कम से कम आठ महीने पहले हल्के कोविड -19 से संक्रमित प्रतिभागियों द्वारा स्वयं भेजी गयी रिपोर्ट की जांच की जिसमें मरीजों द्वारा दीर्घकालिक लक्षणों की लंबी उपस्थिति और काम, सामाजिक और घरेलू जीवन पर उनके प्रभाव की उपस्थिति का विवरण दिया गया था।

इस समूह में 323 स्वास्थ्यकर्मी शामिल थे, जिनमें 43 प्रतिशत महिलाएं थीं, जिनकी औसत आयु 43 वर्ष है - और उनकी 1,072 ऐसे स्वास्थ्यसेवा कार्यकर्ताओं के साथ तुलना की गई, जिसमें कि औसत आयु 47 वर्ष के साथ 86 प्रतिशत महिलाएं शामिल थीं, जिन्हें अध्ययन अवधि के दौरान कोविड-19 का संक्रमण नहीं हुआ था।

परिणाम बताते हैं कि नियंत्रण समूह में नौ प्रतिशत की तुलना में कोविड-19 वाले 26 प्रतिशत में, कम से कम एक - मध्यम से गंभीर लक्षण थे जो दो महीने से अधिक तक मौजूद रहे थे। शोधकर्ताओं के अनुसार, नियंत्रण समूह में 2 प्रतिशत की तुलना में लगभग 11 प्रतिशत लोगों में काम, सामाजिक या घरेलू जीवन पर नकारात्मक प्रभाव वाला कम से कम एक लक्षण था। उन्होंने कहा कि सबसे आम दीर्घकालिक लक्षण गंध और स्वाद का जाना था और थकान और सांस संबंधी समस्याओं का बने रहना था।

हालांकि, शोधकर्ताओं ने संज्ञानात्मक लक्षणों जैसे मस्तिष्क की थकान, स्मृति और एकाग्रता की समस्याओं या मांसपेशियों व जोड़ों के दर्द, दिल की धड़कन या लंबे समय तक बुखार होना जैसे शारीरिक विकारों का एक व्यापक प्रसार नहीं देखा।

इस तथ्य के बावजूद कि अध्ययन के प्रतिभागियों को हल्का कोविड-19 संक्रमण था, मगर जीवन की गुणवत्ता पर प्रभाव के साथ अपेक्षाकृत बड़े स्तर पर दीर्घकालिक लक्षण की मौजूदगी पाई गयी है, उन्होंने कहा। करोलिंस्का इंस्टीट्यूट में परियोजना में पीएचडी के छात्र, सेबस्टियन हावेरवेल ने कहा,, ''इसके प्रकाश में, हम मानते हैं कि युवा और स्वस्थ व्यक्तियों, साथ ही साथ समाज के अन्य समूहों में, वायरस के प्रति बहुत गंभीरता होनी चाहिए जो जीवन की गुणवत्ता को काफी कमजोर करने में सक्षम प्रतीत होता है, यहां तक कि संक्रमण के बाद भी, लंबे समय तक। '' शोधकर्ताओं ने कहा कि कम्युनिटी अध्ययन जारी रहेगा, मई में अगर्ली कार्रवाई के साथ जब अध्ययन के प्रतिभागियों के एक बड़े हिस्से को टीका लगने की उम्मीद है।

यह बॉडी पॉजिटिविटी मूवमेंट जो अब हो रहा है, वह आश्चर्यजनक है लेकिन जब मैं छोटी थी, तो ऐसा नहीं था। मुझे अपने शरीर के बारे में बहुत सारी नकारात्मक बातें सुनने को मिलीं और मैं बस इसके साथ रहती थी।

-कैट डेनिंग्स

भारत के पहले अंडरवाटर डांसर उर्फ जयदीप गोहिल अपने डांस मूव्स के साथ पानी में स्टेज सेट कर रहे हैं और दर्शकों के लिए अद्भुत ढंग से रीमिक्स म्यूजिक वीडियो प्रस्तुत करने की तैयारी में हैं। उनसे विस्तृत बातचीत की है मुस्बा हाशमी ने

सांस लेने की फुर्सत नहीं

सुपरहीरोज से, हर समय, सुपर शक्तियां होने की उम्मीद की जाती हैं जो उन्हें बचाव मार्ग पर आगे बढ़ने और दुनिया को बुराई की नजर से बचाने में मदद कर सकते हैं। हालांकि, सभी सुपरहीरोज जादुई शक्तियों के साथ पैदा नहीं होते हैं, कुछ समय के साथ इसे विकसित करते हैं।

आपकी पसंदीदा सुपरहीरोज की सूची का नवीनतम संस्करण हाइड्रोमैन हो सकता है। वह कौन है, आप पूछें? एक अजूबा या एक बॉलीवुड चरित्र? इनमें से कोई नहीं। राजकोट के 26 वर्षीय मैकेनिकल इंजीनियर, जयदीप गोहिल ने अपने अंडरवाटर स्टंट्स और डांस मूव्स के जरिए इंटरनेट पर तूफान ला दिया है। संक्षेप में कहें तो वह पानी पर राज करते हैं।

गोहिल के लिए, इसकी शुरूआत तैराकी के जुनून के साथ हुई। पाँच साल की उम्र में, उन्हें नदी-तट पर नहाने के लिए लाया गया था। तब से, पानी उसका दोस्त बन गया। हालाँकि, यह जुनून हाशिए पर चला गया जब डांस उनकी किस्मत का महत्वपूर्ण हिस्सा बना।

वो एक बहुत खूबसूरत दिन था, जब उसके पिता ने हंसी मजाक में, उसे पानी में डांस करने के लिए कहा। भले ही वो एक विचार कितना धुंधला था, मगर इसने गोहिल के मन में जगह जमा ली।

गोहिल बताते हैं, ''तभी मैंने सोचा कि क्यों न पानी के अंदर डांस किया जाए।'' मैंने इस आर्ट फॉर्म पर शोध करना शुरू किया। मैं कुछ अंतरराष्ट्रीय कलाकारों से भी प्रेरणा लेना चाहता था। हालांकि, मेरे लिए आश्चर्य था कि , मुझे एहसास हुआ कि ऐसा करने वाला कोई नहीं था। ''

अब गोहिल के पास प्रयोग करने और गलतियों से सीखने के अलावा कोई विकल्प नहीं था। उन्होंने एक स्थानीय स्विमिंग पूल में जाने और अपनी सोच को लागू करने का फैसला किया।

वह बताते हैं कि शुरुआत में, यह समझना मुश्किल था कि शुरुआत कहाँ से की जाए। धीरे-धीरे, मैंने गीतों को कोरियोग्राफ करना शुरू किया और उनका पानी के अंदर अभ्यास किया। मैं इसे तब तक करता रहा जब तक कि मुझे अपने मूव्स पर नजर रखने के लिए दर्पण की आवश्यकता का एहसास नहीं हुआ।

बिना अनुमान लगाए, कि आगे क्या हुआ - गोहिल ने अपने घर में अभ्यास टैंक बनवा लिया था। इससे उन्हें अभ्यास के लिए अधिक समय मिला और साथ ही अपने मूव्स को देखने में भी मदद मिली।

इस प्रक्रिया में एक और समस्या यह थी कि केवल वही थे जो जानते थे कि वो पानी के अंदर क्या कर रहा था। मकसद था दुनिया के सामने इस कला का प्रदर्शन करना।

गोहिल बताते हैं, ''मैंने एक कैमरा खरीदने का फैसला किया। इसके बाद जो चीज मुझे चाहिए थी वह थो ट्राइपॉड। अपने परिवार पर बहुत अधिक आर्थिक बोझ नहीं डालने के लिए, मैंने खुद अपने पिता की कार्यशाला में इसे बनाने का फैसला किया।''

हालाँकि, कैमरे ने भी बहुत ज्यादा मदद नहीं की, क्योंकि गोहिल खुद को ठीक ढंग से शूट नहीं कर पाते थे - कभी-कभी वह फ्रेम से बाहर हो जाते थे, जबकि कभी कभी किसी अन्य कारण से कैमरा उन्हें छांट देता था।

> मैं उन कुछ लोगों में से हूं, जो आसानी से, इसे खींच सकते हैं। मेरे शरीर की तुलना में मेरे फोर लिम्ब्स बड़े हैं। इससे मुझे तैराकी करते समय अपना संतुलन बनाए रखने में मदद मिलती है। कहने का आशय यह नहीं कि पानी मेरा आराम क्षेत्र है।

अगली चीज जो गोहिल सोच सकते थे, वो था एक शीशे का बा टैंक। जैसा कि यह सिर्फ कहने में आसान लग सकता है मगर गोहिल को अपने वास्तुकारों से पूर्णतया इंकार का सामना करना पड़ा, फिर, आखिरकार एक इसे बनाने पर राजी हो गया।

गोहिल के मुताबिक, ''कई लोगों ने हमें बताया कि यह संभव नहीं था। उन्होंने कहा कि अगर मैं वहां गया तो यह टुकड़े-टुकड़े हो जाएगा। लेकिन मैंने कोशिश करना बंद नहीं किया। अंत में, मेरे पिता के मित्र ने कहा कि वह मदद कर सकते हैं। दुबई में डिजाइनर के निर्देशों के आधार पर हम आखिरकार एक टैंक बनाने में कामयाब हुए। 24 मिमी ग्लास से निर्मित यह टैंक, मेरे लिए एक सपने जैसा था।''

अब, ग्लास टैंक गोहिल के साथ हर जगह की यात्रा करता है। इसके प्लेसमेंट के लिए क्रेन की जरूरत होती है।

जबकि यह सब गोहिल की यात्रा के बारे में था, जिसे पढ़कर कोई भी उत्साहित हो सकता है कि वह इसे कैसे खींच कर ले जाते हैं। इसके पीछे कोई रॉकेट साइंस नहीं है।

गोहिल बताते हैं,'' मैं उन कुछ लोगों में से हूं, जो आसानी से, इसे खींच सकते हैं। मेरे शरीर की तुलना में मेरे फोर लिम्ब्स बड़े हैं। इससे मुझे तैराकी करते समय अपना संतुलन बनाए रखने में मदद मिलती है। कहने की आशय यह नहीं कि पानी मेरा आराम क्षेत्र है। जब लोगों को यह असंभव लगता है, तो मैं अक्सर अपने आपमें सोचता हूं, वे ऐसा क्यों महसूस करते हैं? यह आसान है। ''

गोहिल के अधिकांश प्रस्तुतियां पांच मिनट की होती हैं। वह बिना ज्यादा हरकत के साढ़े तीन मिनट तक पानी में रह सकते हैं। लेकिन अपने प्रदर्शन के दौरान, वह ऑक्सीजन के लिए लगातार ब्रेक लेना सुनिश्चित करते हैं। ''ये विराम स्पष्ट नहीं हो सकते हैं। हम दर्शकों को यह नहीं बता सकते कि मैं सांस लेने के लिए टैंक तक जा रहा हूं। इससे उनका ध्यान हटेगा। मैं इसे सहज दिखाने के लिए चरणों को संशोधित करता हूं। उदाहरण के लिए, यदि मैं फ्लिप या एक पलटी ले रहा हूं, तो मैं सांस लेता हूं और फिर नीचे आता हूं। यह सब सिंक में होता है। '' वह बताते हैं।

गोहिल की कला उन्हें इंडियाज गॉट टैलेंट में ले जाने के लिए पर्याप्त थी, साथ ही उन्हें शो में अक्षय कुमार के साथ अपने अंडरवाटर स्टेज को साझा करने का मौका भी मिला। इसके बाद सभी नाम और प्रसिद्धि हासिल हुई। हालाँकि, यह अल्पकालिक था।

वह कहते हैं, ''एक समय था जब मेरे पास छह महीने तक कोई काम नहीं था। लोग मुझे भूलने लगे थे। इसने मेरे क्षेत्र में मेरे अस्तित्व पर सवाल खड़ा कर दिया। मैं निराश था और मैंने अपने पिता से पूछा कि क्या मैं उनकी कार्यशाला में शामिल हो सकता हूं। उन्होंने मुझे अपने कला पर ध्यान केंद्रित करने के लिए कहा।''

इसने गोहिल को प्रभावित किया, लेकिन लंबे समय तक नहीं। उन्होंने अपनी कला को बेहतर बनाने और बेहतर अवधारणाओं के साथ आने हेतु समय का उपयोग किया।

अगर आपको लगता है कि यह उनके जीवन के उतार-चढ़ावों का अंत है, तो ऐसा नहीं है, अभी कई और चुनौतियां आने वाली हैं।

''2016 में, मुझे भारत के पहले और सबसे बड़े वॉक-इन एक्वेरियम हेतु चेन्नई में शो के लिए बुलाया गया था। यह आपको सुंदर लग सकता है। लेकिन, यहाँ एक समस्या है। मुझे एक्वेरियम में 10 शार्क के साथ परफॉर्म करना था। यह, शुरू में, काल्पनिक लग रहा था। लेकिन फिर, उन्होंने समझाया कि मुझे एक गीला सूट पहनना है, यानी वो सूट जो उनके कर्मचारी पहनते हैं जब वे उन्हें खिलाने जाते हैं और यह अच्छी तरह से काम करेगा' गोहिल बताते हैं।

उस एक्वेरियम में अभ्यास सत्र के दौरान 10 लगभग अजनबी साथियों के साथ, गोहिल के पास बचाव का रास्ता बेहद संकीर्ण था।

गोहिल याद करते हुए बताते हैं, ''मूल बात जो हमें पता होनी चाहिए कि शार्क को बिल्कुल भी नहीं छूना है। यदि आपने किया, तो यह निश्चित रूप से आपको काटेगा और इसे आपके रक्त का स्वाद मिलेगा, और फिर आपको दुनिया को अलविदा कहने के लिए तैयार हो जाना चाहिए। मुझे एहसास नहीं हुआ, और नृत्य करते समय, मेरा हाथ एक शार्क को छूने वाला था। मेरे कैमेरा पर्सन जो एक्वेरियम के बाहर से शूटिंग कर रहे थे, उन्हें एक हल्का हार्टअटैक लगा। उसने तुरंत मुझे रुकने और बाहर आने का इशारा किया। जब मैंने बाहर आया तो उसने मुझे उस गलती की फुटेज दिखाई जो मैं करने वाला था।'' इसने निश्चित रूप से गोहिल में शो को छोड़ने और वापस जाने का प्रबल भाव उत्पन्न किया, लेकिन वह जानते थे कि यह काम करने का पेशेवर तरीका नहीं था। '' मैंने इसे पूरा किया और धीरे-धीरे मेरा डर भी दूर हो गया। मैंने छह दिनों के लिए एक दिन में चार 15 मिनट के शो किए। '' गोहिल, जो प्रतिष्ठित बहुभाषी पॉप-लोक बैंड ' व्हेन चाई मेट टोस्ट' के सहयोग से एंड फ्लिक्स के संगीत वीडियो ऑसम इन डिसगाइज में काम कर रहे हैं आपको बताते हैं। गोहिल वीडियो का हिस्सा बनकर और अपने काम को और अधिक पहचान पाते देखकर खुश और बेहत उत्साहित हैं।

लोकप्रिय तमिल कॉमेडियन विवेक का निधन, पुलिस सम्मान के साथ होगा अंतिम संस्कार

चेन्नई। लोकप्रिय तमिल अभिनेता विवेक का यहां शनिवार को निधन हो गया। अभिनय के अलावा उन्हें सामाजिक कार्यों में भाग लेने और पर्यावरण संरक्षण को प्रोत्साहित करने के लिए जाना जाता था।

एसआईएमएस अस्पताल के वाइस प्रेजिडेंट डॉ राजू शिवसामी ने बताया कि 59 वर्षीय अभिनेता का तड़के निधन हो गया।

इस बीच, सरकार ने कहा कि फिल्म जगत और सामाजिक कार्यों में योगदान देने के लिए विवेक का अंतिम संस्कार पुलिस सम्मान के साथ किया जाएगा।

दिवंगत अभिनेता के परिवार में उनकी पत्नी, और दो बेटियां हैं। कुछ साल पहले विवेक के किशोर बेटे का निधन हो गया था।

शुक्रवार को अभिनेता को दिल का दौरा पड़ा जिसके बाद उनके परिजन उन्हें अचेत अवस्था में अस्पताल लेकर आए थे। प्रख्यात कॉमेडियन विवेक ने दो सौ से अधिक फिल्मों में काम किया था और उन्हें पर्यावरण संरक्षण में सक्रिय भूमिका निभाने के लिए जाना जाता था। पद्मश्री से सम्मानित अभिनेता ने अपने करियर में रजनीकांत, विजय और अजित कुमार जैसे कलाकारों के साथ काम किया था। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, मुख्यमंत्री के. पलानीस्वामी, द्रमुक अध्यक्ष एम के स्टालिन, रजनीकांत, मक्कल नीधि मय्यम के नेता कमल हासन समेत कई नामचीन हस्तियों ने विवेक के निधन पर शोक प्रकट किया। पलानीस्वामी ने कहा, वह युवाओं के लिए आदर्श थे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण में विवेक ने सरकार की पहल का पुरजोर समर्थन किया था और प्लास्टिक के इस्तेमाल पर लगाम लगाने की दिशा में काम किया था।

उन्होंने कहा कि विवेक पूर्व राष्ट्रपति एपीजे अब्दुल कलाम के बड़े प्रशंसक थे और ग्रीन कलाम पहल के तहत उन्होंने एक करोड़ पौधे लगाने में सक्रिय भूमिका निभाई थी।

हैरी पॉटर और पीकी ब्लाइंडर्स की अभिनेत्री हेलेन मैकक्रोरी नहीं रहीं

लंदन। लोकप्रिय फिल्म हैरी पॉटर और पीकी ब्लाइंडर्स सीरीज में काम कर चुकी ब्रिटिश अभिनेत्री हेलेन मैकक्रोरी का 52 साल की उम्र में निधन हो गया। उनके पति डेमियन लेविस ने ट्विटर पर इसकी पुष्टि की। लेविस ने शुक्रवार को लिखी पोस्ट में कहा कि अभिनेत्री को कैंसर था। उन्होंने कहा, दुखद सूचना है कि कैंसर से जूझते हुए खूबसूरत और जीवट हेलेन मैकक्रोरी का घर पर निधन हो गया। उनके दोस्त और परिजन का प्रेम उनके साथ है। हैरी पॉटर की लेखिका जे के रॉलिंग ने भी मकक्रोरी के निधन पर ट्विटर पर शोक व्यक्त किया।

18 अप्रैल : आजादी का अर्थ समझाने वाले तात्या टोपे का बलिदान दिवस

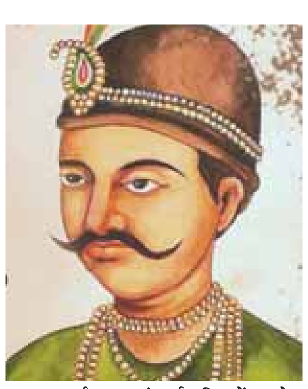

नई दिल्ली। देश में आजादी का बिगुल फूंकने वाले कई बड़े नामों में एक और नाम तात्या टोपे का भी है, जिन्होंने देश में न सिर्फ 1857 में स्वतंत्रता संग्राम की नींव रखी बल्कि पूरे देश में आजादी की चेतना का सूत्रपात किया और गुलामी को अपनी नियती मान चुकी पूरे देश की जनता को यह बताया कि आजादी क्या होती है और उसे हासिल करना कितना जरूरी है। बहुत कम लोगों को मालूम है कि तात्या टोपे का असली नाम रामचंद्र रघुनाथ टोपे था। इसके अलावा देश और दुनिया के इतिहास में 18 अप्रैल के दिन कई महत्वपूर्ण घटनाएं हुई. जिनमें जाने-माने वैज्ञानिक अल्बर्ट आइंस्टीन का निधन शामिल है।

सोनू सूद कोविड-19 से संक्रमित कैटरीना कैफ संक्रमण मुक्त हुईं

मुंबई। अभिनेता सोनू सूद ने शनिवार को कहा कि उनकी जांच में कोरोना वायरस संक्रमण की पुष्टि हुई है और फिलहाल वह पृथक-वास में हैं। सूद ने लगभग 10 दिन पहले कोविड-19 रोधी टीके की पहली खुराक ली थी।

वहीं, अभिनेत्री कैटरीना कैफ कोविड-19 संक्रमण से स्वस्थ हो गई हैं। उनकी कोरोना वायरस जांच निगेटिव आई है।

दूसरी ओर, बीमार हुए अभिनेता विनीत कुमार सिंह को अभिनेता पंकज त्रिपाठी ने दवाएं भेजी, जिसके लिए उन्होंने ट्वीट कर उनका आभार जताया।

सूद ने ट्वीट किया, आपको बताना चाहता हूं कि आज सुबह मेरी जांच में कोविड-19 की पुष्टि हुई है। एहतियात के तौर पर मैंने खुद को पृथक कर लिया है और सावधानी बरत रहा हूं। उन्होंने कहा, लेकिन घबराने की जरूरत नहीं है। मेरे पास आपकी समस्याओं का निदान करने के लिए पर्याप्त समय है। याद रखें मैं आप सबके लिए हमेशा उपलब्ध हूं।

सूद ने सात अप्रैल को कोविड-19 रोधी टीके की पहली खुराक ली थी।

वहीं, अभिनेत्री कैटरीना कैफ (37) ने शनिवार को इंस्टाग्राम पर अपनी तस्वीर साझा करते हुए कहा कि वह कोविड-19 से 10 दिन तक पीड़ित रहने बाद अब ठीक हो गई हैं और उनकी जांच में संक्रमण की पुष्टि नहीं हुई है।

अपने प्रशंसकों को धन्यवाद देते हुए उन्होंने लिखा, निगेटिव। जिन्होंने भी मेरी सुध ली उन्हें धन्यवाद।

उधर, बॉलीवुड के एक अन्य अभिनेता विनीत कुमार सिंह ने दवाएं भेजने के लिए शनिवार को पंकज त्रिपाठी को धन्यवाद दिया।

इससे पहले सिंह ने ट्वीट कर जानकारी दी थी कि उनके परिवार के सदस्यों का स्वास्थ्य ठीक नहीं है।

गैंग्स ऑफ वासेपुर और मुक्केबाज में अभिनय कर चुके सिंह इस समय वाराणसी में हैं। उन्होंने देश में कोविड-19 के मामले बढ़ने को लेकर प्रशासन पर निशाना साधा।

उन्होंने ट्वीट किया, मैं बनारस में हूं। बाजार में दवा (फेबि फ्लू) नहीं मिल रही है। निजी लैब कोविड टेस्ट करने को पांच दिन से असमर्थ हैं। बीमार को क्या दूं? आपके वादे या आपके अपार भीड़ वाली रैली की वीडियो? जो आप लोग लगातार पोस्ट कर रहे हैं? धिक्कार है। स्वार्थ अंधा बना देता है। जागें,आम आदमी दम तोड़ रहा है।

इस ट्वीट के कुछ घंटों बाद सिंह ने लिखा कि वह और उनके परिवार के सदस्य तथा दोस्त अस्वस्थ हैं। सिंह ने इसकी पुष्टि नहीं की, कि उन्हें कोविड-19 के लक्षण हैं या नहीं। अभिनेता ने दवाएं भेजने के लिए त्रिपाठी को धन्यवाद दिया और कहा कि गैंग्स ऑफ वासेपुर में जहां उनके किरदार को त्रिपाठी का किरदार मार डालता है, वहीं असल जिंदगी में त्रिपाठी ने उनकी जान बचाई। उन्होंने लिखा जिन लोगों को संदेह है, मेरे परिवार के कुछ सदस्य बीमार, मित्र बीमार हैं। यहां तक कि मैं भी बीमार हूं। हमें दवा प्राप्त हुई है। शुक्रिया, भाई पंकज त्रिपाठी।

मनीष मल्होत्रा एवं सुमित व्यास कोविड-19 से संक्रमित हुए

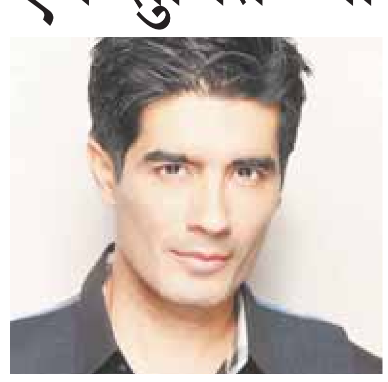

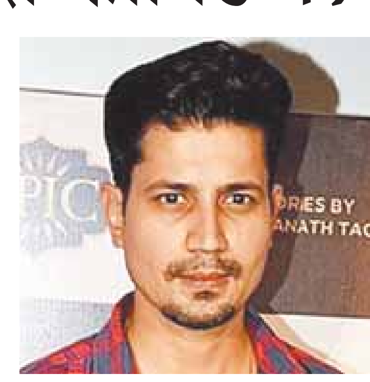

मुम्बई। फैशन डिजाइनर मनीष मल्होत्रा और अभिनेता सुमित व्यास कोविड-19 से संक्रमित हो गए हैं और वे फिलहाल घर में पृथक-वास में हैं। मल्होत्रा (54) ने इस्टाग्राम पर लिखा, जांच में मैं कोविड-19 से संक्रमित पाया गया हूं। मैंने तत्काल अपने आप को अलग-थलग कर लिया और मै पृथक-वास में रहूंगा। मैं अपने डॉक्टरों की सलाह पर सभी सुरक्षा नियमों का पालन कर रहा हूं। सुरक्षित रहिए और अपना ख्याल रखिए। व्यास (37) ने इंस्टाग्राम पर बताया कि उन्हें कोविड-19 के हल्के लक्षण हैं। उन्होंने लिखा, मैं सभी जरूरी एहतियात बरत रहा हूं, अपने डॉक्टरों द्वारा बताई गई दवाइयां ले रहा हूं और घर में पृथक-वास कर रहा हूं। उन्होंने लिखा, वैसे मुझमें बहुत कम लक्षण हैं लेकिन मैं उन लोगों से जांच कराने का अनुरोध करूंगा जो पिछले कुछ दिनों के दौरान मेरे संपर्क में आए। शुक्रवार को मुम्बई में कोविड-19 के 8839 नए मरीज सामने आए और शहर में इस महामारी के मामले बढ़कर 5,61,998 हो गए।

सैन्य बैंड के साथ निकली प्रिंस फिलिप की शवयात्रा

विंडसर (ब्रिटेन)। प्रिंस फिलिप की शवयात्रा सैन्य बैंड के साथ शुरू हो गई है और उनका ताबूत विंडसर कैसल के स्टेट एंट्रेंस से बाहर आ चुका है जिसे एक विशेष लैंड रोवर पर रखा जा रहा है। सेंट जॉर्ज चैपल तक अंत्एष्टि जुलूस की अवधि आठ मिनट होगी। सेना के वरिष्ठ कमांडर वाहन के सामने कतारबद्ध हैं और पीछे राजपरिवार के सदस्य हैं। महारानी एलिजाबेथ द्वितीय जुलूस के पीछे राजकीय बेंटले कार में सवार होंगी।

ड्यूक ऑफ एडिनबर्ग प्रिंस फिलिप के शाही औपचारिक अंतिम संस्कार के दौरान खुद उनके द्वारा चुने गए भजनों और पाठों को शामिल किया जाएगा जो उनकी पत्नी महारानी एलिजाबेथ द्वितीय, ब्रिटेन और राष्ट्रमंडल की सेवा में उनकी अटूट निष्ठा को दर्शाते हैं। शनिवार को स्थानीय समयानुसार अपराह्न तीन बजे एक मिनट के राष्ट्रीय मौन के साथ आधिकारिक रूप से विंडसर कैसल के सेंट जॉर्ज चैपल में आधिकारिक रूप से शुरू हुआ यह समारोह बिना किसी उपदेश के धार्मिक होगा जैसे का खुद ड्यूक ने चाहा था। बीते शुक्रवार 99 साल की अवस्था में उनका निधन हो गया था। बकिंघम पैलेस ने शनिवार को एक बयान में कहा, अंतिम संस्कार की व्यवस्था पर अपने जीवनकाल में ही ड्यूक ऑफ एडिनबर्ग ने सहमति जताई थी जिसमें ड्यूक के सैन्य प्रभाव व व्यक्तित्व की झलक मिलती है। इस मौके पर विंडसर के डीन कहेंगे : हम साहस, भाग्य और विश्वास के जरिए हमारी महारानी, राष्ट्र और राष्ट्रमंडल की सेवा के प्रति उनकी अटूट निष्ठा से प्रेरित हैं। महारानी ने अपने दिन की शुरुआत स्कॉटलैंड में अपने दिवंगत पति के बगल में घास पर बैठे हुए ली गई एक तस्वीर जारी कर की। महारानी (94) की 73 साल पहले फिलिप से शादी हुई थी और महारानी ने उन्हें अपनी ताकत व ठहराव करार दिया था। शाही परिवार का कोई भी सदस्य अंतिम संस्कार के कार्यक्रम में ड्यूक के बारे में कुछ नहीं कहेगा और समूचे कार्यक्रम में सिर्फ 30 लोग शामिल होंगे और वे मास्क लगाने के साथ ही सामाजिक दूरी के नियमों का पालन करेंगे। ब्रिटिश प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन भी हजारों अन्य लोगों की तरह टीवी पर यह कार्यक्रम देखेंगे। इस बीच एपी की खबर के मुताबिक प्फिलिप के ताबूत को विंडसर कैसल में शाही परिवार के निजी चैपल से कैसल के इनर हॉल ले जाया गया है। शाही अधिकारियों ने बताया कि ताबूत पर फिलिप की रॉयल नौसेना की टोपी और तलवार पुष्प चक्र के साथ रखी थी। सेना की ग्रेनेडियर्स गार्ड रेजिमेंट के जवानों का दस्ता उनके ताबूत को हॉल में लेकर आया।ताबूत को विशेष रूप से डिजाइल की गई लैड रोवर से सेंट जॉर्ज चैपल लेकर जाया जाएगा जहां फिलिप के शव को दफनाया जाएगा। शाही परिवार ने कवि सिमोन आर्मिटेज की एक कविता पर संयोजित फिलिप की तस्वीरों का एक संग्रथन (मोंटाज) भी जारी किया।